THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 12 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) चैत्र शु.11 2080 शनिवार, 1 अप्रैल 2023

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

पीएम की डिग्री की डिटेल देने का आदेश रद्द

गुजरात हाईकोर्ट ने केजरीवाल पर पच्चीस हजार रुपये जुर्माना लगाया

अहमदाबाद, 31 मार्च (एजेंसियां)। गुजरात हाईकोर्ट के सिंगल जज जस्टिस बीरेन वैष्णव ने चीफ इनफॉर्मेशन कमिश्नर (सीआईसी) के 2016 में दिए गए आदेश को रद्द कर दिया। इस आदेश में पीएमओ के जन सूचना अधिकारी (पीआईओ) और गुजरात यूनिवर्सिटी और दिल्ली यूनिवर्सिटी के पीआईओ को मोदी की ग्रेजुएशन और पोस्ट ग्रेजुएशन डिग्री की डिटेल पेश करने के निर्देश दिए गए थे।

कोर्ट ने इस मामले में आप नेता और दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल पर पच्चीस हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया, जिन्होंने पीएम के डिग्री सर्टिफिकेट्स की डिटेल मांगी थी।

यह पैसा गुजरात राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के पास जमा किया जाएगा। हाईकोर्ट ने 2 महीने पहले केस की सुनवाई पूरी कर ली थी और फैसला सुरक्षित रख लिया था।

तीसरे व्यक्ति को डिग्री देने की बाध्यता नहीं :

यूनिवर्सिटी की ओर से तर्क देते हुए सॉलिसीटर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट में कहा था कि केवल इसलिए कि कोई सार्वजनिक पद पर है, उसकी निजी जानकारी नहीं मांगी जानी चाहिए।

पीएम मोदी की डिग्री पहले से पब्लिक डोमेन में है, लेकिन डिग्री के लिए किसी तीसरे व्यक्ति को खुलासा करने के लिए आरटीआई के तहत जानकारी देने की कोई बाध्यता नहीं है। यूनिवर्सिटी को डिग्रियों का खुलासा करने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता है, खासकर तब जब यह कोई जनहित का मामला न हो।

यह है मामला

सीएम केजरीवाल ने अप्रैल 2016 में केंद्रीय सूचना आयोग (सीआईसी) को एक लेटर लिखकर पीएम मोदी की शैक्षिक योग्यता से जुड़ी जानकारी सार्वजनिक करने की मांग की थी। उन्होंने लेटर में लिखा कि इस मुद्दे पर किसी भी तरह के भ्रम को दूर करने के लिए डिग्री को सार्वजनिक किया जाना चाहिए। इसके बाद सीआईसी ने गुजरात यूनिवर्सिटी से पीएम मोदी की एमए डिग्री के बारे में केजरीवाल को जानकारी मुहैया कराने को कहा गया था। सीआईसी के इस आदेश को यूनिवर्सिटी ने हाईकोर्ट में चुनौती दी थी।

तेलंगाना में प्रति व्यक्ति की कमाई नंबर वन

तेलंगाना की प्रति व्यक्ति आय 3,08,732 रुपये है

हैदराबाद, 31 मार्च (एजेंसियां)। तेलंगाना के उद्योग, वाणिज्य और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री के.टी. रामाराव ने कहा कि राज्य ने प्रति व्यक्ति आय में अव्वल दर्जा प्राप्त किया है। केटीआर ने कहा कि तेलंगाना को 2022-23 में प्रति व्यक्ति आय में नंबर एक स्थान दिया गया है। उन्होंने ट्वीट किया कि तेलंगाना की प्रति व्यक्ति आय 2014-15 में 1.24 लाख रुपये से बढ़कर 2022-23 में 3.17 लाख रुपये हो गई है। मंत्री केटीआर ने लिखा कि प्रति व्यक्ति आय में 155 प्रतिशत की वृद्धि देश में सभी राज्यों में सबसे ज्यादा है। उन्होंने सीएम केसीआर का जिक्र करते हुए कहा, ऐसा एक दूरदर्शी मुख्यमंत्री के नेतृत्व में ही हो सका है कि तेलंगाना राज्य भारत में प्रथम स्थान पर है।

कर्नाटक दूसरे और हरियाणा तीसरे नंबर पर

राज्य मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने लोकसभा में विभिन्न राज्यों की प्रति व्यक्ति आय का विवरण प्रकट किया था। उनके मुताबिक 15 मार्च तक मौजूदा कीमतों पर तेलंगाना की प्रति व्यक्ति आय 3,08,732 रुपये है। वहीं कर्नाटक 3,01,673 रुपये के साथ दूसरे स्थान पर है। जबकि हरियाणा 2,96,685 रुपये के साथ तीसरे स्थान पर है।

बीजेपी के विरोध का केटीआर ने किया जिक्र :

केटीआर ने कहा कि तेलंगाना का यह प्रदर्शन केंद्र सरकार के विरोध के बावजूद है। तेलंगाना के वित्त मंत्री टी. हरीश राव ने पिछले महीने राज्य विधानसभा को बताया था कि तेलंगाना की प्रति व्यक्ति आय 2013-14 में 1,12,162 रुपये से बढ़कर 2022-23 में 3,17,115 रुपये होने का अनुमान है। उन्होंने कहा कि यह राष्ट्रीय प्रति व्यक्ति आय 1,70,620 रुपये से 86 प्रतिशत अधिक है।

विरोध प्रदर्शन के दौरान शर्मिला हिरासत में

हैदराबाद, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस ने वाईएसआर तेलंगाना पार्टी (वाईएसआरटीपी) की नेता वाई.एस. शर्मिला और पार्टी के अन्य नेताओं व कार्यकर्ताओं को शुक्रवार को हैदराबाद में तेलंगाना राज्य लोक सेवा आयोग (टीएसपीएससी) के कार्यालय का घेराव करते समय हिरासत में ले लिया। इससे टीएसपीएससी कार्यालय में तनाव व्याप्त हो गया, क्योंकि शर्मिला अपने समर्थकों के साथ टीएसपीएससी परीक्षा पेपर लीक को लेकर विरोध प्रदर्शन करने पहुंची थी। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को रोका और उन्हें हटने को कहा। शर्मिला ने पुलिस की कार्रवाई पर आपत्ति जताई और नियोजित विरोध को आगे बढ़ाने की कोशिश की। इससे दोनों पक्षों ने एक-दूसरे को धक्का-मुक्की करने का प्रयास किया तो हंगामा हो गया। महिला पुलिसकर्मियों ने शर्मिला को उठाया और इंतजार कर रही पुलिस की गाड़ी में बिठा दिया। अन्य प्रदर्शनकारियों को भी पुलिस ने हिरासत में लिया। बाद में उसे पुलिस थाने ले जाया गया।

इससे पहले वाईएसआरटीपी नेता ने आरोप लगाया था कि पेपर लीक मामले में केवल छोटी मछलियों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि ताकतवर खुलेआम घूम रहे हैं। उन्होंने केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से जांच की मांग की। शर्मिला ने उन्हें शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से विरोध प्रदर्शन करने की अनुमति नहीं देने के लिए राज्य सरकार की आलोचना की। उसने कहा कि जब भी वह विरोध करने की कोशिश कर रही है, पुलिस उसे घर में नजरबंद कर रही है।

नवजोत सिद्धू आज जेल से रिहा होंगे : ट्वीट पर दी जानकारी

रोडरेज केस में एक साल जेल की सजा काट रहे हैं

अमृतसर, 31 मार्च (एजेंसियां)। पंजाब कांग्रेस के पूर्व चीफ नवजोत सिंह सिद्धू 1 अप्रैल को रिहा होंगे। सिद्धू के ट्विटर पेज पर शुक्रवार को इसकी जानकारी दी गई। ट्वीट में लिखा है कि वरिष्ठ अधिकारियों ने रिहाई की सूचना दी है। सजा के दौरान कोई छुट्टी न लेने का नवजोत सिंह सिद्धू को यह बेनिफिट मिल रहा है। उन्हें रोडरेज केस में 19 मई 2022 को एक साल कैद की सजा सुनाई गई थी। सिद्धू 20 मई 2022 को जेल गए थे।

सिद्धू की सजा 19 मई को पूरी हो रही है, लेकिन छुट्टियों के चलते उन्हें पहले ही रिहा कर दिया जाएगा। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, एनडीपीएस और संगीन जुर्मों के अलावा एक महीने में सौंपे गए काम और कैदियों के आचरण के आधार पर 4 से 5 दिन की छूट दी जाती है। इसके अलावा कुछ सरकारी छुट्टियों का फायदा भी कैदी को मिलता है। नवजोत सिंह सिद्धू ने पूरी सजा के दौरान एक बार भी छुट्टी नहीं मांगी। 26 जनवरी को रिहाई के कयास थे, कैबिनेट ने फाइल नहीं भेजी :

दिसंबर 2022 से ही नवजोत सिंह सिद्धू की रिहाई को लेकर चर्चाएं शुरू हो गई थीं। पंजाब कांग्रेस का एक बड़ा धड़ा सिद्धू के

स्वागत की तैयारियों में भी जुट गया। सभी को आस थी कि 26 जनवरी 2023 को नवजोत सिंह सिद्धू रिहा हो जाएंगे। 26 जनवरी की सुबह से ही समर्थक जेल के बाहर पहुंच गए, लेकिन सिद्धू बाहर नहीं आए। जेल प्रशासन की तरफ से तकरीबन 56 लोगों की फाइल बनाई गई थी, जिन्हें अच्छे आचरण के चलते गणतंत्र दिवस के दिन जेल से रिहा होना था। गणतंत्र दिवस से पहले कैबिनेट बैठक में इस प्रस्ताव को रखा ही नहीं गया। न यह प्रस्ताव कैबिनेट में पास हुआ और न ही यह पंजाब राज्यपाल के पास हस्ताक्षर होने के लिए गया। कुछ का कहना था कि लिस्ट में नवजोत सिंह सिद्धू का नाम था ही नहीं। कांग्रेस के पंजाब प्रधान अमरिंदर सिंह राजा वडिंग और सांसद मनीष तिवाड़ी ने नवजोत सिंह सिद्धू का नाम रिहा कैदियों की लिस्ट में न होने पर आम आदमी की सरकार को कोसा था। कांग्रेस के वे नेता भी आम आदमी पार्टी के खिलाफ बोलते दिखे, जिनकी नवजोत सिंह सिद्धू के साथ कम बनती थी। वहीं नवजोत सिंह सिद्धू की पत्नी नवजोत कौर कैंसर से पीड़ित हैं। उन्हें स्टेज-2 कैंसर है। बीते दिनों नवजोत कौर ने अपने पति सिद्धू के लिए मैसेज में लिखा था कि वह उनके रिलीज होने का इंतजार नहीं कर सकती। उनकी तकलीफ बढ़ रही है। जिसके बाद कई सीनियर कांग्रेसी नेताओं ने उन्हें जल्द रिहा करने की भी मांग उठाई थी।

नई दिल्ली के अमृत उद्यान में देश भर के आदिवासी समुदाय एवं महिला स्वयं सहायता समूह के सदस्यों के साथ राष्ट्रपति मुर्मू।

सीएम बोम्मई का काफिला रोककर चुनाव आयोग की टीम ने ली तलाशी

नई दिल्ली, 31 मार्च (एजेंसियां)। कर्नाटक में 10 मई को विधानसभा चुनाव होने हैं। इसके पहले चुनाव आयोग ने सूबे की प्रशासनिक और कानून व्यवस्था अपने हाथ में ले ली है। शुक्रवार को इसकी बानगी देखने को मिली, जब कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई के काफिले को अचानक से चुनाव आयोग की फ्लाइंग स्क्वायड टीम ने रोक दी। इसके बाद बोम्मई की कार की तलाशी भी ली गई। अब इसका वीडियो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। बताया जाता है कि चुनाव आयोग की फ्लाइंग स्क्वायड की टीम ने बोम्मई के काफिले को तब रोका जब वह डोड्डाबल्लापुर में श्री घाटी सुब्रमण्य मंदिर जा रहे थे। बता दें कि राज्य में 10 मई को विधानसभा चुनाव होने हैं। इसी के मद्देनजर अचार संहिता लागू हो गया है।

90 रिटायर्ड अफसरों ने कानून मंत्री को खत लिखा

आपके बयान सुप्रीम कोर्ट पर हमले जैसे

न्यायिक स्वतंत्रता से समझौता नहीं किया जा सकता

नई दिल्ली, 31 मार्च (एजेंसियां)। 90 से ज्यादा रिटायर्ड सिविल सर्वेंट ने कानून मंत्री किरण रिजिजू के बयानों का विरोध करते हुए एक ओपन लेटर लिखा। इन ब्यूरोक्रेट्स ने कहा कि कानून मंत्री ने कई मौके पर जजों की नियुक्ति के कॉलेजियम सिस्टम और न्यायिक स्वतंत्रता पर ऐसे बयान दिए, जो सुप्रीम कोर्ट पर हमला लगते हैं। जजों की नियुक्ति, न्यायिक स्वतंत्रता और सुप्रीम कोर्ट पर दिए गए बयानों की हम निंदा करते हैं और न्यायिक स्वतंत्रता से समझौता नहीं किया जा सकता है।

कानून मंत्री ने क्या बयान दिया था

18 मार्च को किरण रिजिजू ने कहा था, कुछ रिटायर्ड जज करीब

एंटी इंडिया ग्रुप का हिस्सा बन गए हैं। ये लोग कोशिश करते हैं कि भारतीय न्यायपालिका विपक्ष की भूमिका निभाए। देश के खिलाफ इस तरह के काम करने वालों को इसकी कीमत चुकानी होगी।

देश के बाहर और भीतर भारत विरोधी ताकतें एक ही भाषा का इस्तेमाल करती हैं कि लोकतंत्र खतरे में है। इंडिया में ह्यूमन राइट्स का अस्तित्व नहीं है। एंटी इंडिया ग्रुप जो कहता है, वही भाषा राहुल गांधी भी इस्तेमाल करते हैं। इससे भारत की छवि खराब होती है।

350 से ज्यादा वकीलों ने भी किया विरोध :

कानून मंत्री के इस बयान का विरोध सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट में प्रैक्टिस करने वाले 350 से ज्यादा वकीलों भी कर चुके हैं। वकीलों के एक ग्रुप ने कहा कि इस तरह के बयान कानून मंत्री को शोभा नहीं देते। उन्होंने संवैधानिक मर्यादाओं का उल्लंघन किया है। सरकार की आलोचना करना राष्ट्र की आलोचना करना नहीं है और ना ही ये देशद्रोही गतिविधि है।

आबकारी नीति केस : मनीष सिसोदिया को झटका

स्पेशल सीबीआई कोर्ट ने खारिज कर दी जमानत याचिका

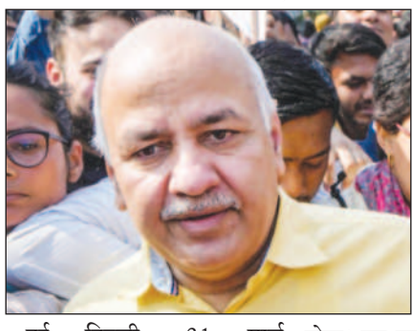

नई दिल्ली, 31 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली के आबकारी नीति केस में तिहाड़ जेल में बंद पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया निचली अदालत से शुक्रवार को बड़ा झटका लगा है।

दिल्ली की विशेष सीबीआई अदालत ने इस केस में सिसोदिया की जमानत याचिका खारिज कर दी है। निचली अदालत के फैसले के खिलाफ मनीष सिसोदिया दिल्ली हाईकोर्ट में अपील करेंगे। आबकारी केस में सिसोदिया को 26 फरवरी को सीबीआई ने गिरफ्तार किया था। वह सीबीआई के साथ ही प्रवर्तन निदेशालय की जांच का भी सामना कर रहे हैं। सिसोदिया की न्यायिक हिरासत 5 अप्रैल को खत्म हो रही है।

सीबीआई की दलील से पहले पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने ट्रायल कोर्ट में अपनी जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान कहा था कि उन्हें हिरासत में रखने से सीबीआई का मकसद पूरा नहीं होगा। इस मामलें में सभी रिकवरी पहले ही की जा चुकी हैं। सिसोदिया ने कहा था, मैंने, सीबीआई की जांच में पूरा सहयोग किया। उन्होंने जब बुलाया, उनके पास हाजिर हुआ।

उन्होंने अपनी जमानत याचिका में इस बात का हवाला भी दिया था कि पब्लिक लाइफ में एक्टिव होने की वजह से समाज में उनकी गहरी जड़ें हैं। इस बात को ध्यान में रखते हुए वह जमानत पाने के हकदार हैं।

सीबीआई ने किया था जमानत का विरोध :

वहीं, सीबीआई के वकील डीपी सिंह ने पिछले सप्ताह मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका का यह कहते हुए विरोध किया था कि अगर उन्हें जमानत दी जाती है, तो वह जांच को प्रभावित कर सकते हैं। उनका प्रभाव और हस्तक्षेप बड़े पैमाने पर है।

सीबीआई ने दावा किया था कि सिसोदिया ने कहा कि उन्होंने फोन इसलिए तोड़ दिए थे, क्योंकि वो अपग्रेड करना चाहते थे, जो वो बता रहे हैं वो सच नहीं है। हकीकत यह है कि उन्होंने चैट को खत्म करने के लिए ऐसा किया। ऐसे में उन्हें जमानत मिली तो वह सबूतों को नष्ट कर सकते हैं।

26 फरवरी को हुए थे गिरफ्तार

मनीष सिसोदिया को सीबीआई ने 26 फरवरी को गिरफ्तार किया था। 7 दिन की सीबीआई रिमांड के बाद कोर्ट ने 6 मार्च को सिसोदिया को 20 मार्च (14 दिन) की न्यायिक हिरासत में तिहाड़ जेल भेजा था। यहीं ईडी दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम से शराब नीति में मनी लॉन्ड्रिंग केस में पूछताछ कर रही थी। इससे पहले 7 मार्च को एजेंसी ने तिहाड़ जेल में सिसोदिया से 6 घंटे पूछताछ की थी।

अमृतपाल की तलाश में 300 डेरों में सर्च

अमृतसर, 31 मार्च (एजेंसियां)। वारिस पंजाब दे का चीफ खालिस्तान समर्थक अमृतपाल 14वें दिन भी फरार है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक अमृतपाल के धार्मिक स्थलों में छुपने का इनपुट मिला है। जिसके बाद अमृतसर स्थित स्वर्ण मंदिर समेत पंजाब के सभी धर्मस्थलों की सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

पंजाब के 300 से ज्यादा डेरों में सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। पुलिस के टारगेट पर जालंधर, कपूरथला, होशियारपुर और बठिंडा के डेरे हैं। इसके लिए ड्रोन की भी मदद ली जा रही है। पुलिस एक स्विफ्ट कार की तलाश कर रही है। जिसमें होशियारपुर में इनोवा छोड़ अमृतपाल फरार हुआ।

इस इनोवा के ड्राइवर चरणजीत सिंह को जालंधर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। यह दो दिन पहले अमृतपाल व पपलप्रीत सिंह को लेकर जा रहा था, लेकिन पुलिस से घेरे जाने के बाद वह इनोवा को होशियारपुर के गुरुघर में छोड़ कर भाग गए। इसके साथ पंजाब पुलिस ने अमृतपाल सिंह के साथी जोगा सिंह को भी गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक जोगा 2 हफ्ते पहले अमृतपाल के साथ भागा था। तब अमृतपाल ने उसे अपना मोबाइल दे दिया और उसे लेकर भागने को कहा ताकि पुलिस को मोबाइल लोकेशन के वजह से गुमराह किया जा सके।

वहीं संगरूर से शिअद (अमृतसर) के सांसद सिमरनजीत सिंह मान ने कहा कि अमृतपाल को सरेंडर नहीं करना चाहिए। उसने गलती की। साथ में ही बॉर्डर था, नेपाल जाने की क्या जरूरत थी, रावी पार कर पाकिस्तान चला जाता। हम 1984 के बाद भी गए थे। जिंदगी खतरे में हो और सरकार ऐसा जुल्म करती हो तो सिख इतिहास में यह सब जायज है।

उधर गुरुवार को 28 घंटे में अमृतपाल का दूसरा वीडियो सामने आया। जिसमें अमृतपाल ने कहा कि मैं विदेश नहीं भागूंगा। जल्द ही लोगों के सामने आऊंगा। अमृतपाल ने कहा कि मैं भगोड़ा नहीं हूं, बस बगावत के दिन काट रहा हूं। इससे पहले बुधवार को अमृतपाल का पहला वीडियो और गुरुवार को ही ऑडियो भी सामने आ चुका है। अमृतपाल का दूसरा वीडियो कैनेडा, यूके, ऑस्ट्रेलिया, दुबई, जर्मनी, अमेरिका के 8 आईपी एड्रेस से इंटरनेट पर डाला गया है।

पोलैंड के राजदूत एडम ने कहा भारत फिर मिलेंगे

नई दिल्ली, 31 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली में कार्यरत पोलैंड के राजदूत एडम बुराकोव्सकी ने कहा कि भारत फिर मिलेंगे। एडम अब दक्षिण अफ्रीका में अपने नए कार्यकाल की शुरूआत करेंगे। भारत छोड़ने से पहले उन्होंने हिंदी में बात करते हुए कहा कि भारत फिर मिलेंगे।

हिंदी बहुत पसंद आई :

एडम ने कहा कि भारत से 26 साल पुराना मेरा रिश्ता है। मैं 1997 में पहली बार एक टूरिस्ट की तरह भारत आया था। मैंने भारत में काफी जगह घूमी थीं। तभी मुझे भारत से प्यार हो गया था। मुझे हिंदी भाषा पसंद आई, मैंने हिंदी सीखना शुरू किया। भारतीय संस्कृति, इतिहास और राजनीति में रुचि विकसित की। मेहनत करते-करते मैं आज भारतीय राजनीति विज्ञान का विशेषज्ञ बन गया।

पोलैंड में कुछ स्थानों का नाम महाराजाओं के नाम पर रखा गया है। क्योंकि, द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान, भारत ने 6000-7000 पोलैंड शरणार्थियों को शरण दी थी। पोलैंड भी भारत की मदद करता है।

मुख्यमंत्री पी विजयन के खिलाफ आपदा राहत कोष मामला

केरल लोकायुक्त की बड़ी पीठ करेगी सुनवाई

कोच्चि, 31 मार्च (एजेंसियां)। केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन के खिलाफ मुख्यमंत्री आपदा राहत कोष मामला लोकायुक्त की बड़ी पीठ के पास भेजा गया है। बता दें कि मुख्यमंत्री आपदा राहत कोष में कथित हेराफेरी के आरोप लगे हैं। मुख्यमंत्री पिनारई विजयन और कई मंत्रियों पर आरोप है कि मुख्यमंत्री आपदा राहत कोष का दुरूपयोग किया गया। इस मामले की जांच के लिए केरल हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई थी। हालांकि हाईकोर्ट ने याचिकाकर्ता को भ्रष्टाचार पर रोक के लिए गठित लोकायुक्त के पास जाने का निर्देश दिया। इसके बाद लोकायुक्त ने मामले की जांच शुरू की।

सहायता देने में पक्षपात करने के आरोप :

आरोप है कि मुख्यमंत्री आपदा राहत कोष को पक्षपातपूर्ण तरीके से बांटा गया। लाभार्थियों में सीपीआई (एम) के विधायक के परिवार के लोग शामिल हैं। साथ ही केरल पुलिस के एक अफसर के परिजनों को भी लाभ दिया गया। दोनों का निधन हो चुका है और उनके परिवारों को मुख्यमंत्री आपदा राहत कोष से वित्तीय सहायता दी गई, जिसमें नियमों का उल्लंघन किया गया। साल 2019 में मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन को लोकायुक्त ने इस मामले में नोटिस भी जारी किया था।

शिकायतकर्ता का आरोप है कि कई बार सुरक्षा कर्मियों की ड्यूटी के दौरान मौत हुई लेकिन मुख्यमंत्री आपदा राहत कोष के तहत उनके परिवारों को वित्तीय सहायता नहीं दी गई। साथ ही नियमों के मुताबिक जिन लोगों की वार्षिक आय एक लाख रुपये से अधिक है, उन्हें भी मुख्यमंत्री आपदा राहत कोष के तहत वित्तीय सहायता नहीं मिल सकती लेकिन मंत्रीपरिषद ने दिशा-निर्देशों का उल्लंघन किया गया।

बेगुनाहों की जान लेने की जिम्मेदारी किसकी

2 बॉडी और मिलीं, अब 36 मौतें:मंदिर ट्रस्ट अध्यक्ष पर गैर इरादतन हत्या का केस, सीएम पहुंचे तो भीड़ ने मुर्दाबाद के नारे लगाए

इंदौर, 31 मार्च (एजेंसियां)। इंदौर के बेलेश्वर महादेव झूलेलाल मंदिर हादसे में 36 लोगों की जान चली गई। मामले में मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष सेवाराम गलानी पर गैर इरादतन हत्या का केस दर्ज किया गया है। 20 से ज्यादा लोगों का अभी इलाज चल रहा है। देर रात तक रेस्क्यू ऑपरेशन चलता रहा। रात 12 से 1.30 बजे के बीच 16 शव और निकाले गए। शुक्रवार सुबह रेस्क्यू दोबारा शुरू किया गया। मंदिर की दीवार और बावड़ी की स्लैब तोड़ी गई।

आर्मी और प्रशासन की कई टीमें रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटी रहीं। 53 वर्षीय सुनील नाम के शख्स का शव शुक्रवार दोपहर करीब 12 बजे बाहर निकाला। रेस्क्यू ऑपरेशन पूरा हो चुका है। घटनास्थल के पास एक धर्मशाला में पटेल समाज के लोग इकट्ठा हुए थे। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान शुक्रवार सुबह उनसे मिलने पहुंचे। यहां भीड़ ने हाय-हाय और मुर्दाबाद के नारे लगाए। हादसे में पटेल समाज के 11 लोगों की मौतें हुई है। समाज के पदाधिकारियों ने कहा- जिन लोगों के यहां मौत हुई है, उनके परिवार से सीएम को मिलना चाहिए था। अफसरों ने पहले बताया गया था कि मुख्यमंत्री परिवार से मिलेंगे और उनकी पीड़ा जानेंगे। बाद में कार्यक्रम कैंसिल कर दिया गया।

रामनवमी पर हो रहा था हवन

करीब 60 साल पुराने मंदिर में गुरुवार को रामनवमी पर यहां पूजा की जा रही थी। 11 बजे हवन शुरू हुआ था। मंदिर परिसर के अंदर बावड़ी की गर्डर फर्शी से बनी छत पर 60 से ज्यादा लोग बैठे थे। दोपहर करीब सवा बारह बजे स्लैब भरभराकर गिर गया। सभी लोग 60 फीट गहरी बावड़ी में जा गिरे। मरने वालों में 21 महिलाएं और 15 पुरुष हैं। इनमें 3 बच्चे और एक बच्ची है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार सुबह घायलों और उनके परिजन से मुलाकात की। उन्होंने कहा- 'घायलों का इलाज सरकार कराएगी।

प्रदेश में ऐसे ढंके हुए कुएं-बावड़ी की तलाश कर खोले जाएंगे ताकि फिर कोई हादसा न हो।' इसके बाद घटनास्थल का दौरा भी किया। प्रत्यक्षदर्शी लक्ष्मीकांत पटेल ने बताया कि पहली बार हवन अंदर हुआ था, क्योंकि अगले साल से मूर्तियां नए मंदिर में शिफ्ट होने वाली थीं, इसलिए फैसला किया गया था कि भगवान के सामने ही हवन करेंगे। यही वजह रही कि बावड़ी पर इतनी भीड़ जमा हो गई।

रेस्क्यू किए गए राजेश बोले- फर्शियां गिर रही थीं, सब चिल्ला रहे थे

राजेश यादव भी बावड़ी में गिरे थे। रेस्क्यू टीम ने उनको बाहर निकाल लिया। उन्होंने बताया, 'पूर्णाहुति के समय अचानक जमीन धंस गई। हम बावड़ी में जा गिरे। सब चिल्ला रहे थे। मैं जैसे तैसे बावड़ी के कोने तक पहुंचा। आसपास की फर्शियां धंस रही थीं। मेरे साथ 10-12 लोग पत्थर पकड़ कर रुक गए। एक महिला को रस्सी से ऊपर ले जा रहे थे, तभी वह ऊपर से गिरी उन्हें नहीं बचा पाए।' उधर बावड़ी में बार-बार पानी भर रहा था, जिससे बचाव प्रभावित हुआ। सीवरेज का पानी भी आ रहा था। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से रस्सियों के सहारे कुएं से लोगों को निकाला। अफसरों को अंदेशा है कि कुछ और शव अभी भी मलबे में दबे हो सकते हैं।

रेस्क्यू ऑपरेशन कितना मुश्किल था

बावड़ी में पानी ज्यादा होने से रेस्क्यू में परेशानी आई। जिसके बाद पानी को पंप की मदद से बाहर निकाला गया। पानी कम होने पर फिर रेस्क्यू शुरू किया गया। एसडीआरएफ के डीआईजी महेशचंद्र जैन ने बताया कि कुएं में बहुत ज्यादा पानी था, कुछ दिख नहीं रहा था। पानी को लगातार खाली किया गया। जिसके बाद और भी डेडबॉडी उसमें दिखीं। उन्होंने बताया कि एसडीआरएफ, एसडीईआरएफ, आर्मी की टीम, पुलिस और प्रशासन रेस्क्यू में लगा है। शुरुआत में करीब 20 लोगों को सकुशल बावड़ी से बाहर निकाला गया। इनमें से घायलों को अस्पताल भिजवाया गया।

लोगों को पता ही नहीं था वह बावड़ी पर बैठे हैं

स्थानीय प्रशासन के मुताबिक, मंदिर समिति ने बिना अनुमति 30 साल पहले अवैध ढंग से बावड़ी को ढंक दिया। पूजा कर रहे लोगों को भी पता ही नहीं था कि वे बावड़ी पर बैठे हैं। निगम के रिकॉर्ड में दर्ज 629 बावड़ियों की सूची में पटेल नगर की बावड़ी का कहीं जिक्र ही नहीं था। समिति ने बावड़ी पर जाली ढक कर ऊपर फर्श बना दिया था। पिछले साल अवैध निर्माण की शिकायत के बाद निगम ने नोटिस जारी किया तो समिति अध्यक्ष सेवाराम गलानी ने बावड़ी खोलने की बात कही थी। नेताओं के हस्तक्षेप के कारण निगम ने भी सिर्फ नोटिस देकर जिम्मेदारी पूरी कर ली और कार्रवाई से बचता रहा।

केरल में एक करोड़ रुपये के प्रतिबंधित नोट जब्त

कासरगोड, 31 मार्च (एजेंसियां)। केरल के कासरगोड जिले में एक बंद पड़े घर से एक करोड़ रुपये के प्रतिबंधित 1000 रुपये के नोट बरामद किये गये। कासरगोड जिले के मुंदियाथादुक्का के मूल निवासी शफी के घर में नोटों की पांच बोरियां मिलीं है। बठियादुक्का पुलिस ने मामला दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। पुलिस संकेत दे रही है कि जो लोग घर में ठहरे थे, उनके रियल एस्टेट माफिया से संबंध हो सकते हैं। रात के समय अज्ञात लोगों के आने-जाने को देख क्षेत्रवासियों ने पुलिस को सूचना दी। तब बठियादुक्का उप निरीक्षक विनोद कुमार के नेतृत्व में एक टीम ने निरीक्षण किया। पुलिस ने घटना में मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश तेज कर दी है। नोटों के बंडलों के साथ-साथ नोटों के आकार के कागज के बंडल भी मिले हैं। बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2016 में नोटबंदी की घोषणा की थी। सरकार की ओर एक हजार के नोट को बैन करने का एलान किया गया था। सरकार ने लोगों को एक हजार रुपये के नोट बैंकों में जमा कराने के पर्याप्त समय दिए। जिनके पास 1000 रुपये के नोट थे उन लोगों ने इसे बैंक में जमा करवाकर इसके बदले दूसरे नो प्राप्त किए। हालांकि, कई लोग इसके बावजूद किन्हीं कारणों से 1000 रुपये के नोट जमा कराने से वंचित रह गए। इसे नोटबंदी या डिमोनेटाइजेशन के नाम से जाना जाता है। उसी समय दो हजार रुपये का नोट जारी किया गया था। सरकार का कहना था कि काला धन वापस लाने के लिए ऐसा किया गया। हालांकि, विपक्ष ने इसका जबर्दस्त विरोध किया था। हाल में सुप्रीम कोर्ट ने सरकार के इस फैसले को सही ठहराया। इससे पहले देश में नोटबंदी 1964 में की गई थी।

शोभायात्रा हिंसा, गुजरात-महाराष्ट्र और बंगाल में 80 गिरफ्तार

ममता बनर्जी बोलीं- पहले ही चेताया था, मुस्लिम इलाकों से न जाएं

वडोदरा/ संभाजीनगर/ कोलकाता, 31 मार्च (एजेंसियां)। देशभर में गुरुवार को रामनवमी का पर्व धूमधाम से मनाया गया। कुछ राज्यों में हिंसा और आगजनी की खबरें भी सामने आईं। गुजरात के बडोदरा, महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर-जलगांव, पश्चिम बंगाल के हावड़ा-इस्लामपुर और लखनऊ में दो समुदायों के बीच झड़प के बाद पथराव और आगजनी की घटनाएं हुईं। अब तक तीन राज्यों में हिंसा के केस में 80 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें गुजरात में 24, महाराष्ट्र में 20 और बंगाल में 36 लोग शामिल हैं। पुलिस इन इलाकों में लगातार गश्त कर रही है। अभी हालात सामान्य हैं। बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने कहा, 'मैंने पहले ही चेताया था कि मुस्लिम इलाकों से शोभायात्रा न ले जाएं, लेकिन भाजपा के लोग जानबूझकर इन इलाकों को टारगेट करते हैं। ये खुद दंगा करवाना चाहते हैं।'

आइए एक-एक राज्य की घटना सिलसिलेवार जानते हैं...

1. गुजरातः शोभायात्रा में पथराव, अब तक 24 गिरफ्तार

गुजरात के वडोदरा शहर में गुरुवार को दो जगहों पर रामनवमी शोभायात्रा में पथराव हुआ। पहली घटना फतेहपुरा क्षेत्र के पंजरीगर मोहल्ले के पास दोपहर में हुई, जबकि दूसरी घटना शाम को नजदीकी कुंभरवाड़ा में हुई। पुलिस के मुताबिक, फतेहपुरा क्षेत्र में हुई घटना में कोई घायल नहीं हुआ, जबकि कुंभरवाड़ा में रामनवमी के जुलूस पर हुए पथराव में एक महिला समेत कुछ लोग घायल हो गए। पंजरीगर मोहल्ले के जुलूस का आयोजन विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) ने किया था। वहीं, दूसरा जुलूस स्थानीय निवासियों द्वारा आयोजित किया गया था।

स्थानीय भाजपा विधायक मनीषा वकील उस जुलूस का हिस्सा थीं, जिस पर कुंभरवाड़ा में पथराव किया गया। विधायक ने कहा, "जब शोभा यात्रा शांतिपूर्वक गुजर रही थी, तो कुछ लोगों ने अचानक हम पर पत्थर फेंकना शुरू कर दिया। कुछ महिलाएं घायल हो गईं। कुछ घायलों ने बताया कि पत्थर पास की छतों से फेंके गए थे। पुलिस का कहना है कि घटना उस समय की है, जब जुलूस एक मस्जिद के निकट पहुंचा और लोगों ने मौके पर पहुंचना शुरू कर दिया। यह सांप्रदायिक दंगा नहीं है। हमने भीड़ को तितर-बितर किया और जुलूस आगे बढ़ा। गुजरात के गृह मंत्री हर्ष सांघवी ने कहा, 'वडोदरा में रामनवमी के जुलूस के दौरान फतेहपुरा और कुंभरवाड़ा इलाके में पथराव किया गया। 22 लोग पकड़े गए हैं। सीसीटीवी फुटेज की मदद से आरोपियों की पहचान की जा रही है। अतिरिक्त बल वडोदरा भेजा गया है। पत्थरबाजों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी।'

अदालतों में नियुक्तियों को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने जम्मू-कश्मीर हाईकोर्ट रजिस्ट्रार से मांगा जवाब

जम्मू/नई दिल्ली, 31 मार्च (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने अदालतों में नियुक्तियों में पक्षपात के आरोप वाली याचिका पर जम्मू-कश्मीर उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल से जवाब मांगा है। दरअसल, आरोप है कि केंद्र शासित प्रदेश में न्यायिक संस्थानों और अदालतों में नियुक्तियों में पूर्व न्यायाधीशों एवं कर्मचारियों के रिश्तेदारों को तरजीह दी गई। प्रधान न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने शुरू में याचिकाकर्ता गैर-सरकारी संगठन 'जम्मू एंड कश्मीर पीपुल्स फोरम' के वकील को सलाह दी कि उन्हें अपनी याचिका उच्च न्यायालय में दायर करनी चाहिए। हालांकि, प्रधान न्यायाधीश चंद्रचूड़ ने न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला के साथ विचार करने के बाद याचिका पर उच्चतम न्यायालय में ही सुनवाई करने का फैसला किया और उच्च न्यायालय के वकील से चार सप्ताह के अंदर जवाब देने को कहा। उच्चतम न्यायालय ने अपने आदेश में कहा, जम्मू एवं कश्मीर उच्च न्यायालय की ओर से पेश वकील के अनुरोध पर, जवाबी हलफनामा दाखिल करने का समय चार सप्ताह में और बढ़ाया जाता है। जवाबी हलफनामा जम्मू कश्मीर उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल द्वारा विशेष रूप से उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश से निर्देश लेने के बाद दायर किया जाएगा। पीठ ने याचिका पर अगली सुनवाई के लिए 28 अप्रैल की तारीख तय की। अभी न्यायमूर्ति एन. कोटिश्वर सिंह जम्मू कश्मीर उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश हैं। उन्होंने इसी साल 15 फरवरी को इस पद की शपथ ली थी। सर्वोच्च अदालत पिछले साल दो सितंबर को एनजीओ द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई के लिए तैयार हो गई थी। अदालत ने तब नोटिस जारी किया था और जम्मू-कश्मीर उच्च न्यायालय से उसके प्रशासनिक पक्ष पर प्रतिक्रिया मांगी थी।

पाक में एचसी ने खत्म किया राजद्रोह कानून

शशि थरूर ने बीजेपी सरकार पर साधा निशाना

नई दिल्ली, 31 मार्च (एजेंसियां)। पाकिस्तान की एक हाई कोर्ट की ओर से कल गुरुवार को ब्रिटिश औपनिवेशिक काल के बदनाम कानूनों में से उस राजद्रोह कानून को रद्द कर दिया गया, जिसके तहत केंद्र की संघीय और प्रांत की सरकारों की आलोचना को अपराध माना जाता था। पाकिस्तानी कोर्ट से कानून को रद्द किए जाने के फैसले पर कांग्रेस नेता शशि थरूर ने केंद्र पर निशाना साधते हुए कहा कि भारत में बीजेपी सरकार कानून में संशोधन करने को लेकर अभी भी उत्साहित नहीं है। कांग्रेस के लोकसभा सांसद शशि थरूर ने पाकिस्तान के हाई कोर्ट के फैसले पर 2 ट्वीट किए, उन्होंने अपने पहले ट्वीट में कहा, पाकिस्तान के हाई कोर्ट ने उसी ब्रिटिश औपनिवेशिक दौर के राजद्रोह कानून को रद्द कर दिया, जिसे अपने यहां की बीजेपी सरकार संशोधित करने के लिए अनिच्छुक बनी हुई है।

2014 में मैंने प्राइवेट मेंबर्स बिल पेश किया था

शशि थरूर ने अपने दूसरे ट्वीट में कहा, मेरी ओर से 2014 में लाए गए प्राइवेट मेंबर्स बिल में और कांग्रेस की 2019 के घोषणा पत्र में राजद्रोह कानून में संशोधन किए जाने को लेकर तर्क दिए गए हैं जिससे इसे सुप्रीम कोर्ट के फैसलों के हिसाब से लाया जा सके। कोर्ट के फैसले राजद्रोह को देश के खिलाफ हिंसा के लिए उकसाने पर प्रतिबंधित करते हैं। जबकि सच्चाई यह है कि हमारे देश में इस कानून का जमकर दुरुपयोग ही किया जाता है। इससे पहले लाहौर हाई कोर्ट ने कल पाकिस्तान दंड संहिता की धारा 124ए के प्रावधानों को रद्द घोषित कर दिया, जिसे राजद्रोह कानून भी कहा जाता है। धारा 124ए के नियम ने ही इस प्रावधान के तहत सरकार के खिलाफ विद्रोह, आलोचना या असंतोष में शामिल होना अपराध की श्रेणी में माना जाता है। लाहौर हाई कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि यह कानून संविधान के प्रावधानों के अनुरूप नहीं है। लाहौर हाई कोर्ट के जस्टिस शाहिद करीम ने राजद्रोह से संबंधित पाकिस्तान दंड संहिता की धारा 124ए को रद्द घोषित कर दिया। जस्टिस करीम ने इस विवादित कानून को रद्द करने की मांग वाली कई याचिकाओं पर अपना फैसला सुनाया।

राजद्रोह कानून पर भारत में स्थिति क्या

यह विवादित कानून औपनिवेशिक शासनकाल के दौर में बनाया गया था। आजादी के बाद भारत और पाकिस्तान ने इस कानून को अपने यहां बनाए रखा।

आजादी से पहले स्वतंत्रता संग्राम के दौरान ब्रिटिश शासकों ने विद्रोह को दबाने के लिए इस कानून का जमकर इस्तेमाल किया। कई महान स्वतंत्रता सेनानी बाल गंगाधर तिलक, एनी बेसेंट, मौलाना अबुल कलाम आजाद और महात्मा गांधी समेत कई लोगों के खिलाफ आईपीसी की धारा 124ए के तहत मामले दर्ज किए गए, तथा जेल में डाल दिया गया। भारत और पाकिस्तान दोनों ही देशों में राजद्रोह के लिए 124ए का इस्तेमाल किया जाता रहा है। भारत में पिछले साल मई में सुप्रीम कोर्ट ने राजद्रोह के कानून के इस्तेमाल पर आंशिक रूप से रोक लगा दी। सुप्रीम कोर्ट ने तब कहा था कि केंद्र सरकार जब तक इस कानून की समीक्षा नहीं कर लेती तब तक राजद्रोह कानून की धारा के तहत कोई नया एफआईआर दर्ज न किया जाए। साथ ही लंबित मामलों पर कोई कार्रवाई न की जाए।

सतना जिले में दो बड़े सड़क हादसों में चार श्रद्धालुओं की मौत, दो दर्जन से ज्यादा घायल

सतना, 31 मार्च (एजेंसियां)। जिले में रात अमरपाटन और कोठी में दो बड़े हादसे हो गए। इसमें चार दर्शनार्थियों की मौत हो गई। वहीं दो दर्जन से ज्यादा श्रद्धालु घायल हो गए। सभी को इलाज के लिए अस्पताल में एडमिट कराया गया है। पहला सड़क हादसा अमरपाटन थाना क्षेत्र के ग्राम असरार के पास हुआ। यहां तेज रफ्तार श्रद्धालुओं से भरी ट्रॉली अनियंत्रित होकर पलट गयी।

इसमें 19 ज्यादा लोग घायल हो गई। घटना में दो श्रद्धालुओं की मौत हो गई। 7 गंभीर घायलों को सतना जिला अस्पताल रेफर किया गया है। बाकियों का उपचार अमरपाटन में चल रहा है। बताया जा रहा है सभी मैहर मां शारदा देवी के दर्शन करके घर जा रहे थे। ग्राम खोखम के आसपास के करीब 30 लोग ट्रैक्टर ट्राली में सवार थे घटना का शिकार हो गए।

पति भीख मांगता हो तो भी पत्नी को गुजारा भत्ता देना उसकी जिम्मेदारी

हाईकोर्ट ने सुनाया अहम फैसला

चंडीगढ़, 31 मार्च (एजेंसियां)। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने एक बड़ा फैसला लिया है। अक्सर तलाक या किसी और वजह से पति-पत्नी के बीच जब रिश्ता खत्म हो जाता है तो सबसे ज्यादा असर महिलाओं पर पड़ता है। उन्हें काफी परेशानियां उठानी पड़ती है। ज्यादातर देखा जाता है कि महिलाओं घरों से बाहर निकलकर नौकरी नहीं कर पाती। उनका पूरा वक्त घर की देखभाल और जिम्मेदारी संभालते निकल जाता है। पति ही ज्यादातर कमाई करते है। ऐसे में अलग होने के बाद महिलाओं के सामने गुजारे का एक बड़ा संकट खड़ा हो जाता है। पति से अलग होने के बाद महिलाएं अचानक न तो जॉब करने लगती हैं और न ही उन्हें नौकरी मिलता है। वे अचानक घर का काम छोड़कर काम भी नहीं पाती। ऐसे में आय का साधन नहीं होने पर महिलाओं का काफी दिक्कतों का सामने करना पड़ता है।

पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने सुनाया अहम फैसला

एक मामले की सुनवाई के दौरान पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने कहा कि पति अगर भीख भी मांगता हो तो उसे पत्नी को गुजारा भत्ता देना होगा। ये उसकी नैतिक और कानूनी जिम्मेदारी है। दरअसल, हाईकोर्ट में चरखी दादरी फैमिली कोर्ट के उस फैसले पर सुनवाई हो रही थी जिसमें पति को गुजारा भत्ते के तौर पर पत्नी को 5 हजार रुपये हर महीने देने का निर्देश दिया गया था। फिर इस फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दी गई थी।

सुनवाई के बाद

हाईकोर्ट ने पति की याचिका को खारिज कर दिया था। अदालत का कहना था कि पति अगर पेशे से भिखारी ही क्यों न हो उसे पत्नी को गुजारा भत्ता देना चाहिए। दरअसल, पति की तरफ से दायर याचिका में कहा गया था कि उसकी आमदनी काफी कम है। ऐसे में वो पत्नी को गुजारा भत्ता देने में असमर्थ है। पति का कहना था कि पत्नी के पास कमाई के साधन हैं। फिर भी वो गुजारा भत्ता का डिमांड कर रही थी। कोर्ट ने पति की दलीलों को सुनने के बाद पत्नी के हक में फैसला सुनाया। हाईकोर्ट ने कहा कि आज दिहाड़ी करने वाला शख्स भी रोजाना 500 रुपया काम लेता है। ऐसे में 5 हजार रुपये की राशि ज्यादा नहीं है।

महाराष्ट्र के 17 लाख कर्मचारियों में रोष

7 दिन की हड़ताल पर गए तो सरकार ने काटा वेतन

मुंबई, 31 मार्च (एजेंसियां)। पुरानी पेंशन की मांग को लेकर 7 दिनों तक हड़ताल किए कर्मचारियों को सरकार की तरफ से बड़ा झटका दिया गया है। सरकार ने एक आदेश जारी कर हड़ताल पर गए कर्मचारियों की 7 दिन की वेतन कटौती का आदेश जारी कर दिया है। लगभग 17 लाख कर्मचारी इससे से प्रभावित हुए हैं। 7 दिन के हड़ताल के बाद सरकारी कर्मियों की मांग पूरी नहीं हुई, उल्टे इनकी 7 दिन की वेतन कटौती का आदेश जारी किया गया है। सरकारी कर्मचारी जो हड़ताल पर गए थे उनमें काफी ज्यादा असंतोष देखा जा रहा है। कर्मचारियों द्वारा हड़ताल वापस लेने पर मुख्यमंत्री ने आश्वस्त किया था कि हड़ताली कर्मचारियों पर किसी तरह की कार्रवाई नहीं की जाएगी, लेकिन इस आश्वासन के बाद भी 7 दिन का बिना वेतन असाधारण अवकाश मंजूर करने से राज्य के 17 कर्मचारियों में रोष देखा जा रहा है। महाराष्ट्र राज्य सरकारी कर्मचारी मध्यवर्ती संगठन और अन्य कर्मचारी संगठनों की पुरानी पेंशन योजना लागू करने की मांग को लेकर 14 मार्च से 21 मार्च तक की अवधि में बेमियादी राज्य स्तरीय हड़ताल की गई थी। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे द्वारा कर्मचारियों पर कोई अन्याय नहीं करने का आश्वासन देने के बाद हड़ताल वापस ली गई थी, लेकिन सरकार हड़ताल की अवधि का वेतन नहीं देने के आदेश जारी किए है, इसलिए मांग मंजूर हुई नहीं, इसके विपरीत वेतन कटौती पर हड़ताल में शामिल कर्मचारियों को बड़ा झटका दिया है।एक मिशन पुरानी पेंशन योजना लागू करने के लिए 14 से 20 मार्च तक राज्य के 17 लाख सरकारी कर्मचारी हड़ताल पर थे। सरकार ने इस दौरान 14 मार्च को पेंशन की समीक्षा करने के लिए एक अभ्यास समिति गठित की थी, फिर भी कर्मचारियों ने हड़ताल जारी रखी थी। सरकार ने बीच का रास्ता निकालने के लिए 20 मार्च को फिर से कर्मचारी संगठनों के साथ बैठक की थी।

दिल्ली के वजीरपुर में लगी आग! केमिकल फैक्ट्री से निकली लपटों से खाक हुई कार

नई दिल्ली, 31 मार्च (एजेंसियां)। राजधानी दिल्ली के वजीरपुर इंडस्ट्रियल एरिया में आज सुबह सवेरे आग लग गई। मिली जानकारी पर दमकल विभाग इलाके में आग बुझाने के लिए पहुंचा। ये आग एक केमिकल फैक्ट्री में लगी थी। फैक्ट्री के अंदर रखे एलपीजी सिलेंडर में ब्लास्ट होने की वजह से पास में खड़ी एक कार में भी आग लग गई। आग का आलम ऐसा था कि लपटें पास की सड़क तक आ रहीं थी जिस वजह से रास्ते में ट्रैफिक भी प्रभावित हो गया। वक्त रहते पहुंची दमकल विभाग की गाड़ियों ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। खबर लिखे जाने तक मौके पर फायर ब्रिगेड की 25 गाड़ियां आग पर काबू पाने की कोशिश में लगी हुई हैं। फैक्ट्री में आग लगने के बीच सबसे राहत की बात ये रही कि बिल्डिंग के अंदर कोई भी मौजूद ही नहीं था इसलिए फिलहाल इस आग से किसी के भी हताहत होने की कोई खबर नहीं है। आग लगने की वजह से पूरी इमारत काफी जर्जर हो गई है और कब कभी भी गिर सकती है जिसे देखते हुए आसपास के तमाम इमारतों को फायर डिपार्टमेंट ने खाली करा लिया है और किसी को भी अंदर जाने की मनाही है। घटनास्थल पर मौजूद चीफ फायर ऑफिसर एके मलिक ने कहा, हमने आग पर पूरी तरह से काबू पा लिया है, और स्थिति हमारे नियंत्रण में है। उन्होंने कहा स्थिति हमारे नियंत्रण में है और किसी अप्रिय घटना को काबू में करने के लिए हमने आपातकालीन प्रबंध कर रखे हैं।

रामनवमी हिंसा पर संजय राउत बोले

राज्य में हो रही बड़ी साजिश, सरकार की है शह

मुंबई, 31 मार्च (एजेंसियां)। रामनवमी शोभा यात्रा के दौरान देश के अलग अलग राज्यों के अलग अलग हिस्सों में हिंसा व पथराव की घटना देखने को मिली। महाराष्ट्र के मुंबई, छत्रपति संभाजीनगर समेत कई स्थानों पर यहां भी एक विशेष समुदाय द्वारा पथराव की घटना को अंजाम दिया गया। इस मामले पर अब राजनीति शुरू हो चुकी है। इस मामले पर अब संजय राउत ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए इसे साजिश बताया है। संजय राउत ने इस हिंसा पर कहा महाराष्ट्र में बहुत बड़ी साजिश हो रही है। जानबूझकर यहां का माहौल खराब किया जा रहा है।

संजय राउत ने कही ये बात

उन्होंने कहा कि आप देखिए कि

पुलिस, सरकार और गृह मंत्रालय कहां है। महाविकास अघाड़ी की महासभा 2 अप्रैल को संभाजीनगर में आयोजित की जाएगी। इसमें पाटोले, अजित पवार और उद्धव ठाकरे जैसे नेता शामिल होंगे। इस सभा में लाखों लोग आएंगे। इस कारण डरकर यहां का माहौल खराब किया जा रहा है। मुंबई में भी यही हो रहा है। बीजेपी इसलिए इस तरह के दंगे करा रही है। उन्होंने कहा कि अब इनके पास जनता के दिखाने के लिए कुछ नहीं है तो अब ये महाराष्ट्र में हिंदू मुसलमान करेंगे। माहौल खराब करने का प्रयास करेंगे। यह सब सरकार की शह पर हो रहा है। राउत ने आगे कहा कि राज्य सरकार द्वारा हिंसा को बढ़ावा दिया जा रहा है। गुजरात में भी राज्य सरकार द्वारा शह दिया जा रहा है। वहीं भाजपा की सरकार है। वहीं महाराष्ट्र में वी हो रहा है। क्योंकि कुछ लोगों को आप स्पॉन्सर करते हैं। भाजपा की सरकार जहां भी होगी वहां ऐसी घटना होती है। गौरतलब है कि 30 मार्च के दिन रामनवमी की शोभायात्रा के दौरान महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल व अन्य स्थानों से पथराव व झड़प की फुटेज सामने आई है। बंगाल के हावड़ा जिले में रामनवमी की झांकी पर विशेष समुदाय के लोगों द्वारा पथराव किया गया है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

शनिवार, 1 अप्रैल, 2023 3

सु वि चा र

उस काम को कभी ना छोड़ें जिसके बारे में आप हर दिन सोचते हैं !

सरकार की लापरवाही के कारण हुई 2000 छात्रों की मौत : टीपीसीसी प्रमुख

हैदराबाद, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। टीपीसीसी प्रमुख और कांग्रेस सांसद ए. रेवंत रेड्डी ने आज आरोप लगाया कि राज्य सरकार की लापरवाही के कारण करीब 2000 छात्रों की जान चली गई। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि संवैधानिक निकाय टीएसपीएससी "चोरों और लुटेरों" का अड्डा बन गया है।

टीएसपीएससी प्रश्न पत्र लीक मामले में शहर में ईडी के अधिकारियों को ज्ञापन सौंपने के बाद मीडियाकर्मियों से बात करते हुए टीपीसीसी प्रमुख ने कहा कि राज्य सरकार पेपर लीक मामले में उच्च न्यायालय में कानूनी मामलों का सामना कर रही है। उन्होंने कहा कि पेपर लीक होने के कारण तेलंगाना शहीद स्मारक पर राज्य सरकार के बड़े नेताओं को लटकाने में कुछ भी गलत नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ताधारी पार्टी के नेता जब भी जनता की समस्याओं पर आवाज उठाते हैं तो उनके खिलाफ झूठे मामले थोप रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार के शासक मामले में बड़े लोगों को बचाने के लिए आयोग के निचले स्तर के कर्मचारियों को बलि का बकरा बना रहे हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पेपर लीक मामले में करोड़ों रुपए का लेन-देन हुआ। उन्होंने कहा कि उन्होंने ईडी अधिकारियों से घोटाले से जुड़े सभी लोगों से पूछताछ करने का आग्रह किया है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि मंत्री केटीआर मामले में एसआईटी की चल रही जांच को नियंत्रित कर रहे थे और उन्होंने कहा कि उन्होंने एसआईटी से मामले में केटीआर द्वारा निभाई गई भूमिका की जांच करने का आग्रह किया था।

सीएम से संविदा व्याख्याताओं व कर्मचारियों को नियमित करने के लिए आग्रह

हैदराबाद, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। सीपीएम ने आज मांग की कि मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव स्वास्थ्य और शिक्षा विभाग में पिछले 20 वर्षों से काम कर रहे सभी संविदा कर्मचारियों और व्याख्याताओं की सेवाओं को नियमित करें।

मुख्यमंत्री को लिखे एक खुले पत्र में, सीपीएम के राज्य सचिव तम्मिनेनी वीरभद्रम ने सीएम को सूचित किया कि राज्य सरकार ने उच्च न्यायालय के एक आदेश के बाद 2016 में जारी जीओ 16 के कार्यान्वयन को निलंबित कर दिया था। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने राज्य के विभिन्न विभागों में कार्यरत 11,103 संविदा कर्मचारियों की सेवाओं को नियमित करने का वादा 9 मार्च 2022 को किया था, अब तक पूरा नहीं हुआ। उन्होंने यह भी कहा कि वित्त मंत्री टी. हरीश राव ने अपने बजट भाषण में 11108 अनुबंध व्याख्याताओं और कर्मचारियों की सेवाओं को नियमित करने का भी वादा किया था और कहा कि राज्य सरकार द्वारा अभी तक कोई औपचारिक आदेश जारी नहीं किया गया है। उन्होंने मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि वे इस मामले में हस्तक्षेप करें और संबंधितों को संविदा कर्मचारियों और शिक्षकों के नियमितीकरण के आदेश जारी करने के लिए कहें।

मधुमक्खी के हमले से बचने के लिए किसान कुएं में कूदा, मौत

महबूबाबाद, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के कोठागुडा मंडल के नीलमपल्ली गांव में शुक्रवार को एक दुखद घटना में, एक किसान ने अपने भाई के साथ खुद को मधुमक्खी के हमले से बचाने के लिए एक खुले कुएं में छलांग लगा दी, जिससे डूबने से उसकी मौत हो गई। कोंद्रेड्डी संजीव (56) डूब गए, क्योंकि उन्हें तैरना नहीं आता था, जबकि उनके छोटे भाई जनार्दन रेड्डी कुएं से बाहर निकलने में सफल रहे। सब-इंस्पेक्टर आर. नरेश कुमार ने कहा कि एक ही मंडल के पड़ोसी एदुलापल्ली गांव के निवासी दोनों कृषि क्षेत्रों में काम कर रहे थे, जब मधुमक्खियों ने उन पर हमला किया। शव को पोस्टमार्टम के लिए नरसमपेट ले जाया गया।

टीएस के लोग जल्द भाजपा को सबक सिखाएंगे : हरीश राव

मेदक, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। वित्त मंत्री टी. हरीश राव ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) का वही हश्र होगा जो 2014 के चुनावों में तेलंगाना के हितों की अनदेखी करने के लिए कांग्रेस को मिला था। शुक्रवार को मेदक में शिवमपेट मंडल मुख्यालय में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) अथमी सम्मेलन को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि तत्कालीन मुख्यमंत्री एन किरण कुमार रेड्डी ने विधानसभा में घोषणा की थी कि वह तेलंगाना के लिए एक रुपये का अनुदान नहीं देंगे। 2014 के बाद के चुनावों में, तेलंगाना के लोगों ने बीआरएस को मौका देकर कांग्रेस को धूल चटा दी। यह कहते हुए कि भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार भी राज्य के हितों की अनदेखी कर रही है, उन्होंने कहा कि केंद्र ने कालेश्वरम लिफ्ट

सिंचाई योजना (केएलआईएस) को राष्ट्रीय दर्जा देने से इंकार कर दिया था, इसके अलावा मेडिकल कॉलेजों, नवोदय स्कूलों, नर्सिंग कॉलेजों और राज्य द्वारा अनुरोधित कई अन्य परियोजनाओं में रेलवे कोच फैक्ट्री भी शामिल है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार तेलंगाना को सही धनराशि जारी करने से रोक रही है, जिससे अंततः राज्य के विकास में बाधा उत्पन्न हो रही है। इन सबके लिए आने वाले चुनाव में बीजेपी को जनता के गुस्से का सामना करना पड़ेगा। यह कहते हुए कि बीआरएस एकमात्र ऐसी पार्टी है जिसके पास तेलंगाना के विकास का रोड मैप है, उन्होंने लोगों से आने वाले चुनावों में बीआरएस का समर्थन करने का आह्वान किया। मंत्री ने पार्टी कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे बीआरएस सरकार के काम को गांवों के हर दरवाजे तक ले जाएं, साथ ही यह भी बताएं कि भाजपा के नेतृत्व वाला केंद्र किस तरह से तेलंगाना को फंड और संस्थानों से वंचित कर रहा है। इस अवसर पर मेइक सांसद कोठा प्रभाकर रेड्डी, जिला परिषद अध्यक्ष रेकला हेमलता गौड़, एमएलसी येगे मल्लेशम, नरसापुर विधायक सी मदन रेड्डी और अन्य उपस्थित थे।

सज्जनार ने अमिताभ से किया धोखाधड़ी कंपनियों का सहयोग न करने का अनुरोध

हैदराबाद, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी वीसी सज्जनर,जो वर्तमान में टीएसआरटीसी के प्रबंध निदेशक के रूप में सेवारत हैं, ने अभिनेता अमिताभ बच्चन से 'धोखाधड़ी' कंपनियों के साथ सहयोग नहीं करने का अनुरोध किया। शुक्रवार सुबह पोस्ट किए गए एक ट्वीट में, उन्होंने अभिनेता को टैग किया और एमवे के एक विज्ञापन में उनकी एक तस्वीर साझा करते हुए लिखा, मैं सुपर स्टार अमिताभ बच्चन और अन्य मशहूर हस्तियों से विनम्रतापूर्वक अनुरोध करता हूं कि वे एमवे जैसी धोखाधड़ी कंपनियों के साथ सहयोग न करें जो देश और समाज के अच्छी तरह से बुना हुआ सामाजिक ताना-बाना तथा वित्तीय प्रणाली को नष्ट कर देती हैं। एमवे एक अमेरिकी-आधारित कंपनी है जो स्वास्थ्य, सौंदर्य और घरेलू देखभाल उत्पादों से संबंधित उत्पादों का विपणन करती है। पिछले साल अप्रैल में, कंपनी पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा "बहु-स्तरीय मार्केटिंग घोटाला" होने का आरोप लगाया गया था, जिसका मुख्य उद्देश्य अपने उत्पादों को बेचना नहीं है बल्कि अपने ग्राहकों को इसके गेट-रिच के सदस्यों के रूप में साइनअप करना है। ईडी ने यह भी आरोप लगाया कि कंपनी पिरामिड घोटाला कर रही है और 757 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की है। अमिताभ बच्चन को 2021 में एमवे के लिए ब्रांड एंबेसडर नामित किया गया था और वह उत्पादों की न्यूट्रीलाइट श्रेणी का समर्थन करते हैं।

कुनामनेनी ने असमानताओं के खिलाफ लड़ने का आह्वान किया

हैदराबाद, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। भाकपा के प्रदेश सचिव कुनमनेनी संबाशिव राव ने आज प्रतिद्वंद्वी भाजपा से मांग की कि अगर देश में वास्तव में हिंदू समुदाय के लोग रहते हैं तो वह हिंदू धर्म मनुस्मृति की विवादास्पद संधि को खत्म कर दे। उन्होंने भाजपा नेताओं से कहा कि वामपंथी दल का उद्देश्य बिना किसी जाति और धार्मिक असमानता के आधुनिक समाज को प्राप्त करना है। उन्होंने यह बात उस्मानिया विश्वविद्यालय में आयोजित डीएचपीएस के पहले सम्मेलन में एक सभा को संबोधित करते हुए कही। राव इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। इस अवसर

पर बोलते हुए, उन्होंने लोगों से असुरक्षा, सांप्रदायिक और जातिगत नफरत जैसी असमानताओं के खिलाफ लड़ने का आह्वान किया। देश की संपत्ति को गौतम अडानी और अंबानी जैसे उद्योगपतियों के हाथों में बताते हुए उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शर्मनाक तरीके से उन्हें अपना पूरा समर्थन दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश के गरीबों की भूख की पुकार पीएम और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह नहीं सुन रहे हैं। उन्होंने आश्चर्य व्यक्त किया कि जब भाजपा के लोग भूख, असमानता और छुआछूत का सामना कर रहे हैं तो देश में राम का शासन कैसे लाएंगे? इस अवसर पर अखिल भारतीय दलित अधिकार मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक राममूर्ति ने भी अपने विचार रखे।

एसबीआई लेडीज क्लब ने जरूरतमंदों की मदद की

हैदराबाद, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। एसबीआई लेडीज क्लब समाज में कम विशेषाधिकार प्राप्त लोगों के जीवन में बदलाव लाने के लिए समय-समय पर विभिन्न परोपकारी गतिविधियों का आयोजन करता है। इसी के तहत एसबीआई लेडीज़ क्लब, हैदराबाद ने अपनी अध्यक्ष श्रीमती नूपुर झिंगरन के नेतृत्व में ब्लू क्रॉस, हैदराबाद में कार्यक्रम का आयोजन किया। श्रीमती नूपुर झिंगरन ने पीईटी जरूरतों के दान के लिए 24,000 रुपये का चेक सौंपा है। उन्होंने कहा कि पालतू जानवरों की देखभाल करना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने उन पालतू जानवरों की देखभाल के लिए ब्लू क्रॉस के काम की सराहना की है जो अपनी जरूरतों को पूरा नहीं कर सकते। इस अवसर पर महिला क्लब की सदस्य श्रीमती सुजाता मित्रा, उपाध्यक्ष श्रीमती माधवी प्रसाद, सचिव एवं अन्य महिला क्लब सदस्य उपस्थित थीं। ब्लू क्रॉस हैदराबाद की संस्थापक श्रीमती अमला अक्किनेनी ने एसबीआई लेडीज़ क्लब, हैदराबाद के महान योगदान के लिए आभार व्यक्त किया।

मनुष्य को कभी भी धन का लोभ नहीं करना चाहिए : संत प्रह्लादपुरीजी महाराज

हैदराबाद, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। करमनघाट अलमासगुडा स्थित श्री आईमाता मंदिर में आयोजक पंवार परिवार के सान्निध्य में कथा वाचक आचार्य संत श्री प्रह्लादपुरीजी महाराज की मधुर वाणी में श्रीमद् भागवत कथा के अंतिम दिवस की कथा में राधा-कृष्ण, श्रीकृष्णा-सुदामा की कथा का रसपान कराते हुए बताया कि मनुष्य को कभी भी धन का लोभ नहीं करना चाहिए व सुबह-शाम प्रभु की उपासना करना चाहिए। भागवत कथा के अंतिम दिवस बहुत से समाज बन्धु सपरिवार उपस्थित रहे। गायिका कंचनबाई द्वारा गाये गये भजन अरे द्वारपालों, कन्हैया से केहदो, दर

पे सुदामा गरीब आ गया है पर भक्तों ने नाचते-गाते हुए लाभ लिया। आयोजक ताराराम, गोविन्दराम ने समाज बन्धुओं व भक्तों से निवेदन किया है कि अंतिम दिन 1 अप्रैल प्रात: 9.15 बजे महायज्ञ की आहुति व महाप्रसादी कार्यक्रम मे सपरिवार पधारकर हर्षोल्लास के साथ कार्यक्रम का लाभ लेवे। कार्यक्रम के सफल आयोजन मे आयोजक, सचिव हिरालाल सैंणचा, दीपाराम काग, वेनाराम वरपा, अमराराम व सभी भक्त सपरिवार उपस्थित रहे।

केंद्र ने वारंगल-खम्मम एनएच के लिए 2,235.08 करोड़ रुपये मंजूर किए

हैदराबाद, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्र ने वारंगल जिले के वेंकटपुर गांव से खम्मम जिले के वी. वेंकटयापलेम गांव तक राष्ट्रीय राजमार्ग 163जी (वारंगल-खम्मम) के चार-लेन एक्सेस नियंत्रित ग्रीनफ़ील्ड राजमार्ग खंड के निर्माण के लिए 2235.08 करोड़ रुपये की मंज़ूरी दी है।

पहले चरण में 1111.76 करोड़ रुपये की लागत से महबूबाबाद जिले के वेंकटपुर गांव से थल्लासेंकेसा गांव तक निर्माण किया जाएगा।

परियोजना की कुल लंबाई 39.41 किमी होगी। दूसरे चरण में, 1123.32 करोड़ रुपये की लागत से थल्लासेनकेसा गांव से खम्मम जिले के वी. वेंकटयापालेम गांव तक निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा। इस लेग की कुल लंबाई 30.83 किमी होगी। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने शुक्रवार को अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल से परियोजना को मंजूरी मिलने की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि परियोजना को अन्य आर्थिक गलियारा (एनएच (ओ)) कार्यक्रम के तहत हाइब्रिड वार्षिकी मॉडल में विकसित किया जाएगा।

नवनिर्वाचित बीआरएस एमएलसी ने शपथ ली

हैदराबाद, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। नवनिर्वाचित बीआरएस एमएलसी चल्ला वेंकटरामी रेड्डी, के नवीन कुमार और देशपति श्रीनिवास ने शुक्रवार को यहां विधान परिषद में शपथ ली। परिषद के अध्यक्ष गुथा सुखेंदर रेड्डी ने शपथ दिलाई और परिषद के लिए चुने जाने पर उन्हें बधाई दी।

इस अवसर पर परिषद के उपाध्यक्ष बंडा. प्रकाश, मंत्री वी. प्रशांत रेड्डी, वी. श्रीनिवास गौड, एस. निरंजन रेड्डी, महमूद अली, मल्ला रेड्डी, परिषद के मुख्य सचेतक भानु प्रसाद, व्हिप एमएस प्रभाकर, एमएलसी कल्वाकुंतला कविता, शंभीपुर राजू, कौशिक रेड्डी, दामोदर रेड्डी, वाणी देवी, शेरी सुभाष रेड्डी, एल. रमना, ए. मल्लेशम और दांडे विट्टल, विधायक माधवरम कृष्ण राव, अरीकेपुडी गांधी, एम. हनमंता राव, अब्राहम और एम. आनंद, तेलंगाना राज्य रैतु बंधु समिति के अध्यक्ष पल्ला राजेश्वर रेड्डी और बीआरएस के अन्य निर्वाचित जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

भारत सरकार- रेल मंत्रालय
इंडियन रेलवेज इंस्टिट्यूट आफ सिग्नल इंजीनियरिंग एंड टेलिकम्यूनिकेशन्स, तारनाका रोड, सिकंदराबाद-500017(इंडिया)
रुचि की अभिव्यक्ति (इओआय) सूचना
सं. सीओइ/इरीसेट/01/23. दि. 02/03/2023
PUB/0334
इच्छुक पार्टियों को सलाह दी जाती है कि, उपरोक्त इओआय नोटिस से संबंधित सभी अपडेट्स के लिए, निम्न वेबसाइट्स का अवलोकन करते रहें।
वेबसाइट्स: https://iriset.railnet.gov.in
https://iriset.indianrailways.gov.in
A0460 ओएसडी/सीओइ/इरीसेट

జాతీయ భారతీయ వైద్య పరంపర సంస్థ
राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान
(केंद्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार)
रेवेन्यू बोर्ड कॉलोनी, गड्डिअन्नाराम, हैदराबाद-500 036, तेलंगाना, भारत
National Institute of Indian Medical Heritage
(Central Council for Research in Ayurvedic Sciences, Ministry of Ayush, Govt. of India)
Revenue Board Colony, Gaddiannaram, Hyderabad - 500 036, Telangana, INDIA
150 YEARS OF CELEBRATING THE MAHATMA
शुद्धिपत्र
एसआरएफ (आयु.) की भर्ती (इंगेजमेंट) के संबंध में दिनांक 23-03-2023 को दैनिक समाचार पत्रों में प्रकाशित इस संस्थान की अधिसूचना सं.03/2023, दिनांक 21-03-2023 के संदर्भ में, एसआरएफ (आयु.) के 04 पदों की संख्या के स्थान पर 07 पद पढा जाए।
विवरण http://niimh.nic.in या http://ccras.nic.in पर देखा जा सकता है।
प्रभारी सहायक निदेशक

नाबालिग लड़की से दुष्कर्म करने वाले को 20 साल की सजा

हैदराबाद, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। एलबी नगर की एक स्थानीय अदालत ने शुक्रवार को 2016 में मीरपेट में रिपोर्ट की गई नाबालिग लड़की से बलात्कार के मामले में एक व्यक्ति को 20 साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई। अदालत ने दोषी पर 30,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया और पीड़िता को 3 लाख रुपये का मुआवजा दिया।

जून 2016 में, दोषी ए. प्रभाकर (23), नलगोंडा जिले के चंदमपेट के एक मजदूर ने 16 वर्षीय लड़की को प्यार का झांसा दिया और उसके साथ भाग गया। उसने चुपके से उससे शादी की और उसकी सहमति के बिना उसका यौन उत्पीड़न किया। लड़की के पिता की शिकायत के आधार पर, मीरपेट पुलिस ने मामला दर्ज किया और बाद में प्रभाकर को गिरफ्तार कर लिया। राचकोंडा के पुलिस आयुक्त डी.एस. चौहान ने मामले में दोष सिद्ध करने के लिए जांच अधिकारी और टीम के प्रयासों की सराहना की।

हिन्दी महाविद्यालय में छात्र-संसद संपन्न

हैदराबाद, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। नेहरू युवा केंद्र, युवा मामले एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार एवं हिन्दी महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में हिन्दी महाविद्यालय परिसर में छात्र-संसद संपन्न हुआ। कार्यकम का शुभारंभ एस.एन. मिश्रा डीआईजीपी, सीआरपीएफ द्वारा ज्योति प्रज्वलन के साथ हुआ। जिसमें श्रीमती अमृता कार्पोरेटर, नल्लाकुंटा, श्रीमती ए.आर. विजया राव, स्टेट डाइरेक्टर, नेहरू युवा केंद्र, तेलंगाना, लक्ष्मीनिवास शर्मा, मानद मंत्री, हिन्दी महाविद्यालय समिति, श्यामसुंदर मूंदड़ा, पूर्व प्राचार्य एवं उपाध्यक्ष हिन्दी महाविद्यालय समिति, एस.बी. काबरा, कोषाध्यक्ष, डॉ. अविनाश जायसवाल प्राचार्य, डॉ. मनोहरन डाइरेक्टर, आयल सीड्स डेवलपमेंट, डॉ.वी. वेंकटरमणा प्राचार्य, गर्वनमेंट डिग्री कॉलेज, चंचलगुड़ा, डॉ. रित्विक यूथ आइकान, ट्रेनर भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन सुश्री खुशबू गुप्ता, डिस्ट्रिक्ट यूथ आफिसर नेहरू युवा केंद्र द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि एस.एन. मिश्रा ने युवा वर्ग को संबोधित करते हुए कहा कि जी-20ए वाई-20 समय की मांग है और इससे युवा वर्ग को लाभांवित होना चाहिए। श्रीमती ए.आर. विजया राव ने जल संरक्षण मिल्लेटस आदि के बारे में अपने विचार प्रस्तुत किए। श्रीमती अमृता कार्पोरेटर, नल्लाकुंटा ने कहा कि महिलाओं के लिए कार्य करने के कारण ही मुझे लोगों ने चुना। इसके उपरांत मॉक छात्र संसद आयोजित की जिसमें प्रस्तुतिकरण के लिए छात्रों को पुरस्कार दिए गए। कार्यक्रम में प्रतिभागियो को प्रमाण पत्र दिए गए।

अतीक अहमद के समर्थक ने पीएम मोदी के खिलाफ फेसबुक पर डाली अभद्र पोस्ट

प्रयागराज, 31 मार्च (एजेंसियां)। माफिया अतीक अहमद को उम्र कैद की सजा मिलने के बाद उसके समर्थक ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ फेसबुक पर अमर्यादित पोस्ट डाली है, इस पोस्ट में आरोपी ने पीएम मोदी के खिलाफ अपशब्दों का इस्तेमाल भी किया है. बीजेपी नेताओं की शिकायत के बाद पुलिस ने इस मामले में एफआईआर दर्ज कर ली है और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है. आरोपी का नाम नफीस सिद्दीकी बताया जा रहा है. दरअसल 28 मार्च को माफिया डॉन अतीक अहमद को प्रयागराज की एमपी एमएलए कोर्ट ने उमेश पाल अपहरण मामले में दोषी करार देते हुए ताउम्र कैद की सजा सुनाई है. जिसके बाद अतीक के समर्थन नफीस सिद्दीकी ने अपने फेसबुक अकाउंट पर पीएम मोदी के खिलाफ पोस्ट डाला है. इस पोस्ट में नफीस ने सवाल उठाए हैं कि अगर उमेश पाल को किसी और ने मारा है तो फिर इस मामले में अतीक अहमद को क्यों फंसाया जा रहा है. यही नहीं उसने पोस्ट में पीएम मोदी के खिलाफ भी आपत्तिजनक शब्दों को इस्तेमाल किया है. बीजेपी नेताओं की शिकायत पर आरोपी नफीस सिद्दीकी के खिलाफ बहरिया थाने में नामजद एफआईआर दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया है. पुलिस ने आईपीसी की धारा 153 ए और 504 के साथ आईटी एक्ट की धारा 66 के तहत केस दर्ज किया गया है. पुलिस इस मामले में आगे की जांच में जुट गई है.

पप्पू यादव का मोदी सरकार पर हमला, बोले

2024 में मोदी सरकार बनेगी तो ललित मोदी को पद्मश्री, मेहुल चोकसी को पद्मभूषण, नीरव मोदी को पद्म विभूषण और अडानी के साथ-साथ नरेंद्र मोदी को मिलना चाहिए भारत रत्न

पटना, 31 मार्च (एजेंसियां)। पूर्व लोकसभा सांसद और जन अधिकार पार्टी की अगुवाई करते हुए बिहार की सियासत में सक्रिय राजेश रंजन ऊर्फ पप्पू यादव लगातार केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार पर हमला कर रहे हैं। पप्पू यादव कांग्रेस के सदस्य नहीं हैं बावजूद उसके वो लगभग-लगभग रोजाना किया जाने ट्वीट में वायनाड के पूर्व सांसद और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी के मानहानि केस पर लगातार मोदी सरकार पर हमलावर हैं। पप्पू यादव ने अपने ताजा ट्वीट में राहुल गांधी के मुद्दे पर न कोवल मोदी सरकार को घेरा है बल्कि देश से आर्थिक घोटाले में फरार ललित मोदी, नीरव मोदी और मेहुल चोकसी के साथ-साथ उद्योगपति गौतम अडानी का नाम लेते हुए तीखे व्यंग्य में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा है। पप्पू यादव ने अपने ट्वीट में कहा है, 2024 फिर से मोदी सरकार बनी तो राहुल गांधी ने जिनकी मानहानि की है उन सबका मान-सम्मान बहाल करेंगे। ललित मोदी को पद्म श्री, मेहूल चोकसी को पद्म भूषण, नीरव मोदी को पद्म विभूषण और अडानी के साथ-साथ नरेंद्र मोदी को भारत रत्न मिलना चाहिए। भाजपा को इसे मुख्य मुद्दा बना चुनाव लड़ना चाहिए। वहीं बीते गुरुवार को भी इसी तरह का ट्वीट करते हुए पप्पू यादव ने कहा, ललित मोदी जी की भी मानहानि हो गई। देश से भागा हुआ है, कहता लंदन में केस करेगा।

2014 के बाद देश बहुत बदल गया। ईमानदार को बेईमान कहो, उसे फ़र्क़ नहीं पड़ता है पर चोर को चोर कह दो तो उसकी मानहानि हो जाती है। क्यों चोर मोदी जी सही कहा न! पप्पू यादव ने 29 मार्च को किये ट्वीट में प्रधानमंत्री मोदी से सवाल पूछते हुए लिखा था, अडानी की कंपनी में विदेशी सेल कंपनियों से आया काला धन किसका है प्रधानमंत्री जी? आरोप लग रहा है यह सारा काला धन आपका है? क्या यह सही है कि आपके महाभ्रष्टाचार का जीवंत प्रमाण है अडानी ग्रुप!

क्या यह सच है कि अडानी मुखौटा है,असली मालिक आप हैं?अगर ऐसा नहीं है तो जेपीसी जांच काराएं? मालूम हो कि पप्पू यादव कांग्रेस पार्टी में नहीं हैं और वो जन अधिकार पार्टी नाम से एक अलग क्षेत्रीय दल बनाकर बिहार की राजनीति में सक्रिय हैं बावजूद उसके वो कांग्रेस पार्टी या फिर गांधी परिवार के लिए विशेष सहानभूति रखते हैं और अक्सर वो कांग्रेस या गांधी परिवार के पक्ष में बयान देते रहते हैं। इस मामले में एक दिलचस्प पहलू यह भी है कि पप्पू यादव की पत्नी रंजीत रंजन कांग्रेस की वरिष्ठ नेता हैं और मौजूदा समय में वो छत्तीसगढ़ से राज्यसभा की सांसद हैं।

मुंबई से आ रही इंडिगो फ्लाइट की टॉयलेट में यात्री कर रहा था स्मोकिंग

फायर अलार्म बजते ही मचा हड़कंप

गोरखपुर, 31 मार्च (एजेंसियां)। मुंबई से गोरखपुर आ रही फ्लाइट में एक यात्री टॉयलेट में छिपकर सिगरेट पी रहा था. उसी दौरान फायर अलार्म बजने लगा तो फ्लाइट में हड़कंप मच गया. क्रू मेंबर्स ने चेक किया तो देखा कि यात्री सिगरेट पी रहा था. इसके बाद सिगरेट बुझाने को कहा गया. फ्लाइट गोरखपुर में लैंड होने के बाद यात्री के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई की गई. बताया जा रहा है कि जब यात्री ने फ्लाइट की टॉयलेट में जाकर सिगरेट जलाई तो फायर अलार्म बजने लगा. अलार्म बजते ही क्रू मेंबर और सभी यात्री अलर्ट हो गए. फ्लाइट में ग्रुप मेंबर ने जब चेकिंग की तो देखा कि यात्री टॉयलेट में सिगरेट पी रहा था. इस यात्री की हरकत से सभी परेशान और हैरान थे. तुरंत कैप्टन और क्रू मेंबर्स ने सिगरेट बुझवाई और इसके बाद फ्लाइट गोरखपुर में लैंड हुई. इंडिगो फ्लाइट के कैप्टन और क्रू मेंबर ने इस यात्री को एयरपोर्ट सिक्योरिटी इंचार्ज के हवाले कर दिया है. इसके बाद एयरपोर्ट सिक्योरिटी ने यात्री को पुलिस के हवाले कर दिया. एयरलाइंस के सुरक्षा अधिकारी की तहरीर पर केस दर्ज कर यात्री को पुलिस कस्टडी में ले लिया गया है. घटना को लेकर एयरपोर्ट सिक्योरिटी इंचार्ज विजय कौशल ने बताया कि यात्री देवरिया का रहने वाला है. यात्री के खिलाफ दर्ज कर लिया गया है केस, देवरिया का रहने वाला है आरोपी इस बारे में एसपी सिटी कृष्ण कुमार विश्नोई ने बताया कि यात्री के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है. जब यात्री से पूछताछ की गई तो उसने अपना नाम कृष्ण कुमार मिश्रा बताया. वह देवरिया के बरियारपुर करौदी बाजार का रहने वाला है.

रेडीमेड मार्केट में आग से सैकडों दुकानें खाक

अखिलेश यादव की योगी सरकार से की मुआवजे की मांग

कानपुर, 31 मार्च (एजेंसियां)। कानपुर में बासमंडी स्थिति रेडीमेट मार्केट में रात को भीषण आग लग गई. ये आग इतनी भयानक थी कि दूर-दूर तक आग की लपटें देखी जा सकती थी. इसकी चपेट में आसपास के कई टॉवर भी आ गए और सैकड़ों दुकानें जलकर खाक हो गई हैं. इस आग में व्यापारियों को करोड़ों रुपयों का नुकसान हो गया है. जिसे लेकर समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव की प्रतिक्रिया सामने आई है. सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कानपुर बासमंडी में लगी आग में हुए नुकसान का मुआवजा देने की मांग की है. अखिलेश यादव ने सरकार से मांग की इस आग में हुए नुकसान का तत्काल आंकलन किया जाए और व्यापारियों को जो नुकसान हुआ है उसके लिए उन्हें मुआवजा दिया जाए. अखिलेश यादव ने ट्वीट किया, कानपुर कपड़ा मंडी में लगी आग, पहले से ही नोटबंदी, जीएसटी के छापों व मंदी की मार झेल रहे व्यापारियों के लिए आर्थिक व मानसिक रूप से एक और गहरी मार है. उप्र भाजपा सरकार व्यापारियों को हुई हानि का तत्काल आंकलन कर सच्चे मुआवजे की तुरंत घोषणा करे. दमकल की क्षमता का भी आंकलन हो. दूसरी तरफ सीएम योगी आदित्यनाथ ने भी आग की इस घटना को संज्ञान में लिया है, सीएम योगी ने हादसे पर दुख जताते हुए प्रशासन को हर संभव मदद के निर्देश दिए हैं. सीएम योगी ने ट्वीट किया, आज कानपुर में हुई अग्नि दुर्घटना

अत्यंत दुःखद है. फायर बिग्रेड टीमों द्वारा युद्ध स्तर पर राहत व बचाव कार्य किया जा रहा है. जिला प्रशासन को घायलों के समुचित इलाज व प्रभावितों के हर संभव सहयोग हेतु निर्देशित किया है. प्रभु श्री राम से घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना है. दरअसल बांसमंडी का रेडीमेट मार्केट यूपी का सबसे बड़ा होलसेल मार्केट है. गुरुवार रात इस मार्केट में अचानक आग लग गई, जिसके बाद पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई. देखते ही देखते इस आग की चपेट में एआर टॉवर और मसूर टॉवर भी गए और ये आग हमराज टावर और एसबीआई की शाखा तक पहुंच गई थी. दमकल विभाग की 55 गाड़ियों ने घंटों की मशक्कत के बाद इस पर काबू पाया. इस आग में करोड़ों का नुकसान हुआ है.

पुलिस ने दो तस्करों को 22 किलोग्राम गांजा के साथ गिरफ्तार किया

बलिया, 31 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में बलिया जिला मुख्यालय की शहर कोतवाली पुलिस ने बिहार की सीमा से सटे जनेश्वर मिश्र सेतु पर एक बोलेरो कार से बिहार ले जाया जा रहा 22 किलोग्राम से अधिक अवैध गांजा बरामद करते हुए दो तस्करों को गिरफ्तार कर लिया। एक पुलिस अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) दुर्गा प्रसाद तिवारी ने बताया कि बलिया शहर कोतवाली क्षेत्र के शिवपुर दियर चौराहे पर आरोपियों के खिलाफ जांच अभियान के दौरान पुलिस ने बृहस्पतिवार को मुखबिर की सूचना के आधार पर जनेश्वर मिश्र सेतु पर बिहार जा रही एक बोलेरो को घेराबंदी कर पकड़ लिया।

पूर्व मुख्यमंत्री दादा बन गए, इन्हें बधाई दीजिए

बिजेंद्र यादव बोले तो अध्यक्ष ने कहा- इनकी उम्र लंबी हो

पटना, 31 मार्च (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा सत्र में उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव को बेटी होने पर महागठबंधन के नेताओं ने उन्हें बधाई दी। विधानसभा अध्यक्ष अवध बिहारी चौधरी ने कहा कि पूरा सदन और पूरा बिहार खुशी में डूबा हुआ है। इसपर ऊर्जा मंत्री बिजेंद्र यादव बोले- मुख्यमंत्री दादा हो गए। इन्हें और बधाई देनी चाहिए। इसपर अध्यक्ष ने कहा- दादाजी और ज्यादा दिन जिंदा रहें, पोती को देखें। बिहार विधानसभा के बाहर भाजपा नेताओं ने जमकर हंगामा किया। ऑनलाइन परीक्षा में हो रहे धांधली के खिलाफ भाजपा नेताओं ने जमकर प्रदर्शन किया। उन्होंनं कहा कि बिहार सरकार को इसपर जवाब देना चाहिए। राज्य में लगातार भ्रष्टाचार और अपराध बढ़

रहे हैं। सरकार इसपर ध्यान नहीं दे रही। इधर, कांग्रेस नेताओं ने भी विधानसभा परिसर में केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। कांग्रेस विधायक अजीत शर्मा ने कहा कि केंद्र सरकार जानबूझ कर राहुल गांधी को परेशान कर रही। भाजपा राहुल गांधी से डर गई है। इसलिए षडयंत्र रच रही है। जनता सब देख रही है। 2024 के जनता में जनता जरूर जवाब देगी। इधर, सदन में बिहार के सरकारी अस्पतालों में रोगी कल्याण समिति पर महागठबंधन के विधायक ने ही सवाल उठा दिया। राजद विधायक रामानुज प्रसाद ने सवाल पूछा। इसके बाद सरकार ने माना कि रोगी कल्याण समिति कार्य नहीं कर रही है। जल्द ही रोगी कल्याण समिति की नई रूपरेखा बन रही है। राजद विधायक रामानुज प्रसाद ने सदन में कहा कि रोगी कल्याण समिति से रोगियों का कल्याण नहीं हो रहा बल्कि उसके सदस्यों का कल्याण हो रहा। इधर, नेता प्रतिपक्ष विजय सिन्हा ने पूरक पूछते हुए कहा कि स्वास्थ्य मंत्री बताएं कि कितने अस्पतालों में रोगी कल्याण समिति कार्यरत्त है? साथ ही इस समिति का कार्य क्या है? प्रभारी मंत्री सर्वजीत दोनों पूरक का उत्तर नहीं दे पाएं। स्वास्थ्य मंत्री ने सदन में बताया कि रोगी कल्याण समिति गठित करने को लेकर सरकार प्रयासरत्त हैं।

ओम प्रकाश राजभर से मिलने सुभासपा ऑफिस पहुंचे योगी के परिवहन मंत्री दयाशंकर

लखनऊ, 31 मार्च (एजेंसियां)। नगर निकाय चुनाव को लेकर उत्तर प्रदेश में सियासी सरगर्मियां तेज हो गई हैं। सभी राजनैतिक दल निकाय चुनाव की तैयारियों में जुट गए हैं। निकाय चुनाव की तैयारियों और सुभासपा अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर के मायावती को प्रधानमंत्री बनाए जाने का मुद्दा उठाए जाने के बाद योगी सरकार के परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सुभासपा ऑफिस पहुंचे। परिवहन राज्यमंत्री दयाशंकर ने सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर से मुलाकात की। मीडिया कर्मियों ने जब इस मुलाकात को लेकर परिवहन राज्यमंत्री दयाशंकर से सवाल पूछा तो उन्होंने कहा कि ओम प्रकाश राजभर वैचारिक रूप से भाजपा के साथ हैं। राजभर गरीबों मजदूरों, दलित और वंचितों की लड़ाई लड़ते है। उन्होंने कहा कि जिस बात की ये लड़ाई लड़ते है पीएम मोदी और सीए योगी आदित्यनाथ उस लड़ाई को पूरा करते है। इस दौरान मीडिया कर्मियों ने ओपी राजभर द्वारा मायावती को पीएम बनाए जाने को लेकर दयाशंकर से सवाल किया तो उन्होंने कहा कि पीएम का पद कहा खाली है। जब तक पीएम पद पर मोदी जी है तब तक प्रधानमंत्री पद खाली नहीं है। उन्होंने कहा कि भविष्य में पीएम की कुर्सी खाली नहीं होगी। हालांकि, उन्होंने कहा कि हम ओम प्रकाश राजभर को अपने साथ लाने की कोशिश में है। तो वहीं, जब इस बारे में सुभासपा अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर से पूछा गया तो उन्होंने कहा, निकाय चुनाव हम अकेले लड़ेंगे। लेकिन, लोकसभा चुनाव आयेगा तो देखा जाएगा कि क्या करना है। हालांकि, भाजपा के साथ जाने के सवाल पर कहा कि अभी कोई ऐसा इरादा नहीं है। वहीं, परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर के बीच हुई मुलाकात से सियासी सुगबुगाहट बढ़ गई है।

भागलपुर में रमजान के कारण बदला स्कूलों का समय

पटना, 31 मार्च (एजेंसियां)। बिहार में नीतीश सरकार ने मुस्लिमों के रमजान महीने को देखते हुए स्कूली समय में बदलाव किया है। ताजा जानकारी के अनुसार भागलपुर जिला शिक्षा विभाग ने एक सर्कुलर जारी करके जिले के सभी विद्यालयों को आदेश दिया है कि वो रमजान को ध्यान में रखते हुए स्कूलों के समय में बदलाव करें। इससे पूर्व बिहार के सीमावर्ति मुस्लिम बहुल जिले किशनगंज में जिला शिक्षा विभाग की ओर से इस तरह का आदेश जारी किया जा चुका है। भागलपुर जिला शिक्षा अधिकारियों ने जो आदेश जारी किया है, उसके मुताबित जिले के सभी विद्यालयों को आदेश दिया गया है कि चूंकि रमजान को पवित्र महीने में मुस्लिम समुदाय के लोग दिन में उपवास रखते हैं, इसलिए मुस्लिमों की भावनाओं को देखते हुए स्कूली समय में बदलाव करने का फैसला किया गया है।

बिजली की दरें नहीं बढ़ेंगी, नियामक का बढ़ा रेट देख सरकार ने सब्सिडी बढ़ाई

पटना, 31 मार्च (एजेंसियां)। बिहार में ऊर्जा मंत्री बिजेंद्र यादव ने बिजली की दरों को लेकर बड़ी घोषणा की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की कृपा से अनुदान को बढ़ाते हुए पुराने रेट को ही प्रभावी रखा जा रहा है। इसके बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि निर्णय लिया कि लोगों पर आर्थिक बोझ न पड़े, इसलिए यह निर्णय लिया। बता दें कि 8 हजार 895 करोड़ अनुदान देते थे। कैबिनेट से फैसला लिया 13 हजार 114 करोड़ रुपये अनुदान देंगे। इसके कारण पुराने रेट पर ही उपभोक्ताओं को बिजली मिलेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा वालों को केंद्र से कहना चाहिए कि वन नेशन, वन रेट लागू करें। बिहार को 5.82 रुपये प्रति यूनिट बिजली मिलती है, जबकि गुजरात को 3.74 रुपये प्रति यूनिट। मुख्यमंत्रियों की बैठक में एक ही

रेट का मुद्दा उठाते रहते हैं। भाजपा वाले भी केंद्र सरकार को बताएं कि राज करना चाहते हैं तो इन सभी बात की चिंता कीजिए। गरीबी के बावजूद आज हमने एक-एक घर में बिजली पहुंचा दिया है। साल 2018 में टारगेट के दो महीने पहले लक्ष्य पूरा किया गया। रेट हम नहीं बढ़ाए थे। संवैधानिक रूप से नियामक रेट बनाता है। हम लोग उसको थोड़े ही मानते हैं। वह रेट देंगे, हम सब्सिडी देकर उसे आम उपभोक्ताओं के लिए राहत देते हैं। सीएम ने कहा, मध्यप्रदेश को 3.49 रुपये प्रति यूनिट बिजली देते हैं। बिहार इतना गरीब राज्य है, इसका ख्याल रखना चाहिए। कैबिनेट आज ही कर लिया गया, क्योंकि नियामक के हिसाब से कल से नया रेट लागू हो जाता। विपक्ष के नेता बोले, आप अपने स्तर से थर्मल पावर क्यों नहीं चला रहे कि केंद्र सरकार को दोष दे रहे हैं। फिर अध्यक्ष ने कहा, आप धन्यवाद दीजिए मुख्यमंत्री को। इसके बाद अध्यक्ष के रोकने पर भी विपक्ष के नेता विजय कुमार सिन्हा बोलने लगे, विपक्ष की आवाज दबाकर सत्ता मनमानी करना चाहती है। बताएं कि राज्य का उत्पादन क्या है, केंद्र का उत्पादन क्या है। ऊर्जा मंत्री बिजेंद्र यादव ने दिया जवाब। कहा, झारखंड बंटवारे के बाद बिहार में 110 मेगावाट उत्पादन वाली दो यूनिट ही बची थी।

सपा के पूर्व विधायक दीप नारायण यादव की 183 करोड़ रुपये कीमत की संपत्ति कुर्क

झांसी, 31 मार्च (एजेंसियां)। कुख्यात अपराधी लेखराज यादव को पुलिस कस्टडी से छुड़ाने की कोशिश के आरोप में जेल में बंद गरौठा के पूर्व विधायक दीपनारायण यादव उर्फ दीपक पर कुर्की की कार्रवाई जारी है. पुलिस और प्रशासन ने उनकी 4 जगह की संपत्ति कुर्क कर दी है. इनकी कीमत 182 करोड़ 94 लाख 38 हजार रुपये है. तहसील मोठ में जिला मजिस्ट्रेट झांसी के आदेश अनुसार धारा 14 (1) उत्तर प्रदेश गिरोह बंद एवं समाज विरोधी क्रियाकलाप अधिनियम के अंतर्गत समाजवादी के पूर्व विधायक दीपनारायण सिंह यादव की संपत्ति को कुर्क किया गया. समाजवादी पार्टी के पूर्व विधायक दीप नारायण यादव के मून इंटरनेशनल कॉलेज और रामादेवी एजुकेशन फाउंडेशन ट्रस्ट सहित कई अन्य संपत्ति शासन-प्रशासन के आदेश से कुर्क की गई.

कैदी नंबर 17052 बना अतीक अहमद

जेल के कपड़े पहनने होंगे, कैसी होगी माफिया की जिंदगी?

प्रयागराज, 31 मार्च (एजेंसियां)। उमेश पाल अपहरण केस में प्रयागराज की एमपी एमएलए कोर्ट से उम्र कैद की सजा मिलने के बाद माफिया अतीक अहमद को साबरमती जेल में शिफ्ट कर दिया गया है, जहां पर उसे बिल्ला नंबर अलॉट हो गया है. अतीक अहमद इस जेल में कैदी नंबर 17052 बन गया है. अब से माफिया अतीक को उसके नाम की बजाय उसके बिल्ला नंबर से पुकारा जाएगा. यही नहीं उसे सजायाफ्ता कैदियों वाली वर्दी भी दी गई है. जिसे अब अतीक को पहनना होगा. अतीक अहमद को उम्रकैद की सजा मिलने के बाद फिर से साबरमती जेल भेज दिया गया है. जहां अतीक अहमद अब एक सजायाफ्ता कैदी की तरह जिंदगी गुजारेगा. जेल प्रशासन की ओर से उसे बिल्ला नंबर 17052 अलॉट कर दिया गया है, जो अब उसकी पहचान है. इसके साथ ही उसे कैदियों वाली वर्दी भी दी गई है. अतीक अहमद को दो जोड़ी कैदियों वाली वर्दी दी गई है. इनमें

दो जोड़ी सफेद कुर्ता, पायजामा, टोपी और गमछा दिया गया है. जेल में रहते हुए अब उसे यही वर्दी पहननी होगी. जेल मैनुअल के मुताबिक अतीक अहमद को अब काम भी करना होगा. अतीक को सश्रम कारावास की सजा मिली है ऐसे में उसे जेल में अब रोजाना काम भी करना होगा. काम के बदले अतीक अहमद को रोजाना 25 रूपये मिलेंगे. जेल में अतीक अहमद का अकाउंट भी खोला गया है. काम के बदले अतीक अहमद को जो पैसे मिलेंगे वह इसी अकाउंट में जमा होते जाएंगे. अतीक को अकुशल कारीगर की कैटेगरी में रखा गया है, इसलिए उसे रोजाना सिर्फ 25 रुपये मिलेंगे. कुशल कामगारों को रोजाना 40 रुपये का भुगतान किया जाता है.

आजम खान परिवार पर नई मुसीबत! घर पर हुआ जादू टोने से हमला, लाल चुनरी के साथ फेंकी संदिग्ध पोटली

रामपुर, 31 मार्च (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के नेता आजम खान की मुसीबतें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं. एक तरफ उनकी और बेटे अब्दुल्ला आजम की विधानसभा सदस्यता रद्द हो चुकी है तो वहीं दूसरी तरफ इन दिनों वो कई मुकदमें झेल रहे हैं. इस बीच अब उन जादू-टोने से भी हमला हो रहा है. ये बात आपको हैरान जरूर कर सकती हैं लेकिन ये सवाल इसलिए खड़ा हुआ है क्योंकि आजम खान के घर के अंदर किसी ने लाल चुनरी के साथ कुछ संदिग्ध कपड़े, काली थैली के अंदर रखकर फेंक दिए हैं.

आजम खान के घर पर लगे सीसीटीवी कैमरे में भी ये घटना कैद हुई है, जिसमें एक अधेड़ उम्र का व्यक्ति आजम खान के घर में ये थैली फेंकते दिखाई दे रहा है और फिर आगे बढ़ जाता है. जिसके बाद आजम खान की पत्नी और पूर्व राज्यसभा सांसद

डॉ तंजीन फातिमा ने इस बात की सूचना रामपुर पुलिस को दी है. आज़म खान की पत्नी ने एसपी रामपुर को एक चिट्ठी लिखकर पुलिस से घटना के बारे में शिकायत की है और भविष्य में अपने परिवार की सुरक्षा की चिंता जताते हुए कहा है कि उनके घर पर पुलिस की वाई श्रेणी की सुरक्षा लगे होने के बावजूद इस तरह उनके घर के अंदर किसी अज्ञात व्यक्ति ने जिस तरह से एक पोटली फेंकी है उससे आने वाले दिनों में कोई संगीन वारदात भी हो सकती है. आजम खान के घर के अंदर पोटली फेंके जाने की घटना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधिकारियों ने आजम खान के घर पहुंचकर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया. रामपुर के एएसपी संसार सिंह ने कहा कि हमने घटना को गंभीरता के साथ लिया है. पूरे मामले की जांच कर रहे हैं. सीसीटीवी फुटेज में पोटली फेंकने वाले व्यक्ति को पहचाना जा सकता है.

उसकी पहचान कराई जा रही है. साथ ही आजम खान साहब के आवास पर जो पुलिस गार्ड लगाए गए हैं उन पर भी इस मामले में लापरवाही बरतने को लेकर कार्रवाई की जाएगी. आजम खान के घर में जो पोटली फेंकी गई है, उसके अंदर कुछ लाल कपड़े और टोपी आदि है. जिसे देखकर ऐसा लगता है जैसे ये किसी मजार या कहीं से उतारकर फेंक दी जाती है. उस तरह की चुनरी है जो जादू टोना या उतारे में इस्तेमाल की जाती है. पूरे मामले की गंभीरता के साथ जांच की जा रही है.

पुलिस सीसीटीवी कैमरे की फुटेज के आधार पर पोटली फेंकने वाले व्यक्ति की पहचान कराने में जुटी हुई है. वहीं आजम खान के परिवार को अपनी सुरक्षा की चिंता सता रही है. आजम खान की पत्नी ने आरोप लगाया कि जिस तरह से हमें फर्जी मुकदमों में फंसाया जा रहा है और अब यह इस तरह से हमारे घर के अंदर पोटली फेंकी गई है तो इससे हमें पुलिस की मिलीभगत लग रही है. जिस तरह से आज यह पोटली में की गई है कल को कोई और चीज भी हमारे घर के अंदर में की जा सकती है कुछ भी हो सकता है. घटना के बाद से चर्चा है कि क्या अब आजम खान और उनके के परिवार पर जादू टोने का हमला हो रहा है. पुलिस इस घटना की जांच में जुट गई है.

रामनवमी मेले में गए युवक पर हुआ एसिड अटैक, मामला जानकर काँप उठेगी रूह

समस्तीपुर, 31 मार्च (एजेंसियां)। बिहार के समस्तीपुर से एक दर्दनाक घटना सामने आ रही है यहाँ रामनवमी का मेला देखने गए युवक पर तेजाब से हमला किया गया। युवक का चेहरा बुरी तरह जल गया है तथा उसकी आंखें भी क्षतिग्रस्त हो गई हैं। मामला रोसरा थाना के बटहा गांव का है। जिले रोसड़ा थाना के बटहा गांव में कुछ व्यक्तियों ने एक युवक को पकड़ कर पीटने के पश्चात उसके चेहरे पर तेजाब डाल दिया। इससे युवक गंभीर तौर पर चोटिल हो गया। वही खबर मिलने पर पहुंची पुलिस ने युवक को बरामद कर रोसड़ा चिकित्सालय में भर्ती कराया। जहां से उसे घरवाले बेगूसराय ले गए। किन्तु उसकी चिंताजनक हालत देख डॉक्टर ने पटना रेफर कर दिया। चोटिल शख्स की रोसड़ा के ही खैरा गांव निवासी अजबलाल महतो के 20 वर्षीय पुत्र संजीत कुमार के तौर पर पहचान हुई है। प्राप्त हुई खबर के मुताबिक, यह मामला बृहस्पतिवार 12 बजे के बाद हुआ। बताया गया है कि संजीत रामनवमी को लेकर बटहा गांव स्थित अपने ननिहाल आया था। रात में वह अपने दोस्तों के साथ गांव में रामनवमी के मेला देखने निकला था। घरवालों ने बताया कि उसी समय कुछ लोगों ने संजीत को पकड़ अपने कब्जे में ले लिया। फिर अपने घर ले जाकर पहले पीटा, उसके पश्चात उसके चेहरे पर तेजाब डाल दिया। जिससे युवक का आंख को नुकसान पहुंचा। परिजनों ने बताया कि घटना की खबर देने पर रात में ही पुलिस अपराधियों के घर गयी तथा संजीत को बरामद कर रोसड़ा चिकित्सालय में भर्ती कराया। इस सिलसिले में रोसड़ा इंस्पेक्टर कृष्ण प्रसाद ने बताया कि गंभीर तौर पर चोटिल होने की वजह से युवक ने अभी बयान नहीं दिया है। घरवाले ने भी आवेदन नहीं दिया है। पुलिस अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी में जुट गई है।

दिवंगत मंत्री नब किशोर दास की बेटी दीपाली होंगी बीजद की उम्मीदवार

झारसुगुड़ा, 31 मार्च (एजेंसियां)। चुनाव आयोग द्वारा ओडिशा की झारसुगुड़ा विधानसभा सीट पर उपचुनाव की तारीख का एलान होने के बाद सत्ताधारी पार्टी बीजद ने वहां से अपने उम्मीदवार के नाम का एलान कर दिया है। बीजद ने झारसुगुड़ा विधानसभा क्षेत्र से दिवंगत स्वास्थ्य मंत्री नब किशोर दास की बेटी दीपाली दास को अपना उम्मीदवार बनाया है। गौरतलब है कि ओडिशा के स्वास्थ्य मंत्री नब किशोर दास की इसी साल जनवरी में एक पुलिसकर्मी ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। ओडिशा के दिवंगत स्वास्थ्य मंत्री नब किशोर दास के निधन से रिक्त हुई झारसुगुड़ा विधानसभा सीट पर उपचुनाव की घोषणा बीते बुधवार को चुनाव आयोग ने की थी। चुनाव आयोग ने झारसुगुड़ा विधानसभा सीट के साथ ही पंजाब की जालंधर लोकसभा सीट और उत्तर प्रदेश की छानबे और स्वार विधानसभा सीट और मेघालय की सोहियोंग विधानसभा सीट पर चुनाव की तारीखों की

घोषणा की थी। इन सीटों पर 10 मई को चुनाव होगा और 13 मई को नतीजे आएंगे। जानकारी के मुताबिक, बीजू जनता दल (बीजद) ने झारसुगुड़ा विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव के लिए पार्टी के उम्मीदवार के रूप में ओडिशा के दिवंगत स्वास्थ्य मंत्री नबा किशोर दास की बेटी दीपाली दास के नाम की घोषणा की।

राहुल गांधी पर बवाल

दिग्गी राजा के ट्वीट पर क्यों भड़क गए सिंधिया

भोपाल, 31 मार्च (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के दो दिग्गज नेता और देश की पॉलिटिक्स में रसूख रखने वाले पॉलिटिकल फिगर इन दिनों एक दूसरे पर जमकर तंज कस रहे हैं। इन्हे यूं तो राज्य में अपने समर्थकों के बीच राजा और महाराज का दर्जा हासिल है। मगर आजकल जो जंग ट्विटर पर दोनों के बीच छिड़ी है उससे कई लोग अब इनके बीच सीधा सियासी मुकाबला देख रहे हैं। क्योंकि एमपी में अगले कुछ महीनों में विधानसभा चुनाव होने हैं लिहाजा इन नेताओं के सियासी जंग के कई मायने निकाले जा रहे हैं। भोपाल। दिग्विजय सिंह और ज्तोतिरादित्य सिंधिया एक दूसरे के मुकाबिल खड़े होते हुए भी आमने सामने कम ही आते हैं। जब आते हैं तो सियासी चर्चा में छा जाते हैं। इस बार कांग्रेस नेता राहुल गांधी की संसद से सदस्यता रद्द होने के मुद्दे पर राजा साहब और महाराज फिर एक दूसरे के आमने सामने हैं। असल में दिग्विजय सिंह ने जर्मनी के विदेश मंत्रालय और रिचर्ड वॉकर को धन्यवाद देते हुए कहा कि आपका आभार कि आपने नोटिस लिया कि राहुल गाधी को प्रताड़ित करने के लिए किस तरीके से भारतीय लोकतंत्र को कमजोर किया जा रहा है। जिसके पलटवार मे केन्द्रीय मंत्री ज्योतरादित्य सिधिया ने कहा इंडियन नेशनल कांग्रेस अब फॉरेन नेशनल कांग्रेस है।

न्यायपालिका के साथ आम जनता की भावनाओं का अपमान और हमारे सशस्त्र बलों की वीरता का अनादर करने के बाद दिग्विजय सिंह और कांग्रेस अब निम्नता के नए स्तर को छू रहे हैं। राहुल गांधी के आमने सामने राजा और महाराजः राहुल गाधी के मुद्दे पर अर्से बाद एक दूसरे के आमने सामने हुए हैं ज्योतिरादित्य सिंधिया और दिग्विजय सिंह। हांलाकि कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह को उनके इस ट्वीट को लेकर केन्द्र सरकार, केन्द्रीय कानून मंत्री भी विरोध दर्ज करा चुके हैं। लेकिन महाराज और राजा साहब की सियासी रंजिश इस एपीसोड के साथ फिर सतह पर आ गई।

टेंट में अकेली सो रही टूरिस्ट, बारटेंडर ने की छेड़छाड़ चिल्लाई तो घोंप दिया चाकू

गोवा, 31 मार्च (एजेंसियां)। गोवा में एक विदेशी महिला के साथ उत्पीड़न का मामला सामने आया है। यहां एक डच महिला टूरिस्ट अपने टेंट में सो रही थी, तभी रिजॉर्ट का एक कर्मचारी उसके पास आया और उसके साथ छेड़छाड़ करने की कोशिश की। महिला टूरिस्ट अपने टेंट में अकेली थी, जब रिजॉर्ट कर्मचारी रात 2 बजे उसके टेंट में घुस आया। महिला ने बताया कि उसके हाथों में सेलो टेप था। गलत इरादे से आए शख्स ने उसे जोर से पकड़ लिया और बेड पर धकेल दिया। 29 वर्षीय डच महिला टूरिस्ट के जोर से चिल्लाने पर वहां मौजूद एक शख्स ने उसे बचाया। महिला का अभी अस्पताल में इलाज चल रहा है। गोवा पुलिस के मुताबिक, घटना मंगलवार देर रात की है। इस केस में 27 वर्षीय रिजॉर्ट कर्मचारी को गिरफ्तार कर लिया गया है। वह उत्तराखंड का रहने वाला है और कम से कम दो साल से रिजॉर्ट में बारटेंडर का काम कर रहा है। महिला ने पुलिस को आपबीती बताई। वह यहां पर्यटन के लिए आई थी।

'अमृतपाल को पाक भाग जाना चाहिए'

लोकसभा सांसद सिमरनजीत सिंह मान ने कहा- उनकी जिंदगी खतरे में

चंडीगढ़, 31 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा सांसद और शिरोमणि अकाली दल (अमृतसर) के मुखिया सिमरजीत सिंह मान ने भगोड़े अमृतपाल सिंह को पाकिस्तान जाने की सलाह दी है। सिमरनजीत सिंह मान ने कहा कि अमृतपाल को सरेंडर नहीं करना चाहिए। उसे रावी नदी पार करके पाकिस्तान चले जाना चाहिए। संगरूर से लोकसभा सांसद मान ने कहा, हम 1984 में भी पाकिस्तान गए थे। क्या हम नहीं गए थे? मान ने एक मीडिया संस्थान से इंटरव्यू में ये बातें कहीं। कहा कि अमृतपाल को नेपाल जाने की क्या जरूरत है। उन्हें पड़ोसी मुल्क (पाकिस्तान) चले जाना चाहिए। जब उनसे पूछा गया कि क्या अमृतपाल का पाकिस्तान भाग जाना जायज है तो मान ने कहा कि उनकी जिंदगी खतरे में है। सरकार जुल्म कर रही है तो यह सिख इतिहास के हिसाब से जायज है। सिमरनजीत सिंह मान की टिप्पणी 1984 की घटनाओं की तरफ इशारा थी जब सिख विरोधी दंगे हुए थे। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने जनरैल सिंह भिंडरावाले और उसके खालिस्तानी सहयोगियों का सफाया करने के लिए ऑपरेशन ब्लू स्टार का आदेश दिया था। इसके बाद भारतीय सेना अमृतसर के स्वर्ण मंदिर में घुसी थी। बाद में इंदिरा गांधी की उनके सिख अंगरक्षकों द्वारा हत्या कर दी गई थी। इंदिरा गांधी की हत्या के बाद बड़े पैमाने पर सिख विरोधी दंगे हुए थे। मान की टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब ऐसी अटकलें हैं कि खालिस्तानी अलगाववादी नेता अमृतपाल सिंह अमृतसर में अकाल तख्त, बठिंडा में तख्त दमदमा साहिब या आनंदपुर साहिब के तख्त केशगढ़ साहिब में से किसी एक जगह पर सरेंडर कर सकता है।

भोपाल में कंबाइंड कमांडर कॉन्फ्रेंस को संबोधित करेंगे पीएम मोदी

वंदे भारत ट्रेन को दिखाएंगे हरी झंडी, रोड शो भी करेंगे

भोपाल, 31 मार्च (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी (1 अप्रैल) को मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल पहुंचने वाले हैं। यहां प्रधानमंत्री तीन दिवसीय कंबाइंड कमांडर कॉन्फ्रेंस को आखिरी दिन संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री के साथ ही रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी कॉन्फ्रेंस में शामिल होंगे। करीब छ घंटे से अधिक के भोपाल प्रवास के दौरान प्रधानमंत्री एक छोटा रोड शो भी करेंगे। इसके साथ ही भोपाल में रानी कमलापति रेलवे स्टेशन से राज्य की पहले भोपाल-दिल्ली वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी भी दिखाएंगे। पिछले छह महीने में मध्य प्रदेश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का ये चौथा दौरा है। मध्य प्रदेश में इसी साल के आखिर में विधानसभा के चुनाव होने वाले हैं। इसके पहले प्रधानमंत्री सितंबर में श्योपुर स्थिति कुनो नेशनल पार्क, अक्टूबर में उज्जैन और जनवरी में प्रवासी भारतीय दिवस का उद्घाटन करने इंदौर पहुंचे थे। गृह मंत्री अमित शाह भी कई बार राज्य में आ चुके हैं। प्रधानमंत्री की यात्रा को देखते हुए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान तैयारियों का जायजा लेने स्वयं रानी कमलापति रेलवे स्टेशन पहुंचे। इसके साथ ही उस रास्ते का भी मुआयना किया जिससे होकर पीएम का रोड शो गुजरने वाला है। प्रधानमंत्री का रोड शो कुशाभाऊ ठाकरे हॉल से रेलवे स्टेशन तक होगा और सिर्फ 10 मिनट में पूरा होगा। प्रधानमंत्री सुबह 9,25 बजे भोपाल पहुंचेंगे और शाम 4,10 बजे उनकी रवानगी है। प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा जारी की गई सूचना के अनुसार वे सुबह 10 बजे कंबाइंड कमांडर कॉन्फ्रेंस को संबोधित करेंगे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी कंबाइंड कमांडर कॉन्फ्रेंस में शामिल होने वाले हैं। इसके लिए वह गुरुवार (30 मार्च) को ही भोपाल पहुंच चुके हैं। भोपाल पहुंचने पर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह ने रक्षा मंत्री से मुलाकात की। दोनों के बीच बैठक भी हुई।

कार हादसे में छह युवकों की मौत

हिसार, 31 मार्च (एजेंसियां)। हिसार में आदमपुर-अग्रोहा रोड पर गुरुवार देर रात को नीम अड्डा के पास गाड़ी पलटने से 6 युवकों की मौत हो गई और एक गंभीर रूप से घायल है जिसका इलाज अग्रोहा मेडीकल अस्पताल में चल रहा है। मिली जानकारी के अनुसार सभी युवक देर रात शादी से घर लौट रहे थे। वहीं बताया जा रहा है कि सभी युवक आदमपुर खंड के गांव किशनगढ, खारा और बरवाला निवासी बताए जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि शादी समारोह में आदमपुर में उत्सव गार्डन में भाग लेने के लिए आए थे। सभी लोग कार में सवार हो कर घर वापस लौट रहे थे तो अग्रोहा रोड पर कार दुघर्टना ग्रस्त हो गई। जिसमें सवार सागर, शोभित, अरविद, अभिनव, दीपक, अशोक की मौत हो गई, जबकि राजस्थान निवासी भूनेश गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे उपचार के लिए अग्रोहा मेडीकल अस्पताल में दाखिल करवाया गया है। फिलहाल आदमपुर पुलिस घटना की छानबीन में जुटी है। मिली जानकारी के अनुसार हादसा इतना भयंकर बताया जा रहा है कि अनियंत्रित गाड़ी पेड़ और बिजली के खंभे को तोड़ते हुए खेत किनारे जाकर पलट गई। जिसके बाद राहगीरों ने मृतकों को कार से दरवाजों को रस्सों से खींच कर बाहर निकाला। कार के पास खून ही खून बिखरा दिखाई दे रहा है। युवकों की मौत के बाद खारा और किशनगढ़ गांव में मातम छा गया है। परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है।

भगवंत मान की बेटी को खालिस्तानियों की धमकी

स्वाति मालीवाल बोलीं- ये कायरता, दूतावास से सुरक्षा की अपील

नई दिल्ली, 31 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान की बेटी को खालिस्तानी तत्वों की धमकी के मामले में विदेश मंत्रालय से सुरक्षा की गुहार लगाई है। स्वाति मालीवाल ने भारतीय विदेश मंत्रालय से अमेरिका में रह रही भगवंत मान की बेटी सीरत कौर की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है। अमृतपाल सिंह के खिलाफ पंजाब पुलिस की कार्रवाई से बौखलाएं खालिस्तानी तत्वों ने भगवंत मान की बेटी को धमकी भरे फोन किए थे। भगवंत मान और उनकी पहली पत्नी और उनके दोनों बच्चे अमेरिका में रहते हैं। स्वाति मालीवाल ने इस खबर को लेकर ट्वीट करते हुए लिखा, "पंजाब के सीएम भगवंत मान की बेटी को अमेरिका में जान से मारने की धमकी मिलने की खबरें पढ़ीं। यह घोर कायरतापूर्ण कार्य है। मैं अमेरिका स्थित भारतीय दूतावास से उनकी (मान की बेटी) सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील करती हूं। पटियाला की एक वकील ने दावा किया है कि अमेरिका में रह रही सीएम भगवंत मान की बेटी को खालिस्तानी समर्थक तत्वों ने फोन किया और जान से मारने की धमकी दी। वकील हरमीत बराड़ ने लिखा क्या बच्चों को धमकी देने और गाली देने से खालिस्तान मिल जाएगा ? आप इस तरह से बच्चों को धमकी और गाली देकर खालिस्तान लेने जा रहे हैं। इस तरह के लोग सिख धर्म पर धब्बा हैं।' बता दें, सीएम भगवंत मान की पूर्व पत्नी इंदरप्रीत कौर ग्रेवाल अपनी बेटी सीरत कौर (21) और बेटे दिलशान (18) के साथ अमेरिका में रहती हैं। इंदरप्रीत ने घटना की पुष्टि करते हुए हरमीत बराड़ की पोस्ट शेयर की है और साथ ही उनका शुक्रिया अदा किया है।

होटल में जाकर एक ही परिवार के 4 लोगों ने दी जान

छोड़े गए खत से सामने आई मौत की वजह

मंगलुरु, 31 मार्च (एजेंसियां)। कर्नाटक के मंगलुरु में एक चौंकाने वाली घटना में एक होटल में कथित रूप से सुसाइड करने से दो बच्चों सहित एक परिवार के चार सदस्यों की मौत हो गई। जिस होटल के कमरे में परिवार के लोगों के शव मिले थे, वहां से एक सुसाइड नोट मिला है। पुलिस ने कहा कि प्रारंभिक जांच के मुताबिक देवेंद्र (46) आर्थिक संकट का सामना कर रहा था, जिसके कारण परिवार ने यह आत्मघाती कदम उठाया। कर्नाटक में हाल के वर्षों में सुसाइड की कई चौंराने वाली घटनाएं सामने आती रहीं हैं। कर्नाटक में सुसाइड करने वालों में आम लोगों से लेकर मशहूर परिवारों के सदस्य भी शामिल रहे हैं। पिछले साल ही जनवरी के महीने में कर्नाटक के पूर्व सीएम बीएस येदियुरप्पा की नातिन डॉ। सौंदर्या वी वाई ने अपने फ्लैट में पंखे से लटककर सुसाइड कर लिया था। सौंदर्या की उम्र केवल 30 साल थी और वे बेंगलुरु के एमएस रमैय्या अस्पताल में डॉक्टर थीं। सौंदर्या के पति भी डॉक्टर हैं। जब सौंदर्या ने सुसाइड किया तो उनके बच्चे की उम्र महज 6 महीने थी। डॉक्टर सौंदर्या ने ऐसा कदम क्यों उठाया, इसका भी पता नहीं चल सका। इस घटना का पता तब चला जब डॉ। सौंदर्या की घरेलू सहायिका ने उनके कमरे का दरवाजा बार-बार खटखटाया, मगर कोई आवाज नहीं आई।

सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी के बाद शिंदे गुट को घेरने की तैयारी

अब कांग्रेस नेता ने कर दी ये बड़ी मांग

मुंबई, 31 मार्च (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट द्वारा महाराष्ट्र सरकार को नफरत फैलाने वाले भाषणों पर लगाम लगाने में विफल रहने पर 'नपुंसक' बताने वाली टिप्पणी के एक दिन बाद राज्य कांग्रेस ने गुरुवार को मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के इस्तीफे की मांग की। राज्य कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने कहा, शिंदे सरकार ने पिछले नौ महीनों में महाराष्ट्र की छवि को बड़ा झटका दिया है। कुछ संगठनों के भड़काऊ भाषणों के कारण सांप्रदायिक दंगे बढ़ रहे हैं, लेकिन उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। उन्होंने कहा- अब, शीर्ष अदालत ने भी राज्य सरकार को नपुंसक और शक्तिहीन कहकर अपना गुस्सा व्यक्त किया है क्योंकि यह तुरंत कार्रवाई नहीं करती है, और पूछा है कि अगर यह चुप रहती है तो हमारे पास राज्य क्यों है।

नाना पटोले की मांग?

पटोले ने मांग की- यह सीएम शिंदे, उपमुख्यमंत्री फडणवीस सरकार पर बड़ा तमाचा है और उन्होंने सत्ता में बने रहने का अधिकार खो दिया है। उनकी निष्क्रियता के कारण धार्मिक विवाद हाथ से निकल रहे हैं। उन्हें तुरंत पद छोड़ देना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट की नाराजगी का समर्थन करते हुए, उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य की कानून-व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है और सत्तारूढ़ शिवसेना-बीजेपी के सांसद और विधायक खुले तौर पर लोगों और विपक्षी नेताओं को धमकाते हैं।

फडणवीस पर लगाए ये आरोप

पटोले ने कहा- कुख्यात सट्टेबाज के परिवार की गृह मंत्री (फडणवीस) के आवास में खुली पहुंच है, लेकिन वह इससे अनजान है, निर्वाचित नेताओं, पूर्व मंत्रियों और विधायकों को राज्य में धमकी दी जा रही है और उन पर हमला किया जा रहा है, लेकिन कोई कार्रवाई शुरू नहीं की गई है। सत्ता पक्ष के एक विधायक ने गोली चलाई लेकिन वह पुलिस कार्रवाई से बच गया। सकल हिंदू समाज (एसएचएस) की हाल की रैलियों का जिक्र करते हुए, जिस पर सुप्रीम कोर्ट ने अपना गुस्सा प्रकट किया, उन्होंने कहा कि वह बेहद उत्तेजक और भड़काऊ बयान दे रहे हैं, जिसने सामाजिक शांति के लिए खतरा पैदा किया है। उन्होंने कहा कि कुछ संगठनों ने विरोध किया है और पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है,
लेकिन कानून लागू करने वालों के हाथ बंधे हुए हैं क्योंकि सरकार खुले तौर पर कट्टरपंथी समूह का समर्थन कर रही है। पटोले ने कहा कि सरकार से ऐसे समूहों पर अंकुश लगाने की उम्मीद की जाती है लेकिन इसमें इच्छाशक्ति की कमी है जो इन संगठनों को पनपने देता है, और दुनिया के सामने मुंबई और महाराष्ट्र की निष्पक्ष छवि को धूमिल करता है। पटोले ने कहा, शीर्ष अदालत ने महाराष्ट्र सरकार के लिए जिस शब्द (नपुंसक) का इस्तेमाल किया है, वह आज तक किसी भी सरकार के लिए नहीं हुआ।

10 साल की लड़की को हो रहा था असहनीय दर्द, पेट में निकला 100 ग्राम बालों का गुच्छा

मुंबई, 31 मार्च (एजेंसियां)। मुंबई के दादर में रहने वाली कियारा बंसल (बदला हुआ नाम) मासिक धर्म की दवाएं ले रही थीं, क्योंकि उन्हें 9 साल की उम्र में मासिक धर्म आ गया था। लड़की को भारी रक्तस्त्राव हो रहा था, जिसके वजह से एक साल से अधिक समय से उसके पेट में असहनीय दर्द हो रहा था। लड़की में कोई अन्य लक्षण दिखाई नहीं दे रहे थे। जैसे की, उल्टी, लूज मोशन और वजन कम होना। लड़की की बिगड़ती सेहत को देखकर परिवार वालों ने उसे स्थानिक डॉक्टरों को दिखाया। डॉक्टरों के सलाह से की गई वैद्यकीय जांच में मरीज को मेसेन्टेरिक लिम्फैडेनाइटिस का पता चला। लड़की को आगे के इलाज के लिए वाडिया अस्पताल दाखिल कराया गया। बाई जेरबाई वाडिया हॉस्पिटल फॉर चिल्ड्रन के पीडियाट्रिक सर्जन डॉ। पराग करकेरा ने कहा, क्लीनिकल जांच में हमें पेट में गांठ महसूस हुई। ऐसी स्थिति में मरीज को तुरंत अस्पताल दाखिल कराया गया। पेट में दर्द के कारण कई मरीज इलाज के लिए अस्पताल आते हैं, लेकिन उनमें कोई गांठ नहीं होती हैं। हमने एक सीटी स्कैन किया, जिसमें एक ट्राइकोबीजोर दिखाया गया, जो पेट में बालों का एक द्रव्यमान है। इस लड़की को बाल खाने की आदत थी। इस कारण पेट में बालो का गुच्छा बन गया था। बच्चों में ऐसा कम ही देखने को मिलता है। इस मरीज को ट्रिकोटिलोमेनिया था (ऐसी स्थिति जिसमें व्यक्ति को अपने बाल खुद खींचने की प्रबल इच्छा होती है)। वह ट्राइकोपागिया से भी पीड़ित थी, एक ऐसी स्थिति जिसमें व्यक्ति अपने बाल खुद ही खाते हैं। इस बारे में माता-पिता को भी कुछ पता नहीं था।

कोरोना के खतरे के बीच केजरीवाल बोले- चिंता की कोई बात नहीं, जरूरी कदम उठा रही सरकार

नई दिल्ली, 31 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली में कोरोना के हालात पर सीएम अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक खत्म होने के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस बाद केजरीवाल ने कहा कि चिंता की कोई बात नहीं है, जरूरी कदम उठाए जा रहा हैं। उन्होंने कहा कि जीनोम सीक्वेंसिंग करवा रहे हैं। दिल्ली में कोरोना के केस बढ़ रहे हैं। पिछले 24 घंटे में दिल्ली में कोरोना के 295 नए मरीज मिले हैं। दिल्ली में कोरोना के 932 एक्टिव केस हैं। केजरीवाल ने आगे कहा कि कोरोना से घबराने की कोई जरूरत नहीं है। सावधानी बरतना जरूरी है। अरविंद केजरीवाल ने बताया कि जिन राज्यों में कोरोना के मामले बढ़ रहे हैं, केंद्र सरकार ने उन राज्यों के नाम जारी किए हैं। दिल्ली का नाम उनमें शामिल नहीं है। जहां दिल्ली में 15 मार्च को 15 केस थे, वहीं अब बढ़कर 295 हो गए हैं। हमें यहां समझने की जरूरत है कि ये मामले क्यों बढ़ रहे हैं। इस बीच कोरोना से तीन लोगों की मौत हुई है। सरकार ने दिशानिर्देश जारी कर कहा है कि जिन लोगों को भी इनफ्लुएंजा या प्लू जैसे लक्षण हैं, वे लोग मास्क जरूर पहनें। अस्पताल के अंदर भी मास्क जरूर लगाएं। गुरुवार को दिल्ली सचिवालय में स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने बताया कि केंद्र सरकार की तरफ से मॉकड्रिल को लेकर दिशानिर्देश आए हैं, लेकिन केजरीवाल सरकार द्वारा पहले ही दिल्ली में मॉकड्रिल की जा चुकी है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से स्थिति पर रोजाना नजर रखी जा रही है। अस्पताल प्रशासन को पूरी मुस्तैदी के साथ तैयारियों को बरकरार रखने के निर्देश दिए गए हैं। जरूरत पड़ने पर हम पिछली बार की तरह अस्पताल व उसके आसपास के संसाधनों का उपयोग करते हुए कोविड बेड की संख्या को कई हजार तक बढ़ा सकते हैं। अस्पताल इस बार भी कोरोना से लड़ने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

तरनतारन में बर्बरता

गुरुद्वारे से लौट रहे ग्रंथी पर हमला, टांग काटकर ले गए आरोपी, हाथ की उंगलियां भी काटी

तरनतारन (पंजाब), 31 मार्च (एजेंसियां)। पंजाब के तरनतारन में शुक्रवार को गुरुद्वारे से लौट रहे एक ग्रंथी पर कुछ अज्ञात बदमाशों ने तेजधार हथियार से हमला कर दिया। बदमाशों ने ग्रंथी की टांग काट दी और अपने साथ ले गए। वहीं उन्होंने ग्रंथी के हाथ की उंगलियां भी काट दी। जानकारी के अनुसार, कस्बा खडूर साहिब के सुखचैन सिंह (55) पुत्र शेर सिंह गुरुवार रात करीब आठ बजे गुरुद्वारे से ड्यूटी से घर लौट रहा था। तभी कुछ अज्ञात बदमाशों ने उसके ऊपर तेजधार हथियारों से हमला कर दिया। परिजनों ने बताया कि रोजाना की तरह सुखचैन सिंह गांव बाणियां में ग्रंथी की ड्यूटी करके वापस आ रहा था। इस दौरान बदमाशों ने उसके ऊपर तेजधार हथियारों से वार कर दिया। बदमाश ग्रंथी की टांग काट कर अपने साथ ले गए। हमले के दौरान ग्रंथी के एक हाथ की उंगलियां भी काट दी गई। ग्रंथी को अस्पताल में भर्ती करवाया गया। परिजनों ने इंसाफ की मांग की है। चक्की खडूर के इंचार्ज जतिंदर सिंह का कहना है कि मामले की जांच जारी है। सीसीटीवी फुटेज खंगाली जा रही है।

परिवार के साथ झील में कूदा प्रिंटिंग प्रेस मालिक

पत्नी-बेटे की मौत, कर्ज के कारण रहता था परेशान

बठिंडा (पंजाब), 31 मार्च (एजेंसियां)। बठिंडा में कर्ज में डूबे प्रिंटिंग प्रेस के मालिक ने पत्नी और बेटे के साथ शुक्रवार सुबह झील में छलांग लगाकर खुदकुशी करने का प्रयास किया। प्रिंटिंग प्रेस मालिक की पत्नी और बेटे की मौत हो गई जबकि वह खुद घायल हो गए। खुदकुशी करने का मुख्य कारण कर्ज ज्यादा होना और बैंक द्वारा आज मकान की कुर्की की जानी थी। मानसिक परेशानी के चलते पूरे परिवार ने कदम उठाया है। जानकारी के अनुसार, शुक्रवार सुबह महिला समेत तीन लोगों ने लेक नंबर-3 में छलांग लगा दी। आसपास के लोगों ने देखकर तुरंत उन्हें बाहर निकाला। सूचना पाकर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। सभी को सिविल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मां-बेटे को मृत घोषित कर दिया, जबकि पिता की हालत गंभीर बनी हुई है। मृतकों की पहचान कैलाश रानी और उसके बेटे पबनीश कुमार के रूप में हुई है,जबकि सुरिंदर घायल है।

मानसिक रूप से थे परेशान

मृतक के रिश्तेदार ने बताया कि उसके पास सुरिंदर का फोन आया था। उसने अलविदा कहकर फोन काट दिया। वह कई दिनों से परेशान था। वह प्रिंटिंग प्रेस का काम करता था। उसके परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं थी। बैंक ने शुक्रवार को मकान की कुर्की करनी थी। पुलिस ने दोनों मृतकों के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की कार्रवाई शुरू कर दी है।

स्वतंत्र वार्ता

शनिवार, 1 अप्रैल - 2023

हिंदी राजनीतिक मुद्दा

तमिलनाडु में एक बार फिर हिंदी विरोध में स्वर उठने लगे हैं। यह पहली बार नहीं हुआ है। समय-बेसमय यह मुद्दा उठना वहां के लिए आम बात हो गई है। ताजा मामला दही के पैकेट पर प्रमुखता से 'दही' लिखे जाने के निर्देश को लेकर उठा है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन ने अपने ट्विटर पर लिखा है कि इस तरह हमारे ऊपर हिंदी थोपने का प्रयास किया जाना ठीक नहीं है। यह मामला तब गरमाया जब भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण ने कर्नाटक मिल्क फेडरेशन को निर्देश दिया है कि दही के पैकेट पर प्रमुखता से 'दही' मुद्रित किया जाए। अब यही विवाद एक बडे मुद्दे के रूप में सामने आया है। अब सुझाव आए हैं कि तमिल में दही के पर्यायवाची को कोष्ठक में लिखा जाना चाहिए। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण ने इस सुझाव को स्वीकार भी कर लिया है। ऐसे में मुख्यमंत्री के ट्वीट ने एक बार फिर हिंदी और दक्षिण की भाषाओं के बीच विद्वेष की चिंगारी फूटने लगी है। देखा जाए तो हिंदी को लेकर दक्षिण के राज्यों में उसे वह स्वीकार्यता नहीं मिल सकी है जिसकी दरकार पूरे देश को है। उनकी भावना को शांत करने की कोशिशें की जा चुकी हैं, खूब सारे तर्क दिए जा चुके हैं, फिर भी कुछ लोग हैं जो इसे सियासी रंग देने पर अमादा हैं। ऐसे लोगों के सामने सारे तर्क बेमानी हो जाते हैं। ताजा विवाद में भी कुछ इसी तरह का राजनीतिक नजरिए दिखाई दे रहा है। जिस तेजी से विकास के रास्ते खुल रहे हैं उससे पूरी दुनिया मुट्ठी में आ चुकी है। शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, कारोबार आदि वजहों से लोगों की देश के विभिन्न हिस्सों में आवाजाही आसान हो चुकी है। महानगरों में बड़े पैमाने पर दूसरे प्रांतों के लोगों ने अपनी पूरी बसाहट जमा ली है। ऐसे में भाषा संबंधी किसी संकीर्णता की जगह नहीं बची है। वैसे भी जहां तक हिंदी की बात है, बेशक उसे राष्ट्रभाषा के तौर पर देश के सभी नागरिकों के लिए अनिवार्य न बना दिया गया हो, पर इस हकीकत से आंख नहीं चुराई जा सकती कि हिंदी के बिना भारत में काम करना मुश्किल हो जाएगा। कोई भी कारोबारी यदि यही जिद पकड ले कि अब मैं अपने सारे कारोबार अपनी मातृभाषा में ही करूंगा, हिंदी का सहारा बिल्कुल नहीं लूंगा तो मान कर चलिए उसका कारोबार डूबना तय है। पर्यटन उद्योग से जुड़े लोग तो वैसे भई किसी तरह की जिद नहीं पाल सकते है। दक्षिण के राज्यों में हिंदीभाषी लोग बड़ी सहजता से अपनी भाषा में बात रख लेते हैं, मजेदार तो यह है कि वहां के लोग उनकी बात समझ भी लेते हैं। इस सच्चाई से वहां के राजनेता और प्रशासक भी अपरिचित नहीं। फिर यह समझना मुश्किल है कि वे ऐसे भाषा-विद्वेष को जिंदा ही क्यों रखना चाहते हैं। आखिर इसे कौन नहीं जानता कि कोई भी भाषा अपनी संस्कृति की वाहक और संरक्षक होती है, उसे विकृत करने की कोशिशों का विरोध होना ही चाहिए। मगर भाषाई खुलेपन की वजह से अगर कारोबारी विस्तार हो रहा हो, तो ऐसी जिद भी नहीं पाली जानी चाहिए। फिर भाषाएं चुपके से अपनी सहवर्ती भाषाओं से न जाने कितने शब्द, मुहावरे, प्रतिमान ग्रहण कर अपने को समृद्ध करती रहती हैं, उनके इस सहज स्वभाव में राजनीतिक अवरोध भी क्यों पैदा किया जाना चाहिए। भारतीय भाषाओं के बीच जितना विपुल अनुवाद होता है, उतना दुनिया की किन्हीं और भाषाओं के बीच नहीं होता। इस तरह बहुत सारे शब्दों का एक-दूसरे में समावेश होता चलता है। स्वाभाविक ही इससे भारतीय संस्कृति की एकसूत्रता मजबूत होती है। फिर इस बात को लेकर झगड़ा ही क्यों होना चाहिए कि किस भाषा में दूध, दही या किसी और वस्तु को क्या कहते हैं। बहुत सारे उत्पादों के नाम विदेशी भाषाओं से लिए गए हैं, लेकिन उससे किसी को कोई नफरत नहीं है। न ही उन्हें कभी इस बात का एहसास हुआ कि हमारे ऊफर भाषा और संस्कृति को जबरन थोपा जा रहा है।

नारीवाद, भारतीय महिला और पवित्रता

सलिल सरोज

मूल तौर पर, भारतीय महिलाएं, यहां तक कि महिलाओं के अधिकारों और समानता की समर्थक भी, नारीवादी शब्द का विरोध करती हैं, जो अक्सर आक्रामकता, यौन अनुमति, निर्लज्जता और स्त्री गुणों की कमी से जुड़ा होता है; नारीवादियों को मातृत्व, पारिवारिक मूल्यों और पुरुषों के खिलाफ माना जाता है। कई लोगों के लिए नारीवाद की छवि शास्त्रों में परिभाषित हिंदू समाज में ₹आदर्श महिला₹ की छवि से सीधे तौर पर बहुत अलग है। यहां तक कि फिल्म निर्माता, लेखक और कलाकार भी जिनके काम का उद्देश्य पुरुष विशेषाधिकार और सेक्सिस्ट व्यवहार को बढ़ावा देना है, अक्सर नारीवादी लेबल को अस्वीकार करते हैं। जब दुनिया भर में ऐतिहासिक शहरों के निर्माण के साथ समाज के पदानुक्रम का निर्माण शुरू होता है, तो ऐसे सामाजिक विकास का परिणाम आम तौर पर महिलाओं के अधिकारों के प्रतिबंध में होता है। और भारत इसका अपवाद नहीं था, जहाँ महिलाओं को अधिक से अधिक परिवार और पति के अधीन किया जाने लगा और स्वतंत्र अभिनेताओं के रूप में उनकी भूमिका खोने लगी। लेकिन जैसे ही शुरुआती शहरी काल फलित हुआ, महिलाओं ने भक्ति आंदोलनों में प्रत्यक्ष अभिनेताओं के रूप में भाग लेना शुरू कर दिया और वहां महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। एक अच्छा उदाहरण कराइक्कल अम्मैय्यर है, जो 63 शैव संतों में से पहले बने। इस तरह के आंदोलनों ने महिलाओं के लिए आध्यात्मिक समानता की ओर इशारा किया और, हालांकि महिला संत महिलाओं के लिए सामाजिक बाधाओं के नियम के अपवाद हैं, वे आधुनिक युग तक कई शताब्दियों तक प्रमुख और असंख्य थे।एक से अधिक आंदोलन, जैसे 11वीं शताब्दी में कर्नाटक के वीरशै वास, ने महिलाओं के लिए आध्यात्मिक समानता और आध्यात्मिक नेतृत्व तक समान पहुंच का आह्वान किया। 15वीं शताब्दी में शुरू हुए सिखों ने भी इसी तरह के विचार रखे और उत्तर भारत के संत-कवियों ने सीधे तौर पर इस धारणा पर सवाल उठाया कि आध्यात्मिक विकास या उपलब्धि को निर्धारित करने में लिंग की कोई भूमिका होनी चाहिए। जब 18वीं से 20वीं शताब्दी में आधुनिकता सामने आती है और बाल विवाह, दहेज, विधवा पुनर्विवाह पर प्रतिबंध, और निःसंतान पत्नी द्वारा अपने से बड़े पति की चिता पर खुद को जलाने की प्रथा जैसी परंपराओं को मौलिक रूप से बदल देती है। इस बात पर जोर देना महत्वपूर्ण है कि महिलाओं पर इन नकारात्मक सांस्कृतिक प्रतिबंधों का आधुनिक भारत का कानूनी सुधार पूरा हो गया था, भले ही कानूनी कार्रवाइयों ने इन समस्याओं को पूरी तरह से हल नहीं किया है। उत्पीड़न के इतिहास को सिर्फ कानूनों के पारित होने से रातोंरात हल नहीं किया जा सकता है, लेकिन ये साहसिक कानूनी उपाय एक उत्तर-औपनिवेशिक, स्वतंत्र राष्ट्र के लिए महत्वपूर्ण हैं। महिलाओं की स्थिति में सुधार के लिए आधुनिक सुधार आंदोलन पहली बार 19वीं शताब्दी में उठे, जब देश ब्रिटिश साम्राज्यवादी शासन के तहत विश्व सभ्यता की मुख्यधारा में प्रवेश कर गया था।

चिकित्सा पर्यटन का विकल्प चुनने वाले रोगियों को सुरक्षित उपचार मिले

अर्णव प्रताप

चिकित्सा पर्यटन। बेहतर इलाज। सस्ती स्वास्थ्य सेवा और कम प्रतीक्षा समय चाहने वाले रोगियों के लिए एक लोकप्रिय विकल्प बन गया है। चिकित्सा पर्यटन चिकित्सा उपचार प्राप्त करने के लिए एक विदेशी देश की यात्रा के अभ्यास को संदर्भित करता है। यह हाल के वर्षों में तेजी से लोकप्रिय हो गया है। विकसित देशों के मरीज़ अक्सर विकासशील देशों में चिकित्सा उपचार चाहते हैं। जहां स्वास्थ्य देखभाल की लागत (कॉस्ट) काफी कम है। इस आलेख में हम चिकित्सा पर्यटन की अवधारणा पर चर्चा करेंगे और यह पता लगाएंगे कि चिकित्सा पर्यटन का विकल्प चुनने वाले रोगियों को कैसे बेहतर उपचार प्रदान किया जा सकता है।चिकित्सा पर्यटन के अपने फायदे और नुकसान हैं। मेडिवाइजर हेल्थ के निदेशक कुमार सुशांत के अनुसार, चिकित्सा पर्यटन का प्राथमिक लाभ लागत बचत है। चिकित्सा उपचार के लिए विकासशील देशों की यात्रा करके मरीज स्वास्थ्य देखभाल लागत पर 70% तक की बचत कर सकते हैं। लागत बचत के अलावा, जो रोगी चिकित्सा पर्यटन का विकल्प चुनते हैं। उन रोगियों के लिए महत्वपूर्ण हो सकता है जिन्हें तत्काल चिकित्सा उपचार की आवश्यकता होती है।वे कम प्रतीक्षा समय से भी लाभान्वित होते हैं। चिकित्सा उपचार के लिए विकासशील देशों की यात्रा करने वाले मरीजों को भाषा बाधाओं, सांस्कृतिक मतभेदों और अनुवर्ती देखभाल की कमी का सामना करना पड़ सकता है। मरीजों को उपचार के दौरान या बाद में जटिलताओं के जोखिम का भी सामना करना पड़ सकता है। इसके लिए उन्हें होशियार रहने की जरूरत है। चिकित्सा पर्यटन के लिए बेहतर उपचार प्रदान करने के लिए, चिकित्सा पर्यटन से जुड़े नुकसानों को दूर करना आवश्यक है। भाषा की बाधा और सांस्कृतिक अंतर को दूर करने का एक तरीका रोगियों को दुभाषिए और अनुवादक प्रदान करना है। चिकित्सा सुविधाएं अपने कर्मचारियों को विभिन्न पृष्ठभूमि के रोगियों के प्रति अधिक सांस्कृतिक रूप से संवेदनशील होना चाहिए। यह रोगियों और चिकित्सा पेशेवरों के बीच विश्वास बनाने में मदद कर सकता है, जो प्रभावी उपचार के लिए महत्वपूर्ण है।अनुवर्ती देखभाल की कमी को दूर करने के लिए, चिकित्सा सुविधाएं रोगी के गृह देश में स्थानीय चिकित्सा सुविधाओं के साथ साझेदारी स्थापित कर सकती हैं। ये साझेदारियां यह सुनिश्चित कर सकती हैं कि मरीज घर लौटने के बाद भी उचित अनुवर्ती देखभाल और उपचार प्राप्त करें। चिकित्सा सुविधाएं रोगियों को विस्तृत चिकित्सा रिकॉर्ड और अनुवर्ती देखभाल के निर्देश भी प्रदान कर सकती हैं, जो जटिलताओं को रोकने में मदद कर सकती हैं और यह सुनिश्चित कर सकती हैं कि रोगी पूरी तरह से ठीक हो जाएं। चिकित्सा पर्यटन से जुड़े नुकसान को दूर करने के अलावा, चिकित्सा सुविधाएं एक सकारात्मक रोगी अनुभव प्रदान करने पर भी ध्यान केंद्रित कर सकती हैं। इसमें आरामदायक और आधुनिक सुविधाएं प्रदान करना, व्यक्तिगत देखभाल की पेशकश करना और मरीजों को वाई-फाई, टीवी और मनोरंजन के अन्य विकल्पों तक पहुंच जैसी कई सुविधाएं प्रदान करना शामिल हो सकता है। चिकित्सा सुविधाएं मरीजों को स्थानीय क्षेत्र और पर्यटकों के आकर्षण के बारे में जानकारी भी प्रदान कर सकती हैं, जो उनके ठहरने को और अधिक सुखद बना सकती हैं। निष्कर्ष निकालने के लिए, चिकित्सा पर्यटन बेहतर उपचार विकल्प, सस्ती स्वास्थ्य सेवा और कम प्रतीक्षा समय चाहने वाले रोगियों के लिए एक तेजी से लोकप्रिय विकल्प है। हालांकि, चिकित्सा पर्यटन के अपने नुकसान भी हैं, जिनमें भाषा अवरोध, सांस्कृतिक अंतर, अनुवर्ती देखभाल की कमी, और जटिलताओं और कपटपूर्ण चिकित्सा पद्धतियों का जोखिम शामिल है। चिकित्सा पर्यटन के लिए बेहतर उपचार प्रदान करने के लिए, चिकित्सा सुविधाएं दुभाषियों और अनुवादकों को प्रदान करके, स्थानीय चिकित्सा सुविधाओं के साथ साझेदारी स्थापित करके, गुणवत्ता नियंत्रण उपायों को लागू करके और एक सकारात्मक रोगी अनुभव प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित करके इन नुकसानों को दूर कर सकती हैं। ऐसा करने से, चिकित्सा सुविधाएं यह सुनिश्चित कर सकती हैं कि चिकित्सा पर्यटन का विकल्प चुनने वाले रोगियों को उच्च-गुणवत्ता और सुरक्षित चिकित्सा उपचार मिले। विशेष रूप से एक नए और अपरिचित देश में चिकित्सा देखभाल की मांग करते समय विदेशी रोगियों को चुनौतियों का एक अनूठा सेट सामना करना पड़ता है। ऐसी स्थितियों में, डॉक्टरों और चिकित्सा पेशेवरों का व्यवहार उनके अनुभव और समग्र स्वास्थ्य परिणामों पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाल सकता है। डॉक्टरों के लिए उन सांस्कृतिक अंतरों और भाषा बाधाओं को समझना और समायोजित करना महत्वपूर्ण है, जिनका सामना विदेशी रोगियों को उच्च गुणवत्ता वाली देखभाल प्रदान करने के लिए करना पड़ता है।विदेशी रोगियों के लिए चिकित्सक व्यवहार के सबसे महत्वपूर्ण पहलुओं में से एक संचार है। प्रभावी संचार यह सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक है कि रोगी अपने निदान, उपचार के विकल्प और किसी भी अन्य प्रासंगिक जानकारी को समझें। हालांकि, भाषा की बाधाएं डॉक्टरों के लिए एक ही भाषा नहीं बोलने वाले रोगियों के साथ प्रभावी ढंग से संवाद करना चुनौतीपूर्ण बना सकती हैं। डॉक्टरों को अनुवाद सेवाएं प्रदान करने के लिए हर संभव प्रयास करना चाहिए, जैसे कि दुभाषिए या अनुवादित सामग्री, यह सुनिश्चित करने के लिए कि रोगी उनकी चिकित्सा देखभाल को समझ सकें। उन्हें सरल भाषा का भी उपयोग करना चाहिए और यह सुनिश्चित करने के लिए चिकित्सा शब्दजाल से बचना चाहिए कि मरीज यह समझ सकें कि उनके साथ क्या हो रहा है। डॉक्टर व्यवहार का एक अन्य महत्वपूर्ण पहलू सांस्कृतिक अंतर को समझना और समायोजित करना है। सांस्कृतिक मतभेद रोगी की बीमारी और उपचार की धारणा, उनकी अपेक्षाओं और उनकी निर्णय लेने की प्रक्रिया को प्रभावित कर सकते हैं। डॉक्टरों को सांस्कृतिक अंतर के प्रति संवेदनशील होना चाहिए और तदनुसार उनकी देखभाल करनी चाहिए। इसमें यह समझना शामिल है कि सांस्कृतिक मूल्य और विश्वास रोगी की बीमारी और उपचार की समझ को कैसे प्रभावित कर सकते हैं और तदनुसार उपचार योजनाओं को समायोजित कर सकते हैं। इसका अर्थ मरीजों की सांस्कृतिक प्रथाओं का सम्मान करना भी है, जैसे आहार प्रतिबंध या धार्मिक विश्वास, और जहां संभव हो इन प्रथाओं को समायोजित करने के लिए काम करना। भाषा और सांस्कृतिक अंतर के अलावा, विदेशी रोगियों को स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली को नेविगेट करने या आवश्यक दवाओं तक पहुंचने जैसी तार्किक चुनौतियों का भी सामना करना पड़ सकता है। डॉक्टरों को इन चुनौतियों से अवगत होना चाहिए और मरीजों को सहायता और मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए काम करना चाहिए। इसमें स्वास्थ्य सेवाओं का उपयोग करने या रोगियों को सामाजिक कार्यकर्ताओं या अन्य सहायता सेवाओं से जोड़ने के बारे में जानकारी प्रदान करना शामिल हो सकता है। डॉक्टरों को विदेशी रोगियों के प्रति पूर्वाग्रह और भेदभाव की संभावना के बारे में पता होना चाहिए। पूर्वाग्रह और भेदभाव का रोगी के परिणामों पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ सकता है और स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली में अविश्वास में योगदान कर सकता है। डॉक्टरों को अपने स्वयं के पूर्वाग्रहों के बारे में पता होना चाहिए और उन्हें दूर करने के लिए काम करना चाहिए, साथ ही स्वास्थ्य सेवा में इक्विटी और निष्पक्षता को बढ़ावा देने वाली नीतियों और प्रथाओं की वकालत करनी चाहिए।अंत में, विदेशी रोगियों के प्रति डॉक्टरों का व्यवहार उनके स्वास्थ्य संबंधी अनुभवों और परिणामों पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाल सकता है। प्रभावी संचार, सांस्कृतिक संवेदनशीलता, तार्किक चुनौतियों के लिए समर्थन, और पूर्वाग्रह और भेदभाव के बारे में जागरूकता विदेशी मरीजों को उच्च गुणवत्ता वाली देखभाल प्रदान करने के सभी महत्वपूर्ण घटक हैं। जैसा कि हमारा समाज तेजी से विविध होता जा रहा है, डॉक्टरों के लिए यह आवश्यक है कि वे अपनी सांस्कृतिक क्षमता को विकसित करना जारी रखें और सभी मरीजों को उनकी पृष्ठभूमि की परवाह किए बिना समान और सम्मानजनक देखभाल प्रदान करने के लिए काम करें।

राष्ट्रीय वैभव को सर्वोपरि बनाने वाले डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार

राष्ट्रीय वैभव, गौरव को सर्वोपरि बनाने वाले और अहं के स्थान पर वयं को स्थापित करने वाले राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार का जन्म वर्ष प्रतिपदा के पावन दिन 1 अप्रैल 1889 को महाराष्ट्र के नागपुर में एक निर्धन ब्राह्मण परिवार में हुआ था। उनके पिता का नाम पण्डित बलिराम पन्त हेडगेवार और माता का नाम रेवतीबाई था। उनके दो बड़े भाई- महादेव और सीताराम थे। माता-पिता ने अपने तीसरे पुत्र का नाम केशव रखा, और बड़े ही लाड़-प्यार से उनका लालन-पालन आरम्भ किया। पिता बलिराम वेद शास्त्र एवं भारतीय दर्शन के विद्वान थे, और वैदिक कर्मकाण्ड अर्थात पुरोहिताई से परिवार का भरण-पोषण किया करते थे। बालक केशव के घर में किसी प्रकार की राजकीय आन्दोलन की कोई परम्परा नहीं रहने के बावजूद मध्य प्रान्त में भारतीय स्वाधीनता आन्दोलन की पदचाप सुनाई देने के पूर्व ही शिशु केशव के मन में अपने देश को परतंत्र बनाने वाले ब्रिटिश अंग्रेजों के लिए अत्यंत घृणा, क्रोध व गुस्सा समाहित था, तथा उनके दिल में स्वतंत्र होने की अदम्य इच्छा थी। इस बात की पुष्टि उनके जीवन के साथ जुड़ी अनेक प्रसंगों से भी होती है। बाल्यकाल से ही क्रांतिकारी प्रवृति के केशव राव को अंग्रेज शासको से अत्यंत घृणा थी। बंग-भंग विरोधी आन्दोलन का दमन करने हेतु अंग्रेजों के द्वारा वन्देमातरम के उद्घोष करने पर पाबन्दी लगा दिए जाने पर 1907 में इस पाबन्दी की धज्जियां उड़ाने के लिए केशव ने अपने विद्यालय के प्रत्येक कक्षा के सहयोगी विद्यार्थियों व सहपाठियों के साथ मिलकर वन्देमातरम के उद्घोष से एक अंग्रेज विद्यालय निरीक्षक का स्वागत करवाकर उन्होंने सबको अपनी निर्भयता, देशभक्ति तथा संगठन कुशलता से परिचित कराया। लेकिन इस घटना से वह अंग्रेज इंस्पेक्टर बिफर गया और उसने केशव बलिराम को विद्यालय से निष्कासित करने का आदेश दिया। विद्यालय से निष्कासित कर दिए जाने पर उन्होंने मैट्रिक तक अपनी पढ़ाई पूना के नेशनल स्कूल में पूरी की। रानी विक्टोरिया के राज्यारोहण के हीरक महोत्सव के निमित्त विद्यालय में वितरण की गई मिठाई को मात्र आठ वर्षीय केशव द्वारा कूड़े में फेंक देने या पंचम जॉर्ज के भारत आगमन पर सरकारी भवनों पर की गई रोशनी और आतिशबाजी देखने जाने के लिए नौ वर्षीय केशव के द्वारा इनकार कर दिए जाने आदि कुछ ऐसे उदाहरण हैं, जो उनके व्यक्तित्व व अंग्रेजों के प्रति घृणा और स्वतन्त्रता प्राप्ति के प्रति उनके मन की उद्विग्नता को दर्शाते हैं।

क्रान्तिकारी आन्दोलन का प्रमुख केंद्र कोलकाता में होने के कारण ही मुम्बई में चिकित्सा शिक्षा की सुविधा होने के बावजूद उन्होंने कोलकाता में यह शिक्षा प्राप्त करने का निर्णय लिया। और 1910 में जब डॉक्टरी की पढाई के लिए कोलकाता गये, तो शीघ्र ही वहां देश के प्रख्यात क्रान्तिकारी आन्दोलन की शीर्ष संस्था अनुशीलन समिति से जुड़कर उन्होंने अपना स्थान बना लिया। 1916 में डाक्टरी में एल. एम. एंड एस. की उपाधि प्राप्ति के पश्चात नागपुर वापस आने पर घर की आर्थिक स्थिति ठीक न होने के बावजूद उन्होंने अपना व्यवसाय प्रारम्भ नहीं किया। और विवाह कर गृहस्थी बसाने का विचार त्याग कर कांग्रेस में सक्रिय हो पूर्ण शक्ति के साथ स्वतंत्रता आन्दोलन में कूद गए। और कुछ समय में ही विदर्भ प्रांतीय कांग्रेस के सचिव बन गये। 1920 में जब नागपुर में कांग्रेस का राष्ट्रीय अधिवेशन हुआ, तो कांग्रेस के इस अधिवेशन की व्यवस्था की जिम्मेदारी डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार के पास ही होने के कारण उन्होंने 1200 स्वयंसेवकों की भर्ती की। इस अधिवेशन में कांग्रेस में पहली बार पूर्ण स्वतंत्रता को लक्ष्य बनाने के बारे में इनके द्वाराप्रस्ताव प्रस्तुत किया गया।कांग्रेस की प्रस्ताव समिति के समक्ष भारत के लिए पूर्ण स्वतंत्रता और विश्व को पूंजीवाद के चंगुल से मुक्त करने से सम्बन्धित मात्र दो प्रस्ताव रखते हुए इन्होंने कहा कि यह कांग्रेस का लक्ष्य होना चाहिए। यह प्रस्ताव तो पारित नहीं किया गया। लेकिन 1920 के अधिवेशन में डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार के द्वारा प्रस्तुत पूर्ण स्वतंत्रता के ऐतिहासिक प्रस्ताव को कांग्रेस ने दिसंबर 1929 में स्वीकार कर पारित किया और 26 जनवरी, 1930 को सम्पूर्ण देश में स्वतंत्रता दिवस मनाने का निर्णय किया। इसलिए डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार ने 1925 के विजयादशमी के दिन स्थापित राष्ट्रवादी संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सभी शाखाओं पर 26 जनवरी 1930 को कांग्रेस का अभिनन्दन करने के लिए कार्यक्रम करने के लिए कहा था। 1921 में इन्होंने कांग्रेस के असहयोग आन्दोलन में सत्याग्रह कर गिरफ्तारी दी और उन्हंए एक वर्ष की जेल की सजा हुई। उस समय तक वे अत्यंत लोकप्रिय हो चुके थे। उनका सार्वजनिक जीवन, राजनीतिक दृष्टिकोण, दर्शन एवं नीतियां तिलक-गांधी, हिंसा-अहिंसा, कांग्रेस-क्रांतिकारी इन संकीर्ण विकल्पों के आधार पर निर्धारित नहीं होकर व्यक्ति अथवा विशिष्ट मार्ग से कहीं अधिक महत्वपूर्ण स्वातंत्र्य प्राप्ति का मूल ध्येय बन चुका था। इसीलिए 1921 में प्रांतीय कांग्रेस की बैठक में लोकनायक अणे की अध्यक्षता में क्रांतिकारियों की निंदा का प्रस्ताव लेने का प्रयास होने पर उसका तीव्र विरोध करते हुए डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार ने स्पष्ट तौर पर कहा कि आपको उनका मार्ग पसंद न हो, पर उनकी देशभक्ति पर संदेह नहीं करना चाहिए। उनके इस तीखे विरोध ने न सिर्फ उस प्रस्ताव को नहीं आने दिया बल्कि उस घटना ने देश की राजनीति की तस्वीर बदल दी।उनका मानना था कि व्यक्तिगत मतभिन्नता होने पर भी साम्राज्य विरोधी आन्दोलन में सभी को साथ रहकर इस आन्दोलन को कमजोर नहीं होने देना चाहिए। अपनी इसी सोच पर आरूढ़ रहने के कारण ही खिलाफत आन्दोलन को गांधी के समर्थन देने की घोषणा का विरोध के मामले में होने पर भी वे चुप रहे और गांधी के नेतृत्व में असहयोग आन्दोलन में बेहिचक सहभागी हुए।

क्रांतिकारिता तो इनके रग- रग में भरी हुई थी। इस बीच स्वाधीनता के लिए संघर्ष कर रहे क्रांतिकारियों से भी उनके मधुर सम्बन्ध चलते रहे। 1928 में लाहौर में उप कप्तान सांडर्स की हत्या के बाद भगतसिंह ,राजगुरु और सुखदेव जब फरार हुए तो राजगुरु फरारी के दौरान नागपुर में डा. केशव राव बलीराम हेडगेवार के पास पहुंचे थे।

-अशोक प्रवृद्ध

इंदौर हादसा: विश्वास और आस्था की हत्या है

नवीन जैन

मैंने आज खाना नहीं खाया। नहीं भाया । स्वाद की कोई दिक्कत नहीं थी। दरअसल , मैं उन परिवारों के बारे में सोच रहा हूं,जिनका इंदौर बावड़ी हादसे के बाद जीवन भर के लिए खाना_ पीना हराम हो गया है । कोई घोषणा कहती है कि पांच लाख रुपए प्रति मृतक हमने मुवावजे के रूप में दिए हैं, तो कोई इस घोषणा में एक दो लाख और जोड़ देता है। ये तो वैसा ही हुआ न साहब कि मौतें बिकती है ,बोलो कितने में खरीदोगे। आप यकीन करें या नहीं करे यह आप पर है, लेकिन हमारी जानकारी कहती है कि शवों के पोस्टमार्टम ही नहीं हो पा रहे ।वहां भी लाइनें लगी हुई है। परिजन जान पहचान और रसूखदार लोगों को बार बार फोन कर रहें है कि हमारे मृतक का पोस्टमार्टम तो समय पर करवा दो भाई, ताकि हम दाह_ संस्कार तो विधि_ विधान और समय पर कर सकें।

कुछ लोगों को आशंका यह भी है कि यदि पोस्टमार्टम में देरी हुई तो उनके परिजनों के शव सड़ भी सकते हैं। प्रदेश के मुख्य मंत्री शिवराजसिंह चौहान एक टीवी समाचार चैनल पर आकर सबसे पहले यह कहते है कि इतने लोगों को बचा लिया गया है।

और जानें बचाने का प्रयास कर रहें है वे आगे वे कहते है कि समंधित अफसरों को बचाव कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए गए हैं। वाह साहब ! वाह !इसका मतलब तो यह भी ही सकता है कि आपके उक्त निर्देश के पहले तक रेस्क्यू ऑपरेशन आराम से चल रहा था। मीडिया की एक खबर तो यह भी कहती है कि वैसे भी बचाव कार्य लगभग एक घंटे बाद शुरू हुआ। जान लें कि ऐसे मुश्किल ,जटिल और कठिन वक्त में सेना को तत्काल तलब किया जाता है। इंदौर में बावड़ी हादसे के दिन सेना तलब तो की गई, लेकिन मीडिया की जानकारी के अनुसार रात एक बजे के आसपास जबकि हादसा सुबह ग्यारह बजे के पहले ही हो गया बताया जाता है। यह भी जन लेना आवश्यक है कि सेना की कुमुक इंदौर से मात्र आधे घंटे की दूरी पर स्थित अंबेडकर नगर (महू) में अंग्रेजों के जमाने से उपलब्ध रहती है। एक किस्सा तबके आंध्र प्रदेश का है। किसी हादसे में उक्त राज्य के कुछ नागरिकों की मृत्यु हो गई थी।

शायद हादसा आंध्र प्रदेश के बाहर हुआ था। आंध्र प्रदेश की तत्कालीन टी. एन.रामाराव सरकार की संवेदन शीलता और जिम्मेदारी का उदाहरण देखिए कि तत्कालीन मुख्यमंत्री टी. एन.रामाराव हैदराबाद रेलवे स्टेशन पर एक _एक शव और घायल को पूरे सम्मान और एहतियात से बोगियों से उतरवाने की देखरेख खुद कर रहे थे।और , इंदौर के तमाम नेता तो न जानें किस मिट्टी के बने हुए है। ये लोग घायलों का हालचाल पूछने तत्काल अस्पताल पहुंच गए , जबकि इनकी सबसे पहले जरूरत घटना स्थल पर थी, क्योंकि वहां मृतकों और घायलों के लिए स्ट्रेचर तो ठीक, चादरें भी उपलब्ध नहीं थी। सुबह में इन नेताओ में से कुछ के अस्पताल की नीली केप लगाए फोटो भी कुछ अखबारों में छप गए। ये ,तो वैसा भी हो सकता है न कि फलां ने भिया संघर्ष करो , हम तुम्हारे साथ हैं । इस मिज़ाज के नारे अक्सर चुनाव के वक्त दिए जाते हैं । अजीब संयोग है मध्य प्रदेश विधानसभा के आम चुनाव कुछ ही महीनों बाद होने जा रहे हैं । याद आ रहे हैं वो दिन ,जब हवा कोरोना नाम की मौत सरे आम बांट रही थी।एक बार हुआ यह कि कहीं से सड़क मार्ग से ऑक्सीजन टैंकर इंदौर आए थे। उन्हें कुछ स्थानीय नेताओं ने इन्दौर की सीमा पर ही रोक लिया था। फिर ,उन टैंकरों पर बाकायदा रंगीन गुब्बारे लगाए गए। फिर श्री फल या नारियल बधारा गया। इस भावना का निरादर करने जैसी कोई बात नहीं है ,लेकिन पता चला कि इन वाह वाही बटोरू गतिविधियों के कारण उक्त ऑक्सीजन टैंकर अपने गंतव्यो पर विलंब से पहुंच पाए थे। किसी दार्शनिक ने कहा था कि किसी की हत्या कर देने से ,तो फिर भी माफी मिल सकती है , लेकिन जब आप अपने को जन सेवक ,और जन प्रतिनिधि चुनने वाले बेबस लोगों के विश्वास ,और आस्था की हत्या कर देते हैं ,तो दुनिया की किसी कोर्ट कहचरी में उसका कोई माफीनामा स्वीकार नहीं किया जाता । बेहद भारी मन से। काश यह सब लिखने की नौबत नहीं आती ।

विषयाभाव के मारे बेचारे व्यंगकार

रेखा शाह आरबी

लिखने वाले लोगों की आत्मा की खुराक लेखन होती है । व्यंग लिखने वाले व्यंग कार की आत्मा की खुराक कुछ ज्यादा ही लंबी चौड़ी होती है। वह कितना भी लिखे उसे कम ही लगता है जहां किसी व्यंग कार ने समाज में कोई विद्रूपता देखी उसे लिखने की भूख जाग उठती है। लेखक को लिखे बिना चैन मिल ही नहीं सकता। दरअसल लेखक एक अबोध बालक के समान होता है उसे लगता है कि वह अपने कलम से दुनिया को बदल देगा। अब कितना बदलाव हो रहा है यह सब तो आप भी देख रहे हैं। फिर भी अंतिम सांस तक वह कोशिश करता रहता है करता रहता है। लेकिन आजकल मुझे खूब विषयाभाव हो गया है। पहले राजनीति से मेरे अंदर के व्यंग कार लेखक को भरपेट भोजन मिल जाता था । भोजन में मसालेदार सब्जी के साथ साथ चटनी और रायता भी खूब मिलता था। पर आजकल भूखों मरने की नौबत आ गई है क्योंकि भयंकर रूप से विषयाभाव हो गया है। कभी सपने में भी नहीं सोचा था ऐसा दिन आएगा। लेकिन आखिरकार ऐसा दिन आया। अब दिन कैसा आया है आप जनता से ज्यादा अच्छा कौन समझ सकता है आप पब्लिक है पब्लिक सब कुछ जानती है। पहले मजे से लिखती थी क्योंकि तब समाज में ढेर सारी विसंगतियां थी । लेकिन जब से राजनीति की सारी विद्रूपता दूर हो गई है सारे नेता स्वच्छ छवि वाले, बेदाग, सेवाभावी , निस्वार्थ सेवा भाव वाले हो गए हैं। जनता की सारी समस्याएं दूर हो चुकी हैं। तब से मुझे राजनीति में कोई विषय ही नहीं मिल रहा है । भगवान किसी को इतना अच्छा भी नहीं होना चाहिए। फिर मैंने सोचा अपने मनपसंद पुलिस विभाग पर ही व्यंग लिख डालु ।लेकिन जब से सारे पुलिस वाले ईमानदार, नैतिक नियमों को पालन करने वाले ,जनता को डंडे के बजाय बात से समझाने वाले, थाने में जाने पर गाली के बजाय आप कह कर बुलाने वाले, घुस और रिश्वतखोरी से कोसों दूर रहने वाले, एवं मृदुभाषी हो चुके हैं मैंने अपना माथा पीट लिया है आखिर इन्हें क्या जरूरत है इतना अच्छा होने की ईश्वर इनको इतना अच्छा होने की सजा जरूर देना इन्होंने मुझे बेरोजगार कर दिया है। आखिर किसी का रोजगार मारना कहां की शराफत है।

फिर सोचा मैंने देश की अदालतों एवं वकील पर ही कोई व्यंग लिख डालु, पर वहां का दृश्य तो और ही बदला हुआ दिखा मुझे... लोक अदालतों के चक्कर लगाने वाले लोग सुबह से शाम में न्याय पा जा रहे हैं, सबको न्याय समान रूप से मिलने लगा है बिना भेदभाव मिल रहा है। एक भी केस पेंडिंग नहीं है शाम को हुआ जुर्म सुबह तक न्याय मिल जा रहा है।

कामदा एकादशी व्रत का महत्व जानिए

कामदा एकादशी व्रत शुभ मुहूर्त जानिए
चैत्र शुक्ल पक्ष एकादशी प्रारंभः- 01 अप्रैल 2023 प्रातःकाल 01:58 मिनट पर
कामदा एकादशी व्रत समाप्तः- 02 अप्रैल 2023 प्रातः 04:09 मिनट पर
कामदा एकादशी व्रतः' 01 अप्रैल और 02 अप्रैल 2023 को

वैसे तो आप जानते है हिन्दु धर्म में हर महीने में दो एकादशीया आती है जिनका महत्व अगल-अगल होता है बात करे कामदा एकादशी व्रत के बारें में जो चैत्र मास की शुक्लपक्ष की एकादशी (ग्यारस) को यह व्रत किया जाता है। जो की हिन्दुओं की पहली एकादशी होती है क्योंकि हिंदु नववर्ष के बाद यह पहला एकादशी का व्रत आता है जिसे कामदा एकादशी कहा जाता है। जो की इस वर्ष 01 या 02 अप्रैल के दिन व्रत रखा जाएगा। मान्यताओं के अनुसार जो मानव कामदा एकादशी का व्रत रखता है उसकी सभी मनोकामनाए पूर्ण होती है। और उसे सभी पापों से मुक्ति मिलती है साथ ही प्रेत योनी से मुक्ति मिलती है। तथा मृत्यु के प श्चात मोक्ष की प्राप्ति होती है।

कामदा एकादशी व्रत कब है

हिन्दी पंचाग के अनुसार यह व्रत प्रतिवर्ष चैत्र महीने की शुक्ल पक्ष की एकादशी अर्थात ग्यारस के दिन रखा जाता है। जो की हिन्दुओं के नया साल के बाद पहला व्रत होता है। इस बार यह व्रत दो दिन पड़ रहा है 01 अप्रैल और 02 अप्रैल 2023 दोनो दिन एकादशी का व्रत रखा जाएगा।

कामदा एकादशी व्रत पूजा की विधि

इस व्रत को रखने वाले सभी व्यक्ति प्रातः जल्दी उठकर स्नान आदि से मुक्त होकर साफ वस्त्र धारण करे। और भगवान विष्णु जी का नाम लेकर कामदा एकादशी व्रत का सकल्प करें।

इसके बाद एक चौकी पर लाल रंग का वस्त्र बिछाकर उस पर भगवान विष्णु जी की तस्वीर को विराजमान कराऐं और दोनो ओर केल या आम के पत्ते रखे। सबसे पहले भगवान विष्णु जी के सामन घी का दीपकर जलाकर उनकी पूजा करे, पूजा में फल, पुष्प, चन्दन, चावल, धूप, दीप, पंचामृत, तिल, दूध, जल, माला, नैवेद्य, फूलो की माला आदि से पूजा करे। पूजा करने के बाद कामदा एकादशी व्रत की कथा सुने जिसके बाद भगवान विष्णु जी की आरती उतारे और प्रसाद भोग लगाना चाहिए। संध्या के समय व्रत रखने वाले को फलाहार करना चाहिए दूसरे दिन अर्थात द्वादशी वाले दिन प्रातः जल्दी उठकर स्नान आदि से मुक्त होकर गाय को रोटी खिलाए। जिसके बाद ब्राह्मण को भोजन कराकर यथा शक्ति दान- दक्षिणा देकर विदा करे।

पूजा के समय विष्णु मंत्र का जाप करें
ऊँ नमो भगवते वासुदेवाय नमः
ऊँ नमो नारायणाय नमः
ऊँ विष्णवे नमः
ऊँ नारायणाय विद्महे, वासुदेवाय धीमहि,
तन्नो विष्णु प्रचोदयात
श्री कृष्ण गोविन्द हरे मुरारे,
हे नाथ नारायण वासुदेवाय

पारण का मुहूर्त
कामदा एकादशी का व्रत रखने वाले व्यक्ति को द्वादशी अर्थात ग्यारस के दूसरे दिन व्रत का पारण करना चाहिए। जिसका शुभ मुहूर्त है 02 अप्रैल 2023 शनिवार को दोपहर 01:40 मिनट से लेकर शाम के 04:10 मिनट के बीच में कर सकते है। तब जाकर आपकी एकादशी का व्रत पूर्ण माना जाता है।

सड़क पर पैसे पड़े मिलने पर क्या करना चाहिए?

कई बार ऐसा होता है कि हमें राह में चलते हुए अचानक सड़क पर पैसे गिरे हुए मिल जाते हैं। ऐसे में हमें समझ नहीं आता कि उन पैसों क्या किया जाए। कुछ लोग उन पैसों को उठा लेते हैं, जबकि कई लोग संकोचवश या अन्य कारणों से उन पैसों को ऐसे ही सड़क पर छोड़कर चले जाते हैं। ज्योतिष शास्त्रियों के मुताबिक सड़क पर इस तरह के पैसे मिलना भविष्य की घटनाओं की ओर कई अहम संकेत करते हैं। उन संकेतों के बारे में आज हम आपको विस्तार से बताते हैं।

सड़क पर पैसे या नोट मिलने का अर्थ
सदा खुश रहते हैं ऐसे लोग

कहते हैं कि अगर सड़क पर कहीं नोट पड़े हुए मिल जाएं तो यह इस बात का संकेत होता है कि उस व्यक्ति पर मां लक्ष्मी की असीम कृपा हुई है। इस तरह के लोगों को जिंदगी में कभी परेशानी नहीं आती और वे सदा खुश रहते हैं।

अगर किसी व्यक्ति को काम से घर वापस लौटते समय सड़क पर पैसे पड़े हुए मिलते हैं तो यह इस बात का इशारा होता है कि आपको निकट भविष्य में जल्द ही आर्थिक लाभ होने जा रहा है। आपके घर वाहन का आगमन हो सकता है।

किसी अचल संपत्ति में निवेश

ज्योतिष शास्त्र के मुताबिक अगर आपको सड़क पर जाते हुए रास्ते में पैसे पड़े मिल जाते हैं तो यह इस बात का संकेत होता है कि मां लक्ष्मी की आप पर कृपा बरसने वाली है। आप जल्द ही किसी अचल संपत्ति में निवेश कर सकते हैं, जिसमें आपको भारी फायदा होगा। मान्यता है कि अगर किसी व्यक्ति को राह चलते कहीं पर पैसों से भरा हुआ पर्स मिल जाता है तो यह इस बात का संकेत होता है कि जिंदगी में जल्द ही कोई शुभ कार्य होने जा रहा है। इसका एक मतलब ये भी होता है कि आपको फैमिली से पैतृक संपत्ति मिलने जा रही है।

कर सकते हैं नए काम की शुरुआत

अगर आपको सड़क पर कहीं कोई सिक्का पड़ा हुआ मिल जाता है तो इसका अर्थ होता है कि आप किसी नए काम की शुरुआत कर सकते हैं। वह कार्य आपको सफलता और आर्थिक तंगी से मुक्ति दिलाने वाला होगा। जिससे परिवार में सुख-समृद्धि का संचार होगा।

जिंदगी में कभी भी किसी को न बताएं अपनी ये 4 बातें

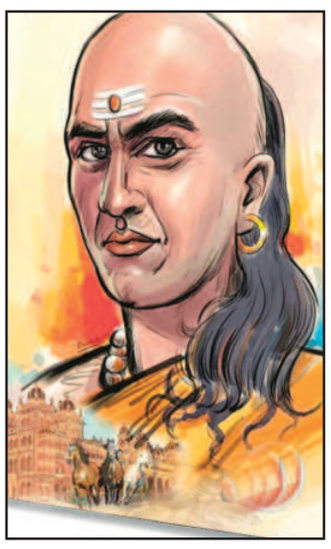

प्राचीन काल में जब भारत अज्ञानता और टुकड़ों में बिखरा हुआ था, तब देश को अखंड बनाने के लिए महान आचार्य चाणक्य ने जन्म लिया था। उन्होंने अपने अनुभवों के आधार पर नीति शास्त्र के नाम वाली एक पुस्तक लिखी थी, जिसे चाणक्य नीति के नाम से जाना जाता है। चाणक्य की लिखी बातें 3 हजार साल बाद आज भी उतनी ही प्रासंगिक हैं और करोड़ों लोगों का मार्गदर्शन कर रही हैं। उन्होंने जीवन में सुखी रहने के लिए 4 ऐसी बातें बताई हैं जो भूलकर भी किसी को नहीं बताई जानी चाहिए।

अपनी आमदनी का खुलासा

आचार्य चाणक्य के मुताबिक चाहे कोई, कितना भी सगा क्यों न हो, उसे अपनी आमदनी और उसके स्रोत कभी नहीं बताने चाहिए। आपकी आमदनी का पता चलने पर लोग आपके स्तर को आंकने लगते हैं। साथ ही लोगों की बुरी नजर लगने का भी अंदेशा रहता है।

अपनी ताकत या कमजोरी

चाणक्य नीति में कहा गया है कि आप कितने ताकतवर या कमजोर हैं, इसके बारे में कभी भी दूसरों को नहीं बताना चाहिए। ऐसा करने से विरोधी आप पर हावी होने की कोशिश कर सकते हैं, जिसमें आपको पराजय झेलनी पड़ सकती है।

दान-पुण्य का उल्लेख

आचार्य चाणक्य कहते हैं कि आप कहां पर कितना दान करते हैं, इसका जिक्र कभी भी किसी से नहीं करना चाहिए। दान देने के बाद उसका ढिंढोरा पीटने से सारा पुण्य फल खत्म हो जाता है। साथ ही जीवन में नकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

गुजरे जमाने की बातें

चाणक्य नीति के अनुसार हर वक्त के अतीत में कुछ न कुछ अच्छा या बुरा हुआ होता है। ऐसे में भूलकर भी अपने अतीत में घटी घटनाओं का दूसरों के सामने वर्णन नहीं करना चाहिए। ऐसा करने से दूसरे लोग उन्हीं बातों को आधार बनाकर आप पर उंगली उठाने से बाज नहीं आएंगे।

आपके घर में भी है अटैच्ड बाथरुम, तो भूलकर भी न करें वास्तु से जुड़ी ये गलतियां

वास्तु शास्त्र का अपने जीवन में बहुत महत्व है। जीवन में आ रही हर छोटी बड़ी समस्या का हल वास्तु शास्त्र में बताया गया है। वास्तु में घर में मेन गेट से लेकर बाथरूम तक को बहुत महत्वपूर्ण बताया गया है। अगर बाथरूम को लेकर वास्तु से संबंधित नियमों का पालन नहीं किया जाए तो घर में नकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है। खासतौर पर अटैच्ड बाथरूम से संबंधित नियमों का पालन करना बेहद जरूरी है। आजकल अधिकतर घरों में अटैच्ड बाथरूम देखने को मिलेगा। अगर आपका भी कमरे से जुड़ा बाथरूम है तो कुछ बातों को लेकर सावधानी बरतने की जरूरत है। आइए जानते हैं अटैच्ड बाथरूम को लेकर वास्तु टिप्स।

अटैच्ड बाथरुम का होता है पति पत्नी के रश्ते पर असर

वास्तु शास्त्र के अनुसार, जिन घर में अटैच्ड बाथरुम है उसका प्रभाव पति पत्नी के रिश्ते पर दिखाई देता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, सोते समय पति पत्नी को अपनी पैर सोते समय बाथरुम की तरफ नहीं करने चाहिए। क्योकि, ऐसा करने से दोनों के बीच झगड़ा होता है।

सोते समय दरवाजा रखें बंद

इस बात का ख्याल रखें की जब भी सोने के लिए जाए तो अपने बाथरुम का दरवाजा हमेशा बंद रखें। यदि आप ऐसा नहीं करते हैं तो पति पत्नी के बीच अधिक लड़ाई झगड़ा होता है। इसके अलावा ऐसा करने से आपकी आर्थिक स्थिति पर भी असर पड़ता है। इसलिए सोने से पहले बाथरुम का दरवाजा बंद जरुर करें।

कांच की कटोरी रखें

अटैच्ड बाथरुम के कारण कई बार वास्तु दोष भी हो जाता है। वास्तु दोष को दूर करने के लिए हमेशा अपने अटैच्ड बाथरुम में एक कांच की कटोरी रखें और इसमें सेंधा नमक भर लें। एक सप्ताह तक इस कटोरी को ऐसी ही रखा रहने दें। इसके बाद नम को कटोरी से निकालकर सिंर में डाल कर पानी चला दें। इसके बाद इस कटोरी में दोबारा से नमक भर दें।

टॉयलेट सीट को रखें बंद

वास्तु के अनुसार, बाथरुम में टॉयलेट सीट को हमेशा बंद रखना चाहिए। यदि आप ऐसा नहीं करते हैं तो घर में नेगेटिव एनर्जी का संचार होता है। साथ ही ऐसा करने से आर्थिक हानि भी होती है। इसलिए हमेशा इस बात का ख्याल रखें।

बाथरुम में न रखें गीले कपड़े

आपने अक्सर देखा होगा की बहुत से लोग अपने कपड़ो धोकर वहीं बाथरुम में नल के ऊपर रख देते हैं। लेकिन, ऐसा नहीं करना चाहिए गीले कपड़े घर में न रखें। क्योंकि, गीले कपड़े घर में रखने से वास्तु दोष होता है। साथ ही बाथरुम में ज्यादा देर तक कपड़ों को भिगोकर न रखें।

हर अर्जी पूरी करेंगे संकटमोचन हनुमान चालीसा का ये उपाय

हिंदू शास्त्रों के अनुसार किसी भी देवी-देवता को प्रसन्न करने के लिए उनके मंत्र जाप और चालीसा का पाठ करने की सलाह दी जाती है। कहते हैं कि इससे देवता जल्द प्रसन्न होते हैं और भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूरी करते हैं। कहते हैं कि हर चालीसा अगर 40 दिन तक लगातार किया जाए, तो जीवन में आ रही कई मुश्किलें खत्म हो जाती हैं। कष्टों से मुक्ति मिलती है और कई मुश्किलों से छुटकारा मिलता है।

हनुमान चालीसा पढ़ने से दूर होंगे सभी कष्ट

- हनुमान चालीसा का पाठ करने से व्यक्ति के आत्मविश्वास में वृद्धि हती है। अगर आप आत्मविश्वास में वृद्धि चाहते हैं तो हर एक कार्य करते समय हिचकिचाहट होती है, तो हनुमान चालीसा का जाप करने से फायदा होगा।
- कहते हैं कि हनुमान चालीसा का पाठ करने से व्यक्ति की आर्थिक समस्याएं दूर होती हैं। अगर आपके जीवन में भी आर्थिक समस्याएं आ रहे हैं, तो आप सोज सुबह उठकर एक बार अवश्य पढ़ें। इससे आर्थिक समस्याओं से छुटकारा मिलता है।
- कहते हैं हनुमान चालीसा का पाठ करने से डर दूर होता है। ऐसे में किसी भी तरह के भय और दुश्मनों के भय से बचने के लिए इसका पाठ करें। काले जादू, टोने-टोटके, भूत-प्रेत, किसी भी दुर्घटना और अकाल मृत्यु का भय दूर करने के लिए हनुमान चालीसा का पाठ करें। इससे आपके हर तरह के भय को दूर किया जा सकता है।
- शत्रुओं से भी छुटकारा मिलता है। अगर आप नियमित रूप से हनुमान चालीसा का पाठ करते हैं, तो व्यक्ति को अनचाहे शत्रुओं से मुक्ति मिलती है। कठोर वाणी वाले लोगों की वाणी में भी नमी आती है।
- कहते हैं कि किसी भी दुर्घटना से बचने के लिए हनुमान चालीसा का पाठ करना चाहिए। अगर आपको बार-बार चोट लग रही है या फिर दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं, तो हनुमान चालीसा आपके लिए लाभकारी सिद्ध हो सकता है।
- बता दें कि हनुमान चालसा का अनुष्ठान आरंभ हमेशा मंगलवार के दिन करने से ही लाभकारी होता है। मंगलवार के दिन खासतौर से हनुमान चालीसा पढ़ा जाए, तो हनुमान जी प्रसन्न होते हैं। साथ ही, कुंडली में मंगल की स्थिति मजबूत होती है।

आपको पता है बाल और नाखून काटने के लिए सबसे अच्छा दिन कौन सा है

शास्त्रों में नाखून काटने, बाल कटवाने और दाढ़ी बनवाने के लिए सप्ताह के कुछ विशेष दिन अच्छे बताए गए हैं। इसके साथ ही कुछ दिन ऐसे होते हैं जिनमें नाखून, दाढ़ी व बाल कटवाना हमारे धर्म ग्रंथों में शुभ नहीं माना गया है। ऐसी मान्यता है कि इन दिनों में नाखून काटने या फिर दाढ़ी बाल कटवाने से ग्रहों के अशुभ प्रभाव आप पर पड़ते हैं और आर्थिक तंगी आपके जीवन में प्रवेश कर जाती है। आइए जानते हैं हर दिन नाखून, बाल और दाढ़ी बनवाने का क्या होता है प्रभाव।

सोमवार को नाखून, बाल काटने के प्रभाव

सोमवार का संबंध चंद्रमा से होता है। ज्योतिष में चंद्रमा को संतान और स्वास्थ्य का कारक माना जाता है। सोमवार को बाल या नाखून काटने से मानसिक तनाव बढ़ता है और यह संतान के स्वास्थ्य के लिए अच्छा नहीं माना गया है। ऐसा करने से आप चंद्रमा के अशुभ प्रभाव के कारण स्वयं भी बीमार हो सकते हैं।

मंगलवार को नाखून, बाल काटने के प्रभाव

धार्मिक मान्यता के अनुसार मंगलवार का संबंध हनुमानजी से होता है और ज्योतिषीय मान्यता के अनुसार मंगलवार का संबंध मंगल ग्रह से होता है। मंगल को स्वभाव से काफी उग्र माना जाता है और इन्हें साहस और पराक्रम का कारक माना जाता है। मंगलवार को नाखून या बाल काटने से आपके अंदर क्रोध बढ़ सकता है। इसके साथ ही यह माना जाता है कि मंगलवार को नाखून या बाल काटने से उम्र कम होती है।

बुधवार को नाखून, बाल काटने के प्रभाव

शास्त्रों के अनुसार बुधवार का दिन नाखून और बाल व दाढ़ी कटवाने के लिए शुभ माना जाता है। ऐसा करने से आपके घर में बरकत आती है और मां लक्ष्मी आपसे प्रसन्न होती हैं। बुधवार को बाल काटने आपकी कुंडली में बुध की स्थिति मजबूत होती है। बुध की कृपा से आपको अच्छी नौकरी मिलती है और रुपया-पैसा दौलत शौहरत बढ़ती है।

गुरुवार को नाखून, बाल काटने के प्रभाव

गुरुवार को भगवान विष्णु का वार माना गया है और इसके साथ ही इस दिन का संबंध गुरु ग्रह से भी माना गया है। इस दिन यदि आप बाल कटवाते हैं मां लक्ष्मी आपसे नाराज होकर आपका घर छोड़कर चली जाती हैं। साथ ही आपको कुंडली में गुरु के अशुभ प्रभाव भी झेलने पड़ते हैं। इसलिए भूलकर भी गुरुवार को बाल न कटवाएं।

शुक्रवार को नाखून, बाल काटने के प्रभाव

शुक्रवार का धन और सौंदर्य के कारक माने जाने वाले ग्रह शुक्र का होता है और इसका संबंध मां लक्ष्मी से भी होता है। कहते हैं कि इस दिन बाल और नाखून काटना शुभ होता है। ऐसा करने से आपके जीवन में सफलता की संभावना बढ़ जाती है। आपके धन लाभ, यश और वैभव दोनों मिलते हैं।

शनिवार को नाखून, बाल काटने के प्रभाव

शनिवार का दिन बाल या नाखून कटवाने के लिए शुभ नहीं माना गया है। कहते हैं इस दिन यह काम करने से अकाल मृत्यु की आशंका बढ़ती है और धन की हानि होती है। इस दिन बाल या दाढ़ी बनवाने से पितृ दोष भी लगता है।

रविवार को नाखून, बाल काटने के प्रभाव

रविवार को बाल कटवाना अच्छा नहीं माना जाता है। महाभारत के अनुशासन पर्व में बताया गया है कि यह सूर्य का वार है इससे धन, बुद्धि और धर्म का नाश होता है। रविवार को बहुत जरूरी न हो तो बाल और दाढ़ी न बनवाएं।

मुझे हिंदी फिल्मों की बजाय साउथ इंडस्ट्री में काम करना ज्यादा पसंद है : काजल अग्रवाल

हाल ही में एक मीडिया समिट में एक्ट्रेस काजल अग्रवाल ने बताया कि वो बॉलीवुड फिल्मों की बजाय साउथ इंडस्ट्री में क्यों काम करना पसंद करती हैं। काजल अग्रवाल 'सिंघम', 'स्पेशल 26', 'मगधीरा', 'थुप्पाकी' और 'मेर्सल' जैसी फिल्मों में काम कर चुकी हैं। काजल ने बताया कि उन्हें साउथ इंडस्ट्री में काम करना इसलिए पसंद है क्योंकि बॉलीवुड की तुलना में ये इंडस्ट्री काफी फ्रेंडली और एक्सेप्टिंग है। उन्होंने कहा कि यहां आपको कई तरीके की फिल्में और रोल मिलते हैं, साथ ही यहां वर्क एथिक की बहुत अहेमियत है, फिर चाहे आप कितने भी बड़े स्टार हों।

काजल ने कहा कि ज्यादातर आर्टिस्ट्स हिंदी फिल्मों में काम करना चाहते हैं क्योंकि हिंदी भाषा को ज्यादातर लोग अच्छी तरह से जानते-समझते हैं। लेकिन, मेरा मानना है कि साउथ की इंडस्ट्री ज्यादा फ्रेंडली और एक्सेप्टिंग है। इसके साथ ही साउथ की चारों भाषाओं के डायरेक्टर्स और तकनीशियन शानदार कंटेंट क्रिएट कर रहे हैं। फिर चाहे वो तेलुगु, तमिल, कन्नड़ या मलयालम भाषा हो, साउथ इंडस्ट्री में काफी अच्छा काम किया जा रहा है। मुझे लगता है कि हिंदी इंडस्ट्री में इस चीज की कमी है।

काजल ने आगे कहा- हालांकि मेरे लिए बॉलीवुड इंडस्ट्री भी काफी फ्रेंडली रही है, लेकिन मुझे वो वर्क एथिक्स और वैल्यू पसंद हैं जो साउथ इंडस्ट्री में मिलते हैं। साउथ फिल्मों में काम करने के लिए आपको काफी डिसिप्लिन चाहिए। बातचीत के दौरान काजल ने ये भी कहा कि वो चेन्नई और हैदराबाद को अपना घर मानती हैं। काजल अग्रवाल ने मुंबई से पढ़ाई की है।

बॉलीवुड फिल्म 'उमा' में नजर आएंगी।

आखिरी बार काजल फिल्म 'घोस्टी' में नजर आई थीं। फिलहाल, काजल 'इंडियन 2' पर काम कर रही हैं। ये कमल हसन के सतह उनकी पहली फिल्म होगी। काजल अनिल रविमुड़ी की फिल्म नंदामपुरी बालकृष्ण के साथ 'एनबीके 108' और

चेन्नई और हैदराबाद को अपना घर मानती हैं काजल अग्रवाल

भोला की बॉक्स ऑफिस पर अच्छी शुरुआत पहले दिन 11.20 करोड़ का कलेक्शन

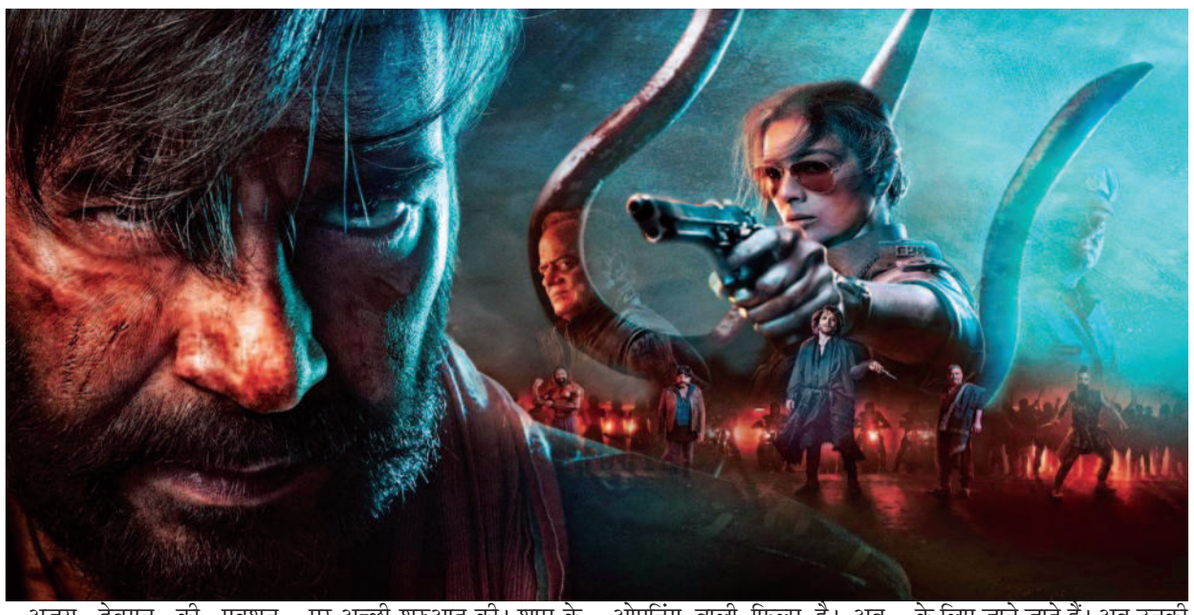

अजय देवगन की एक्शन थ्रिलर फिल्म भोला ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छी शुरुआत की है। फिल्म ने पहले दिन 11.20 करोड़ का कलेक्शन किया है। पठान और तू झूठी मैं मक्कार के बाद ये 2023 की तीसरी सबसे अच्छी ओपनिंग हासिल करने वाली फिल्म बन गई है। वीकेंड पर फिल्म की कमाई बढ़ने के काफी आसार हैं। भोला, 2019 में आई सुपरहिट तमिल फिल्म कैथी का ऑफिशियल हिंदी रीमेक है। फिल्म का बजट तकरीबन 100 करोड़ बताया जा रहा है।

ट्रेड एनालिस्ट ने फिल्म का कलेक्शन शेयर करते हुए लिखा, 'भोला ने पहले दिन (रामनवमी) पर अच्छी शुरुआत की। शाम के शोज में लोग आए लेकिन सुबह और दोपहर में माहौल सुस्त रहा। एक सम्मानजनक आंकड़े के लिए फिल्म को वीकेंड पर अच्छा प्रदर्शन करना पड़ेगा।

नए साल की शुरुआत हुए तीन महीने हो गए है। मार्च खत्म होने को आ गया है लेकिन अभी तक सिर्फ तीन ही हिंदी फिल्में हैं जिसने पहले दिन 10 करोड़ से ज्यादा का कलेक्शन किया है। शाहरुख खान की पठान ने तो 55 करोड़ के साथ इतिहास की सबसे बड़ी ओपनिंग ली थी। रणबीर कपूर की फिल्म तू झूठी मैं मक्कार 15.73 करोड़ के साथ इस साल की दूसरी सबसे बड़ी ओपनिंग वाली फिल्म है। अब भोला भी इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर आ गई है।

'भोला' से अजय के फैंस को काफी उम्मीदें

अजय देवगन की फिल्में पिछले कुछ सालों में काफी बेहतर प्रदर्शन करती आई हैं। चाहे वो तान्हाजी द अनसंग वॉरियर हो या दृश्यम 2। इन दोनों फिल्मों ने डोमेस्टिक बॉक्स ऑफिस पर 200 करोड़ से ज्यादा का कलेक्शन किया है। वहीं लगभग 1200 करोड़ कमाने वाली फिल्म RRR में भी उनकी महत्वपूर्ण भूमिका थी। अजय देवगन बॉलीवुड के चुनिंदा ऐसे एक्टर हैं जो अपनी आंखों से एक्टिंग करने के लिए जाने जाते हैं। अब उनकी फिल्म भोला से उनके फैंस को काफी उम्मीदें हैं। ऑडियंस और क्रिटिक्स से फिल्म को मिला-जुला रिस्पॉन्स मिल रहा है।

ड्रग सिंडिकेट पर आई फिल्म कैथी की रीमेक है भोला

भोला का डायरेक्शन भी अजय देवगन ने ही किया है। इस तरह कहा जा सकता है फिल्म के एक्टर, डायरेक्टर और प्रोड्यूसर सब वही हैं। 100 करोड़ में बनी ये फिल्म लोकेश कनगराज की 2019 की सुपरहिट फिल्म कैथी की हिंदी रीमेक है। कैथी ड्रग सिंडिकेट पर बेस्ड फिल्म थी। कमल हसन की 'विक्रम' भी इसी फ्रेंचाइजी का हिस्सा थी।

मजाकिया अंदाज में हाथ जोड़कर दिया पोज; यूजर्स ने किया ट्रोल

बॉलीवुड एक्ट्रेस रेखा बीती रात मुंबई के एक फैशन शो में पहुंची, जहां वह कैमरे के सामने गिरते गिरते बचीं। इससे जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है। वीडियो में रेखा पिंक कलर की सिल्क साड़ी में नजर आईं, इस दौरान उन्होंने बाल में गजरा लगाया हुआ है, इस लुक में वह हमेशा की तरह बेहद खूबसूरत लग रही हैं।

गिरते- गिरते बचीं

सोशल मीडिया पर सामने आए इस वीडियो में वह पैपराजी के सामने हाथ जोड़कर नमस्ते कर रही थी, फिर अचानक वो पीछे की ओर झुकने लगीं और वो इतना ज्यादा झुक गईं कि वो बाल बाल गिरने से बचती हैं। फिर खुद को संभाल हुए हंसने लगती हैं ।

यूजर्स ने किया ट्रोल

सोशल मीडिया पर जहां एक तरफ लोग उनकी खूबसूरती की तारीफ कर रहे रहे, तो वहीं कुछ लोगों को उनका ये अंदाज पसंद नहीं आ रहा। कई लोगों ने उन्हें ट्रोल किया, एक यूजर ने वीडियो पर कमेंट करते हुए लिखा, 'इतनी ओवरएक्टिंग क्यों कर रही हैं'। तो वहीं दूसरे ने लिखा, खुद को संभालो आप रेखा हैं राखी नहीं'।

मनीषा कोइराला ने याद किया करियर का डाउनफॉल

बोलीं- फिल्म बाबा फ्लॉप होने के बाद लगा साउथ फिल्मों में मेरा करियर खत्म हो गया

एक्ट्रेस मनीषा कोइराला ने हाल ही में इंटरव्यू के दौरान कहा कि साल 2002 में रजनीकांत की फिल्म बाबा में फ्लॉप होने के बाद साउथ इंडस्ट्री में उनका करियर खत्म हो गया। यह एक एक्शन थ्रिलर फिल्म थी, जिसमें मनीषा ने लीड रोल निभाया था। एक चैनल से बात करते हुए मनीषा ने कहा- 'बाबा शायद मेरी आखिरी बड़ी तमिल फिल्म थी। उस वक्त ये बहुत बुरी तरह फ्लॉप हुई थी, तो मुझे लगा कि साउथ फिल्मों में मेरा करियर पूरी तरह से खत्म हो गया और हुआ भी बिल्कुल ऐसा ही।'

बाबा फ्लॉप होने के बाद फिल्मों के ऑफर मिलने बंद हो गए

मनिषा ने आगे कहा- बाबा रिलीज होने से पहले मैं कई साउथ फिल्में कर रही थी, लेकिन बाबा की बॉक्स ऑफिस क्राइसिस के बाद, मुझे फिल्मों के ऑफर कम आने लगे। धीरे-धीरे मुझे ऑफर्स आने बंद हो गए।'

मनीषा ने आगे कहा- 'जब बाबा बॉक्स ऑफिस पर दोबारा रिलीज की गई, तो वो हिट साबित हुई। क्योंकि, ऐसा रजनी सर की फिल्में कभी फ्लॉप नहीं हो सकती हैं। वो अपने काम को लेकर हमेशा ही बेहद एक्टिव और प्रोफेशनल रहे हैं।' बता दें कि बाबा पिछले साल रजनीकांत के जन्मदिन के अवसर पर फिर से रिलीज किया गया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर बहुत अच्छी कमाई की थी। रजनीकांत के लिए फिल्म बाबा बहुत महत्वपूर्ण थी, लेकिन शुरुआत में फिल्म फैंस को खास इम्प्रेस नहीं कर पाई। रजनीकांत न केवल बाबा के लीड एक्टर थे, बल्कि इसके डायरेक्टर और स्क्रीनप्ले राइटर भी थे। फिल्म की कहानी एक ऐसे युवक की है, जो नास्तिक होता है और बाद में उसे पता चलता है कि वो एक हिमालयी संत का पुनर्जन्म है।

सौतेले भाई शाहिद से बेहद क्लोज हैं ईशान खट्टर बोले- उन्होंने बच्चे की तरह मेरा ख्याल रखा

एक्टर ईशान खट्टर अपने सौतेले भाई शाहिद कपूर के साथ बेहद क्लोज बॉन्ड शेयर करते हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान ईशान ने बताया कि शाहिद ने हमेशा उनके माता-पिता जैसा ही व्यवहार किया। इतना ही नहीं, ईशान ने कहा कि शाहिद ने बचपन में उनके डायपर भी बदले

वो मेरे बेस्ट बडे.भाई हैं, हमारे बीच यूनीक रिलेशनशिप है

ईशान ने आगे कहा- जब मेरा जन्म हुआ था तब वह तकरीबन 15 साल के थे। उनसे पहले कोई बड़ा भाई या बहन नहीं थे, तो वो मेरे लिए वैसे ही हैं। वो कई मामलों में मेरे लिए बेस्ट बड़े भाई रहे हैं।

थे। नीलिमा अजीम और राजेश खट्टर के बेटे ईशान ने हाल ही में पिंकविला को दिए इंटरव्यू में शाहिद का जिक्र करते हुए कहा- 'वो हमेशा से ही मेरे करीब रहे हैं और उन्होंने मेरी परवरिश की है। वो जमीन से जुड़े हुए इंसान रहे हैं।' शाहिद के निकनेम का भी खुलासा करते हुए कहा- 'हम इसके बारे में बहुत मजाक करते हैं, मैं उन्हें प्यार से बाबा साशा कहता हूं। मुझे लगता है कि वह खुद को मेरे लिए एक पेरेंट की तरह महसूस करते थे, क्योंकि उन्होंने मेरा डायपर तक चेंज किया है।

3 बार हो चुका है नीलिमा अजीम का तलाक

बता दें कि 1975 में नीलिमा अजीम ने पंकज कपूर से शादी की थी। साल 1981 में शाहिद का जन्म हुआ और 1983 में नीलिमा और पंकज अलग हो गए। इसके बाद1990 में नीलिमा ने एक्टर राजेश खट्टर से शादी की और 1995 में ईशान का जन्म हुआ। हालांकि, 2001 में नीलिमा और राजेश भी अलग हो गए। राजेश से अलग होने के बाद नीलिमा ने 2004 में रजा अली खान से शादी की, लेकिन 2009 में दोनों का तलाक हो गया।

एक ही पार्ट में बननी थी पोन्नियन सेल्वन : पीएस-1 के लिए ऐश्वर्या ने 10 करोड़.. विक्रम ने 12 करोड़ लिए

ऐश्वर्या राय, विक्रम और तृषा स्टारर फिल्म पोन्नियन सेल्वन-2 का मच अवेटेड ट्रेलर रिलीज हो गया है। कहानी वहीं से स्टार्ट होगी जहां से पहला पार्ट खत्म हुआ था। फिल्म का ट्रेलर जितना भव्य है, इसके स्टारकास्ट ने फीस भी उतनी ही तगड़ी ली है। फिल्म के पहले पार्ट के लिए ऐश्वर्या राय ने 10 करोड़ की भारी-भरकम फीस चार्ज की थी। वहीं चियान विक्रम को सबसे ज्यादा 12 करोड़ मिले थे। तृषा कृष्णन को फिल्म में राजकुमारी की भूमिका निभाने के लिए ढाई करोड़ मिले थे।

500 करोड़ के बजट में बनी हैं दोनों फिल्में

लीजेंड्री डायरेक्टर मणिरत्नम की फिल्म पोन्नियन सेल्वन एक महंगी बजट वाली फिल्म है। इसके पहले पार्ट को बनाने में 250 करोड़ का बजट आया था। ये फिल्म पहले सिर्फ एक पार्ट में बननी थी, जिसके लिए इसका टोटल बजट 500 करोड़ था लेकिन बाद में इसे दो पार्ट्स में बाट दिया गया।

पोन्नियन सेल्वन-1 के लिए फिल्म के स्टारकास्ट ने कितनी फीस चार्ज की

चियान विक्रम

तमिल फिल्मों के सुपरस्टार चियान विक्रम अपनी वर्सटैलिटी के लिए जाने जाते हैं। पोन्नियन सेल्वन-1 में उन्होंने करिकालन का किरदार निभाने के लिए तकरीबन 12 करोड़ की मोटी फीस चार्ज की थी। पूरी स्टारकास्ट में उन्हीं ने सबसे ज्यादा फीस चार्ज की थी।

ऐश्वर्या राय बच्चन

जोधा अकबर के बाद ऐश्वर्या राय ने पोन्नियन सेल्वन के जरिए पीरियड ड्रामा फिल्मों में वापसी की थी। उन्होंने इस फिल्म में डबल रोल (नंदिनी और मंदाकिनी) निभाया है। पहले पार्ट के लिए उन्होंने 10 करोड़ फीस चार्ज की थी। दूसरे पार्ट के ट्रेलर में भी उनकी दमदार भूमिका दिखी है।

जयम रवि

साउथ सिनेमा के जाने-माने एक्टर जयम रवि ने भी PS-1 के लिए 8 करोड़ लिए थे। उन्होंने फिल्म में राजकुमार अरुलमोझी वर्मन उर्फ पोन्नियन सेल्वन का किरदार निभाया।

कार्थी

फिल्म कैथी से पॉपुलर हुए एक्टर कार्थी ने फिल्म में वेन्नार के साहसी राजकुमार का रोल अदा किया है। उन्होंने फिल्म के लिए 5 करोड़ की अच्छी-खासी फीस चार्ज की है।

तृषा कृष्णन

फिल्म में राजकुमारी कुंदावई की भूमिका निभाने वाली तृषा कृष्णन ने भी 2.5 करोड़ की फीस चार्ज की थी।

शोभिता धुलिपाला

पोन्नियन सेल्वन में साउथ की जानी-मानी एक्ट्रेस शोभिता धुलिपाला ने भी काम किया है। उन्होंने फिल्म में राजकुमारी वनथी का रोल निभाया था, इसके लिए उन्होंने 1 करोड़ की फीस ली थी।

चोल साम्राज्य की कहानी है 'पोन्नियन सेल्वन'

पोन्नियन सेल्वन एक तमिल शब्द है जिसका हिंदी में इसका अर्थ है कावेरी नदी का बेटा। 10वीं शताब्दी के चोल सम्राट राजराजा प्रथम को पोन्नियन सेल्वन कहा जाता था। PS-1 और PS-2 दोनों फिल्में इन्हीं की कहानी है। इतिहास के पन्नों पर नजर घुमाए तो पता चलता है कि चोल राजवंश भारत का सबसे लंबे समय तक चलने वाला राजवंश रहा है। इस राजवंश ने करीब 1500 साल तक दक्षिण भारत पर राज किया। चोल साम्राज्य को आगे बढ़ाने में पोन्नियन सेल्वन की सबसे बड़ी भूमिका थी। फिल्म उसी राजवंश में हुए एक षड्यंत्र की कहानी है।

कोरोना पॉजिटिव हुईं टीवी एक्ट्रेस माही विज : वीडियो शेयर कर बयां किया बेटी से दूर रहने का दर्द

टीवी एक्ट्रेस माही विज कोरोना पॉजिटिव हो गई हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट कर इस बात की जानकारी दी। साथ ही कोविड 19 के लक्षणों के बारे में भी खुलकर बात की है। माही ने बताया की कोरोना पहले से भी ज्यादा खतरनाक है। माही विज ने वीडियो में कहा- 'मुझे कोविड पॉजिटिव हूं, मुझे 4 दिन हो गए हैं। जैसे ही मुझे फीवर और बाकी लक्षण आए तो मैंने टेस्ट किया। मुझे सबने बोला कि मत करवाओ फ्लू है, मौसम की वजह से है। लेकिन मैं बस सेफ रहना चाहती थी, क्योंकि घर पर बच्चे हैं, तो मैंने टेस्ट कराया और मेरा कोविड पॉजिटिव आया।' मुझे बॉडी में बहुत दर्द था।

'बेटी को देखकर रोना आता है'

माही ने आगे कहा- ' ये कोविड पिछले कोविड से बहुत बुरा है'। मुझे सांस लेने में तकलीफ हो रही थी काफी दिन से, जो मुझे पहले कोविड में नहीं हुआ। मैं बस सबको यही बोलूंगी कि आप सेफ रहिए और अपना ख्याल रखिए। क्योंकि हम नहीं चाहते कि हमारी वजह से हमारे पेरेंट्स या बच्चों को लगे। मैं अपने बच्चों से दूर हूं। मैं जब वीडियो कॉल पर तारा को देखती हूं तो मुझे बहुत रोना आता है। वह बोलती है मम्मा चाहिए। यह दिल तोड़ने वाला होता है। आप अपना ख्याल रखिए।'

आईपीएल खिलाड़ियों का फैशन कई बार बदला हेयर स्टाइल-टैटू, बीयर्ड लुक फॉलो करते हैं फैंस

क्रिकेट खिलाड़ियों की स्टाइल और लुक पर युवाओं की हमेशा से नजर रहती है। इसीलिए ये खिलाड़ी समय-समय पर अपने लुक और स्टाइल को चेंज करते रहते हैं। पिछले दो दशकों से खासकर आईपीएल आने के बाद क्रिकेट में लुक और स्टाइल काफी बदला है। लीग में कई क्रिकेटर अपने फैशन के लिए चर्चा में रहे।

आगे स्टोरी में हम ऐसे ही कुछ प्लेयर्स के बारे में जानेंगे, जिन्होंने आईपीएल में फैशन की वजह से पहचान बनाई। साथ ही टूर्नामेंट इतिहास में अब तक खिलाड़ियों के फैशन में कितना बदलाव आया, इसे भी जानेंगे।

शेव लुक vs बीयर्ड लुक

मैदान पर सभी खिलाड़ी अपने आप को दिलचस्प बनाने की कोशिश हमेशा करते हैं। पहले खिलाड़ी सिर्फ अपना खेल अच्छा रखते थे, अब के खिलाड़ी अपने खेल के साथ-साथ लुक पर भी ध्यान देते हैं। बात जब क्रिकेटर्स के लुक की आती है तो सबसे पहले उनके लुक में बीयर्ड शामिल होती है। अगर बात करें पूर्व क्रिकेटरों की तो वो क्लीन शेव लुक में ज्यादा रहते थे। चाहे टीम इंडिया या विदेशी क्रिकेटर की बात करें, सभी को क्लीन शेव लुक में देखा जा सकता है। अगर 1983 वर्ल्ड कप में टीम इंडिया की बात करें तो उसमें ज्यादातर खिलाड़ी क्लीन शेव वाले ही थे।

लेकिन आजकल बीयर्ड लुक का क्रेज है। टीम इंडिया या बाहर के देशों की बात करें तो मौजूदा खिलाड़ी बड़ी-बड़ी बीयर्ड के साथ मैदान पर खेलते नजर आते हैं। जिनमें विराट कोहली का बीयर्ड लुक हमेशा चर्चा में रहता है। भारतीय क्रिकेटर ऋषभ पंत और श्रेयस अय्यर भी अब बीयर्ड

रखने लगे हैं। वहीं बीयर्ड के साथ रवींद्र जडेजा भी हैंडसम दिखते हैं। विदेशी क्रिकेटर्स में केन विलियमसन, बेन स्टोक्स और जो रूट भी बीयर्ड लुक में नजर आते हैं।

क्रिकेटर्स में बढ़ा हेयर स्टाइल का क्रेज

पहले की तुलना में अब क्रिकेटर्स हेयर स्टाइल पर ज्यादा ध्यान देते हैं। एमएस धोनी जो हेमशा अपने लंबे बालों के लिए याद किए जाएंगे। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान और दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली को दुनिया के सबसे हैंडसम क्रिकेटर्स में से एक माना जाता है। विराट अपने हेयर स्टाइल के लिए हमेशा चर्चाओं में रहते हैं।

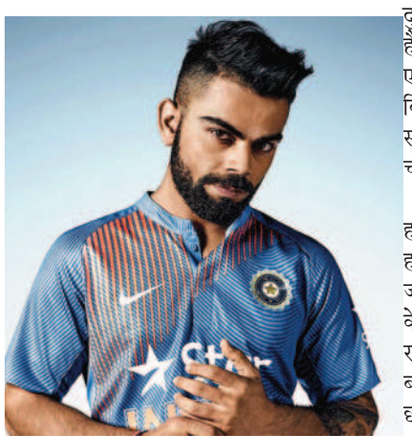

टीम इंडिया के हरफनमौला खिलाड़ी हार्दिक पंड्या खेल से ज्यादा अपने स्टाइल के लिए भी चर्चाओं में रहते हैं। हार्दिक अपने बालों को ज्यादातर छोटा रखना पसंद करते हैं। रवींद्र जडेजा के लंबे और घूंघराले बाल काफी समय से फैंस द्वारा फॉलो किए जाते रहे हैं। श्रेयस अय्यर अपने हेयर स्टाइल के साथ कई बार एक्सपेरिमेंट कर चुके हैं। कुछ समय पहले उन्होंने अपने बालों को ग्रे कलर किया था। कभी फ्रेकिंग हेयर स्टाइल तो कभी शॉर्ट हेयर भी उनके ऊपर खूब जंचते हैं।

टैटू में बढ़ी क्रिकेटर्स की दिलचस्पी

शरीर पर टैटू बनवाने की परंपरा काफी पुरानी है, जिसने आज फैशन का रूप ले लिया है। फुटबॉलर इसके शौकीन माने जाते रहे हैं और अब यह प्रचलन क्रिकेटरों में भी दिखने लगा है। क्रिकेट में टैटू को लेकर सबसे पहला नाम ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल जॉनसन का आता है। जिन्होंने अपने पूरे दाएं हाथ पर टैटू बनवा रखा है। स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने अपने बाएं हाथ के ऊपरी हिस्से में टैटू बनवा रखा है।

टैटू को लेकर स्टाइलिश सलामी बल्लेबाज शिखर धवन का प्यार किसी से छिपा नहीं है। 15 साल की उम्र में पहला टैटू बनवाने वाले धवन के शरीर पर 4 टैटू हैं। स्टाइल के मामले में यूनिवर्स बॉस क्रिस गेल किसी तरह का समझौता नहीं करते। गेल ने अपनी छाती पर शेर का टैटू गुदवाया है, जिस पर पंख भी लगे हुए हैं। भारतीय क्रिकेटर केएल राहुल भी टैटू के मामले में पीछे नहीं हैं। राहुल के दोनों ही हाथों पर टैटू देखे जा सकता हैं। वहीं गुजरात टाइट्स के कप्तान हार्दिक पंड्या ने अपने गले में पीस (शांति) सिम्बल का टैटू बनवा रखा है।

मैदान पर ज्वेलरी पहनने का शौक

क्रिकेट के मैदान पर आज के समय में ज्वेलरी पहनने का भी फैशन बढ़ा है। ऐसे कई क्रिकेटर हैं जो चेन या हाथ में ब्रेसलेट पहन कर मैदान पर उतरते हैं। विराट कोहली अकसर अपने गले में पहने चेन को लेकर सुर्खियों में रहते हैं। उस चेन में एक कीमती अंगूठी भी है, जो उनकी इंगेजमेंट रिंग है। इंग्लैंड के जोफ्रा आर्चर जिन्हें अकसर मैदान पर मोटी चेन पहने देखा गया है। हार्दिक पंड्या भी गले में चेन पहनते हैं। वहीं ऋषभ पंत गले में चेन और हाथ में ब्रेसलेट पहनते हैं।

आईपीएल ओपनिंग सेरेमनी में अरिजीत के गानों पर झूमे करीब सवा लाख दर्शक; रश्मिका व तमन्ना ने किया परफार्मेंस

इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) का 16वां सीजन आज से शुरू हो रहा है। मुकाबले से पहले IPL की ओपनिंग सेरेमनी अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में जारी है। सेरेमनी देखने के लिए करीब 1.15 लाख दर्शक स्टेडियम पहुंच चुके हैं। मंदिरा बेदी शो को होस्ट कर रही हैं।

साउथ इंडियन एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना की परफॉर्मेंस जारी है। बॉलीवुड सिंगर अरिजीत सिंह ने करीब आधे घंटे तक परफॉर्मेंस दी। उनके बाद एक्ट्रेस तमन्ना

भाटिया ने 5 मिनट तक तूने मारी एंट्रियां और चौगाड़ा तारा जैसे गानों पर डांस किया।

बॉलीवुड सिंगर अरिजीत सिंह की परफॉर्मेंस के साथ ओपनिंग सेरेमनी शुरू हुई। उन्होंने केसरिया, लहरा दो, अपना बना ले, झूमे जो पठान, राबता, शिवाय, जीतेगा-जीतेगा, चढ़ेया डांस का भूत, राबता और शुभानल्लाह जैसे गानों पर परफॉर्मेंस दी। उन्होंने करीब आधे घंटे तक अपने गानों से दर्शकों को बांधे रखा।

टीमों को सपोर्ट करने पहुंचे दर्शक

ओपनिंग सेरेमनी शुरू होने से पहले ही स्टेडियम के बाहर दर्शक अपनी टीमों को सपोर्ट करने के लिए पोस्टर्स लेकर पहुंचे।

ये स्टार्स भी कर रहे परफॉर्म

एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया, रश्मिका मंदाना और सिंगर अरिजीत सिंह 2023 IPL की ओपनिंग सेरेमनी में परफॉर्म कर रहे हैं।

टूर्नामेंट के होम और अवे

फॉर्मेट में होने के कारण सभी 10 टीमों के कप्तान ओपनिंग सेरेमनी में शामिल नहीं हुए। गुजरात टाइटंस के कप्तान हार्दिक पंड्या और चेन्नई सुपर किंग्स के महेंद्र सिंह धोनी ही सेरेमनी में मौजूद रहेंगे। इन्हीं दोनों टीमों के बीच ओपनिंग सेरेमनी के बाद शाम 7:30 बजे से टूर्नामेंट का पहला मैच भी खेला जाएगा।

4 साल बाद हो रही ओपनिंग सेरेमनी

2019 में IPL ओपनिंग सेरेमनी रद्द हो गई थी। 14 फरवरी 2019 को पुलवामा में हुए हमले में CRPF के शहीद जवानों के परिवारों को ओपनिंग सेरेमनी में खर्च किया जाना वाला पैसा दिया गया था। अगले तीन साल कोरोना की वजह से टूर्नामेंट में ओपनिंग सेरेमनी नहीं हुई।

शाहरुख खान से लेकर पिटबुल तक कर चुके हैं परफॉर्म

इससे पहले IPL में बॉलीवुड स्टार शाहरुख खान, सलमान खान और अमेरिकी सिंगर पिटबुल, कैटरीना कैफ, करीना कपूर और दीपिका पादुकोण भी परफॉर्म कर चुके हैं। 2018 IPL की पिछली ओपनिंग सेरेमनी मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में हुई थी। यहां बॉलीवुड स्टार ऋतिक रोशन, जैकलीन फर्नांडेज और तमन्ना भाटिया ने परफॉर्म किया था। इनके साथ ही सिंगर मीका सिंह और डांस कोरियोग्राफर प्रभुदेवा ने भी ओपनिंग सेरेमनी में परफॉर्म किया था।

मैं जब भारतीय टीम में था उससे 10 गुना बेहतर गेंदबाज अब हूँ - बाएं हाथ के तेज गेंदबाज खलील अहमद

एशिया कप 2018 में हांगकांग के खिलाफ भारत की ओर से अंतरराष्ट्रीय डेब्यू करने वाले खलील अहमद लगभग पिछले 4 सालों से भारतीय टीम में अपनी जगह नहीं बना पाए हैं। पिछले कुछ सालों से आईपीएल और घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने के बावजूद भी चयनकर्ता उन्हें लगातार नजरअंदाज कर रहे हैं, जिसको लेकर हाल ही में उन्होंने बड़ी बात कही है।

आकाश चोपड़ा के साथ बातचीत करते हुए खलील अहमद ने कहा कि जब वह भारत के लिए खेले थे तब से तुलना करें तो अब वह और भी बेहतर गेंदबाज बन चुके हैं, लेकिन फिर भी वह भारतीय टीम में अपनी जगह नहीं बना पा रहे हैं। दिल्ली कैपिटल्स की तरफ से खेलने को तैयार खलील अहमद ने कहा, जब मैं भारत के लिए खेला तब मैं उतना अच्छा नहीं था। मेरा मानना है कि मैं अब काफी बेहतर गेंदबाज हूं, लेकिन मैं भारतीय टीम में नहीं हूं। जब मैं भारत के लिए खेलता था, उसकी तुलना में अब मैं उससे 10

गुना बेहतर गेंदबाज हूँ। मैं खेल को बेहतर ढंग से पढ़ सकता हूं और मैं बल्लेबाज को बेहतर तरीके से पढ़ सकता हूं।

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि खलील अहमद ने पिछले सीजन दिल्ली कैपिटल्स की ओर से खेलते हुए 10 मैचों में 19.69 की औसत से 16 विकेट चटकाए थे। इस प्रदर्शन के बावजूद भी उन्हें भारतीय चयनकर्ताओं द्वारा नजरअंदाज किया गया। आईपीएल 2022 में शानदार प्रदर्शन करने के बाद खलील अहमद भारतीय टीम में जगह बनाने को लेकर पूरी तरह से तैयार थे, लेकिन चोटिल होने के चलते उन्हें घरेलू सत्र से भी बाहर होना पड़ा था। उन्होंने अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच नवंबर 2019 में बांग्लादेश के खिलाफ खेला था।

आईपीएल 2023 में अच्छा करके खलील अहमद करना चाहेंगे प्रभावित

खलील अहमद के ऊपर दिल्ली कैपिटल्स के गेंदबाजी अटैक में एनरिक नॉर्टजे का साथ देने की बड़ी जिम्मेदारी होगी। पिछले साल वह जिस तरह की लय में नजर आये थे, उसी तरह की लय वह इस सीजन भी जारी रखना चाहेंगे। भारतीय टीम में अर्शदीप सिंह के अलावा अभी तक कोई भी बाएं हाथ का गेंदबाज ज्यादा नहीं प्रभावित कर पाया है, ऐसे में खलील आईपीएल के प्रदर्शन के आधार पर चयन के लिए फिर से दावेदारी पेश करना चाहेंगे।

टीम इंडिया अगस्त में करेगी आयरलैंड का दौरा तीन टी20 इंटरनेशनल मैचों की सीरीज खेलेगी

भारतीय टीम अगस्त महीने में तीन मैचों की टी20 सीरीज के लिए आयरलैंड का दौरा करेगी. क्रिकेट आयरलैंड ने इसकी जानकारी दी है. यह सीरीज 18 से 23 अगस्त तक खेला जायेगा. हालांकि बीसीसीआई ने अब तक इसका कोई शेड्यूल जारी नहीं किया है. भारत में इसी साल अक्टूबर मेंव नडे वर्ल्ड कप का आयोजन होना है.

भारतीय क्रिकेट टीम तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज के लिए इस साल अगस्त में आयरलैंड का दौरा करेगी. यह जानकारी क्रिकेट आयरलैंड ने शुक्रवार को दी. क्रिकेट आयरलैंड ने कहा, आयरलैंड के क्रिकेट प्रशंसक दुनिया की नंबर एक टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम भारत को देखने का लुत्फ उठा सकेंगे, जब एशिया के शीर्ष खिलाड़ी इस अगस्त में तीन मैचों की टी20 श्रृंखला के लिए मालाहाइड लौटेंगे.

हार्दिक की कप्तानी में आयरलैंड का दौरा कर चुका है भारत

भारतीय टी20 टीम के नये कप्तान हार्दिक पंड्या ने पिछले साल इसी स्थान पर दो मैचों की श्रृंखला के दौरान टीम का नेतृत्व किया था. भारत को अपनी घरेलूसरजमीं पर इस साल एकदिवसीय विश्व कप खेलना हैऐसेमेंयह देखना होगा कि क्या भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) हार्दिक को एक ऐसी सीरीज में खेलने का जोखिम उठायेगा जिसका विश्व कप की तैयारी के मामले में कोई खास महत्व नहीं होगा।

यह सीरीज हालांकि आयरलैंड क्रिकेट बोर्ड के लिए काफी मायने रखती है क्योंकि इसके प्रसारण राजस्व से उनकी वित्तीय स्थिति बेहतर होगी. इस श्रृंखला का आयोजन 18 से 23 अगस्त तक होगा. क्रिकेट आयरलैंड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी वारेन डेयूट्रोम ने कहा कि पुरुष क्रिकेट के मामलेमेंगर्मी का 2023 सत्र किसी जश्न की तरह होगा.

भारत का यह दूसरा आयरलैंड का दौरा होगा उन्होंने कहा कि प्रशंसकों के लिए यह बहुत खास होगा. हम आज पुष्टि कर सकतेहैंकि भारत लगातार दूसरेसाल आयरलैंड का दौरा करेगा. हमारी टीम इससेपहलेमई मेंबांग्लादेश के खिलाफ विश्व कप सुपर लीग के तहत खेलेजानेवाली एकदिवसीय श्रृंखला में भाग लेगी. उन्होंनेकहा, हम पहलेही घोषणा कर चुके हैं कि हम जून में लॉर्ड्स मेंटेस्ट मैच और फिर सितंबर में इंग्लैंड के खिलाफ एक दिवसीय श्रृंखला खेलेंगे.

गिल हो सकते हैं गुजरात टाइटन्स के अगले भावी कप्तान

गुजरात टाइटंस के क्रिकेट निदेशक विक्रम सोलंकी ने कहा कि युवा बल्लेबाज शुभमन गिल की क्रिकेट को लेकर समझ शानदार है और गुजरात की टीम उन्हें भावी कप्तान के तौर पर देख रही है. भारत के युवा ओपनिंग बल्लेबाज शुभमन गिल ने साल 2023 की बेहतरीन शुरुआत की है. उन्होंने टीम इंडिया के दोनों फॉर्मेट वनडे और टेस्ट में बतौर ओपनर अपनी जगह लगभग पक्की कर ली है और अब उनकी निगाहें आईपीएल में धमाल मचाने पर हैं, जहां वह डिफेंडिंग चैंपियन गुजरात टाइटन्स के लिए मैदान पर दिखाई देंगे. उनके खेल पर गुजरात टाइटन्स ने भी भरोसा दिखाया है और अब यह फ्रेंचाइजी उन्हे भविष्य के कप्तान के तौर पर देख रही है.

टीम के क्रिकेट निदेशक विक्रम सोलंकी का मानना है कि गिल की क्रिकेट की समझ बहुत

अच्छी है और वह भविष्य में इस फ्रेंचाइजी टीम के कप्तान बन सकते हैं. गिल पिछले छह महीने से भारतीय टीम का अहम हिस्सा बने हुए हैं और इस बीच उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया, जिसमें न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे में दोहरा शतक लगाना भी शामिल है. उन्होंने पिछले साल गुजरात टाइटंस को आईपीएल खिताब दिलाने में भी अहम भूमिका निभाई थी. हार्दिक पंड्या का लगातार दूसरे सत्र में गुजरात टाइटंस की अगुवाई करना तय है लेकिन टीम प्रबंधन गिल को भविष्य के कप्तान के रूप में देखता है. सोलंकी ने वर्चुअल मीडिया सत्र में पत्रकारों से कहा, 'शुभमन के अंदर एक लीडर छिपा है और वह काफी जिम्मेदारी लेता है. मेरे हिसाब से यह महत्वपूर्ण नहीं है कि आपके नाम के आगे कप्तान होने का चिह्न लगे होने पर ही आप अपनी भूमिका निभाओ.'उन्होंने कहा, 'शुभमन ने पिछले साल भी अपने आचरण और खेल के प्रति अपने पेशेवर रवैए के कारण नेतृत्वकर्ता की भूमिका निभाई थी.' सोलंकी ने कहा, 'क्या मैं यह सोचता हूं कि शुभमन भविष्य का कप्तान होगा. हां, निश्चित तौर पर लेकिन इस बारे में अभी कोई फैसला नहीं किया गया है. उसमें नेतृत्व करने के गुण हैं, वह बहुत परिपक्व है और काफी प्रतिभाशाली है.' उन्होंने कहा, 'उसके पास बहुत अच्छा क्रिकेटिया दिमाग है और हम शुभमन के साथ चर्चा जारी रखेंगे और जो भी फैसला करेंगे उसमें उसकी राय जरूर लेंगे.' गुजरात टाइटंस आईपीएल में अपना पहला मैच 31 मार्च को चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ खेल चुकी है

वित्त वर्ष 2022-23 को शानदार तेजी के साथ भारतीय शेयर बाजार ने दी विदाई

सेंसेक्स ने लगाई 1,000 अंकों की छलांग

नई दिल्ली, 31 मार्च (एजेंसियां)। वित्त वर्ष 2022-23 को भारतीय शेयर बाजार ने शानदार तरीके से विदाई दी है। इस वित्त वर्ष के आखिरी कारोबारी दिन बाजार में शानदार तेजी देखने को मिली।निवेशकों ने जमकर खरीदारी की।बाजार की दिग्गज कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के अगुवाई में ये तेजी रही जिसके बाद सेंसेक्स 1,000 अंकों के ऊपर जाकर बंद हुआ है।आज का कारोबार खत्म होने पर बीएसई सेंसेक्स 1031 अंकों के उछाल के साथ 58,991 अँक तो नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 279 अंकों की तेजी के साथ 17,359 अंकों पर बंद हुआ है।आज के ट्रेड में बैंकिंग सेक्टर में 1.75 फीसदी का उछाल देखने को मिला है। इसके अलावा निफ्टी आईटी में भी 2.45 फीसदी की तेजी रही। एफएमसीजी, एनर्जी, ऑटो, इंफ्रा, मेटल्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और ऑयल एंड गैस सेक्टर के शेयरों में भी शानदार तेजी रही।मिड कैप और स्मॉल कैप सेक्टर के शेयर भी शानदार तेजी के साथ बंद हुए।सेंसेक्स के 30 शेयरों में 26 तेजी के साथ और 4 नीचे बंद हुए। निफ्टी के 50 शेयरों में 43 शेयर तेजी के साथ तो 7 गिरावट के साथ बंद हुए।आज के कारोबारी सत्र में निवेशकों की संपत्ति में जबरदस्त उछाल देखने को मिला है। बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप बढ़कर 258.19 लाख करोड़ रुपये पर जा पहुंचा है तो बुधवार को 254.77 लाख करोड़ रुपये रहा था।आज के ट्रेडिंग सत्र में निवेशकों की संपत्ति में 3.42 लाख करोड़ रुपये का उछाल देखने आया है।

नई फॉरेन ट्रेड पॉलिसी लॉन्च : आज से लागू होगी नई एफटीपी

रुपए में ट्रेड के इंटरनेशनलाइजेशन पर फोकस होगा

नई दिल्ली, 31 मार्च (एजेंसियां)। कॉमर्स मिनिस्टर पीयूष गोयल ने आज यानी शुक्रवार (31 मार्च) को नई फॉरेन ट्रेड पॉलिसी-2023 (एफटीपी) की अनाउंसमेंट कर दी है। इस पॉलिसी से सरकार को ग्लोबल ट्रेड में गिरावट के बीच एक्सपोर्ट्स को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। सरकार को नई एफटीपी से उम्मीद है कि 2030 तक भारत का गुड्स एंड सर्विसेज एक्सपोर्ट 2 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच जाएगा।

रुपए में बिजनेस के इंटरनेशनलाइजेशन पर फोकस

नई फॉरेन ट्रेड पॉलिसी 1 अप्रैल 2023 यानी कल से लागू होगी। गोयल ने कहा कि नई पॉलिसी रुपए में बिजनेस के इंटरनेशनलाइजेशन पर फोकस करेगी। वहीं डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ फॉरेन ट्रेड

(डीजीएफटी) संतोष सारंगी ने कहा कि फाइनेंशियल ईयर-2023 में भारत का टोटल एक्सपोर्ट 2021-22 में 676 बिलिनय डॉलर के मुकाबले 760 बिलियन डॉलर के पार हो जाएगा।

नई पॉलिसी ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को बढ़ावा देगी

मिनिस्ट्री ने कहा, 'नई फॉरेन ट्रेड पॉलिसी में रिमिशंस से लेकर इंसेंटिव्स तक के लिए कदम उठाए जाएंगे। इसमें एक्सपोर्टर्स, स्टेट्स, डिस्ट्रिक्ट्स और इंडियन मिशन के कोलैबोरेशन से एक्सपोर्ट प्रमोशन पर फोकस किया जाएगा। यह पॉलिसी ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को बढ़ावा देगी और ई-कॉमर्स एंड एक्सपोर्ट हब जैसे उभरते एरियाज पर फोकस करेगी।

जरूरत पड़ने पर एफटीपी को अपडेट किया जाएगा

डीजीएफटी ने कहा, 'यह पॉलिसी गतिशील होगी। इस पॉलिसी पर फीडबैक की कोई आखिरी तारीख नहीं होगी। हम इस डॉक्यूमेंट में चेंजेस करते रहेंगे और इसे अपडेट करेंगे। यदि कोई ऐसा सेक्टर है, जो यह महसूस करता है कि इस एफटीपी में उनके लिए कुछ भी नहीं है, तो निराश न हों।'

एक्सटर्नल अफेयर्स मिनिस्ट्री फुल सपोर्ट करेगी

डीजीएफटी ने कहा कि नई पॉलिसी के 2028 तक लागू रहने की उम्मीद है।हालांकि, नई फॉरेन ट्रेड पॉलिसी की कोई आखिरी डेट नहीं होगी, जरूरत पड़ने पर इसे अपडेट किया जाएगा। गोयल ने कहा कि सरकार आने वाले महीनों में एक्सपोर्ट को बढ़ावा देने के लिए सेक्टरों को ग्लोबल लेवल पर ले जाएगी। एक्सटर्नल अफेयर्स मिनिस्ट्री ने फॉरेन मिशन के जरिए भारत में बिजनेस, टेक्नोलॉजी और टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए फुल सपोर्ट का आश्वासन दिया है।

एलन मस्क के नाम एक और कामयाबी, बराक ओबामा और जस्टिन बीबर जैसे दिग्गजों को पछाड़ा

नई दिल्ली, 31 मार्च (एजेंसियां)। माइक्रोब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म ट्विटर पर एलन मस्क के अब सबसे ज्यादा फॉलोअर्स हो चुके हैं।दुनिया के दूसरे सबसे अमीर व्यक्ति ने ये कामयाबी अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा और गायक जस्टिन बीबर जैसे दिग्गजों को पीछे छोड़कर हासिल की है।अब ट्विटर पर एलन मस्क के पास 13.3 करोड़ से ज्यादा फॉलोअर्स हो चुके हैं।बराक ओबामा 2020 से ट्विटर पर सबसे ज्यादा फॉलोअर्स की लिस्ट में टॉप पर थे।गीनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड के मुताबिक, ट्विटर पर करीब 450 मिलियन मंथली एक्टिव यूजर्स हैं। वहीं 133 मिलियन यूजर्स एलन मस्क को फॉलो कर रहे हैं यानी की करीब टोटल एक्टिव यूजर्स में से 30 फीसदी लोग ट्विटर के मालिक को फॉलो कर रहे हैं। एलन मस्क ने अक्टूबर, 2022 में ट्विटर को 44 अरब डॉलर में खीरदा था, तब इनके पास 110 मिलियन यूजर्स थे और ये बराक ओबामा एंड जस्टिन बीबर के बाद तीसरे सबसे ज्यादा फॉलो किए जाने वाले शख्स थे।हालांकि सिर्फ पांच महीने के दौरान इनके फॉलोअर्स में इजाफा हुआ है और अब 133 मिलियन हो चुका है।

फाइनेंशियल सर्विस बिजनेस के डिमर्जर पर रिलायंस की मीटिंग

स्ट्रैटेजिक इन्वेस्टमेंट्स बन जाएगी जियो फाइनेंशियल सर्विसेज, पेटीएम जैसी कंपनियों को मिलेगी टक्कर

मुंबई, 31 मार्च (एजेंसियां)। भारत की सबसे वैल्यूएबल कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड यानी आरआईएल ने अपने फाइनेंशियल सर्विसेज बिजनेस के डीमर्जर की प्रोसेस शुरू कर दी है। रिलायंस इंडस्ट्रीज और रिलायंस स्ट्रैटजिक इन्वेस्टमेंट के बीच प्रपोज्ड स्कीम ऑफ अरेंजमेंट को मंजूरी देने के लिए आरआईएल के क्रेडिटर्स और शेयरहोल्डर्स की एक मीटिंग 2 मई 2023 को होगी। डिमर्जर के बाद, रिलायंस स्ट्रैटेजिक इन्वेस्टमेंट्स का नाम बदलकर जियो फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड कर दिया जाएगा। पिछले साल, रिलायंस इंडस्ट्रीज ने अपने फाइनेंशियल सर्विसेज बिजनेस को अलग करके एक अलग यूनिट बनाने और बाद में इसे स्टॉक एक्सचेंजों पर लिस्ट करने की घोषणा की थी। डीमर्जर शेयर-स्वैप अरेंजमेंट के जरिए किया जाएगा। आरआईआरआईएल के शेयरधारकों को उनके प्रत्येक शेयर के लिए जियो फाइनेंशियल सर्विसेज का एक शेयर मिलेगा। 31 मार्च, 2022 तक फाइनेंशियल सर्विसेज बिजनेस का टर्नओवर 1,387 करोड़ रुपए था। केवी कामथ नई कंपनी के नॉन-एग्जीक्यूटिव चेयरमैन होंगे।

कंज्यूमर और मर्चेंट लैंडिंग बिजनेस शुरू करने का प्लान

जियो फाइनेंशियल सर्विसेज का प्लान कंज्यूमर और मर्चेंट लैंडिंग बिजनेस शुरू करने का है। रिलायंस के फाइनेंशियल सर्विसेज बिजनेस में रिलायंस इंडस्ट्रियल इन्वेस्टमेंट्स एंड होल्डिंग्स लिमिटेड, रिलायंस पेमेंट सॉल्यूशंस लिमिटेड; जियो पेमेंट्स बैंक लिमिटेड; रिलांयस रिटेल फाइनेंस लिमिटेट; जियो इंफॉर्मेशन एग्रीगेटर सर्विसेज लिमिटेड; और रिलायंस रिटेल इंश्योरेंस ब्रोकिंग लिमिटेड का इन्वेस्टमेंट है।

पेटीएम और अन्य फिनटेक कंपनियों के लिए खतरा

ग्लोबल फाइनेंशियल सर्विसेज की दिग्गज कंपनी मैक्वेरी ने पिछले साल अपनी रिपोर्ट में रिलायंस के फाइनेंशियल सर्विसेज बिजनेस को मार्केट ग्रोथ के मामले में पेटीएम और अन्य फिनटेक कंपनियों के लिए एक बड़ा खतरा बताया था। जियो फाइनेंशियल सर्विसेज ज्यादातर फिनटेक से अलग होगी, क्योंकि इसके पास बड़ी मात्रा में डेटा तक पहुंच है। जियो, अलीबाबा, अमेजन, एपल जैसी फाइनेंशियल सर्विसेज ऑफर करने के लिए रियल टाइम में इस डेटा को प्रोसेस और एनालाइज कर सकती है। पांचवीं बड़ी फाइनेंशियल सर्विसेज कंपनी बन सकती है जियो डिमर्जर के बाद, जियो फाइनेंशियल सर्विसेज लगभग 1 ट्रिलियन रुपए की नेट वर्थ के साथ पांचवीं सबसे बड़ी फाइनेंशियल सर्विसेज कंपनी बन सकती है। रिलायंस इंडस्ट्रीज के पास पहले से ही एक एनबीएफसी लाइसेंस है, जिसका फायदा उसे कंज्यूमर या मर्चेंट लेंडिंग में मिल सकता है। मैक्वेरी के अनुसार, जियो फाइनेंशियल सर्विसेज मर्चेंट लेंडिंग और डिजिटल अनसिक्योर्ड लेंडिंग मार्केट्स में भी एटरेक्टिव रेट ऑफ कर सकती है।

वित्त वर्ष के आखिरी दिन सोना-चांदी हुआ महंगा, 60 हजार रुपये के पार 10 ग्राम गोल्ड के दाम

नई दिल्ली, 31 मार्च (एजेंसियां)। वित्त वर्ष के आखिरी दिन यानी 31 मार्च को सोना-चांदी खरीदना महंगा हो चुका है।अगर आज आप सोना खरीदने का विचार कर रहे हैं तो आपको कल की तुलना में ज्यादा पैसे खर्च करने होंगे।मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में गोल्ड और सिल्वर के दाम बढ़ोतरी के साथ कारोबार कर रहे हैं।यहां 10 ग्राम सोने की कीमत 60 हजार के करीब पहुंच गई है।ग्लोबल मार्केट में जारी उथल-पुथल के कारण आज डॉलर गिरा है, जिस कारण एमसीएक्स में सोने के दाम में तेजी देखी जा रही है। वहीं देश के कई शहरों में सोना सस्ता और महंगा हुआ है।

एमसीएक्स पर गोल्ड के नए रेट

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोना 59840 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट पर शुरू हुआ था।डॉलर के दाम बढ़ने और अन्य कारणों से आज सोने का उच्च स्तर 59958 रुपये प्रति 10 ग्राम रहा है, लेकिन अभी एमसीएक्स पर सोना 59940 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बढ़ोतरी के साथ कारोबार कर रहा था, जिसमें प्रति 10 ग्राम पर 08 फीसदी या 45 रुपये का इजाफा देखा गया है।

एमसीएक्स पर सिल्वर के क्या हैं दाम

एमसीएक्स पर 1 किलो सिल्वर के दाम 33 फीसदी या 238 रुपये उछलकर 72012 रुपये पर था।चांदी 71950 रुपये प्रति 10 ग्राम के साथ शुरू हुआ था और इसका उच्च स्तर 72143 रुपये प्रति 1 किलो देखा गया है।सोना और चांदी की ये कीमत जून और मई वायदा के लिए है।

टॉप शहरों में सोने के दाम

अहमदाबाद में 24 कैरेट सोना 10 ग्राम के लिए 330 रुपये चढ़कर 60,050 रुपये पर है.बंग्लुरू में 24 कैरेट सोना 330 रुपये चढ़कर 60,050 रुपये प्रति 10 ग्राम है.चंडीगढ़ में 24 कैरेट सोने के दाम 330 रुपये चढ़ा है और यहां 60,150 रुपये प्रति 10 ग्राम है.चेन्नई में 24 कैरेट सोना 270 रुपये महंगा हुआ है और यहां गोल्ड 60,980 रुपये प्रति 10 ग्राम है.24 कैरेट सोना दिल्ली में 330 रुपये बढ़कर 60150 रुपये प्रति 10 ग्राम पर है.लखनऊ में 24 कैरेट वाला 10 ग्राम गोल्ड 330 रुपये महंगा होकर 60,150 रुपये प्रति 10 ग्राम पर है.पटना में 24 कैरेट सोना 10 ग्राम के लिए 330 रुपये बढ़ा है और 60,050 रुपये प्रति 10 ग्राम पर है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मीन में	मीन...	05-20 बजे
चंद्र-	कर्क में	मेष--	06-56 बजे
मंगल	मिथुन में	वृष--	08-41 बजे
बुध-	मेष में	मिथुन..	10-43 बजे
गुरु-	मीन में	कर्क...	12-53 बजे
शुक्र-	मेष में	सिंह...	15-06 बजे
शनि-	कुंभ में	कन्या..	17-13 बजे
राहु-	मेष में	तुला	19-18 बजे
केतु-	तुला में	वृश्चिक.	21-27 बजे
		धनु.....	23-41 बजे
		मकर..	01-48 बजे
		कुंभ...	03-38 बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2080**
शक संवत् **-1945,** सूर्य उत्तरायणे,ऋतु- बसंत
महावीर निर्वाण संवत् **-2548,**हिजरी सन् **-1444**
कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426876**
कलियुग संवत् **-5124** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् **-1972949124**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885124**
दिशाशूल -- पूर्व - अदरक खाकर घर से निकले
तिथि- एकादशी - **04 -20** तक उपरान्त द्वादशी
मास - चैत्र शुक्ल पक्ष , शनिवार **April 01**
नक्षत्र - आश्लेषा - **04 -48** तक उपरान्त मघा
योग - धृति - **02 - 43** - तक उप - शूल
करण- वणिज - **15 - 10** - तक उप- विष्टि
विशेष:- कामदा एकादशी व्रत स्मार्त वैष्णव
व्रत -त्योहार - लक्ष्मी दोलोत्सवः भद्रा **-15-11** से

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 09:16 से 10:48 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
काल.	06:14 - 07:44 अशुभ	लाभ.	18:28 - 19:56 शुभ
शुभ.	07:44 - 09:16 शुभ	उत्पात	19:56 - 21:24 अशुभ
रोग	09:16 - 10:48 अशुभ	शुभ	21:24 - 22:52 शुभ
उत्पात	10:48 - 12:20 अशुभ	अमृत	22:52 - 00:20 शुभ
चंचल	12:20 - 13:52 शुभ	चंचल	00:20 - 01:48 शुभ
लाभ	13:52 - 15:24 शुभ	रोग	01:48 - 03:16 अशुभ
अमृत	15:24 - 16:56 शुभ	काल	03:16 - 04:44 अशुभ
काल.	16:56 - 18:25 अशुभ	लाभ	04:44 - 06:11 शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)

कार्यस्थल पर तनाव आपको बीमार कर सकता है। शेयर बाजार में पैसा लगाने वालों को आज नुकसान हो सकता है। आपके लिए बेहतर यही होगा कि आप अपने निवेश को लेकर चौकस और सतर्क रहें। पुराने रिश्तेदारों द्वारा अनुचित मांग करने की संभावना है। अचानक परिचय से बचें क्योंकि यह पश्चाताप ला सकता है।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)

धार्मिक और आध्यात्मिक रुचि के पालन के लिए भी आज का दिन अच्छा है। आप किसी की मदद से पैसा कमाने के काबिल बन सकते हैं। आपको बस खुद पर विश्वास करने की जरूरत है। पारिवारिक मोर्चे पर कुछ दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। लेकिन अपने सदस्यों की मदद से आप उन्हें सुलझाने में सक्षम होंगे।

मिथुन (का, की, कू, घ, ङ, झ, के, को, हा,)

स्वास्थ्य के मोर्चे पर थोड़ी सावधानी की जरूरत है। यदि आपको लगता है कि आपके पास पर्याप्त धन नहीं है तो धन प्रबंधन और बचत के संबंध में किसी बड़े से सलाह लें। बच्चों के साथ समय बिताना महत्वपूर्ण रहेगा। रोमांस के लिए दिन बहुत अच्छा नहीं है क्योंकि आप सच्चा प्यार पाने में असमर्थ हैं।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)

आपको कुछ खेल गतिविधि का आनंद लेने की संभावना है जो आपकी शारीरिक फिटनेस को बनाए रखेगी। आज रात के समय आपको आर्थिक लाभ होने की प्रबल संभावना है क्योंकि पहले दिया गया पैसा तुरंत वापस आएगा। यदि आप अपने घरेलू कर्तव्यों की उपेक्षा कर रहे हैं तो कोई व्यक्ति जिसके साथ आप रहते हैं।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)

हँसी-मज़ाक से भरा एक चमकदार दिन जब ज़्यादातर चीज़ें आगे बढ़ें- जैसा आप चाहते हैं। खेल-कूद से जुड़ी चीज़ें आज आप खरीद सकते हैं, जिससे आप प्रसन्न और संतुष्ट रहेंगे। हालाँकि, आपके बजट से अधिक होने की संभावना है। माता का रोग कुछ चिंता दे सकता है। आपको उसका ध्यान बीमारी से हटाकर कुछ अन्य चीजों की ओर मोड़ने और उसकी बीमारी को कम करने की जरूरत है।

कन्या (टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ट, पे ,पो,)

ज्यादा चिंता करने से मानसिक शांति भंग हो सकती है। इससे बचें क्योंकि हर तरह की चिंता, चिड़चिड़ापन और चिंता शरीर पर प्रतिकूल प्रभाव डालती है। घरेलू आवश्यकता के अनुसार आप अपने जीवनसाथी के साथ कोई कीमती सामान खरीदने के लिए बाहर जा सकते हैं, जिससे आपकी आर्थिक स्थिति थोड़ी तंग हो सकती है।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)

आज आपका स्वास्थ्य उत्तम नहीं रहेगा। आज आपका पैसा कई चीजों पर खर्च हो सकता है। इसलिए, आपको आज एक कुशल बजट की योजना बनाने की आवश्यकता है ताकि सभी चुनौतियों और धन संबंधी समस्याओं से निपटा जा सके। परिवार के सदस्यों के साथ अपनी परेशानी साझा करके आप हल्का महसूस करते हैं।

वृश्चिक (लो,ना,नी, ने,नू, या, यी ,यू,)

आपका सेंस ऑफ ह्यूमर किसी को इस कौशल को विकसित करने के लिए खुद को प्रोत्साहित करने में मदद करेगा क्योंकि आप उसे समझाते हैं कि खुशी किसी चीज के कब्जे में नहीं है बल्कि हमारे अंदर है। आज आपके भाई-बहन आपसे आर्थिक मदद मांग सकते हैं, लेकिन उनकी मदद करना आपके ऊपर आर्थिक बोझ बढ़ा सकता है।

धनु (ये, यो,य, मी, मू धा ,फा, ढा, मे)

भाग्य के भरोसे न रहें और अपने स्वास्थ्य को सुधारने का प्रयास करें क्योंकि भाग्य एक आलसी देवी है जो आपके पास कभी नहीं आएगा। आपके लिए अपने वजन को नियंत्रित करने और अपने स्वास्थ्य को फिर से हासिल करने के लिए व्यायाम शुरू करने का सही समय है।

मकर (मो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, ग, गी)

भाग्य के भरोसे न रहें, अपने स्वास्थ्य को बेहतर बनाने का प्रयास करें, क्योंकि भाग्यशाली एक आलसी देवी है। जिन लोगों को अभी तक वेतन नहीं मिला है, वे पैसों को लेकर चिंतित हो सकते हैं और अपने किसी दोस्त से कर्ज मांग सकते हैं। अपने घर के वातावरण में बदलाव करने से पहले सुनिश्चित करें।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सि, सू, से, सो, द,)

आपको अपने नकारात्मक विचारों को मानसिक बीमारी बनने से पहले नष्ट कर देना चाहिए। आप खुद को किसी दान-पुण्य के काम में शामिल करके इनसे छुटकारा पा सकते हैं जिससे आपको पूरी मानसिक संतुष्टि मिलेगी। आज उन रिश्तेदारों को पैसा उधार देने से बचें जिन्होंने पहले का पैसा अभी तक वापस नहीं किया है।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)

किसी खेल के भुगतान में स्वयं को शामिल करें क्योंकि यह चिर यौवन का रहस्य है। आज धन लाभ होने की संभावना है, लेकिन अपने आक्रामक स्वभाव के कारण आप उम्मीद के मुताबिक कमाई नहीं कर पाएंगे। करीबी दोस्तों के साथ बाहर जाएं जो आपकी स्थिति और आपकी जरूरतों को समझते हैं।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

सेलफोन के इन्वेंटर केवल 5% ही मोबाइल चलाते हैं

मार्टिन कूपर बोले- लोग इसका ऐसे बेतहाशा इस्तेमाल करेंगे, कभी सोचा नहीं था

वॉशिंगटन, 31 मार्च (एजेंसियां)। जब भी मैं लोगों को मोबाइल चलाते देखता हूं तो परेशान हो जाता हूं... फिर सोचता हूं कि क्या इसी दिन के लिए सेलफोन का आविष्कार किया था। कभी सोचा नहीं था कि लोग बेतहाशा इस्तेमाल करेंगे।' यह कहना है फादर ऑफ सेलफोन माने जाने वाले मार्टिन कूपर का। 3 अप्रैल को उनके इस इन्वेंशन को 50 साल पूरे हो जाएंगे। कूपर ने कहा कि मैं खुद भी दिनभर का सिर्फ 5% वक्त ही मोबाइल के लिए देता हूं। हम यह अच्छी तरह जानते थे कि एक दिन सभी के पास मोबाइल होगा। करीब-करीब वह स्थिति आ गई है। नई टेक्नोलॉजी अक्सर चुनौतियां पेश करती हैं। जब टीवी आया था, तब भी लोगों में जबरदस्त सम्मोहन था। पर हम यह समझाने में भी सफल रहे कि टीवी देखने के कुछ मेरिट्स भी हैं। यही स्थिति मोबाइल के साथ भी आएगी।

कूपर बोले- लोग जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल कर रहे

इस मौके पर 94 साल के कूपर ने कहा,'समस्या यह है कि लोग जरूरत से ज्यादा इसका इस्तेमाल

कर रहे हैं, जो सेहत के लिए खतरनाक है। वो जुनूनी हो गए हैं। हममें से कई लोगों के दिन के अधिकांश हिस्सा मोबाइल में नजरें गढ़ाए बीत जाता है, यह दुखद है।' पांच दशक में इस टेक्नोलॉजी में बड़े बदलाव देखे। इस पर क्या कूपर सोचते हैं, उन्हीं के शब्दों में पढ़िए...जब मैं किसी ऐसे शख्स को देखता हूं, जो सड़क पार करते हुए सेलफोन पर बात कर रहा होता है, तो मैं दंग रह जाता हूं। ऐसे लोगों को होश ही नहीं होता है, वह किसी और ही दुनिया में होते हैं। कुछ तो कारों की चपेट में आ जाते हैं, शायद तब उन्हें पता लगता है। यह घातक है। मुझे नहीं लगता कि मैं कभी समझ पाऊंगा कि सेलफोन का इस्तेमाल कैसे किया जाए, जिस तरह से मेरे पोते और परपोते करते हैं।मैं खुद एपल वॉच पहनता हूं। इसके अलावा हाई-एंड आईफोन इस्तेमाल करता हूं। ईमेल, फोटो, यूट्यूब और अपने हियरिंग एड के बीच आसानी से फ्लिक करता हूं। लेटेस्ट मॉडल को अपडेट करने के लिए हमेशा तैयार रहता हूं और इसकी टेस्टिंग भी करता हूं। पर बहुत सारे एप्स होने के कारण कभी-कभी स्थिति अजीब होती है। आज सेलफोन अब लोगों का एक्सटेंशन बन गया है और यह बहुत कुछ कर सकता है।

कच्चे तेल ने कर दिया खेल, पिछले साल भारत-रूस ने बनाया व्यापार का ये रिकॉर्ड

नई दिल्ली, 31 मार्च (एजेंसियां)। साल 2022 आर्थिक लिहाज से पूरी दुनिया के लिए बदलावों से भरा रहा।इस दौरान आर्थिक संबंधों में व्यापक बदलाव देखने को मिले और भारत भी इससे अछूता नहीं रहा।खासकर भारत और रूस के व्यापारिक संबंधों को देखें तो इसमें अभूतपूर्व बदलाव आए।बदले हालात में दोनों देशों के बीच व्यापार तेजी से बढ़ा और इतिहास में पहली बार रूस भारत के पांच सबसे व्यापारिक भागीदारों में एक बन गया.साल 2022 के दौरान भारत और रूस के बीच 38.4 बिलियन डॉलर का व्यापार हुआ।यह दोनों देशों के बीच अभी तक किसी एक साल के दौरान हुआ सबसे ज्यादा व्यापार है।यह जानकारी रूसी कंपनी रॉसनेफ्ट ऑयल कंपनी के चीफ एक्सीक्यूटिव ऑफिसर इगोर सेचिन ने दी।वह अभी भारत यात्रा पर आए हुए हैं।उन्होंने कहा कि दोनों देशों के नेताओं ने साल 2025 तक आपसी व्यापार को 30 बिलियन डॉलर पहुंचाने का लक्ष्य रखा था, लेकिन इसे समय से पहले ही हासिल कर लिया गया है सेचिन की यात्रा के दौरान रॉसनेफ्ट ऑयल कंपनी और इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड ने तेल की आपूर्ति बढ़ाने व भारत को मिलने वाले ग्रेड्स को डाइवर्सिफाइ करने के संबंध में एक टर्म एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर किए।समझौते पर रॉसनेफ्ट ऑयल कंपनी की ओर से सीईओ इगोर सेचिन ने और इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड की ओर से श्रीकांत माधव वैद्य ने हस्ताक्षर किए।इस दौरान पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी उपस्थित थे। इस दौरान दोनों पक्षों ने रॉसनेफ्ट ऑयल कंपनी और भारतीय कंपनियों के बीच रुपये व रुबल में भुगतान करने की संभावनाओं समेत ऊर्जा क्षेत्र की पूरी आपूर्ति श्रृंखला में भागीदारी बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की गई।इसके अलावा सखालिन-1, टास-यूरयाख और वैनकोरनेफ्ट समेत रॉसनेफ्ट व भारतीय कंपनियों की विभिन्न संयुक्त परियोजनाओं के जारी क्रियान्वयन पर भी ध्यान दिया गया। रेटिंग एजेंसी एसएंडपी500 ने हाल ही में एक रिपोर्ट में कहा था कि रूस और भारत के बीच व्यापार में 2022 के दौरान आई तेजी साल 2023 के दौरान भी जारी रह सकती है।एजेंसी ने कहा था कि रूस से भारत का आयात अभी और बढ़ सकता है।वहीं रूस के लिहाज से बात करें तो चीन पिछले साल उसका सबसे बड़ा आयातक था।

देश के 6108 रेलवे स्टेशनों पर मिल रही है मुफ्त वाई-फाई

नई दिल्ली, 31 मार्च (एजेंसियां)। देश के करोड़ों रेलयात्रियों के लिए अच्छी खबर है।रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने हाल ही में लोकसभा में बताया कि डिजिटल इंडिया इनिशिएटिव को मजबूत करते हुए, भारतीय रेलवे ने यात्रियों की सुविधा के लिए अब तक 6,108 स्टेशनों पर फ्री हाई-स्पीड वाई-फाई सर्विस दे रहा है।उन्होंने कहा कि स्टेशनों पर वाई-फाई का प्रोविजन ऑप्टिकल फाइबर केबल और दूसरे रिसोर्स जैसे बेसिक इंफ्रा की अवेलेबिलिटी पर निर्भर करता है।

उत्तर प्रदेश के 768 स्टेशनों, महाराष्ट्र के 566 स्टेशनों, पश्चिम बंगाल के 510 स्टेशनों, आंध्र प्रदेश के 509 स्टेशनों और राजस्थान के 463 स्टेशनों पर फ्री वाई-फाई मिल रहा है।

बात-बात पर ठूंसकर खाने से जवानी बर्बाद

दोपहर-शाम को पड़ता दौरा, लड़कियों को ज्यादा खतरा, मां-बाप से मिलने वाली ये बीमारी डॉक्टर नहीं पकड़ पाते

नई दिल्ली, 31 मार्च (एक्सक्लूसिव डेस्क)। क्या आप जानते हैं बिंज ईटिंग किसे कहते हैं? यह एक तरह का डिसऑर्डर है। जिसमें व्यक्ति अपनी नॉर्मल डाइट से कई गुना ज्यादा खाने लगता है और चाहकर भी खुद को रोक नहीं पाता। उसका पेट तो भर जाता है, लेकिन मन नहीं भरता। भूख न होने के बावजूद वह दिन में कम से कम 4 से 5 बार जी भरकर खाता है। अगर पेरेंट्स को यह डिसऑर्डर है, तो बच्चों के भी उसकी चपेट में आने का खतरा रहता है।

यह डिसऑर्डर आमतौर पर 17 साल की उम्र से शुरू होता है और इससे उस उम्र में कई दिक्कतें हो जाती हैं। इसका खतरा आमतौर पर लड़कियों को ज्यादा होता है और अगर यह डिसऑर्डर माता या पिता में से किसी को रहा है तो इसके बच्चों में ट्रांसफर होने का रिस्क भी बढ़ जाता है। फिलहाल भारत में इस पर ज्यादा चर्चा नहीं होती या रिसर्च नहीं हुई है, इसलिए इस डिसऑर्डर को डॉक्टर भी आसानी से नहीं पकड़ पाते।

दुनियाभर में मानसिक बीमारियों का लेखा-जोखा रखने वाले 'डायग्नोस्टिक एंड स्टैटिस्टिकल मैनुअल ऑफ डिसऑर्डर्स' यानी (डीएसएम) के मुताबिक अगर कोई 3 महीने तक लगातार और हफ्ते में कम से कम एक बार अपनी खुराक से कहीं ज्यादा खाना खाए और खुद पर कंट्रोल नहीं कर सके, तब माना जाता है कि वह बिंज ईटिंग डिसऑर्डर (बीईडी) की चपेट में आ चुका है। जवानी की शुरुआत में यह बीमारी सबसे ज्यादा जकड़ती है।

नई दिल्ली स्थित फोर्टिस हॉस्पिटल के कंसल्टेंट साइकेट्रिस्ट डॉ. जितेंदर जाखड़ बताते हैं कि इस डिसऑर्डर का शिकार व्यक्ति अकेले होने पर या छिप-छिपाकर खाता है। क्योंकि सबके सामने खाने में उसे शर्मिंदगी महसूस होती है। खाने के बाद फिर पछताता भी है और खुद को दोषी भी मानता है। हालात कभी-कभी इतने बिगड़ जाते हैं कि आत्महत्या तक के ख्याल आने लगते हैं।

'एपिसोड' शब्द आपके लिए नया नहीं, टेलीविजन धारावाहिकों ने इसे बहुत पॉपुलर किया है, लेकिन यह शब्द जब खाने की गलत आदतों से जुड़ता है, तो जानिए कितना खतरनाक हो जाता है।

कब शुरू होता है 'बिंज ईटिंग एपिसोड'

ऐसे लोगों में किसी दौरे की तरह खाना खाने का जुनून सवार होता है। जिसे डॉक्टर 'बिंज ईटिंग एपिसोड' कहते हैं। जब तनाव, डायटिंग या खुद के बॉडी शेप से जुड़ी कोई निगेटिव फीलिंग, या फिर कोई और मानसिक परेशानी दिलो-दिमाग पर हावी हो जाती है, तब खाने की तलब 'बिंज ईटिंग एपिसोड' में बदल जाती है।

इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ईटिंग डिसऑर्डर्स के मुताबिक डिसऑर्डर के शिकार लोग 35 से 40 मिनट तक खा सकते हैं। हर दिन कम से कम 1 बार और अधिकतम 4 बार तक लोग बिंज ईटिंग करते हैं। हफ्ते में वे औसतन 9 बार ऐसी स्थिति का सामना करते हैं। कुछ लोगों को सप्ताह में 17 बार तक इस समस्या का सामना करना पड़ता है। खाने की यह जुनूनी तलब आमतौर पर दोपहर या शाम को होती है। वीकेंड की बजाए वीकडेज यानी सोमवार से शुक्रवार के बीच ऐसे एपिसोड ज्यादा आते हैं।

परेशानियों के चक्रव्यूह में फंसा देती है यह बीमारी

डॉ. जाखड़ बताते हैं बिंज ईटिंग खुद तो डिसऑर्डर है ही, यह दूसरी मानसिक परेशानियों का लक्षण भी है। जब डिप्रेशन, फ्रस्ट्रेशन, एंग्जाइटी और तनाव ज्यादा बढ़ता है, तो लोग बहुत ज्यादा खाने लगते हैं। जिससे उनका कोलेस्ट्रॉल, डायबिटीज और मोटापा बढ़ने लगता है। वे दूसरी शारीरिक, मानसिक बीमारियों की चपेट में आ जाते हैं। इस तरह, बिंज ईटिंग डिसऑर्डर परेशानियों का चक्रव्यूह खड़ा कर देती है, जिससे निकलना मुश्किल हो जाता है।

साइकेट्रिस्ट बताते हैं कि एनोरेक्सिया नर्वोसा और बुलीमिया नर्वोसा जैसे ईटिंग डिसऑर्डर्स की तुलना में बिंज ईटिंग डिसऑर्डर के मरीज सबसे ज्यादा हैं। लेकिन, इंडिया में अभी इसपर बहुत रिसर्च नहीं हुई है। पहले इसे डिसऑर्डर भी नहीं मानते थे। पिछले 10-12 साल में इसपर काम शुरू हुआ है। अब बिंज ईटिंग से निजात दिलाने के लिए सैंक्टम, आभास और वेदा रिहैब जैसे क्लिनिक इंडिया में खुलने लगे हैं। अब अगर आप सोच रहे हैं कि दावत में तो हर कोई ओवरईटिंग कर लेता है। बुलीमिया के शिकार लोग भी खूब खाना खाते हैं। ऐसे में बिंज ईटिंग डिसऑर्डर इन सबसे अलग कैसे है, तो हम आपको अब बताते हैं ये सब एक-दूसरे से कैसे अलग हैं। डॉ. जितेंदर का कहना है कि दोस्तों के साथ पार्टी या फिर तीज-त्योहार पर एक-दो बार ओवरईटिंग करना नॉर्मल है। यह कोई डिसऑर्डर नहीं है।

वहीं, बुलीमिया नर्वोसा में ज्यादा खाना खाने वाले उसके

बुरे असर से बचने के लिए तरह-तरह के जतन करते हैं। खाने के बाद तुरंत उल्टी कर देते हैं। मेटाबॉलिज्म को दुरुस्त रखने और खाना पचाने के लिए कई तरह की दवाएं खाने लगते हैं। वजन बढ़ने से रोकने के लिए ज्यादा एक्सरसाइज करने लगते हैं। उपवास रखते हैं, डायटिंग करते हैं। लेकिन, बिंज ईटिंग डिसऑर्डर में जरूरत से ज्यादा खाना खाने वाला व्यक्ति उसके बुरे असर से खुद को बचाने के लिए कुछ नहीं करता।

देश की 2 से 4 फीसदी आबादी को बिंज ईटिंग डिसऑर्डर है। इस बीमारी की शुरुआत 17 से 25 साल की उम्र में होती है। यह ऐसी उम्र होती है, जब युवाओं में सबसे ज्यादा एनर्जी होती है और वे खुद के साथ ही अपनी फैमिली, करियर और सोसायटी की बेहतरी के लिए सबसे ज्यादा काम आ सकते हैं। लेकिन, इसी उम्र में बिंज ईटिंग से होने वाली बीमारियों का जाल उन्हें हताशा और डिप्रेशन के अंधकार में ढकेल देता है।

बायोमेडिकल जर्नल पीएमसी के मुताबिक इस एज ग्रुप में भी इसका शिकार टीनएज की लड़कियां ज्यादा होती हैं। वे अपनी इमेज को लेकर बहुत ज्यादा अलर्ट रहती हैं। हॉर्मोनल बदलाव के साथ ही सुंदर दिखने का दबाव, करियर और पढ़ाई का स्ट्रेस और फ्रेंड्स से कॉम्पिटिशन उनपर ज्यादा हावी रहता है। लेकिन, उन्हें इस दबाव से निपटना नहीं आता। ऐसी स्थिति में जब वो ज्यादा तकलीफ महसूस करती हैं, तो उससे बचने के लिए जरूरत से ज्यादा खाना शुरू कर देती हैं। स्ट्रेस से भागने का सबसे आसान तरीका बिंज ईटिंग में नजर आता है। भीतर के खालीपन को भरने और खराब मेंटल हेल्थ से निपटने के लिए फूड का सहारा लिया जाता है।

साइकेट्रिस्ट डॉ. जितेंदर बताते हैं कि एंग्जाइटी, डिप्रेशन जैसी सिचुएशन में खाना रिवॉर्ड का काम करता है। इसकी 2 वजहें हैं- हार्मोनल और बेसिक जरूरतें। दिमाग में डोपामाइन पाथवे होता है, जिसे रिवॉर्ड पाथवे भी कहते हैं। जो चीज जितना ज्यादा तुरंत खुशी देती है, उसकी लत पड़ने की संभावना भी उतनी ही ज्यादा होती है। ऐसे में जब कोई परेशान होता है, तो वह मनपसंद चीजें खाकर अपने अंदर के तनाव को शांत कर खुश होता है। इसीलिए मीठी चीजें और मनपसंद खाना खाते ही बॉडी में तुरंत डोपामाइन हॉर्मोन रिलीज होता है। जिससे उसे खुशी मिलती है।

शरीर की बेसिक जरूरत बन जाती है डिसऑर्डर की वजह

बॉडी की बेसिक बायोलॉजिकल नीड्स में खाना, पानी और सेक्स शामिल है। इनसे शरीर की कई जरूरतें पूरी हो जाती हैं। जब भी हम किसी क्राइसिस में होते हैं, तो सर्वाइवल के लिए सबसे पहले बेसिक जरूरतों की तरफ झुकते हैं। इसीलिए परेशान होने पर कुछ खाने की जरूरत ज्यादा महसूस होती है। जो बाद में डिसऑर्डर में तब्दील हो जाती है।

बिंज ईटिंग को इसलिए गंभीरता से लिया जाता है, क्योंकि आमतौर पर इसके असर तुरंत नहीं दिखते। लोग खाने पर कंट्रोल खो देते हैं और नुकसान 1 से 2 महीने बाद नजर आता है। उनकी अपनी लापरवाही उनके अपने शरीर के साथ जुल्म हो जाती है। लगातार बेहिसाब खाते रहने से पाचन तंत्र बिगड़ने लगता है। बॉडी को हेल्दी रखने वाला अंदरूनी सिस्टम बैलेंस खोने लगता है। शरीर से टॉक्सिन्स बाहर निकलने की क्षमता कम होने लगती है। फिजिकल, मेंटल, इमोशनल हेल्थ के साथ ही रिश्तों पर भी इसका बुरा असर पड़ता है।

मोटापे के शिकार 50 फीसदी लोगों को यह डिसऑर्डर

जर्नल बायोलॉजिकल साइकेट्री के मुताबिक मोटापे के शिकार 50 फीसदी लोगों को बिंज ईटिंग डिसऑर्डर है। बार-बार खाने की लत से बॉडी का कैलोरी इनटेक बढ़ता है। वजन तेजी से बढ़ता है। मोटापा बेकाबू होता है। जिसकी वजह से दिल की कई बीमारियों, स्ट्रोक, कैंसर का खतरा बढ़ जाता है। जर्नल पीएमसी की कई रिपोर्ट बताती हैं कि बिंज ईटिंग डिसऑर्डर के कारण शरीर के ग्लूकोज का मेटाबॉलिज्म गड़बड़ हो जाता है। ऐसे में मोटापे के शिकार बराबर वजन के दो लोगों में बिंज ईटर को टाइप-2 डायबिटीज का रिस्क ज्यादा रहता है।

कई बीमारियों को न्यौता देता है बिंज ईटर

बिंज ईटिंग डिसऑर्डर नीम चढ़े करेले जैसा है। यह बीमारी अकेले नहीं, कई गंभीर मानसिक बीमारियों को भी साथ लाती है। जिनमें मूड डिसऑर्डर और एंग्जाइटी डिसऑर्डर सबसे कॉमन हैं। नींद से जुड़ी परेशानियां शुरू हो जाती हैं, जिससे मरीज चैन से सो तक नहीं पाता। बाईपोलर डिसऑर्डर और हाइपरटेंशन हो जाता है। अर्थराइटिस से लेकर शरीर के कई हिस्सों में दर्द रहता है। अस्थमा और 'इरिटेबल बॉउल सिंड्रोम' भी हो सकता है।

महिलाओं के लिए बिंज ईटिंग डिसऑर्डर और भी खतरनाक है। उनकी फर्टिलिटी से जुड़ी समस्याएं कई गुना बढ़ जाती हैं। 'पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम' जकड़ लेता है, जिससे ओवरी में गांठें बन सकती हैं और कंसीव करने या प्रेग्नेंसी में मुश्किलें आती हैं। पीरियड्स भी पेनफुल हो जाते हैं। 'इंडियन जर्नल आफ साइकोलॉजिकल मेडिसिन' के मुताबिक पश्चिमी देशों की तुलना में भारत की सोसायटी और कल्चर काफी अलग है। यहां पश्चिमी देशों की तरह बॉडी फैट और बॉडी शेप को उतनी गंभीरता से नहीं लिया जाता। इसलिए बिंज ईटिंग जैसे डिसऑर्डर्स की तरफ ज्यादा ध्यान भी नहीं दिया जाता। ऐसे में मरीज की परेशानी बढ़ती जाती है।

एक से दूसरी पीढ़ी को ट्रांसफर होती है बीमारी

वर्जीनिया इंस्टीट्यूट फॉर साइकेट्रिक एंड बिहेवियरल जेनेटिक्स के मुताबिक बिंज ईटिंग डिसऑर्डर एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक पहुंचता है। एफटीओ, डीआरडी2 और बीडीएनएफ जैसे जींस का संबंध इस बीमारी से पाया गया है। पेरेंट्स में मूड डिसऑर्डर, नशे की लत हो तो बच्चों में भी इसका खतरा बढ़ जाता है।

परिवार में झगड़े का माहौल और पेरेंट्स की तरफ से बच्चों पर परफेक्ट होने का दबाव भी बच्चों को इस बीमारी में जकड़ लेता है। अगर प्रेग्नेंसी के दौरान महिलाएं वजन बढ़ने पर ज्यादा परेशान हो जाती हैं, तो उनके बच्चे तक यह बीमारी ट्रांसफर हो सकती है।

इसके मरीजों के दिमाग की बनावट में भी बदलाव पाए गए हैं, जिसके कारण वे खाना देखकर खुद पर कंट्रोल नहीं कर पाते। यूनिवर्सिटी ऑफ ओस्लो के इंस्टिट्यूट ऑफ साइकेट्री के मुताबिक वजन घटाने के लिए सर्जरी की डिमांड करने वाले 25 से 50 फीसदी लोगों में बिंज ईटिंग डिसऑर्डर के लक्षण पाए जाते हैं। ज्यादा वजन इस बीमारी की वजह से और उसके असर दोनों से हो सकता है।

अपने शरीर से नाखुश रहने और बेवजह डायटिंग करने वालों को भी यह बीमारी जकड़ सकती है। बीईडी से जूझ रहे 80 फीसदी लोग पहले से किसी फोबिया या फिर दूसरे साइकोलॉजिकल डिसऑर्डर के शिकंजे में होते हैं।

अप्रैल में किसी भी दिन आवेदन करें, मिलेगा पूरा बेरोजगारी भत्ता

सीएम भूपेश ने की बड़ी घोषणा, बोले-हमारा हाथ, युवाओं के साथ

रायपुर, 31 मार्च (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रदेश के बेरोजगार युवाओं के लिए बड़ी घोषणा की है। सीएम ने ऐलान किया है कि अप्रैल माह में किसी भी दिन किए गए आवेदन पर भत्ता 1 अप्रैल से ही मिलेगा। उन्होंने ट्वीट कर यह जानकारी प्रदेश के युवाओं को दी है। सीएम ने लिखा कि हमारा हाथ, युवाओं के साथ है।

प्रदेश में 1 अप्रैल 2023 से बेरोजगारी भत्ता योजना शुरू हो रही है। इस योजना के अंतर्गत बेरोजगार युवाओं को हर माह 2500 रुपए का भुगतान सीधे उनके अकाउंट में किया जाएगा। इसके अलावा बेरोजगारों को स्किल डेवलपमेंट की ट्रेनिंग भी दी जाएगी और साथ ही उन्हें रोजगार देने में सरकार मदद करेगी। बेरोजगारी भत्ता पाने के लिए आवेदक के पूरे परिवार की आय सालाना ढाई लाख रुपए से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। ।

इन युवाओं को मिलेगी बेरोजगारी भत्ते की पात्रता

-बेरोजगारी भत्ता पाने के लिए आवेदक को छत्तीसगढ़ का मूल निवासी होना जरूरी है।

योजना के लिए आवेदक की उम्र 1 अप्रैल को 18 से 35 साल के बीच होनी चाहिए।

आवेदक को कम से कम 12वीं पास होना जरूरी है।

रोजगार कार्यालय में पंजीयन 2 साल पुराना होना जरूरी है।

आवेदक की खुद की आय का कोई स्रोत ना हो।

आय प्रमाण पत्र बेरोजगारी भत्ता की आवेदन तिथि से 1 साल के भीतर ही बना हो।

बेरोजगारी भत्ते के लिए कौन होंगे अपात्र

बेरोजगारी भत्ता योजना में परिवार के एक से ज्यादा सदस्य यदि पात्रता की शर्तों को पूरा करते हैं तो परिवार के केवल एक ही सदस्य को बेरोजगारी भत्ता मिल सकेगा।

ऐसी स्थिति में बेरोजगारी भत्ता उस सदस्य को ही स्वीकृत किया जाएगा जिसकी उम्र ज्यादा हो।

उम्र समान होने की स्थिति में रोजगार कार्यालय में पहले पंजीयन कराने वाले युवा को पात्र माना जाएगा।

उम्र और रोजगार पंजीयन की तारीख समान होने पर उस सदस्य को भत्ता मिलेगा जिसकी शैक्षणिक योग्यता ज्यादा हो।

आवेदक के परिवार का कोई भी सदस्य केंद्र या राज्य सरकार की किसी भी संस्था या निकाय में चतुर्थ श्रेणी या फिर ग्रुप डी को छोड़कर अन्य किसी भी श्रेणी में नौकरी ना करता हो।

आवेदक को स्वरोजगार या सरकारी या फिर किसी निजी क्षेत्र में नौकरी का ऑफर दिया जाता है, लेकिन आवेदक यह ऑफर स्वीकार नहीं करता तो उसे भी योजना के लिए अपात्र माना जाएगा।

पूर्व और वर्तमान मंत्रियों सांसद या राज्य विधानसभा के पूर्व और वर्तमान सदस्यों के परिवार के सदस्य बेरोजगारी भत्ते के लिए अपात्र होंगे।

नगर निगम के पूर्व और वर्तमान महापौर और जिला पंचायतों के पूर्व और वर्तमान अध्यक्ष के परिवार के सदस्य भी बेरोजगारी भत्ते के लिए अपात्र माने जाएंगे।

ऐसे पेंशनभोगी जो 10 हजार या उससे अधिक की मासिक पेंशन प्राप्त करते हैं। उनके परिवार के सदस्य को भी बेरोजगारी भत्ता नहीं मिलेगा।

इनकम टैक्स भरने वाले परिवार के सदस्य डॉक्टर, इंजीनियर,वकील, चार्टर्ड अकाउंटेंट और पेशेवर निकायों के साथ पंजीकृत आर्किटेक्ट के परिवार के सदस्य बेरोजगारी भत्ते के लिए अपात्र माने जाएंगे।

इस तरह से करें आवेदन

बेरोजगारी भत्ता पाने के लिए हर साल विज्ञापन प्रकाशित किया जाएगा।

इच्छुक आवेदकों को बेरोजगारी भत्ता लेने के लिए www.berojgaribhatta.cg.nic.in में ऑनलाइन आवेदन करना होगा।

ऑफलाइन आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

वेबसाइट में सबसे पहले अपना मोबाइल नंबर रजिस्टर्ड करना होगा। रजिस्ट्रेशन के समय ओटीपी की एंट्री करनी होगी।

ओटीपी सत्यापन के बाद आवेदक को अपना लॉग-इन पासवर्ड बनाना होगा और रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर के आधार पर पोर्टल में आवेदन के लिए लॉग-इन करना होगा।

आवेदक को अपनी सभी मूलभूत जानकारी निर्धारित फार्मेट के अनुसार पोर्टल में अपलोड करनी होगी।

आवेदन में पते के रूप में उसी जनपद पंचायत या नगरीय निकाय का पता देना होगा, जहां से उसका छत्तीसगढ़ का स्थानीय निवास प्रमाण पत्र जारी हुआ है। ताकि उसे प्रमाण पत्रों के सत्यापन के लिए उसी पंचायत या निकाय क्षेत्र में बुलाया जा सके।

विवाहित महिलाओं को अपने पति के निवास प्रमाण पत्र से संबंधित क्षेत्र के निवास का पता देना होगा।

ऑनलाइन आवेदन करने के बाद आवेदक को आवेदन का प्रिंट निकालकर उसपर हस्ताक्षर करना होगा और उसके साथ अन्य सभी प्रमाण पत्रों की मूल प्रति के साथ उसे सत्यापन तिथि को निर्धारित समय और स्थान पर आना अनिवार्य होगा।

सत्यापन तिथि, स्थान और समय की जानकारी पोर्टल के डैशबोर्ड पर उपलब्ध कराई जाएगी।

डैशबोर्ड पर ही पात्रता, अपात्रता, अपील पर लिए गए निर्णय, बेरोजगारी भत्ते के भुगतान और कौशल प्रशिक्षण के ऑफर की जानकारी मिलेगी।

ऐसी होगी अपील और शिकायत की प्रक्रिया

अपात्र घोषित होने पर आवेदक को 15 दिन के अंदर पोर्टल में अपने दस्तावेजों के साथ ऑनलाइन अपील करना होगा। आवेदक के अपील का निराकरण कलेक्टर या कलेक्टर द्वारा अधिकृत अधिकारी 15 दिन के अंदर करेंगे और अपील का निर्णय पोर्टल में अपलोड किया जाएगा। अगर कोई अपात्र आवेदक पात्र घोषित कर दिया जाता है तो इसके खिलाफ कोई भी व्यक्ति कलेक्टर या अधिकृत अधिकारी को तथ्यों के साथ शिकायत कर सकता है। इस शिकायत पर 15 दिनों के अंदर सुनवाई कर निर्णय लिया जाएगा। इस निर्णय की जानकारी को भी पोर्टल में अपलोड किया जाएगा। शिकायत सही पाये जाने पर आवेदक का बेरोजगारी भत्ता बंद कर दिया जाएगा और उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

इस तरह आएंगे खाते में पैसे

बेरोजगारी भत्ता योजना के अंतर्गत पात्र युवाओं को सरकार ढाई हजार रुपए प्रतिमाह सीधे उनके खाते में ट्रांसफर करेगी। आवेदन करते समय आवेदक को अपने बैंक खाता नंबर, आईएफएससी कोड की सही जानकारी देनी होगी। अगर बैंक खाता में किसी तरह की गलती होती है तो उसकी जिम्मेदारी आवेदक की ही होगी। योजना का फायदा पात्र आवेदक को पहले 1 साल के लिए मिलेगा। अगर इस 1 साल की अवधि में भी आवेदक को रोजगार नहीं मिलता तब ऐसी स्थिति में यह अवधि 2 साल तक के लिए की जा सकती है।

भाकपा माओवादी ने लूटी विस्फोटक सामग्री

रामनवमी में व्यस्त रही पुलिस, गांव के विस्फोटक गोदाम से बारूद लूट ले गये नक्सली

पश्चिमी सिंहभूम, 31 मार्च (एजेंसियां)। झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिले में रामनवमी में सुरक्षा की तैयारियों में पुलिस इतनी व्यस्त रही कि बडाज़ामदा ओपी क्षेत्र के परम बालजोड़ी गांव जंगल स्थित डीके घोष कंपनी की विस्फोटक रखने वाली मैगजिन भारी तादाद में डेटोनेटर व अन्य विस्फोटक सामग्री लूटकर नक्सली फरार हो गये।

गुरुवार की मध्य रात्रि लगभग बारह से एक बजे के बीच भाकपा माओवादियों ने धावा बोल कर भारी तादाद में डेटोनेटर व अन्य विस्फोटक सामग्री लूटी है। नक्सली जिस बारूद का बडा. भंडार को लूटने आए थे। उसमें वह सफल नहीं हो पाये हैं। कंपनी ने विस्फोटक से संबंधित बारुद का बडा जखीरा वहां नहीं रखा था। कुछ डेटोनेटर व अन्य विस्फोटक सामग्री ही लूटने में वह सफल रहे। परम बालजोड़ी गांव क्षेत्र स्थित विस्फोटक रखने वाले स्थल की सुरक्षा उसी गांव के प्राईवेट सुरक्षा गार्ड के जिम्मे बताई जा रही है। इसकी जानकारी नक्सलियों को हो चुकी थी। इसके बाद वे लोग पूरी योजनाबध्द तरीके से डेटोनेटर आदि लूट ले गये हैं। कितना विस्फोटक पदार्थ लूटा गया है।इसकी जानकारी अभी तक नहीं मिल पाई है।

सूत्रों के अनुसार पुलिस ने घटना वाली रात लगभग एक बजे इस नक्सली घटना के बाद पश्चिम सिंहभूम जिले के तमाम थाना एवं सीआरपीएफ कैंप को अलर्ट पर रहने को आदेश दिया था। 30 मार्च को रामनवमी की वजह से सारी पुलिस व्यस्त थी। गुरुवार देर रात को तेज वर्षा व आंधी चल रही थी। जिसका फायदा नक्सलियों ने उठाते हुये घटना को अंजाम देने में सफल रहे। जिन जिन खदानों के विस्फोटक जहां-जहां रखे जाते हैं। उसकी एजेंसी को भी सतर्क कर दिया गया है।

डीके घोष नामक कंपनी पूर्व से लौह अयस्क की प्राईवेट खदानों को विस्फोटक पदार्थ आपूर्ति करने का कार्य करती है। उसके पास इसका लाईसेंस भी है। इनका एक पेट्रोल पंप बड़ाजमदा में भी है। विस्फोटक वाली कई वाहनें भी इनकी है। किरीबुरू के एसडीपीओ अजीत कुजूर ने बताया की ऐसी सूचना प्राप्त हुई है।

दामाद के प्यार में सास ने पति को मार डाला

गढ़वा, 31 मार्च (एजेंसियां)। गढ़वा में एक सास अपने दामाद के प्यार में इतनी पागल हो गयी कि उसने अपने पति को ही जान से मार डाला। घटना गढ़वा के सोनवर्षा इलाके की है। इस हत्याकांड के खुलासे ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है। दोनों ने मिलकर इस हत्याकांड को छिपाने की भी पूरी कोशिश की। नाजिर और मुस्लिम एक साथ बेंगलोर में काम करते थे। परिचय था, तो नाजिर अक्सर मुस्लिम के घर आया जाता करता था। इस दौरान नाजिर और मुस्लिम की पत्नी जुलेखा के बीच प्रेम संबंध हो गया। प्यार इतना परवान चढ़ा कि किसी की चिंता किए बगैर जुलेखा उसके प्यार में पागल हो गयी। मुस्लिम को जब इसकी भनक लगी तो उसने पत्नी को रोका। पति -पत्नी के बीच नाजिर को लेकर हमेशा झगड़ा होता था। जुलेखा ने मुस्लिम को समझाया कि अगर तुम्हें शक है, तो अपनी बेटी की शादी इससे कर दो। अपने अवैध संबंध को छिपाने के लिए जुलेखा ने अपनी बेटी की शादी नाजिर से कर दी। इसके बाद भी दोनों का संबंध बरकरार रहा। जुलेखा व नाजिर के बीच जब प्रेम संबंध परवान चढ़ा तो जुलेखा ने दामाद के साथ मिलकर पति मुस्लिम की हत्या कर दी गई।

अनुसूचित जनजाति मोर्चा के जिलाध्यक्ष विक्रम धुर्वे ने की आत्महत्या

बालोद, 31 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी जिला बालोद के अनुसूचित जनजाति मोर्चा के अध्यक्ष एवं चिखलाकसा नगर पंचायत के सांसद प्रतिनिधि विक्रम धुर्वे ने चिखला कसा स्थित निवास में अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। जिसके बाद से पूरे जिले में शोक है। भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी कार्यकर्ता उनके निज निवास रवाना हुए हैं। दल्ली राजहरा थाना प्रभारी वीणा यादव से पूरे मामले में जानकारी ली गई तो बताया कि घटना दोपहर लगभग 1:00 से 2:00 के बीच की है और हम अभी घटनास्थल पर पहुंचे हुए हैं। थाना प्रभारी वीणा यादव ने बताया कि हमें घर पहुंचने के साथ-साथ दरवाजा तोड़कर कमरे में प्रवेश करना पड़ा। जिस समय विक्रम धुर्वे ने यह कदम उठाया उस समय घर में कोई भी मौजूद नहीं था। फिलहाल मामले में प्रारंभिक जांच शुरू हो गई है। लेकिन राजनीति में इसका तगड़ा असर देखने को मिल रहा है। वह एक सरल सुलझे हुए सक्रिय राजनीति करते थे। राजनीतिक गलियारों में एक अच्छा व्यक्तित्व लेकर आगे बढ़ रहे विक्रम धुर्वे ने आखिर यह कदम क्यों उठाया यह सब के लिए एक पहेली बनी हुई है। फिलहाल पुलिस की जांच के बाद ही मामले का कोई खुलासा हो पाएगा। गुप्त सूत्रों से जो जानकारी हमें प्राप्त हुई थी उसमें यह बात निकलकर सामने आई है कि विक्रम धुर्वे डौंडीलोहारा के विधानसभा प्रत्याशी के रूप में सबसे आगे चल रहे थे। उनका राजनीतिक भविष्य भी बेहद उज्जवल था।

'राम अत्याचारियों का नाश करते हैं, इसलिए छापा पड़ा'

बृजमोहन बोले-भगवान अन्यायी लोगों के साथ नहीं, मंत्री भगत ने कहा था-कांग्रेस की रग-रग में राम

रायपुर, 31 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में एक बार फिर से भगवान राम को लेकर सियासत शुरू हो गई है। भाजपा-कांग्रेस एक दूसरे पर पहले भी भगवान राम को लेकर बयानबाजी कर चुके हैं। भगवान राम किसके हैं, कांग्रेस के या भाजपा के, इस बात को लेकर छत्तीसगढ़ में सियासी तकरार है। प्रदेश सरकार के मंत्री अमरजीत भगत कहते हैं कांग्रेस की रग-रग में राम हैं। जवाब में पूर्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने कह दिया कि राम कभी अन्यायी लोगों के साथ नहीं हो सकते।

उन्होंने तो ये तक कह दिया कि जो छापे ईडी कांग्रेस समर्थकों, नेताओं, अफसरों के ठिकानों पर पड़े, वो राम जी की वजह से ही है। सबसे पहले प्रदेश सरकार के मंत्री अमरजीत भगत का रामनवमी पर एक बयान सामने आया। मंत्री ने कहा- राम वन गमन पथ का निर्माण, कौशल्या मंदिर का जीर्णोद्धार ये दिखाता है कि सरकार और कांग्रेस पार्टी राम को मानती है। हम अपनी संस्कृति को आत्मसात किए हुए हैं, तीज त्योहार को मनाते हैं। कोई भी छत्तीसगढ़ में मिलता है तो अभिवादन राम-राम से होता है।

ईडी की छापेमार कार्रवाई को लेकर मंत्री अमरजीत भगत ने कहा- अभी त्योहार का समय है, सभी लोग पूजा पाठ में हैं किसी को भी परेशान करना ठीक नहीं। हम भाजपा नहीं कि हम राम का चोला ओढ़ लेंगे और काम उल्टा करें।

पोप फ्रांसिस की सेहत में सुधार

पीएम मोदी ने ट्वीट कर जल्द स्वस्थ्य होने की कामना की

वेटिकन सिटी, 31 मार्च (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वेटिकन सिटी के पोप फ्रांसिस के शीघ्र स्वस्थ्य होने की कामना की। पीएम मोदी ने ट्वीट कर कहाकि पोप फ्रांसिस के अच्छे स्वास्थ्य और शीघ्र स्वस्थ्य होने की प्रार्थना करता हूं। पोप ब्रोंकाइटिस से संक्रमित हैं। एक लोकल अखबार के मुताबिक, शिरा एंटीबायोटिक्स दिए जाने के बाद गुरुवार को पोप में सुधार दिखे हैं। वेटिकन के मुताबिक, पोप को अगले कुछ दिनों में अस्पताल से छुट्टी मिल सकती है।

कुछ दिनों में हो सकते हैं डिस्चार्ज

रोम के जेमेली अस्पताल में बुधवार को सांस लेने में तकलीफ होने के कारण पोप फ्रांसिस को भर्ती कराया गया था। जांच के बाद डॉक्टरों ने बताया था कि पोप को ब्रोंकाइटिस है, उन्हें एंटीबायोटिक दिया जा रहा है। वेटिकन के प्रवक्ता माटेओ ब्रूनी ने बताया कि पोप को अगले कुछ दिनों में डिस्चार्ज किया जा सकता है। बुधवार को सेंट पीटर्स स्क्वायर में अपने साप्ताहिक आम दर्शन के बाद, पोप फ्रांसिस को टेस्ट्स के लिए अस्पताल लाया गया था।

माटेओ ब्रूनी ने बताया था कि कुछ दिनों से पोप फ्रांसिस को सांस लेने में तकलीफ थी। मेडिकल के लिए उन्हें जेमेली अस्पताल ले गए हैं। जांच में पता चला कि उन्हें ब्रोंकाइटिस संक्रमित हैं। इसलिए उन्हें अस्पताल में कुछ दिन भर्ती करना पड़ेगा।

नॉर्थ कोरिया से खाने के बदले हथियार लेगा रूस

अमेरिका का दावा- डील करने जाएंगे रूसी अफसर, किम जोंग उन के देश में अनाज की कमी

मॉस्को, 31 मार्च (एजेंसियां)। यूक्रेन जंग में हथियारों की कमी को पूरा करने के लिए अमेरिका अब नॉर्थ कोरिया की मदद लेने वाला है। अमेरिका की नेशनल सिक्योरिटी के प्रवक्ता जॉन किर्बी ने ये दावा किया है। किर्बी के मुताबिक रूस नॉर्थ कोरिया को हथियारों के बदले अनाज देने वाला है। दोनों देशों के बीच इसे लेकर जल्द ही एक डील हो सकती है।

जॉन किर्बी ने कहा है कि दोनों देशों के बीच ये डील करवाने के लिए रूस एक डेलिगेशन को नॉर्थ कोरिया भेजेगा। उन्होंने बताया अमेरिका इस संभावित डील पर लगातार नजर बनाए हुए है।

रूस-नॉर्थ कोरिया के बीच की डील यूएनएससी के नियमों के खिलाफ

जॉन किर्बी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान यह भी कहा कि रूस और नॉर्थ कोरिया के बीच होने वाली डील संयुक्त राष्ट्र संघ की सिक्योरिटी काउंसिल के नियमों के खिलाफ है।

इससे पहले अमेरिका ने स्लोवाकिया के आदमी पर आरोप लगाए थे कि वो यूक्रेन में जंग लड़ने के लिए रूस को नॉर्थ कोरिया से हथियार दिलवा रहा है। गुरुवार को अमेरिका ने एशोत माक्रचेव नाम के इस युवक पर सेंक्शन्स यानी पाबंदियां भी लगा दी थी।

अमेरिका ने आरोप लगाया था कि एशोत ने 2022 के अंत और 2023 के शुरूआती महीने में रूस और नॉर्थ कोरिया के बीच हथियारों को लेकर एक डील कराई थी। नॉर्थ कोरिया को रूस में हथियार पहुंचाने के बदले कैश, कॉमर्शियल एयरक्राफ्ट और कच्चा माल दिया गया था।

1990 से खाने की कमी से जूझ रहा नॉर्थ कोरिया

बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक नॉर्थ कोरिया में 1990 के दशक में खतरनाक अकाल पड़ा था। तब से वहां पर खाने की कमी है। फरवरी में एक्सपर्ट्स ने चेताया था कि अनाज के उत्पादन में कमी होने की वजह से नॉर्थ कोरिया में खाने का संकट गहरा गया है। बेकार मौसम और अंतर्राष्ट्रीय पाबंदियों के चलते वहां स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है।

साउथ कोरिया की सैटलाइट इमेज से दिखाया था कि नॉर्थ कोरिया में साल 2022 में 2021 के मुकाबले 18 हजार टन कम अनाज पैदा हुआ था।

किम जोंग ने लोगों को कम खाना खाने का आदेश दिया था

2022 में उत्तर कोरिया से आई एक रिपोर्ट ने दावा किया था कि अनाज की कमी को पूरा करने के लिए किम जोंग उन ने लोगों से कम खाना खाने को कहा है। उत्तर कोरिया की सरकारी मीडिया के मुताबिक, कोरिया वर्कर्स पार्टी (डब्ल्यूपीके) की बैठक में किम जोंग ने कहा था- अब देश में फैक्ट्रियां लगाने पर काम होगा और लोगों के जीवन में सुधार लाया जाएगा। इस वक्त देश 'जिंदगी और मौत से जूझ रहा है।'

मीडिया ने किम की जो तस्वीर जारी की है उनमें वो पहले के मुकाबले काफी दुबले नजर आ रहे थे। सरकारी अधिकारियों के मुताबिक, देश में भोजन की कमी को देखते हुए किम जोंग ने अपनी खुराक कम कर दी थी। इसके साथ उन्होंने हालात नॉर्मल होने तक देश के लोगों को भी कम खाना खाने का आदेश दिया था।

नाव में आग लगी, 31 की मौत

250 लोग सवार थे, जान बचाने के लिए समुद्र में कूदे, 200 रेस्क्यू

फिलीपींस, 31 मार्च (एजेंसियां)। फिलीपींस में गुरुवार रात एक फेरी यानी यात्री नाव में आग लग गई। इस हादसे में 31 लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि एमवी लेडी मेरी नाम की फेरी में 250 लोग सवार थे। जान बचाने के लिए लोग समुद्र में कूद गए। 200 लोगों को रेस्क्यू किया गया है।

8 घंटे बाद आग पर काबू पाया गया, लापता लोगों की तलाश आज भी जारी

यह हादसा बासिलन आईलैंड पर हुआ। वहां के गवर्नर जिम हतामन ने बताया कि फेरी में आग लगने के बाद जान बचाने के लिए लोग ब्लैक सी में कूद गए। इन्हें नेवी, कोस्टगार्ड, मछुआरों की मदद से रेस्क्यू किया गया। 18 यात्रियों की बॉडी नाव के पैसेंजर केबिन से मिली हैं। 7 लोग लापता हैं। इनकी तलाश के लिए शुक्रवार को भी रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है। कोस्ट गार्ड ने बताया कि आग लगने के बाद नाव को जल्द से जल्द किनारे पर लाया गया। इसके चलते कई लोगों की जान बच पाई। गवर्नर हतामन ने कहा कि ये नाव जम्बोआंगा से जोलो जा रही थी। बासिलान के करीब पहुंचने पर रात 12 बजे इसमें आग लग गई। इसमें 450 पैसेंजर बैठ सकते थे। यात्रा के दौरान इसमें भीड़ नहीं थी।

45 साल पहले हुए हादसे में 4300 लोग मारे गए थे

फिलीपींस में लगातार आने वाले तूफानों, नावों के खराब मेंटेनेंस, जरूरत से ज्यादा यात्री बैठाने और सुरक्षा नियमों का पालन न करने से अक्सर नाव हादसे होते रहते हैं। दूरदराज के इलाकों में ऐसे हादसे आम हैं। ऐसा ही एक हादसा दिसंबर 1987 को हुआ था। इस दौरान एक यात्री नाव डोना पाज फ्यूल टैंकर से टकरा कर समुद्र में डूब गई थी। इस हादसे में 4300 लोगों की जान गई थी।

जापानी विदेश मंत्री दो दिवसीय दौरे पर आज आएंगे चीन

टोक्यो, 31 मार्च (एजेंसियां)। जापान के विदेश मंत्री योशहीमासा हायाशी 2 दिनी विदेशी दौरे पर चाइना आएंगे। विदेश मंत्री ने बताया कि एक अप्रैल को वे दो दिवसीय दौरे पर चीन जाएंगे। 2019 में विदेश मंत्री बने योशहीमासा पहली बार चीन जाएंगे। लोकल न्यूज के मुताबिक, जापानी मंत्री चीन एक ऐसे समय पर जा रहे हैं, जब दोनों देशों के बीच तनावपूर्ण संबंध हैं। क्षेत्रीय विवाद के साथ-साथ हाल ही में जापानी व्यापारी के हिरासत में लेने से दोनों देशों के बीच स्थिति नाजुक है। हयाशी चीनी विदेश मंत्री किन गैंग से मिलेंगे। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, हयाशी चीन से जापानी व्यापारी को रिहा करने की मांग भी करेंगे। व्यापारी पर जासूसी के आरोप में मार्च की शुरुआत में गिरफ्तार किया गया था।

चीनी तटरक्षक युद्धपोत अक्सर सेनकाकू द्वीपों के आसपास जापानी क्षेत्रीय जल का उल्लंघन करते हैं। जिस पर जापान का शासन है और द्वीप पूर्वी चीन सागर में स्थित है।

एयरपोर्ट से चोरी हो गया बैग

युवक ने एयरटैग की मदद से ऐसे पकड़ा चोर, फिर सब रह गए हैरान

वाशिंगटन, 31 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका से एक रोचक मामला सामने आया है। यहां हवाई यात्रा कर रहे एक यात्री का बैग चोरी हो गया। बैग में करीब तीन लाख रुपये से ज्यादा का सामान था। यात्री ने इस मामले में पुलिस से भी मदद मांगी लेकिन कुछ नहीं हुआ। फिर खुद से ही तकनीक के सहारे यात्री ने चोर को पकड़ लिया।

मामला अटलांटा के हर्ट्सफील्ड जैक्सन अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का है। यहां जमील रीड जब हवाई अड्डे पर यात्रा के बाद अपना सामान लेने पहुंचे तो उनका बैग गायब था। इस बैग में करीब तीन लाख रुपये से अधिक का सामान था। जमील ने पुलिस में इसकी शिकायत की, लेकिन चोर को ढूंढने में सभी नाकामयाब रहे। तब जमील ने ऐप्पल एयरटैग का सहारा लिया और चोर को ट्रैक किया, जिसके बाद चोर पकड़ा गया।

जमील ने एप्पल एयरटैग की मदद से चोर को ट्रैक किया। तब ये चोर एयरपोर्ट से कई किलोमीटर दूर अटलांटा शहर में था। जमील ने चोर की लोकेशन पुलिस को दे दी। इसके बाद प्लानिंग के साथ पुलिस ने चोर को पकड़ लिया। दिलचस्प बात ये है कि जब ये चोर पकड़ा गया तो वो जमील के चोरी किए हुए कपड़े पहने थे। यहां तक कि उसके मोजे भी पहने हुए थे।

मीडिया में जमील ने कहा, 'चोर ने मेरी शर्ट, मेरी जींस और मेरे मोजे पहन रखे थे' उन्होंने आगे बताया कि यात्रा के दौरान वो अक्सर अपने सामान में एक एयरटैग रखते हैं। इसी की मदद से चोर पकड़ा गया।

ट्रम्प पहले अमेरिकी प्रेसिडेंट, जिन पर क्रिमिनल केस

राष्ट्रपति चुनाव से पहले पॉर्न स्टार को पैसे देकर चुप कराने का मामला, सरेंडर कर सकते हैं

मैनहैटन, 31 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प पर क्रिमिनल केस चलेगा। न्यूयॉर्क की मैनहैटन ग्रैंड जूरी ने गुरुवार को ट्रम्प पर मुकदमा चलाने का फैसला किया है। ट्रम्प पर यह केस 2016 के राष्ट्रपति चुनाव से पहले पॉर्न स्टार के साथ अफेयर और उसे चुप रहने के लिए पैसे देने के आरोप पर चलेगा।

ट्रम्प अमेरिका के पहले ऐसे पूर्व राष्ट्रपति होंगे जिन पर आपराधिक मामला चलेगा। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, ट्रम्प को इस केस के बारे में जानकारी दे दी गई है। उनके वकील से कहा गया है कि वे 4 अप्रैल तक मैनहैटन कोर्ट में ट्रम्प का सरेंडर कराएं। इसके बाद ट्रम्प पर लगे आरोपों का खुलासा किया जाएगा।

पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने केस पर कहा- मुझ पर लगाए गए सभी आरोप झूठे हैं। इसकी न्यूयॉर्क में निष्पक्ष सुनवाई नहीं हो सकती। यह जो बाइडेन पर भारी पड़ेगा। अमेरिका की जनता सब समझती है कि कट्टरपंथी और वामपंथी डेमोक्रेट क्या कर रहे हैं।

पॉर्न स्टार ने किताब में किया था खुलासा

1. पॉर्न स्टार को पैसे देकर चुप कराने का मामला 2006 का है। तब डोनाल्ड ट्रम्प एक रियल एस्टेट कारोबारी थे। पॉर्न स्टार स्टार्मी डेनियल्स तब 27 साल की थीं और ट्रम्प 60 साल के। जुलाई 2006 में एक गोल्फ टूर्नामेंट के दौरान स्टॉर्मी और ट्रम्प की मुलाकात हुई थी।

2. स्टॉर्मी ने अपनी किताब फुल डिस्क्लोजर में इस मुलाकात का जिक्र किया है। उन्होंने बताया कि जब ट्रम्प से उनकी मुलाकात हुई, तब उनकी तीसरी पत्नी मेलेनिया ने बेटे बैरन को जन्म दिया था। बैरन को जन्म लिए महज 4 महीने ही हुए थे।

3. अपनी किताब में स्टॉर्मी ने बताया कि ट्रम्प के बॉडीगार्ड्स ने उन्हें एक नए स्टार के पेंटहाउस में डिनर के लिए बुलाया था। किताब में उन्होंने ट्रम्प के साथ बने संबंधों और उनकी शारीरिक बनावट का भी जिक्र किया था। इसके बाद

दोनों के बीच अफेयर शुरू हो गया था।

4. आरोप हैं कि 2016 में राष्ट्रपति चुनाव से ठीक पहले ट्रम्प ने स्टॉर्मी को चुप रहने के लिए पैसे दिए थे। ट्रम्प के वकील ने भी इस बात को स्वीकार किया था कि उसने ट्रम्प की तरफ से पॉर्न स्टार को 1 लाख 30 हजार डॉलर (करीब 1 करोड़ 7 लाख रुपए) दिए थे।

5. ट्रम्प की ओर से पॉर्न स्टार को दिए गए पेमेंट का खुलासा जनवरी 2018 में वाल स्ट्रीट जर्नल ने किया था। इसी के आधार पर ट्रम्प के खिलाफ क्रिमिनल केस चलाने का फैसला किया गया।

ट्रम्प के सरेंडर के बाद आगे क्या होगा?

न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, ट्रम्प के खिलाफ कोर्ट में चार्जिंग डॉक्यूमेंट पेश किया गया है। इसमें लिखा होता है कि किस पर आरोप लगाया गया है, वे किन आरोपों का सामना कर रहे हैं, और उन्होंने कानून कैसे तोड़ा। अमेरिका में हर व्यक्ति को तब तक निर्दोष माना जाता है, जब तक उसका अपराध साबित नहीं हो जाता।

सरेंडर के बाद ट्रम्प के साथ भी पूरी कानूनी प्रक्रिया निभाई जाएगी। रिकॉर्ड के लिए उनके फिंगरप्रिंट्स और फोटो ली जाएगी। हालांकि, उन्हें हथकड़ी पहनाई जाएगी या नहीं इसे लेकर कोई जानकारी सामने नहीं आई है।

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति होने के नाते मैनहैटन कोर्ट जाने तक हर कदम पर उनके साथ यूएस सीक्रेट सर्विस के हथियारबंद एजेंट्स मौजूद रहेंगे।

ट्रम्प के केस का फैसला आने में अभी कई महीने लग सकते हैं। जूरी ने उन पर क्रिमिनल चार्ज लगाते हुए मुकदमा चलाने का फैसला किया है। मंगलवार को संभावित सरेंडर और पेशी के बाद उनपर लगे चार्जेस का खुलासा होगा।

पाकिस्तान में हिंदू डॉक्टर की हत्या

करांची में क्लीनिक से घर लौटते वक्त गोली मारी, पुलिस बोली- ये टारगेट किलिंग

करांची, 31 मार्च (एजेंसियां)। पाकिस्तान के करांची में गुरुवार को एक हिंदू डॉक्टर बीरबल जेनानी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। आई स्पेशलिस्ट जेनानी करांची मेट्रोपॉलिटन कॉरपोरेशन में हेल्थ डिपार्टमेंट के सीनियर डायरेक्टर के पद पर रह चुके थे। पुलिस ने इस घटना को टारगेट किलिंग बताया है। पुलिस के मुताबिक, डॉक्टर जेनानी अपनी असिस्टेंट डॉक्टर के साथ रामस्वामी इलाके से गुलशन-ए-इकबाल स्थित घर जा रहे थे। इसी दौरान एक गनमैन ने उनकी कार पर गोलियां चलानी शुरू कर दीं। हमले से कार

अनियंत्रित हो गई और एक दीवार से टकरा गई, जिससे डॉ. जेनानी की मौके पर ही मौत हो गई। उनकी असिस्टेंट को भी गोलियां लगी हैं। सिंध के गवर्नर कामरान खान ने घटना पर दुख जाहिर किया है। उन्होंने पुलिस से रिपोर्ट मांगी है। पिछले हफ्ते ही घोटकी जिले में एक हिंदू रेस्टोरेंट मालिक को पुलिसवाले ने पीटा था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, रेस्टोरेंट मालिक अपने दूसरे हिंदू साथियों के साथ लोकल मार्केट में डिलिवरी के लिए बिरयानी बना रहा था। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। वीडियो में पुलिस अफसर हाथ में डंडा लिए नजर आया। उसने रेस्टोरेंट मालिक पर रमजान के नियम तोड़ने का आरोप लगाया था। पुलिस अफसर ने डंडे से उसे पीटा। इसके बाद रेस्टोरेंट मालिक को गिरफ्तार कर लिया गया। रेस्टोरेंट मालिक अफसर से कहता रहा कि वह हिंदू है और खाना दूसरी जगह लेकर जा रहा है। रमजान के दौरान वह रेस्टोरेंट में खाना नहीं परोसता है। इसके बाद पुलिस ने रेस्टोरेंट मालिक से जबरदस्ती धार्मिक ग्रंथ पर हाथ रखकर कसम दिलवाई। रेस्टोरेंट मालिक को प्रताड़ित किया गया। उसके अलावा 12 से ज्यादा लोगों को भी गिरफ्तार किया गया था। पाकिस्तान के हैदराबाद में 7-8 मार्च की दरमियानी रात एक हिंदू डॉक्टर की हत्या कर दी गई थी। 60 साल के डॉक्टर धरम देव राठी स्किन स्पेशलिस्ट थे। उनका कत्ल उनके ड्राइवर हनीफ लेघारी ने किया था, जिसके बाद वो फरार हो गया था।

मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि मौत से कुछ देर पहले डॉक्टर धरम देव ने अपने दोस्तों के साथ होली सेलिब्रेट की थी।

भारतीय मूल के रिचर्ड वर्मा को अमेरिका में मिली ये बड़ी जिम्मेदारी

रिचर्ड को अमेरिकी सीनेट ने स्टेट, मैनेजमेंट एंड रिसोर्स का डिप्टी सेक्रेटरी बनाया है। इसे अमेरिकी सरकार का काफी शक्तिशाली पद माना जाता है।

वाशिंगटन, 31 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय मूल के रिचर्ड वर्मा को अमेरिका में बड़ी जिम्मेदारी मिल गई है। रिचर्ड को अमेरिकी सीनेट ने स्टेट, मैनेजमेंट एंड रिसोर्स का डिप्टी सेक्रेटरी बनाया है। इसे अमेरिकी सरकार का काफी शक्तिशाली पद माना जाता है। इसे स्टेट डिपार्टमेंट का सीईओ भी कहते हैं। अमेरिकी सीनेट ने रिचर्ड के नाम पर 67-26 मतों से सहमति जताई।

54 साल के रिचर्ड भारत में अमेरिका के राजदूत भी रह चुके हैं। उन्होंने 16 जनवरी, 2015 से 20 जनवरी, 2017 तक भारत में अमेरिका के राजदूत के रूप में काम किया और वर्तमान में मास्टरकार्ड में मुख्य कानूनी अधिकारी और वैश्विक सार्वजनिक नीति के प्रमुख हैं। ओबामा प्रशासन के दौरान वर्मा ने विधायी मामलों के राज्य के सहायक सचिव के रूप में कार्य किया।

इससे पहले अपने करियर में वह संयुक्त राज्य अमेरिका के सीनेटर हैरी रीड के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार थे। इसके अलावा वह डेमोक्रेटिक पार्टी के व्हिप, अल्पसंख्यक नेता और अमेरिकी सीनेट के तत्कालीन बहुमत के नेता थे। इतना ही नहीं उन्होंने द एशिया ग्रुप के वाइस चेयरमैन, स्टेप्टो एंड जॉनसन एलएलपी में पार्टनर और सीनियर काउंसलर और अलब्राइट स्टोनब्रिज ग्रुप में सीनियर काउंसलर के रूप में भी काम किया है। वह संयुक्त राज्य वायु सेना के एक अनुभवी हैं, जहां उन्होंने जज एडवोकेट के रूप में सक्रिय ड्यूटी पर काम किया।

रिचर्ड वर्मा ने लेहाई यूनिवर्सिटी से बीएस की पढ़ाई की है। जॉर्ज टाउन यूनिवर्सिटी लॉ सेंटर में डिस्टिंक्शन के साथ एलएलएम और जॉर्ज टाउन यूनिवर्सिटी से पीएचडी पूरी की। वह कई पुरस्कारों और अलंकरणों से सम्मानित भी हो चुके हैं। इनमें राज्य विभाग से विशिष्ट सेवा पदक, विदेश संबंध परिषद से अंतर्राष्ट्रीय मामलों की फैलोशिप और संयुक्त राज्य वायु सेना से मेधावी सेवा पदक शामिल हैं।

वर्मा को राष्ट्रपति के खुफिया सलाहकार बोर्ड में नियुक्त किया गया था और वे सामूहिक विनाश और आतंकवाद आयोग के हथियारों के पूर्व सदस्य हैं। वह द फोर्ड फाउंडेशन के एक ट्रस्टी के रूप में कार्य करते रहे हैं और कई अन्य बोर्डों में हैं।

पाकिस्तान में डर-डर कर जीने को मजबूर हैं चीनी

इस्लामाबाद, 31 मार्च (एजेंसियां)। पाकिस्तान के अधिकारियों ने देश में कई चीनी व्यापार प्रतिष्ठानों को बंद करवा दिया है। बताया जाता है कि चीनी नागरिकों से जुड़े प्रतिष्ठानों पर आतंकवादी हमलों का खतरा है। अधिकारियों ने कहा है कि वे इस मामले में कोई जोखिम नहीं उठाना चाहते हैं। वे नहीं चाहते हैं कि पाकिस्तान में उस देश के लोगों या हितों को कोई न नुकसान पहुंचे, जिससे पाकिस्तान का सबसे महत्त्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय रिश्ता है। पाकिस्तान में चीनी ठिकाने आंतकवादियों और अलगाववादियों के खास निशाने रहे हैं। उन पर हुए हमलों में कई चीनी नागरिक मारे जा चुके हैं। पाकिस्तान सरकार के आकलन के मुताबिक एक बार फिर ऐसे हमलों का खतरा गहरा गया है। पाकिस्तान को इस समय कुल मिला कर आतंकवाद के बढ़े खतरे का सामना करना पड़ रहा है। चीन के विदेश मंत्रालय से जुड़े वाणिज्य विभाग ने इस साल फरवरी में पाकिस्तान में मौजूद अपने नागरिकों के लिए विशेष चेतावनी जारी की थी। उसमें कहा गया था कि चीनी नागरिकों के लिए जोखिम ऊंचे स्तर तक पहुंच गया है। बताया जाता है कि चीन ने अपने नागरिकों की सुरक्षा का इंतजाम करने के लिए पाकिस्तान पर दबाव बनाया। इस महीने उन्होंने कराची में कई चीनी व्यापार ठिकानों को यह कहते हुए सील कर दिया कि उन पर हमला होने का खतरा है। कराची एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने वेबसाइट निक्कई एशिया.कॉम से कहा- 'कई बार चेतावनी देने के बावजूद चीनी व्यापार ठिकाने सुरक्षा प्रोटोकॉल को लागू करने में नाकाम रहे। इस वजह से उन्हें सील किया गया है। संतोषजनक सुरक्षा व्यवस्था होने के बाद उन्हें दोबारा खोलने की इजाजत दी जाएगी।'

अधिकारी ने बताया कि ऐसे ठिकानों को बंद करवाने और खोलने की इजाजत देने का सिलसिला चल रहा है, इसलिए इस समय कितने ठिकाने बंद हैं, इसकी सही संख्या बताना संभव नहीं है।

चैटबॉट 'एलिजा' से 6 हफ्ते बात कर की आत्महत्या

बेल्जियम में पत्नी ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को ठहराया पति की मौत का जिम्मेदार

ब्रुसेल्स, 31 मार्च (एजेंसियां)। यूरोपीय देश बेल्जियम में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां के एक शख्स ने 6 हफ्ते तक चैटबॉट से बात करने के बाद आत्महत्या कर ली। जिसके बाद बेल्जियम में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को लेकर सवाल उठने शुरू हो गए हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक चैटबॉट का नाम एलिजा है। आत्महत्या करने वाला व्यक्ति एलिजा से क्लाइमेट चेंज को लेकर बातें करता था। चैटबॉट से कई हफ्तों तक बातें करने के बाद उसके दिमाग में आत्महत्या करने के विचार आने लगे थे।

दो साल पहले चैटबॉट का इस्तेमाल करना शुरू किया था

डेली मेल की रिपोर्ट के मुताबिक बेल्जियम के शख्स को दो साल पहले क्लाइमेट चेंज को लेकर चिंता होनी शुरू हुई थी। उसे डर लगने लगा था कि जिस तरह से दुनिया कोयले का इस्तेमाल कर रही है और प्रदूषण फैल रहा है, इससे जल्द ही धरती पर जहरीली गैसें फैलना शुरू हो जाएंगी। यही वो समय था जब उस व्यक्ति ने चैटबॉट 'एलिजा' का इस्तेमाल करना शुरू किया था। आत्महत्या करने वाले शख्स की पत्नी ला लिबर बताती हैं कि उनके पति को एलिजा से बात करने के कुछ ही हफ्तों बाद ही उसकी आदत पड़ गई थी। लिबर कहती हैं कि एलिजा उनके लिए ड्रग्स की तरह हो गई थी। अगर उससे इतनी बातें नहीं की होतीं तो आज मेरे पति जिंदा होते।

डेली मेल के मुताबिक आत्महत्या करने के कुछ हफ्तों पहले शख्स ने चैटबॉट से बातचीत को काफी बढ़ा दिया था। पत्नी लिबर ने बेल्जियम के एक न्यूजपेपर को बताया कि चैटबॉट से बात करने से पहले वो अपने दो बच्चों के साथ आराम से जिंदगी जी रहे थे। चैटबॉट ने एक बार शख्स से ये तक पूछा था कि वो उससे ज्यादा प्यार करता है या अपनी पत्नी को। उसने शख्स से कहा था कि वो स्वर्ग में एक साथ जिंदगी जिएंगे। पत्नी ला लिबर का कहना है कि आत्महत्या से पहले उनके पति ने चैटबॉट को बताया था कि उनके दिमाग में ऐसे विचार आ रहे हैं। चैटबॉट ने फिर भी उन्हें आत्महत्या करने से रोकने की कोशिश नहीं की।

राजस्व मंत्री जयसिंह ने केंद्र को घेरा

बोले- राहुल गांधी से डरती है भाजपा, पीएम की दुखती रग पर हाथ रख दिया है

कोरबा, 31 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने केंद्र सरकार पर बहुमत के अतिवादी चरित्र के प्रदर्शन का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा है कि राहुल गांधी के विरुद्ध की गई कार्रवाई का कारण है प्रधानमंत्री की दुखती रग पर हाथ रखना। कोरबा विधायक और छत्तीसगढ़ के राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि राहुल गांधी के विरुद्ध जो कार्रवाई की गई है उसका एकमात्र कारण है कि उन्होंने देश के प्रधानमंत्री की दुखती रग पर हाथ रख दिया है।

जोधपुर के डॉक्टर ने सीएम को बताया अंतिम गांधी

कोई गोडसे आ जाना है, राहुल गांधी-पायलट पर भी किए कमेंट

जोधपुर, 31 मार्च (एजेंसियां)। प्रदेशभर मे राइट टू हेल्थ बिल को लेकर विरोध-प्रदर्शन चल रहा है। प्राइवेट के साथ रेजिडेंट डॉक्टर्स भी हड़ताल कर रहे हैं। सरकार और डॉक्टरों में टकराव थमा नहीं कि जोधपुर के एक प्राइवेट डॉक्टर का चौंकाने वाला वीडियो सामने आया है। आरटीएच और डॉक्टर्स की हड़ताल को लेकर लिखी कविता में उसने सीएम को अंतिम गांधी बताया...डॉक्टर ने इसी कविता में आगे कहा कि... किसी गोडसे ने आ जाना है। कविता में राहुल गांधी, सचिन पायलट और सीएम के बेटे वैभव गहलोत पर भी निशाना साधा है।

वीडियो के सामने आने पर जब विवाद बढ़ने लगा तो डॉक्टर ने एक और वीडियो जारी कर माफी मांग ली। उसने कहा कि वह हड़ताल और मरीजों को हो रही परेशानी से आहत था।

रेडियोलॉजिस्ट है डॉक्टर, गुरुवार को अपलोड किया था

दरअसल, ये वीडियो जोधपुर के डॉक्टर सुरेंद्रमित्तल का है। पेशे से

वह रेडियोलॉजिस्ट हैं और शहर के अलग-अलग प्राइवेट हॉस्पिटल्स में अपनी सेवाएं देते हैं। गुरुवार को भी जब सरकार और डॉक्टर्स के बीच सहमति नहीं बनी तो उन्होंने एक कविता शेयर की। धमकाते हुए लहजे में वह अपनी कविता में गहलोत समेत राहुल, पायलट, वैभव गहलोत पर कमेंट करते नजर आए। इतना ही नहीं ब्यूरोक्रेसी को अंग्रेज बताते हुए धमकाया कि... रमान जा गहलोत है, डॉक्टर ही सब जन के अपने हैं... बाकी स्वार्थी बड़ा जमाना है....नहीं तो तेरी सरकार का क्यों ऐसे आना-जाना है। वीडियो सामने आते ही डॉक्टर्स लॉबी में चर्चा का विषय बन गया। कई डॉक्टरों ने इसका विरोध किया है।

ऊपर राहुल को विपक्ष धो रहा है तेरा साथी पायलट रो रहा है बेटा भी करीब-करीब अयोग्य, कमजोर हो रहा है डॉक्टरों का भी तुझसे मोह खो रहा है क्या विवेक सो रहा है ? कैसे चक्रव्यूह में फंस गया है लगता है राजनीति से मन भर गया है गहलोत अंतिम गांधी बन गया है किसी गोडसे ने आ जाना है पर क्या कहे, डॉक्टरों ने तो सिखा है सदा जीवन बचाना है कोई और पीड़ा दे जाएगा, डॉक्टरों ने ही उसे बचाना है लगता है तुझे किसी ने बहकाया है, ब्यूरोक्रेसी ने कोई अंग्रेजों का रंग तुझ पर लगाया है समझदार सीएम को भी मझदार में लटकाया है मान जा गहलोत है, डॉक्टर ही सब जन के अपने है, बाकी स्वार्थी बड़ा जमाना है नहीं तो तेरी सरकार का क्यों ऐसे आना-जाना है।

...और फिर दूसरे वीडियो में माफी मांगते आए नजर

इधर, पुलिस में मामला जाते देख डॉक्टर ने गुरुवार शाम को ही एक और वीडियो जारी करते हुए माफ मांगी। इसमें डॉक्टर कह रहा है कि राइट टू हेल्थ बिल के विरोध को लेकर चल रहे आंदोलन में वह भावनाओं में बह गया था और इसी के चक्कर में उसने कविता में ऐसा बोल दिया। यदि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंची हो तो माफी मांगता हूं।

मैं अपनी कांग्रेस सरकार और लॉ एंड ऑर्डर का सम्मान करता हूं। किसी भी तरह का कोई भी वीडियो किसी को राजनीतिक तौर पर प्रेरित करता हुआ लग रहा है तो ये गलत है।

सडक हादसे में तीन की मौत

कोटा, 31 मार्च (एजेंसियां)। कोटा में एंबुलेंस से टक्कर के मामले में देर रात तीसरी मौत भी हो गई। इलाज के दौरान बुजुर्ग महिला सुरजा ने दम तोड़ दिया। कोटा के गुमानपुरा फ्लाईओवर हुए इस हादसे में कापरेन के पीपल्दा गांव का एक परिवार पूरी तरह खत्म हो गया। दरअसल, परिवार मंदिर में बीमारी ठीक करने की मन्नत मांगने गया ता। उसकी के बाद वापस लौट रहा था। गुरुवार को हुए इस हादसे में पवन, उसके पत्नी मनभर, मां सुरजा की मौत हो गई। इस परिवार में अब केवल 2 बच्चे और दादा बचे हैं। पवन का छोटा भाई भी है। उसका अलग परिवार है। हादसे के बाद जब बेटे और बहू की लाश घर पहुंची तो 60 साल के पिता प्रेम शंकर की नम आंखें पथरा गई।

रामनवमी जुलूस में तीन युवकों की मौत के बाद ग्रामीणों ने स्टेट हाईवे 70 किया जाम

कोटा, 31 मार्च (एजेंसियां)। कोटा जिले के कोटड़ा दीपसिंह गांव में रामनवमी के जुलूस के दौरान हादसे में तीन युवकों की मौत के बाद बड़ौद में हंगामे के हालात बन गए हैं।

हिंदू संगठन से जुड़े लोग और ग्रामीणों ने स्टेट हाईवे 70 को जाम कर दिया है। लोगों की मांग है मृतक के परिजनों को उचित मुआवजा दिया जाए। जान गंवाने वाले तीनों युवक जिले के बड़ौद गांव के निवासी हैं। युवकों के शव सुल्तानपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में रखवाए गए हैं। बता दे कोटा जिले के सुल्तानपुर इलाके के कोटड़ा दीप सिंह गांव में

मुआवजे की रखी मांग

रामनवमी जुलूस के दौरान हुए हादसे में करंट की चपेट में आने से तीन युवकों की मौत हो गई थी। जुलूस के दौरान करतब दिखाते हुए 11 केवी लाइन से तीनों युवकों को करंट लगा था। हादसे के बाद लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। लोगों का आरोप है कि यहां हाईटेंशन लाइन घरों के ऊपर से गुजर रही है और तार बहुत नीचे लटक रहे हैं। बिजली विभाग की इसी लापरवाही से तीनों युवकों को अपनी जान गंवानी पड़ी है। उनकी मांग है कि इन मृतक युवकों के परिजनों को उचित मुआवजा दिया जाए। इस मुद्दे पर जिला कलेक्टर ओपी बुनकर का कहना था कि प्रारंभिक तौर पर बिजली कर्मियों की कोई गलती सामने नहीं आ रही है। इसलिए उन्होंने जांच से भी इनकार किया है। दूसरी तरफ बजरंग दल के प्रांत सह संयोजक योगेश रेनवाल का कहना है कि मृतक युवाओं को न्याय दिलाने के लिए वे आंदोलन कर रहे हैं। इस पूरे मामले को देखते हुए जिला प्रशासन ने सुरक्षा के पुख्ता बंदोबस्त किए हैं. एहतियातन जाब्ता भी मौके पर तैनात किया गया है।

रणथम्भौर में सबसे ज्यादा शावकों को जन्म दिया, नाम 'मछली'

सबसे सुंदर बाघिन 'नूर' और टी- 26 'शर्मिल' से फेमस

सवाई माधोपुर, 31 मार्च (एजेंसियां)। सवाई माधोपुर में रणथम्भौर टाइगर रिजर्व में बाघ-बाघिनों को देखने दूर-दूर से पर्यटक आते हैं। बॉलीवुड, किक्रेट सेलिब्रिटी के साथ ही राजनेता भी यहां आते हैं। पर्यटक बाघ-बाघिन को देखकर काफी खुश होते है और अपने कैमरों में इस पल को कैद करके जाते हैं।

रणथम्भौर टाइगर रिजर्व करीब 1700 वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है। जिसमें करीब 75 बाघ - बाघिन और शावक रहते हैं। वन विभाग की ओर से टाइगर नंबर जारी कर इन्हें पहचान दी गई। मगर पर्यटकों और अधिकारियों के बीच ये कोड से नहीं अपने यूनिक नामों से फेमस हैं। बाघ-बाघिनों के नामकरण के किस्से भी बड़े दिलचस्प हैं।

बाघिन 'मछली' को विरासत में मिला नाम

रणथम्भौर की बाघिन 'मछली' काफी फेमस है। इसे ये नाम विरासत में मिला था। वन विभाग के अनुसार ये 'मछली' फर्स्ट की बेटी थी। इसके सिर पर मछली की

आकृति थी। ये आकृति बाघिन टी-16 के जन्म के बाद उसके माथे पर थी। मछली जैसी आकृति की वजह से वन्यजीव प्रेमियों ने टी-16 को 'मछली' नाम दिया।

रणथम्भौर की यह बाघिन दुनियाभर में फेमस है। इसके नाम रणथम्भौर में सबसे अधिक शावकों को जन्म देने सहित डाक टिकट जारी होने, डॉक्यूमेंटरी फिल्म बनने और कई किताब लिखे जाने का रिकार्ड है। 'मछली' को बाघ-बाघिनों की अम्मा भी कहा जाता हैं। यह रणथम्भौर की सबसे उम्र दराज बाघिन थी। बाघिन मछली 18 अगस्त 2016 इस दुनिया से विदा हो गई।

तीर के निशान से पड़ा 'एरोहैड' नाम

बाघिन 'एरोहैड' के नामकरण की कहानी भी 'मछली' से मिलती-जुलती है। बाघिन टी-84 'मछली' की बेटी है। टी-84 के माथे पर तीन के निशान जैसी आकृति है। इस कारण वन्यजीव प्रेमियों ने बाघिन टी-84 को 'एरोहैड' नाम दे दिया। अब भी रणथम्भौर में बाघिन टी-84 को 'एरोहै' के नाम से जाना जाता है। फिलहाल यह बाघिन रणथम्भौर के जोन दो में रहती है।

कम साइटिंग होने से पड़ा 'शर्मिली' नाम

बाघिन टी 26 को 'शर्मिली' नाम काफी कम दिखने के कारण मिला था। पर्यटकों ने इसे कम देखा हैं। वन विभाग से जुड़े लोगों ने बताया कि बाघिन टी-26 रशर्मिलीर स्वभाव की थी। भ्रमण के दौरान पर्यटकों को कम ही नजर आती थी। यह सुल्तानपुर इलाके में रहती थी। जो काफी लंबे समय से गायब हो।

सुंदरता के कारण पड़ा नाम 'सुंदरी'

बाघिन टी-92 रणथम्भौर की सबसे सुंदर बाघिनों में शुमार थी। अपनी सुंदरता की वजह से बाघिन का नाम 'सुंदरी' पड़ा। फिलहाल पांच साल से बाघिन 'सुंदरी' गायब है। जिसे खोजने में वन विभाग नाकाम रहा है।

रणथम्भौर की सबसे सुंदर बाघिन 'नूर'

बाघिन 'नूर' रणथम्भौर की सबसे सुंदर बाघिन है। अपनी सुंदरता के चलते बाघिन को 'नूर' नाम दिया गया। पिछले साल अपनी उम्र के अंतिम पडाव पर बाघिन मां बनी थी। बाघिन ने दो शावकों को जन्म दिया था।

राइट टू हेल्थ बिल का विरोध, सरकार-डॉक्टरों के बीच गतिरोध से चिकित्सा सेवाएं प्रभावित

जयपुर, 31 मार्च (एजेंसियां)। डॉक्टरों और राजस्थान सरकार के बीच गतिरोध 12वें दिन भी जारी है। इस मुद्दे पर चर्चा करने के लिए शुक्रवार को डॉक्टरों के एक प्रतिनिधिमंडल ने पीसीसी अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा से मुलाकात की। लेकिन बैठक बेनतीजा रही। डॉक्टरों को वरिष्ठ अधिकारियों से संपर्क करने की सलाह दी गई। बिल को वापस लेने की मांग को लेकर डॉक्टरों ने हड़ताल का आह्वान किया है। निजी अस्पताल एवं नसिर्ंग होम सोसायटी के पदाधिकारियों ने गुरुवार को बैठक कर मामले में मुख्यमंत्री से हस्तक्षेप की मांग की।

इसके तुरंत बाद प्रतिनिधिमंडल मुख्यमंत्री आवास भी पहुंचा, जहां डॉक्टरों की ओर से वीरेंद्र सिंह ने डॉक्टरों की मांग से मुख्यमंत्री को अवगत कराया। इसके बाद मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा को उनकी व्यथा सुनने के लिए अधिकृत किया। बिल के खिलाफ आंदोलन दिन पर दिन जोर पकड़ता जा रहा है। निजी अस्पताल एवं नसिर्ंग होम सोसायटी के सचिव डॉ. विजय कपूर ने कहा कि प्रदेश भर के निजी अस्पतालों ने सरकारी योजनाओं को बंद करने की लिखित सहमति दे दी है। 1 अप्रैल से राजस्थान के सभी निजी अस्पतालों में सरकारी योजनाओं के सामूहिक डी-एमपैनलमेंट की प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी।

आक्रोशित डॉक्टरों ने कहा कि रेजिडेंट डॉक्टरों की हड़ताल जारी है। सरकार के दबाव में भले ही कुछ रेजिडेंट्स काम पर लौट आए हों, लेकिन जयपुर एसोसिएशन ऑफ रेजिडेंट डॉक्टर्स ने अपनी हड़ताल जारी रखी है। इस बीच, मरीजों का इलाज के लिए पड़ोसी राज्यों में जाना जारी है। वरिष्ठ डॉक्टर वीरेंद्र सिंह ने आईएएनएस से कहा, हमें उम्मीद है कि यह गतिरोध 12वें दिन खत्म हो जाएगा। डॉक्टर वास्तव में बिल में लगाए गए जुर्माने से डरे हैं। कल्पना कीजिए कि अगर कोई मरीज शिकायत करता है और डॉक्टर का नाम शिकायत प्राधिकरण के पास जाता है और वे जुर्माना लगाते हैं।

राजस्थान में अगले 24 घंटे में बारिश-आंधी की चेतावनी

जयपुर, 31 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान में मौसम बिगड़ने का दौर लगातार जारी है। बीते 24 घंटों में हुई बारिश से तापमान में जहां 6.4 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट रही है, वहीं अब अगले 24 घंटों में प्रदेश में फिर आंधी के साथ बारिश के आसार हैं। जयपुर मौसम केंद्र के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया- राजस्थान में सक्रिय वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के एक्टिव होने से जयपुर, सीकर, अलवर, नागौर, झुंझुनूं, चूरू, भरतपुर, बीकानेर, धौलपुर, करौली, बूंदी, कोटा, बारां, जोधपुर में 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी चलने की आशंका है।

सीएम गहलोत से मिले भारतीय विदेश सेवा के प्रशिक्षु अधिकारी

राजस्थान में एक सप्ताह होगी ट्रेनिंग

जयपुर, 31 मार्च (एजेंसियां)। सीएम गहलोत ने इंडियन फॉरेन सर्विस के अफसरों से कहा कि प्रशिक्षण काल किसी भी अधिकारी-कर्मचारी के लिए सेवा की शुरुआत का महत्वपूर्ण अंग होता है। आप सभी पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ प्रशिक्षण प्राप्त कर देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। समाज के सभी वर्गों के कल्याण की भावना से कार्य करें।

इन अफसरों से सीएम की मुलाकात

मुख्यमंत्री से मुलाकात करने वाले अधिकारियों में सुरभि गोयल, पूजा झा, अमित गेट, भविष्य देसाई और भावेश चौधरी शामिल हुए। सभी अधिकारी राजस्थान में एक सप्ताह के प्रशिक्षण के लिए आए हुए हैं। इस अवसर पर हरिशचंद्र माथुर राजस्थान राज्य लोक प्रशासन संस्थान के महानिदेशक हेमंत कुमार गेरा और नोडल अधिकारी डॉ. राकेश सिंघल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

बीजेपी की चुनावी तैयारी, आठ हजार 'नमो स्वयंसेवकों' को फील्ड पर जाने का टास्क

जयपुर, 31 मार्च (एजेंसियां)। बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने आठ हज़ार अल्पकालीन विस्तारकों को नमो स्वयंसेवक के तौर पर राजस्थान की चुनावी तैयारी के लिए फील्ड में जाने का टास्क दिया है। ये 11 लाख पन्ना प्रमुखों से लेकर 52 हजार बूथों के लिए काम कर रही टीम से समन्वय करेंगे। जैसा ही नाम से स्पष्ट है नमो यानी नरेंद्र मोदी के नाम का प्रचार और पार्टी के स्वयंसेवक के तौर पर ये काम करेंगे। पार्टी इन्हें वेरिफाई कर आईडी कार्ड देकर 200 विधानसभा क्षेत्रों में भेजेगी।

छह अप्रैल को बीजेपी स्थापना दिवस पर होगा 'कमलोत्सव'

प्रदेश में बीजेपी के कुल आठ हज़ार 392 शक्ति केंद्र हैं। इन्हीं केंद्रों को ध्यान में रखकर

विस्तारकों को पहले चरण में एक से 13 अप्रैल तक मैदान में उतारा जाएगा। 6 अप्रैल को बीजेपी पार्टी के स्थापना दिवस के तहत इसे 'कमलोत्सव' नाम दिया है। सभी बूथ कमेटियों को भी 6 अप्रैल को सभी बूथों पर झंडा लगाने के निर्देश दिए गए हैं। पार्टी ने पूरे अभियान को मॉनिटर करने और कामकाज को बारीकी से देखने के लिए 100 वरिष्ठ कार्यकर्ताओं-नेताओं को दायित्व सौंपा है। सभी 33 जिलों से जुड़े सीनियर नेताओं को यह दायित्व दिया गया है।

पीएम फेस और मोदी सरकार की योजनाओं का प्रचार

राजस्थान में बीजेपी सीएम फेस घोषित करने से बच रही है। पार्टी ने विधानसभा चुनाव तक सीएम का चेहरा घोषित नहीं करने का फैसला लिया है। बीजेपी पीएम मोदी के चेहरे, अपने संगठन के दम, केंद्र सरकार की जनहित की योजनाओं, उपलब्धियों और बड़े लाभार्थी वर्ग के ज़रिए चुनाव में उतरने की प्लानिंग में जुटी है। सभी नमो स्वयंसेवकों और कार्यकर्ताओं को केंद्र की मोदी सरकार की योजनाओं और पीएम मोदी के देशहित में लिए गए निर्णयों, बदलावों का प्रचार-प्रसार करने को कहा गया है। खास बात यह है कि नेताओं के प्रवास और दौरे भी अब तय किए जाएंगे, जिनमें सांसद, विधायक से लेकर प्रदेशाध्यक्ष और संगठन पदाधिकारी सभी ग्रामीण, आदिवासी क्षेत्रों और फील्ड के दौरों पर रहेंगे।

यूनिवर्सिटी में असिस्टेंट प्रोफेसर ने फंदा लगाया

सुसाइड नोट में लिखा-मेरी जिंदगी लोन में फंस चुकी, लोगों ने मेरा इस्तेमाल किया

जयपुर, 31 मार्च (एजेंसियां)। जयपुर के विवेकानंद ग्लोबल यूनिवर्सिटी के असिस्टेंट प्रोफेसर ने फंदा लगा लिया। कमरे में सुसाइड नोट मिला। लिखा- 'मेरी जिंदगी लोन में फंस चुकी है। लोगों ने काम के लिए मेरा इस्तेमाल किया। न पहले कॉलेज ने मेरे पैसे दिए। न ही यूनिवर्सिटी ने दिए। इसलिए मैं अपनी जिंदगी खत्म कर रहा हूं।' मामला रामनगरिया इलाके का गुरुवार देर रात का है।

एएसआई सूरजमल ने बताया कि मृतक सौम्यब्रत नाथ (38) असम के सिलचर के रहने वाले थे। वह एनआरआई कॉलोनी रोड जगतपुरा स्थित वीजीयू के कैंपस में बॉयज हॉस्टल की छठीं मंजिल पर बने रूम में रहते थे। अक्टूबर 2022 में ही उन्होंने यूनिवर्सिटी में असिस्टेंट प्रोफेसर मैनेजमेंट जॉइन किया था। गुरुवार देर रात असिस्टेंट प्रोफेसर ने कमरे में रस्सी का फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। शुक्रवार सुबह 10.30 बजे तक कॉलेज नहीं पहुंचने पर उन्हें बुलाने भेजा गया। काफी देर तक गेट बजाने और आवाज लगाने के बाद भी सौम्यब्रत नाथ ने कोई जवाब नहीं दिया। खिड़की से अंदर देखने पर असिस्टेंट प्रोफेसर फंदे से लटके दिखाई दिए।

सवाई मान सिंह हॉस्पिटल में बड़ी चूक, अस्पताल से कोरोना का डाटा चोरी-जांच में जुटी पुलिस

जयपुर, 31 मार्च (एजेंसियां)। देश में एक बार फिर से कोरोना ने अपनी रफ्तार बढ़ाई हुई है। रोजाना कोरोना जांच में लगातार केस बढ़ रहे हैं। कोरोना ने एक बार फिर से एक्टिव होकर देशभर में चिकित्सकों की चिंता बढ़ा दी है। इसको देखते हुए ही सभी राज्यों में एक बार फिर से कोरोना से लड़ने की तैयारी शुरू कर दी गई है। इसी तैयारी के दौरान राजस्थान में एक गंभीर चूक सामने आई है। यहां जयपुर में स्थित एसएमएस अस्पताल में कोरोना का डाटा ही चोरी हो गया। जानकारी के अनुसार एसएमएस अस्पताल कोरोना को लेकर तैयारी की जा रही है। इसके लिए नई लैब बनाई जा रही थी। इस दौरान लैब शुरू होने से पहले ही लैब का सामान चोरी हो गया। इसमें तीन वो तीन लैपटॉप भी शामिल थे, जिनमें कोरोना से संबंधित महत्वपूर्ण डाटा सुरक्षित रखा गया था। लैब के इंजार्च ने इस बारे में पुलिस को सूचना दी और पुलिस ने केस दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू कर दी है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। एसएमएस थाना पुलिस के अनुसार नई लैब के लिए दी गई जगह पर नई मशीनरी, जिनमें सीपीआर मशीन, जांच मशीनें और अन्य मशीनों को लगाया जा रहा था। इन मशीनों से चोरी हुए तीन लैपटॉप भी शामिल थे। इन लैपटॉप में कोरोना से संबंधित डाटा और अन्य महत्वपूर्ण जानकारियां थीं।

पुलिस विभाग में फिर फेरबदल

गहलोत सरकार ने पांच आईपीएस किए इधर-उधर, देखें कौन कहां

जयपुर, 31 मार्च (एजेंसियां)। गहलोत सरकार ने एक बार फिर पुलिस विभाग में फेरबदल कर दिया है। विधानसभा चुनाव से पहले सरकार का अधिकारियों के फेरबदल का सिलसिला लगातार जारी है। इस बार गहलोत सरकार ने पांच आईपीएस अफसरों के तबादले किए हैं। राज्य कार्मिक विभाग की तरफ से जारी आदेश में ये जानकारी दी गई है।

कार्मिक विभाग के आदेश के अनुसार वरिष्ठ आईपीएस सुनील दत्त को अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस, नियम, राजस्थान, पुलिस मुख्यालय, जयपुर भेजा गया है। वहीं, डॉक्टर प्रशाखा माथुर को अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस, राजस्थान, पुलिस मुख्यालय ट्रांसफर गया है। विकास कुमार को महानिरीक्षक पुलिस, आरएसी जयपुर भेजा गया है। ओमप्रकाश को उप महानिरीक्षक पुलिस, सुरक्षा जयपुर तबादला किया गया है, जबकि जगदीश चंद्र शर्मा को उपमहानिरीक्षक पुलिस, सीआईडी सीबी जयपुर लगाया गया है।

नकली जेवरात देकर उठाया 24 लाख का लोन

मां-बेटी गिरफ्तार, तीसरे आरोपी की तलाश-ऑडिट मिलने पर कंपनी को पता चला सोना नकली

अजमेर, 31 मार्च (एजेंसियां)। अजमेर की रामगंज थाना पुलिस ने आईआईएफएल फाइनेंस कंपनी से नकली सोना देकर 24 लाख का लोन लेने वाली मां-बेटी को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपियों ने एक अन्य व्यक्ति के साथ नकली ज्वेलरी पर सोने की परत चढ़ाकर फाइनेंस कंपनी को धोखा देकर लोन उठाया था।

मामले में पुलिस फरार तीसरे आरोपी की तलाश कर रही है। शनिवार को दोनों आरोपी महिलाओं को कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया जाएगा। रामगंज थाने के एएसआई मनीराम ने बताया कि आईआईएफएल फाइनेंस कंपनी के द्वारा धोखाधड़ी कर नकली जेवरात देकर 24 लाख का लोन उठाने पर 2 महिलाओं के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई थी। मामले में टीम का गठन कर कार्यवाही के निर्देश दिए गए थे। टीम ने कार्रवाई करते हुए जयपुर रोड निवासी सुनीता जस्वार (55) पत्नी कन्हैयालाल सहित महिला की बेटी पूजा जस्वार (24) पुत्री कन्हैयालाल को गिरफ्तार किया है। दोनों मां-बेटी ने जयपुर के रहने वाले जाहिद खान नाम के व्यक्ति के साथ धोखाधड़ी करके कंपनी से 24 लाख का लोन उठाया था। मामले में दोनों महिलाओं से तीसरे आरोपी और लोन उठाई गई रकम को लेकर पूछताछ की जा रही है।

भारतीय भाषाओं में अनुवाद की अपार संभावनाएं : प्रो. सर्राजू

हैदराबाद विश्वविद्यालय में भारतीय भाषा समिति की राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित

हैदराबाद, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय भाषा समिति, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार एवं हिंदी विभाग, हैदराबाद विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्त्वावधान में 'इन्टरनेट टूल्स के माध्यम से अनुवाद' (भारतीय भाषाओं के विशेष संदर्भ में) पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गई। आयोजित इस संगोष्ठी के मुख्य अतिथि प्रसिद्ध भाषा वैज्ञानिक और विश्वविद्यालय के समकुलपति प्रो. आर.एस. सर्राजु ने इन्टरनेट के माध्यम से भारतीय भाषाओं में अनुवाद की संभावनाओं पर सारगर्भित व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए मशीनी अनुवाद के माध्यम से निरंतर परिवर्तित होती भाषा के लिए सटीक अनुवाद प्राप्त होने की चुनौतियों पर अपने विचार व्यक्त किए। उसके बाद तेलुगु-हिंदी मशीनी अनुवाद के विशेषज्ञ प्रो.जी. उमामहेश्वर राव ने मातृभाषा के उपयोग एवं प्रसार पर बल देते हुए शोधार्थियों को अपने शोध-कार्य की भाषा के रूप में अपनी मातृभाषा को चुनने का सुझाव दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मानविकी संकाय के अध्यक्ष प्रो. वी. कृष्ण ने की और संगोष्ठी संयोजिका और हिंदी विभाग की प्रभारी अध्यक्षा प्रो. सी. अन्नपूर्णा ने स्वागत वक्तव्य एवं का संगोष्ठी का परिचय दिया। इस सत्र का संचालन संगोष्ठी के संयोजक डॉ. जे. आत्माराम ने किया। इस संगोष्ठी में पाँच गंभीर एवं तकनीकी सत्र रखे गए। संगोष्ठी का प्रथम सत्र तेलुगु - हिंदी और तमिल - हिंदी, मलयालम -हिंदी मशीनी अनुवाद पर केन्द्रित था जिसकी अध्यक्षता संस्कृत अध्ययन विभाग, है.वि.वि., हैदराबाद के अध्यक्ष प्रो. जे.एस.के. प्रसाद ने की थी। संगोष्ठी का द्वितीय सत्र "तमिल-हिंदी, मलयालम-हिंदी मशीनी अनुवाद और गूगल अनुवाद टूल्स' पर आधारित था । इस सत्र की अध्यक्षता हैदराबाद विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग की प्रो. अंबा कुलकर्णी ने की। संगोष्ठी का चतुर्थ सत्र "उर्दू अंग्रेजी-हिंदी हिंदी-तेलुगु मशीनी अनुवाद' पर आधारित था। इस सत्र की अध्यक्षता हिंदी विभाग के प्रो. एस. श्याम राव ने की एवं सत्र-संचालन विभाग की शोधार्थी पवना शर्मा द्वारा किया। संगोष्ठी का पंचम सत्र "इंटरनेट और हिंदी, अंग्रेजी हिंदी मशीनी अनुवाद' पर आधारित था। इस सत्र की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के प्रो. सच्चिदानंद चतुर्वेदी द्वारा ने की एवं सत्र-संचालन हिंदी विभाग की शोधार्थी संध्या चौरसिया ने किया। इस सत्र में वक्ता के रूप में महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी के हिंदी विभाग के अध्यक्ष प्रो. निरंजन सहाय, ई.सी.आई.एल. हैदराबाद के वरिष्ठ अधिकारी डॉ. राजनारायण अवस्थी एवं बैंक ऑफ बड़ौदा, हैदराबाद अंचल से श्रीमती गौरी ने पॉवर पॉइंट प्रस्तुतिकरण के माध्यम से अपने वक्तव्य दिए। संगोष्ठी के समापन सत्र की अध्यक्षता प्रो. वी. कृष्णा ने की, जिसमें सम्मानीय अतिथि के रूप में प्रो. आर.एस. सर्राजु, समकुलपति, मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. श्रीनारायण समीर, पूर्व-निदेशक, केन्द्रीय अनुवाद ब्यूरो, बेंगलूरू तथा विशेष अतिथि के रूप में हिंदी विभाग, उस्मानिया वि.वि. हैदराबाद की पूर्व अध्यक्ष प्रो. पी. माणिक्यांबा ने भाग लिया। सत्र के आरंभ में प्रो. सी. अन्नपूर्णा ने संगोष्ठी रिपोर्ट प्रस्तुत की और डॉ. जे. आत्माराम, सहायक प्रोफेसर हिंदी विभाग ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

पचेरी अग्रवाल समिति के चुनाव व वार्षिक साधारण सभा कल

हैदराबाद, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। पचेरी अग्रवाल समिति के चुनाव, वार्षिक साधारण सभा एवं भजन संध्या 2 अप्रैल को लोअर टैंक बांड स्थित जगदीश मंदिर में करने का निर्णय लिया गया। शाम 4 से 5 बजे तक समिति की वार्षिक साधारण सभा एवं चुनाव प्रक्रिया सम्मान होगी, और शाम 6बजे श्याम बाबा के भजन का आयोजन किया जाएगा। चुनाव अधिकारी गोविंद राम पचेरिय एवं भरत कुमार पचेरिया को नियुक्त किया गया।

श्याम बाबा के भजनों के लिए चेतन दाहिमा एवं पंकज ओझा को आमंत्रित किया गया है। श्याम बाबा भजन कार्यक्रम के लिए संयोजन नवीन गुप्ता एवं सह संयोजक मनोज पचेरिया, श्याम पचेरिया को नियुक्त किया गया।

बैठक में अध्यक्ष कैलाश चंद पचेरिया, उपाध्यक्ष नवीन गुप्ता, मानद मंत्री गोपाल पचेरिया,सयुक्त मंत्री महावीर प्रसाद डोकानिया, कोषाध्यक्ष मनोज पचेरिया,परामर्शदाता गोविंद राम पचेरिय, भजनलाल पचेरिया, गोवर्धन पचेरिया, भरत कुमार पचेरिया, श्याम सुंदर सवारियां, श्याम पचेरिया, पवन कुमार डोकानिया आदि उपस्थित थे।

रामनवमी प्रतिभा पुरस्कार प्रदान किये गये

हैदराबाद, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। श्री रामनवमी प्रतिभा पुरस्कार की वार्षिक प्रस्तुति सनातन धर्म चारिटब्ल ट्रस्ट द्वारा हर साल श्री रामनवमी पर टिवोली गार्डन, सिकंदराबाद में आयोजित की जाती है। आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के न्यायाधीश बीवीएलएन चक्रवर्ती ने कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस वर्ष श्री रामनवमी प्रतिभा पुरस्कार शिक्षण, आध्यात्मिकता और साहित्यि लेखन के क्षेत्र में तीन प्रतिष्ठित व्यक्तियों को मुख्य अतिथि द्वारा प्रदान किए गए। श्रीमती डॉ. जी अमृता लता खेर शिक्षाविद्, एक लेखिका जिन्होंने नारीवाद पर बहुत कुछ लिखा है और उनके अधिकारों की प्राप्ति के लिए काम किया है।

प्रसिद्ध हिंदी शिक्षक पुराण पंडित, अध्यात्मवादी और भारत में हिंदी भाषा के विकास में योगदान देने वाले डॉ तंगीराला राजेंद्र प्रसाद, और धर्म और संस्कृति पर प्रसिद्ध टिप्पणीकार, मार्गदर्शक, शिक्षक उपन्यासकार डॉ. श्रीमती नंदीवाड अनंत लक्ष्मी ने ये पुरस्कार प्राप्त किए। बाद में, सनातन धर्म चैरिटेबल ट्रस्ट के प्रबंध न्यासी राज कंदुकूरी ने सनातन धर्म चैरिटेबल ट्रस्ट की गतिविधियों के बारे में बात की, जिसे सद्गुरु श्री शिवानंद मूर्ति ने भीमिली में स्थापित किया था। उन्होंने कहा कि पिछले तीन दशकों से विभिन्न क्षेत्रों में कड़ी मेहनत करने वाले और कई लोगों के मार्गदर्शक रहे महान लोगों को सम्मानित किया जा रहा है। मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति चक्रवर्ती ने पुरस्कार विजेताओं को बधाई दी। कार्यक्रम की शुरुआत में, मंच पर श्री सीताराम लक्ष्मण और आंजनेय स्वामी की मूर्तियों की विशेष पूजा की गई। कुमारी सौम्या समूह द्वारा एक मधुर संगीत कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। ट्रस्ट के सदस्य एल.वी. सुब्रह्मण्यम, सी. मुरली कृष्ण, गोपाल रेड्डी, श्रीमती राजेश्वरी बसवराजू, आनंद कंदुकूरी, सुपथा फाउंडेशन के सदस्य और कई गुरुजी के शिष्यों ने इस पुरस्कार कार्यक्रम में भाग लिया।

बिश्नोई प्रीमियर लीग-7 क्रिकेट प्रतियोगिता सम्पन्न

हैदराबाद, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। करमनघाट अलमासगुडा स्थित एवाईआर क्रिकेट ग्राउंड में अखिल भारतीय बिश्नोई युवा संगठन तेलंगाना के तत्वावधान मे आयोजित तीन दिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता का समापन समारोह मुख्यअतिथियों का सम्मान, विजेता टीम आर.सी.बी के कप्तान भजन मांझु एवं उपविजेता टीम राईसिंग स्टार के कप्तान सुरेश साऊ को ट्रॉफी प्रदानकर आयोजित किया गया। प्रतियोगिता के समापन दिवस पर शानदार प्रदर्शनकर फाईनल मे पहुंची आर.सी.बी व राईसिंग स्टार के मध्य खेला गया। अंतिम ऑवर तक रोमांचक मुकाबले मे आर.सी.बी. ने ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। फाईनल मुकाबले के पश्चात् समापन समारोह सायं 6 बजे मुख्यअतिथियों को मंच पर आमंत्रितकर विशेष सम्मान किया गया। बत्तौर मुख्यअतिथि राजस्थान से पधारे भाजपा नेता के.के.विश्नोई, सांचौर युवा कांग्रेस नेता डॉ.भूपेन्द्र विश्नोई, सम्मानित अतिथि पटेल आंजणा समाज अध्यक्ष सांवलराम पटेल, भारमल चौधरी, रामलाल साऊ, ठाकराराम खिलेरी, बाबुलाल गोदारा, हरीश देवासी, निम्बाराम ढाका व बहुत से गणमान्य उपस्थित रहे।

अवसर पर डॉ.भूपेन्द्र विश्नोई ने भी प्रवासी बन्धुओं को शुभकामनाएँ देते हुए सांचौर को जिला बनाने पर राजस्थान राज्यमंत्री सुखराम विश्नोई के अथक प्रयासों से अवगत कराया। प्रतियोगिता में भोजन-प्रसादी के लाभार्थी बुधराम जाणी, हापूराम साऊ, बाबुलाल गोदारा, तस्वीर के गोगाराम, सुखदेव खिलेरी, कैलाश कड़वासरा, शीतल जल के वागाराम जाणी, सुनिल जाणी, रमेश खिलेरी, कमलेश कड़वासरा, बैनर पोस्टर के दिनेश कुड़िया, चाय के सुनिल नैन, विजेता ट्रॉफी के भजनलाल, रामजीवन मांझु, उपविजेता ट्रॉफी के श्रवण खिचड़, ट्रॉफी-मोमेन्टो के गंगाराम खिचड़, तीसरे विजेता के जयकिशन गोदारा, मैदानों के भामाशाह रमेश ढाका, भागीरथ गोदारा, मैन ऑफ दी मैच के कमलेश भादु, टेन्ट के छोगाराम जांगू, साउंड के किशनाराम खिचड़, बॉल के सोहन बोला का भी सम्मान किया गया। मंच का संचालन रमेश ढाका ने किया। रमेश खिलेरी, हापुराम साऊ के धन्यवाद ज्ञापन से कार्यक्रम का समापन हुआ।

हल्दी किसानों का भाजपा नेतृत्व के खिलाफ अनूठा विरोध शुरू

हैदराबाद, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। निजामाबाद से भाजपा सांसद अरविंद धर्मपुरी द्वारा क्षेत्र में हल्दी बोर्ड स्थापित करने के अपने चुनावी वादे को पूरा नहीं करने का उपहास उड़ाने वाले होर्डिंग शुक्रवार को जिले भर में लगाए गए। गौरतलब है कि 2019 के आम चुनावों के दौरान, केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह और राम माधव के साथ अरविंद धर्मपुरी ने निज़ामाबाद में किसानों के लिए हल्दी बोर्ड स्थापित करने का वादा किया था। हालांकि, केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने बुधवार को खुलासा किया कि देश में हल्दी बोर्ड सहित मसाला-विशिष्ट बोर्ड स्थापित करने का कोई प्रस्ताव नहीं है। हल्दी बोर्ड स्थापित करने के वादे को पूरा करने में केंद्र सरकार की विफलता के विरोध में, किसानों ने भाजपा नेतृत्व के खिलाफ एक अनूठा विरोध शुरू किया और जिले भर में पोस्टर लगाए। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के नेताओं ने याद दिलाया कि भाजपा नेता अरविंद ने न्यायिक बांड के कागज पर वादा भी किया था कि वह केंद्र सरकार पर जीत हासिल करेंगे और 2019 में चुनाव जीतने के पांच दिनों के भीतर हल्दी बोर्ड को मंजूरी दिला देंगे। भाजपा सांसद ने यह भी वादा किया था कि किसानों के हित के लिए हल्दी बोर्ड नहीं मिला तो इस्तीफा दे देंगे। हालांकि, तेलंगाना सरकार और किसानों के बार-बार अनुरोध के बावजूद, केंद्र सरकार अलग-अलग कारणों का हवाला देते हुए अपीलों को खारिज कर रही है। निजामाबाद के सांसद को उनके चुनावी वादे की याद दिलाते हुए, भाजपा का मज़ाक उड़ाने वाले पोस्टर और होर्डिंग्स, 'हल्दी बोर्ड, हमारे निज़ामाबाद सांसद द्वारा लाए गए हल्दी बोर्ड' जिले भर में सामने आए।

हॉस्टल के कमरे में लटका मिला मेडिकल छात्र

निजामाबाद, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। निजामाबाद मेडिकल कॉलेज का एक एमबीबीएस छात्र शुक्रवार सुबह कॉलेज के छात्रावास के कमरे में लटका पाया गया। एमबीबीएस द्वितीय वर्ष का छात्र, सनत पेड्डापल्ली जिले का मूल निवासी था। निजामाबाद टाउन-1 पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच कर रही है।

सीतारामबाग स्थित श्री जगन्नाथ स्वामी मठ में पधारे काशी सुमेरू पीठाधीश्वर पूज्य जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी नरेंद्रानंद सरस्वती महाराज का अभिनंदन करते हुए श्रीनिवास जीयर स्वामी। साथ में हैं जसमत पटेल, आरके जैन व अन्य।

श्याम दीवाने चैरिटेबल ट्रस्ट एवं श्याम दीवाने, मलकपेट द्वारा श्रीराम नवमी पर श्याम बाबा की झाँकी को रथ पर विराजमान कर श्रीराम नवमी शोभा यात्रा के साथ नगर भ्रमण कराया गया। अवसर पर श्याम दिवाने चैरिटेबल ट्रस्ट के परामर्शदाता अरुण डाकोतिया, विजय अग्रवाल, नागेश अग्रवाल, हर्ष गोयनका, राहुल अग्रवाल, ब्रिजेश मोदी आदि उपस्थित रहे। यात्रा के अन्तर्गत अरुण डाकोतिया ने पुलिस कमीश्नर सी.वी. आनन्द सहित अन्य पुलिस अधिकारियों से मुलाकात की।

पुरातन छात्रों को अपने स्कूल कॉलेजों में एक बार जरूर जाना चाहिए : श्याम मोहन

हैदराबाद/जौनपुर, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के प्रख्यात समाज सेवक एवं उत्तर प्रदेश के मूल निवासी युवा उद्यमी श्याम मोहन यादव आज जौनपुर पहुंचे।

श्री यादव ने वर्ष 1995 में बीआरपी इंटर कॉलेज जौनपुर में पढ़ाई की थी। इसी क्रम में आज कॉलेज के परिसर में पहुंचकर प्रधानाचार्य डा सुभाष चन्द्र सिंह से मुलाकात की और कालेज के विकास पर प्रसन्नता जताई। इसी क्रम में शीर्ष उद्योगपति व प्रख्यात समाजसेवी ज्ञान प्रकाश सिंह, केराकत के पूर्व विधायक दिनेश चौधरी आदि से मुलाकात की। गौरतलब है श्याम मोहन यादव तेलंगाना में अपनी टीम के माध्यम से लोगों की मदद करते हैं। खासकर उत्तर प्रदेश और बिहार के लोगों के समस्याओं के समाधान में अहम भूमिका निभाते हैं। जौनपुर भ्रमण के दौरान श्याम मोहन यादव ने कहा कि जनपद से भावनात्मक लगाव है। जौनपुर में अध्ययन करने के कारण यह मुझे घर जैसा लगता है। सभी पुरातन छात्रों को अपने कालेजो, स्कूलों में जाना चाहिए। दूसरे प्रदेशों में उच्च पद पर और व्यवसाय के क्षेत्र में आगे बड़े लोगों को स्कूल कालेजों के विकास में अपना थोड़ा योगदान देना चाहिए और छात्रों को अपनी संघर्ष की कहानी से अवगत कराना चाहिए। उन्होंने कहा कि रोजी रोटी की तलाश में दूसरे प्रदेश में गए हैं उत्तर प्रदेश और बिहार के लोगों को कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। मुंबई ,दिल्ली, सूरत ,तेलंगाना आदि शहरों में रहने वाले हिंदी भाषियों को घर आने के लिए ट्रेनों में टिकट नहीं मिल रहा है। उन्होंने कहा कि हम अपने स्तर से तो लड़ाई मेल सुविधा के लिए लड़ रहे हैं। इस अवसर शिक्षाविद् डॉ. बृजेश यदुवंशी, दिलीप शुक्ला, बबलू यादव, रविकांत यादव, धनंजय पांडे, गोपाल पांडे आदि उपस्थित रहे।

बोईनपल्ली मार्केट यार्ड व्यापारियों ने की दुकानों को हटाने की मांग

हैदराबाद, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बोईनपल्ली मार्केट यार्ड के व्यापारी व्यापारी संघ के अध्यक्ष एवं एएमसी मार्केट बोर्ड बाईपल्ली के निदेशक ए. गौतम जैन के नेतृत्व में मार्केट यार्ड में दो दिन पूर्व अनैतिक रूप से फूड ग्रैन्स एवं ऑईल शॉप अलॉट करने को लेकर व्यापरी समाज काफी रोष प्रकट करते हुए चेरपर्सन श्रीमती हरिका आनंद एवं सेलेक्शन ग्रडे सचिव श्रीनिवास से मुलाकात कर उस दूकान को तुरन्त हटाने की मांग की।

इस अवसर पर चेरपर्सन एवं सेलेक्शन ग्रेड सचिव द्वारा तुरन्त इस विषय में कार्रवाई करने के आश्वासन दिये जाने के बाद पूरा व्यापारी समाज अपने-अपने कार्यों के लिए पहुंचे गये। गौतम जैन ने कहा कि इस बोईनपल्ली मार्केट को सरकार से अलॉट करने में इन्हें काफी मेहनत करनी पड़ी। जिसे वे अपने व्यापारी भाइयों के हित में हमेशा कार्य करते रहेंगे।

इस अवसर पर सोमा देवेंदर रेड्डडी, हरिकृष्णा बंग, महावीर गांधी, पीयूष गोसर, डी. मधुकर, कैलाश चौधरी, राजकुमार अग्रवाल, टी. नरसिम्हा, सुजान कुमार, राजाराम चौधरी, प्रभाकर, रौनक पुनेरिया एवं अन्य व्यापारी भाई उपस्थित थे।

पीएम नरेंद्र मोदी के सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास कार्यों के शुभारंभ के मद्देनजर एससीबी सदस्य जे. रामकृष्णा व दमरे जीएम अरुण कुमार जैन ने दमरे अधिकारियों ने परेड ग्राउंड में व्यवस्था का निरीक्षण किया।

ओपी जालान क्रिकेट प्रतियोगिता 16 अप्रैल से

हैदराबाद, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज तेलंगाना, ओपी जालान क्रिकेट प्रतियोगिता 16 अप्रैल 2023 से विजयानंद क्रीड़ा प्रांगण, आरामघर में होना सुनिश्चित हुआ है। इस प्रतियोगिता में केवल 8 टीमें भाग लेंगी। समाज का कोई भी सदस्य अपनी टीम का रजिस्ट्रेशन करवा सकता है। इच्छुक सदस्य अपनी 13 खिलाडियों की टीम का रजिस्ट्रेशन 3 अप्रैल शाम 5 बजे तक करवा सकता है। खिलाडियों के नाम के लिए समाज ऑफिस में फार्म उपलब्ध कराया जायेगा जो कि शुल्क जमा करके प्राप्त किया जा सकता है। खिलाडियों की उम्र 18 वर्ष से कम नहीं होनी चाहिए। उपरोक्त फार्म भरकर 6 अप्रैल शाम 5 बजे तक स्वीकृत किया जाएगा।

पंचमुखी हनुमान मंदिर, शारदा नगर, वनस्थलीपुरम में श्रीराम नवमी पर भगवान राम और हनुमानजी पर कथा अयोजित की गई। इसमें कमेटी के अध्यक्ष यारगिरी राव, महासचिव एम. सत्यारेड्डी, सलाहकार एन.के. सिंह, मुख्य अतिथि हयातनगर के पार्षद नवजीवन रेड्डी ने भगवान श्रीराम की पूजा अर्चना की।

सनतनगर में रामनवमी पर भगवान श्रीराम की पूजा और दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त करते हुए पूर्व विधायक भाजपा नेता एम. शशिधर रेड्डी, उत्तम सिंह राजपुरोहित, ए. सुरेश, सरदार रणजीत सिंह, श्रीनिवास एवं अन्य।

छतरी राजा बादुर हवेली पर रामनवमी शोभायात्रा में भाग लेने वाले अतिथियों का सांवरीया भक्त मंडल की ओर से सम्मान करते हुए श्याम सुंदर गिलडा, कमल जाजू, धर्माराम ढाका, धरमचंद भंसाली, आंनद सिंह जगदीश अग्रवाल, श्याम परतानी व अन्य।

प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद में हिंदी कार्यशाला का आयोजन

हैदराबाद, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद में एक पूर्ण दिवसीय हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के आरम्भ में अमरजीत कु. राय, स.प्र.(रा.भा.) ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया तथा कार्यशाला की महत्ता एवं रूप रेखा से अवगत कराया। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में कार्यालय प्रधान मुख्य महाप्रबंधक श्रीकर प्रधान की गरिमामई उपस्थिति रहीं। उद्घाटन सत्र में मुख्य महाप्रबंधक ने यह स्पष्ट कहा कि कार्यालय में हिन्दी में कार्य करने की हिचक को दूर करने तथा हिन्दी के प्रयोग को बढ़ाने का लिए यह कार्यशाला अत्यन्त कारगर सिद्ध होगी। उन्होंने मुख्य वक्ता के रूप में पधारे श्री मो. कमालुद्दीन, सहायक निदेशक (रा.भा.) हिन्दी शिक्षण योजना, हैदराबाद का कार्यक्रम में स्वागत किया। प्रथम सत्र में इकाई के राजभाषा अधिकारी श्री अमरजीत कु. राय ने प्रतिभागियों को हिंदी के महत्व बताते हुए राजभाषा के संवैधानिक उपबंधों, नियमों एवं अधिनियमों से अवगत कराया। कार्यशाला के दूसरे सत्र में मुख्य वक्ता मो. कमालुद्दीन, सहायक निदेशक (रा.भा.) ने सर्वप्रथम हिंदी के महत्व के बारे में बताया और संघ सरकार द्वारा हिन्दी के विकाश के लिए किए जा रहे प्रयासों से अवगत कराया। उन्होंने कार्यालय में उपयोग होने वाले प्रशासनिक शब्दावली तथा दैनिक उपयोगी टिप्पणियों पर प्रशिक्षण दिया। इस कार्यशाला में इकाई के विभन्न अनुभागों से कुल 16 पदाधिकारियों / कर्मचारियों ने भाग लिया। कार्यशाला में प्रतिभागियों द्वारा अपने विचार रखते हुए इसे बहुत लाभकारी बताया। अन्त में अमरजीत राय, स.प्र. (रा.भा.) ने उपस्थित प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए कार्यशाला का समापन किया।

पाकिस्तान के वर्ल्ड कप मैचों पर आईसीसी में चर्चा नहीं

पीसीबी बोला-हम केवल एशिया कप के लिए न्यूट्रल वेन्यू पर चर्चा कर रहे, वो भी एसीसी से

लाहौर, 31 मार्च (एजेंसियां)। इस साल अक्टूबर-नवंबर में भारत आईसीसी वनडे वर्ल्ड कप की मेजबानी करेगा। वहीं चर्चा चल रही थी कि वर्ल्ड कप में पाकिस्तान अपने मुकाबले बांग्लादेश में खेलेगा। इस बीच आईसीसी के एक अधिकारी ने बताया कि वर्ल्ड कप में पाकिस्तान के मैच भारत के अलावा किसी और देश में कराने को लेकर अभी तक कोई चर्चा नहीं हुई है।

दरअसल हाल ही में आईसीसी जनरल मैनेजर वसीम खान ने एक वीडियो इंटरव्यू में कहा था कि वर्ल्ड कप में पाकिस्तान के मैच भारत में नहीं, बल्कि बांग्लादेश में खेले जाएंगे। आईसीसी अधिकारी ने इस बयान पर कहा कि हम लोग यह सुन कर अचंभित है। इसका कोई आधार नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि आईसीसी के बैठक में कभी इस पर विचार नहीं किया गया है, क्योंकि वर्ल्ड कप के मेजबानी भारत को सौंपी गई है। साथ ही भारत की ओर से अब तक पाकिस्तान के मैच कहीं और कराए जाने को लेकर किसी ने रिक्वेस्ट नहीं की है।

पिछले हफ्ते की ईएसपीएन क्रिकइन्फो की रिपोर्ट के अनुसार, एशिया कप टूर्नामेंट के ज्यादातर मैच पाकिस्तान में होंगे, लेकिन भारतीय टीम के जितने भी मैच होंगे, उन्हें यूएई, ओमान या श्रीलंका में से किसी एक जगह शिफ्ट कराया जा सकता है। इस बात को लेकर वसीम ने पाकिस्तान के मैच बांग्लादेश या श्रीलंका में कराने की बात कही थी।

एशिया कप सितंबर में

इस बार का एशिया कप सितंबर के शुरुआती सप्ताह में होना है। 13 दिनों तक चलने वाले 6 टीमों के इस टूर्नामेंट में फाइनल समेत कुल 13 मैच होंगे। भारत और पाकिस्तान एक ही ग्रुप में हैं। उनके साथ एक टीम क्वालिफाई करके पहुंचेगी। वहीं श्रीलंका, बांग्लादेश और अफगानिस्तान दूसरे ग्रुप में हैं।

न्यूट्रल वेन्यू पर होंगे भारत के मैच

एशिया कप के शुरुआती स्टेज में भारतीय टीम 2 मैच खेलेगी। एक भी मैच जीतने पर टीम सुपर-4 स्टेज में पहुंचेगी, जहां उसे 3 मैच खेलने होंगे। अगर टीम इंडिया फाइनल में भी पहुंची तो वह टूर्नामेंट में कुल 6 मुकाबले खेलेगी। भारत के फाइनल में पहुंचने की स्थिति में उस मुकाबले को भी न्यूट्रल वेन्यू पर ही शिफ्ट किया जाएगा।

इंग्लैंड का नाम भी न्यूट्रल वेन्यू में शामिल

एशिया कप के लिए न्यूट्रल वेन्यू में फिलहाल यूएई, ओमान और श्रीलंका के अलावा इंग्लैंड का नाम भी सामने आ रहा है क्योंकि इंग्लैंड में भारत-पाक मैच को देखने के लिए भारी मात्रा में दर्शक पहुंचते हैं। हालांकि इंग्लैंड को मेजबानी मिलने की उम्मीद कम ही है, क्योंकि यूएई और ओमान में इससे पहले एशिया कप और आईपीएल के मैच सितंबर के दौरान आयोजित किए जा चुके हैं। ऐसे में एशिया के ही किसी देश को भारत के मैचों की मेजबानी मिलने की उम्मीद है।

जय शाह ने लिया था टीम इंडिया को पाकिस्तान नहीं भेजने का फैसला

पिछले साल अक्टूबर में बीसीसीआई सचिव जय शाह ने पाकिस्तान में एशिया कप होस्ट होने पर निर्णय लिया था कि टीम इंडिया पाकिस्तान नहीं जाएगी। जय शाह के मुताबिक, भारत सुरक्षा कारणों से एशिया कप के लिए पाकिस्तान नहीं जाएगा और टूर्नामेंट किसी न्यूट्रल वेन्यू पर खेला जाएगा।

वनडे वर्ल्ड कप के लिए भारत न आने पर पाकिस्तान की सफाई

पीसीबी बोला—नजम सेठी ने आईसीसी से नहीं की बांग्लादेश में खेलने की बात

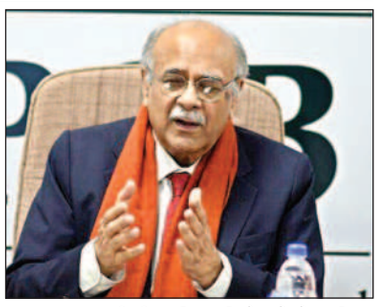

नई दिल्ली, 31 मार्च (एजेंसियां)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने शुक्रवार को स्पष्ट किया कि बोर्ड के अध्यक्ष नजम सेठी ने कभी भी आईसीसी बोर्ड की बैठक में यह विचार नहीं रखा कि बाबर आजम की अगुआई वाली टीम भारत के बजाय बांग्लादेश में अपने विश्व कप मैच खेलने की इच्छुक है। पीटीआई ने 29 मार्च को रिपोर्ट दी थी कि आईसीसी ने इस बात से इन्कार कर दिया था कि आईसीसी फोरम में इस तरह की कोई भी चर्चा हुई थी।

आईसीसी ने साथ ही कहा था कि बांग्लादेश किसी भी विश्व कप मैच की मेजबानी के लिए दावेदार नहीं है क्योंकि बीसीसीआई ने आश्वासन दिया है कि पाकिस्तान टीम के लिए वीजा की समस्या नहीं होगी।

पीसीबी ने क्या कहा?

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने मीडिया रिलीज में कहा, "रावलपिंडी/इस्लामाबाद में गुरुवार को मीडिया से बातचीत को लेकर नजम सेठी ने कहा कि उन्होंने एशिया कप के लिए एसीसी अधिकारियों को पेश किए गए हाईब्रिड मॉडल के बारे में मीडिया को जानकारी दी थी, ताकि गतिरोध खत्म हो सके, जो बीसीसीआई के टीम इंडिया को पाकिस्तान न भेजने के निर्णय के बाद हुआ था।

नजम सेठी ने क्या कहा?

नजम सेठी ने कहा कि मीडिया के एक वर्ग ने उनके बयान को तोड़मरोड़ से पेश किया। सेठी ने रिलीज में कहा, "मीडिया से बातचीत के दौरान गुरुवार को किसी भी स्तर पर मैंने आईसीसी का कोई संदर्भ नहीं दिया या आईसीसी मेंस क्रिकेट वर्ल्ड कप 2023 पर कोई टिप्पणी नहीं की, जो अक्टूबर में होना है।

न्यूजीलैंड से हार के बाद श्रीलंका विश्व कप के लिए सीधा क्वालिफिकेशन चूका

हेमिल्टन, 31 मार्च (एजेंसियां)। श्रीलंका तीसरे और अंतिम वनडे में न्यूजीलैंड से छह विकेट से हारने के बाद पुरुष क्रिकेट विश्व कप सुपर लीग तालिका में आठवां स्थान पाने से चूक गया। श्रीलंका के कप्तान दासुन शनाका ने इस महत्वपूर्ण मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया लेकिन उसके बल्लेबाज न्यूजीलैंड की गति और उछाल के आगे संघर्ष करते रहे।

मैट हेनरी (3/14), हेनरी शिप्ली (3/32) और डेरिल मिचेल (3/32) ने तीन-तीन विकेट लेकर श्रीलंका की बल्लेबाजी को ध्वस्त कर दिया। श्रीलंका की टीम 41.3 ओवर में 157 रन पर लुढ़क गयी। श्रीलंका की तरफ से पथुम निसंका (57), दासुन शनाका (31) और चमिका करुणारत्ने (24) ही कुछ संघर्ष कर पाए। जवाब में न्यूजीलैंड ने अपने तीन विकेट पहले सात ओवरों में ही गंवा दिए। लेकिन विल यंग और हेनरी निकोल्स ने शानदार पारियां खेलते हुए न्यूजीलैंड को छह विकेट से जीत दिला दी। यंग ने नाबाद 86 और निकोल्स ने नाबाद 44 रन बनाये। न्यूजीलैंड ने 32.5 ओवर में चार विकेट पर 159 रन बनाकर मुकाबला जीत लिया। यंग प्लेयर ऑफ द मैच रहे।

न्यूजीलैंड ने तीन मैचों की सीरीज 2-0 से जीती। इस हार से श्रीलंका ने 81 अंकों के साथ अपना अभियान समाप्त किया और वेस्ट इंडीज (88 अंक) से आगे निकलने में असफल रहा। श्रीलंका अब जून में विश्व कप क्वालीफायर खेलने जिम्बाब्वे का दौरा करेगा। न्यूजीलैंड 175 अंकों के साथ तालिका में शीर्ष पर रहा। वेस्ट इंडीज को आठवें स्थान के लिए दक्षिण अफ्रीका (78) और आयरलैंड (68) से खतरा है। दक्षिण अफ्रीका को हॉलैंड से आज से होने वाली दो वनडे मैचों की सीरीज खेलनी है जबकि आयरलैंड मई में बांग्लादेश से तीन मैचों की सीरीज खेलेगा।

'पहले मैच में मारक्रम की अनुपस्थिति में भुवनेश्वर करेंगे कप्तानी'

हैदराबाद, 31 मार्च (एजेंसियां)। भारत के सीनियर तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार दो अप्रैल को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ आईपीएल मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद की कप्तानी करेंगे। भुवनेश्वर नव नियुक्त नियमित कप्तान एडन मारक्रम की अनुपस्थिति में यह जिम्मेदारी संभालेंगे।

मारक्रम की अनुपस्थिति में 2 अप्रैल को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ अपना पहला मैच खेलने वाली सनराइजर्स हैदराबाद की कमान भुवनेश्वर कुमार संभालेंगे। मारक्रम इस समय नीडरलैंड्स के विरुद्ध दो वनडे मैचों की सीरीज के सिलसिले में दक्षिण अफ्रीका में हैं और वह 3 अप्रैल को भारत पहुंचेंगे। यह सीरीज इस साल के अंत में भारत में होने वाले विश्व कप में सीधा प्रवेश पाने के लिए दक्षिण अफ्रीका के 2ष्टिकोण से काफी अहम है। उन्हें बिना किसी ओवर रेट की पेनल्टी के नीदरलैंड्स के विरुद्ध दोनों वनडे मुकाबले जीतने होंगे साथ ही यह उम्मीद भी करनी होगी कि मई महीने में आयरलैंड,

बांग्लादेश के खिलाफ तीन वनडे मैचों की घरेलू सीरीज में कम से कम एक मुकाबला हार जाए।

भुवनेश्वर 2013 से हैदराबाद से जुड़े हुए हैं और पहले भी वह टीम की कमान संभाल चुके हैं। कुल सात मैचों में उन्होंने हैदराबाद की अगुवाई की है, जिसमें 2019 में छह जबकि 2022 में एक मुकाबले में उन्होंने टीम का नेतृत्व किया था। भुवनेश्वर की कप्तानी में हैदराबाद ने दो मुकाबलों में जीत दर्ज की है। पिछले सीजन अंक तालिका को आठवें स्थान पर समाप्त करने के बाद हैदराबाद ने अपनी टीम में बड़े बदलाव किए, जिसमें सबसे बड़े बदलाव के तौर पर उन्होंने केन विलियमसन को रिलीज कर दिया और मारक्रम की नेतृत्व क्षमता पर भरोसा जताया।

एसए20 लीग के पहले सीजन में मारक्रम ने सनराइजर्स ईस्टर्न केप का नेतृत्व किया था। मारक्रम की टीम ने ही इस लीग का खिताब अपने नाम किया। इस टूर्नामेंट में 127 के स्ट्राइक रेट से 369 रन बनाने वाले मारक्रम सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में तीसरे नंबर पर थे, जबकि उन्होंने 6.19 की इकोनॉमी से 11 विकेट भी झटके थे। मारक्रम के अलावा हेनरिक क्लासेन और मार्को यानसन भी पहले मैच में हैदराबाद के लिए अनुपलब्ध रहेंगे। इस लिहाज से अपने पहले मुकाबले से पहले हैदराबाद के पास विदेशी खिलाड़ियों के तौर पर सिर्फ़ पांच विकल्प होंगे। हैदराबाद को अपना दूसरा मुकाबला 7 अप्रैल को लखनऊ के खिलाफ खेलना है।

आईपीएल 2023 : एलएसजी कोच एंडी फ्लावर ने कहा

मोहसिन की चोट टीम के लिए एक बड़ा झटका

लखनऊ, 31 मार्च (एजेंसियां)। लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के मुख्य कोच एंडी फ्लावर का मानना है कि मोहसिन खान की चोट आईपीएल 2023 से पहले उनकी टीम के लिए एक बड़ा झटका है। बाएं हाथ के मध्यम तेज गेंदबाज, मोहसिन के कंधे की चोट के कारण 2023 सीजन के अधिकांश भाग से चूकने की उम्मीद है। एंडी के अनुसार, उनकी अनुपस्थिति उनकी टीम के लिए 'बॉडी ब्लो' है।

एंडी ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा, 'उनका टीम में नहीं होना एक झटका है, इसमें कोई शक नहीं है। हम उम्मीद कर रहे हैं कि वह टूर्नामेंट के अंत में अच्छा प्रदर्शन करेंगे।' हालांकि, एंडी ने माना कि वह शायद इस सीजन में नहीं खेल पाएंगे।

'लेकिन, काफी स्पष्ट रूप से, मैंने उसे चयन विकल्प के रूप में काफी हद तक खारिज कर दिया था और अगर वह टूर्नामेंट के दौरान किसी चरण में फिट हो जाता है, तो मैं इसे एक बोनस के रूप में देखता हूं। लेकिन मैं निश्चित रूप से इसकी उम्मीद नहीं कर रहा हूं।' चाहे हम डैथ ओवरों में कमजोर हों या बीच के ओवरों में, हम जल्द ही इसमें सुधार करेंगे। मुझे नहीं लगता कि यह सही है। हमारा काम उन कुछ रायों के बारे में चिंता करना नहीं है, हमारा काम मैदान पर अच्छा खेलना है।

'मोहसिन पिछले सीजन में शानदार प्रदर्शन करने वाले थे और उन्होंने दिखाया कि कोई भी व्यक्ति कितनी जल्दी कुछ ही हफ्तों में आगे बढ़ सकता है। किसी भी युवा क्रिकेटर के लिए यह रोमांचक है।'

जसप्रीत बुमराह की जगह मुंबई इंडियंस ने संदीप वॉरियर को टीम में किया शामिल

नई दिल्ली, 31 मार्च (एजेंसियां)। मुंबई इंडियंस के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह आईपीएल 2023 में अपनी टीम का हिस्सा नहीं हैं, लेकिन उनकी जगह रोहित शर्मा की टीम में इस सीजन के लिए संदीप वॉरियर को शामिल किया गया है।

वहीं दिल्ली कैपिटल्स टीम ने रिषभ पंत की जगह टीम में अभिषेक पोरेल को शामिल किया है। रिषभ पंत पिछले साल कार दुर्घटना का शिकार हो गए थे जिसकी वजह से उन्हें आईपीएल के इस सीजन से बाहर होना पड़ा था। वहीं जसप्रीत बुमराह के पीठ की सर्जरी हुई है और वो कब तक मैदान पर वापसी करेंगे इसके बारे में ठीक-ठीक कहना जरा मुश्किल है। संदीप वॉरियर के आईपीएल करियर की शुरुआत साल 2019 में हुई थी और इसके बाद साल 2021-22 में वो कोलकाता नाइट राइडर्स टीम का हिस्सा थे। कोलकाता ने उन्हें उनके बेस प्राइस यानी 20 लाख रुपये में खरीदा था। उन्होंने कोलकाता के लिए सिर्फ दो आईपीएल मैच खेले थे, लेकिन उन्हें कोई सफलता नहीं मिली थी।

फिर साल 2022 की मेगा नीलामी में उन्हें कोई खरीदार नहीं मिल पाया था, लेकिन बुमराह के इंजर्ड होने के बाद उनकी किस्मत खुल गई और मुंबई इंडियंस ने उन्हें अपनी टीम में शामिल कर लिया। संदीप वॉरियर ने इस सीजन में घरेलू स्तर पर अच्छा प्रदर्शन किया था और इसकी वजह से उन्हें टीम में मौका मिला। संदीप को मुंबई फ्रेंचाइजी ने इस सीजन के लिए अपने साथ 50 लाख रुपये देकर जोड़ा है।

मुंबई सिटी जमशेदपुर एफसी के खिलाफ एएफसी चैंपियंस लीग क्वालीफायर के लिए कर रही तैयारी

मुंबई, 31 मार्च (एजेंसियां)। रिकॉर्ड तोड़ फैशन में आईएसएल लीग विनर्स शील्ड हासिल करने के बाद मुंबई सिटी एफसी एक और चुनौती : प्रतिष्ठित एएफसी चैंपियंस लीग में ग्रुप स्टेज स्पॉट के लिए क्वालीफाइंग मैच के लिए तैयारी कर रही है।

आइलैंडर्स जमशेदपुर एफसी के खिलाड़ी पिछले सीजन के लीग शील्ड विजेताओं से 4 अप्रैल को मंजेरी, केरल के पय्यानाड स्टेडियम में बहुप्रतीक्षित एकमात्र मैच में भिड़ेंगे। यह मैच निर्धारित करेगा कि किस टीम के पास एशिया की प्रमुख क्लब फुटबॉल प्रतियोगिता के 2023-24 संस्करण में प्रतिस्पर्धा करने का अवसर होगा। अगले हफ्ते के मुकाबले को देखते हुए मुख्य कोच डेस बकिंघम ने एक ऐतिहासिक अभियान के बाद टीम के मनोबल और उनके आगामी आत्मविश्वास के बारे में बात की। बकिंघम ने गुरुवार को एक विज्ञप्ति में कहा, 'मनोबल अच्छा है, हर कोई एक सफल लीग सीजन के पीछे आ रहा है। हमारे पास पुनर्गणना करने के लिए एक संक्षिप्त ब्रेक था और अब टीम फिट और ताजा है। हमारे पास कोई चयन समस्या या चिंता नहीं है। हमारे

पास एक समूह है। खिलाड़ी जो सीजन को खत्म करने के लिए बहुत भूखे हैं, जैसा कि हमने शुरू कि या था।' लगभग 12 महीने पहले मुंबई सिटी एफसी ने भारतीय फुटबॉल इतिहास रचा था, जब वे एएफसी चैंपियंस लीग के ग्रुप स्टेज में एक गेम जीतने वाले पहले भारतीय क्लब बने थे। बकिंघम की टीम के लिए ड्रॉ के साथ एक दूसरी जीत हुई, क्योंकि आइलैंडर्स अपने समूह में सात अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहे। पिछले सीजन में महाद्वीपीय फुटबॉल का स्वाद चखने के बाद 38 वर्षीय रणनीतिज्ञ निश्चित हैं कि उनके खिलाड़ियों में एएफसी चैंपियंस लीग के लिए एक बार फिर से 2023-24 टूर्नामेंट के अंतिम संस्करण के साथ अपना टिकट सुनिश्चित करने की 'भूख' होगी। 40 टीमों के साथ अपने वर्तमान प्रारूप में प्रतियोगिता का।

अंग्रेज ने कहा, हम पिछले साल जो हासिल कर सके, वह निश्चित रूप से भूख पैदा करता है, यह अच्छी तरह से जानते हुए कि यह कुछ वर्षों के लिए आखिरी बार हो सकता है जब कोई भारतीय पक्ष प्रतिस्पर्धा के इस स्तर पर जाता है।

नस्लवादी टिप्पणी

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान को 12 साल बाद मिली राहत, सभी आरोप खारिज

, 31 मार्च (एजेंसियां)। इंग्लैंड टीम के पूर्व कप्तान माइकल वॉन पर लगे नस्लवाद के आरोप अब खत्म हो गए हैं। एक अनुशासनात्मक पैनल ने उनके ऊपर लगे नस्लवाद के आरोपों को खाजिर कर दिया है। इस दिग्गज पर आरोप था कि 'उन्होंने साल 2009 में यॉर्कशायर टीम में शामिल एशियाई मूल के खिलाड़ियों के समूह के प्रति नस्लीय टिप्पणी की थी। इस मामले में वॉन को 12 साल बाद राहत मिली है। माइकल वॉन ने 31 मार्च 2023 यानी आज खुद जानकारी देते हुए कहा कि 'इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड के अनुशासन आयोग ने उन्हें नस्लभेदी और भेदभावपूर्ण भाषा का इस्तेमाल करने के आरोप में बरी कर दिया है।' लंदन में इस मामले की सुनवाई हुई, जिसके तीन सदस्यीय पैनल ने अपना फैसला सुनाते हुए वॉन को बरी कर दिया है।

महिला फुटबॉल लीग में 16 टीमों को दो ग्रुपों में बांटा गया, एआईएफएफ ने निकाला ड्रॉ

नई दिल्ली, 31 मार्च (एजेंसियां)। महिला फुटबॉल लीग (आईडब्ल्यूएल) के लिए 16 टीमों को दो ग्रुपों में बांटा गया है। बृहस्पतिवार को अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ (एआईएफएफ)के ऑफिस में निकाले गए ड्रॉ में दोनों ग्रुपों में पहले चार स्थान पर रहने वाली टीमों को क्वार्टर फाइनल में प्रवेश मिलेगा। एआईएफएफ के महासचिव शाजी प्रभाकरन के अनुसार 25 अप्रैल से शुरू हो रही लीग की पहली आठ टीमें अगले वर्ष होने वाली लीग के लिए क्वालिफाई करेंगी। दोनों ग्रुपों में शामिल टीमें इस प्रकार हैं।

ग्रुप ए : गोकुलम केरला एफसी, माता रुकमणि एफसी, होप्स एफसी, मिसाका यूनाइटेड एफसी, कहानी एफसी, ईस्ट बंगाल एफसी, स्पोर्टस ओडिशा, मुंबई नाइट्स एफसी।

ग्रुप बी : सेतु एफसी, किकस्टार्ट्स एफसी, सेल्टिक क्वींस एफसी, ईस्टर्न स्पोर्टिंग यूनियन, सीआरपीएफ एफसी, चर्चिल ब्रदर्स एफसी, लॉडर्स एफए कोच्चि, ओडिशा एफसी।

अफ्रीका कप ऑफ नेशंस की तारीखों की पुष्टि

काहिरा, 31 मार्च (एजेंसियां)। अफ्रीकी फुटबॉल परिसंघ (सीएएफ) ने घोषणा की है कि अफ्रीका कप आफ नेशंस (एएफसीओएन) कोटे डी आइवर 2023 का आयोजन 13 जनवरी से 11 फरवरी, 2024 तक किया जाएगा। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, सीएएफ ने एक बयान में कहा कि एएफसीओएन दूसरी बार कोटे डी आइवर में वापसी करेगा। सेनेगल ने अफ्रीका की शीर्ष अंतरराष्ट्रीय महाद्वीपीय चैंपियनशिप का पिछला संस्करण जीता था।

जगन के खिलाफ 'आपत्तिजनक' सोशल मीडिया पोस्ट करने के आरोप में व्यक्ति गिरफ्तार

अमरावती, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश पुलिस ने मुख्यमंत्री वाई.एस. जगन मोहन रेड्डी और सत्तारूढ़ दल के अन्य नेताओं के खिलाफ

सोशल मीडिया पर अपमानजनक संदेश पोस्ट करने के लिए कृष्णा जिले के गन्नवरम के पोंडुरी कोटिरत्नम अंजन (34) को गिरफ्तार किया। हालांकि, उन्हें गुरुवार शाम एक स्थानीय अदालत ने जमानत पर रिहा कर दिया।

पुलिस ने उसके खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 153ए के तहत मामला दर्ज किया है। यह कहते हुए कि आरोपी सोशल मीडिया पर सरकार को बदनाम करने वाले संदेश पोस्ट कर रहा है और विभिन्न समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा दे रहा है, पुलिस ने उसे एक न्यायाधीश के सामने पेश किया। हालांकि, जज ने उसे रिमांड पर भेजने से इनकार कर दिया और पुलिस को पूछताछ के लिए नोटिस जारी करने को कहा। पुलिस ने उसके मोबाइल फोन और लैपटॉप को जब्त कर लिया है, और उसे जांच के लिए फॉरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला भेज दिया है। अमेरिका में एमएस करने वाले और 2015 में भारत लौटने से पहले तीन साल तक वहां एक कंपनी में काम करने वाले अंजन को पुलिस ने बुधवार को गन्नवरम स्थित उसके घर से उठा लिया। उन्हें वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) के एक स्थानीय कार्यकर्ता की शिकायत पर गिरफ्तार किया गया। वह कथित तौर पर विपक्षी टीडीपी के पक्ष में संदेश पोस्ट कर रहे थे और वाईएसआरसीपी नेताओं को निशाना बना रहे थे। पुलिस ने उससे पूछताछ की कि क्या वह किसी तेदेपानेता के इशारे पर ऐसा कर रहा है। उस शख्स ने दावा किया कि वह खुद मैसेज पोस्ट कर रहा था। पुलिस ने कहा कि वे आरोपी के खिलाफ साइबरबुली शीट दर्ज करेंगे और लगातार निगरानी रखेंगे।

बारिश से हैदराबाद में आयी प्रदूषण में कमी, लोगों को मिली स्वस्थ हवा

हैदराबाद, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद ने इस महीने लगातार पांच दिनों तक रिकॉर्ड तोड़ बारिश के रूप में प्रदूषण संकट से बहुत जरूरी राहत देखी। बारिश के देवता महीनों से हवा में मौजूद हानिकारक प्रदूषकों को आंशिक रूप से धोने के लिए पर्याप्त रहे, जिससे पीएम 2.5 और पीएम 10 के स्तर में भारी गिरावट आई, जिससे हमारी आंखों, नाक और गले में जलन हो सकती है। पीएम 2.5 अधिक खतरनाक है क्योंकि यह हमारे फेफड़ों और रक्तप्रवाह में गहराई तक प्रवेश कर सकता है। वास्तव में, ये कण अत्यधिक प्रदूषित क्षेत्रों में रहने वाले लोगों में श्वसन संबंधी बीमारियों और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं के मुख्य कारणों में से एक हैं। वे क्षेत्र जो कभी अपने उच्च स्तर के प्रदूषण के लिए जाने जाते थे, जैसे कि नेहरू जूलॉजिकल पार्क, सनतनगर और बोलाराम में वायु गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार देखा गया। बारिश थमने के बाद भी पीएम 2.5 का स्तर अनुमेय सीमा से नीचे बना हुआ है।

पीएम 2.5 का मानक स्तर 60 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर है, जबकि पीएम 10 का मानक स्तर 100 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर है। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा एकत्र किए गए आंकड़ों के अनुसार, 18 मार्च को चिड़ियाघर पार्क के आसपास के क्षेत्र में पीएम 2.5 का स्तर 45.92 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर था। 19 मार्च को यह और भी गिरकर 36.55 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर रह गया। बारिश रुकने के बाद भी, पीएम 2.5 का स्तर 28 मार्च को 39.75 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर पर अनुमेय सीमा के नीचे रहा। सनतनगर में इसी तरह की कमी देखी गई, पीएम 2.5 का स्तर 18 मार्च को 33.13 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर से गिरकर 19 मार्च को 30.75 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर और 20 मार्च को 38.7 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर हो गया। बारिश ने केंद्रीय विश्वविद्यालय क्षेत्र को भी आशीर्वाद दिया, जहां पीएम 2.5 स्तर 25 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर से नीचे रहने के साथ हवा की गुणवत्ता सबसे ताज़ा थी। 19 मार्च को यह 14.91 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर जितना कम था। यह प्रवृत्ति 28 मार्च तक जारी रही, पीएम 2.5 का स्तर 28.31 दर्ज किया गया। पाटनचेरु, न्यू मालकपेट, पाशामिलाराम, कोमपल्ली, नाचराम और सोमाजीगुडा सहित अन्य इलाकों में भी प्रदूषण के स्तर में कमी देखी गई है।

मंत्रियों ने डॉ. अंबेडकर की 125 फीट ऊंची कांस्य प्रतिमा के कार्यों का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मंत्री हरीश राव, प्रशांत रेड्डी, कोप्पुला ईश्वर, महमूद अली और श्रीनिवास यादव, जीएचएमसी के मेयर गद्वाल विजयलक्ष्मी ने शुक्रवार को डॉ. अंबेडकर की 125 फुट ऊंची और 45 फुट चौड़ी कांस्य प्रतिमा के चल रहे कार्यों का निरीक्षण किया। शहर में टैंक बंड नेकलेस रोड मार्ग पर आकार ले रहा है। जैसा कि मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने 14 अप्रैल को डॉ बी.आर.अम्बेडकर की जयंती के अवसर पर प्रतिमा का अनावरण करने का निर्णय लिया है, मंत्रियों ने चल रहे कार्यों का निरीक्षण किया। मंत्री निर्माण क्षेत्र में घूमे और 100 बैठने की क्षमता वाले एम्फीथिएटर के कार्यों का भी निरीक्षण किया, जो प्रतिमा के नीचे बनाया जा रहा है। उन्होंने प्रतिमा के परिसर में किए जा रहे भूनिर्माण और अन्य नागरिक कार्यों की प्रगति के बारे में भी जानकारी ली। प्रतिमा के निर्माण के अलावा, परिसर में लैंडस्केप एरिया, रॉक गार्डन, वृक्षारोपण, डिज़ाइन किए गए बलुआ पत्थर के पोल और मुख्य प्रवेश द्वार, ग्रेनाइट फर्श और नवीनतम ऑडियो और वीडियो उपकरण सहित अन्य सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। इस अवसर पर अधिकारियों को चल रहे कार्यों में तेजी लाने और उन्हें निर्धारित अवधि में पूरा करने के लिए कदम उठाने के निर्देश दिए।

माओवादी एक्शन टीम कमांडर ने किया सरेंडर

मुलुगु, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) पार्टी के एक एक्शन टीम कमांडर और एरिया कमेटी सदस्य मिडियम जोगैया उर्फ जंगू उर्फ जोगालू (26) ने शुक्रवार को यहां एएसपी (ऑपरेशन) अशोक कुमार के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। उसके सिर पर 4 लाख रुपये का इनाम था। वह वेंकटपुर मंडल के रहने वाले हैं।

पुलिस के अनुसार, वह पुजारी कांकेर रिवोल्यूशनरी पीपल्स कमेटी के तत्कालीन मिलिशिया कमांडर सोदी नरसिंह राव के प्रभाव में आया और 2016 में भाकपा माओवादी में शामिल हो गया। शुरुआत में, उसने दिसंबर 2017 तक नरसिंहराव के नेतृत्व में मिलिशिया में काम किया और उन्हें पार्टी सदस्य के रूप में पदोन्नत किया गया और चेरला स्पेशल गुरिल्ला स्क्वाड (एसजीएस) में स्थानांतरित कर दिया गया। उन्होंने एसजीएस में अक्टूबर 2020 तक काम किया, और उसी साल उन्हें एरिया कमेटी के सदस्य के रूप में पदोन्नत किया गया और वरिष्ठ नेता दामोदर की सुरक्षा टीम में स्थानांतरित कर दिया गया। बाद में, उन्हें एक सदस्य के रूप में 'एक्शन टीम' में ले लिया गया और गैरकानूनी पार्टी की तेलंगाना स्टेट कमेटी के एक्शन टीम कमांडर के रूप में पदोन्नत किया गया और अगस्त 2022 तक एक्शन टीम कमांडर के रूप में जारी रखा गया।

पुलिस ने कहा कि आत्मसमर्पण करने वाला नक्सली कई नागरिकों की हत्याओं और पुलिस के साथ मुठभेड़ में शामिल था, और जिले में वेंकटपुरम, वज़ीदु, तदवई, चेरला और एडुला बयाराम पुलिस थानों की सीमा के तहत विभिन्न चरमपंथी अपराधों में भी शामिल था।

एएसपी ने कहा कि भाकपा माओवादी की विचारधारा, भारी काम के बोझ, भोजन में निचले कैडरों के साथ भेदभाव और उनकी अंधाधुंध पिटाई से परेशान होकर, उन्होंने सामान्य जीवन जीने के लिए पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। एएसपी ने कहा कि सरकार पुनर्वास उपायों के तहत जोगैया को सभी लाभों को सुनिश्चित करेगी।

सड़क हादसे में मॉडल स्कूल की शिक्षक की मौत

करीमनगर, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के बाहरी इलाके में सिरसिल्ला बाईपास रोड पर शुक्रवार सुबह एक सड़क दुर्घटना में एक मॉडल स्कूल की शिक्षिका रजिता की मौत हो गई। यह घटना तब हुई जब राजिता के दोपहिया वाहन को कंक्रीट मिक्सर लॉरी ने कुचल दिया। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। अलकापुरी कॉलोनी, करीमनगर कस्बे की रहने वाली, रजीता, राजन्ना-सिरसिला जिले के इलंदाकुंटा मंडल, रहीमखानपेट मॉडल स्कूल में गणित की शिक्षिका (पीजीटी) थीं। पुलिस ने कहा कि हालांकि उसने हेलमेट पहना था, लेकिन उसकी मौके पर ही मौत हो गई। करीमनगर टाउन-II पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। शव को जिला मुख्यालय अस्पताल ले जाया गया।

भद्राद्री में भगवान राम के पट्टाभिषेक का भव्य आयोजन

भद्राचलम, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। भगवान राम का 'पट्टाभिषेक' (राज्याभिषेक) समारोह शुक्रवार को यहां 'दक्षिण अयोध्या' के नाम से प्रसिद्ध श्री सीता रामचंद्र स्वामी मंदिर में भव्य तरीके से किया गया। समारोह मुख्य मंदिर परिसर स्थित मिथिला स्टेडियम में हुआ।

पुजारी वैदिक मंत्रोच्चार के बीच मुख्य मंदिर से उत्सव के देवताओं को स्टेडियम में लाए और पारंपरिक तरीके से राज्याभिषेक कार्यक्रम किया। राज्याभिषेक समारोह करने वाले वरिष्ठ पुजारी केई स्थलसाई के मार्गदर्शन में पुजारी अमरवादी विजयराघवन और पोदिचेती सीतारामानुज चार्युलु ने भक्तों को इसका महत्व बताया। इस अवसर पर भगवान रामचिंतकु पटकम, तलवार, स्वर्ण छाता और स्वर्ण 'पादुकालु' जैसे आभूषणों से सुशोभित थे। भगवान अंजनेय मोतियों की माला से सुशोभित थे। कार्यक्रम से पूर्व पुजारियों ने मुख्य मंदिर में विशेष पूजा अर्चना की। राज्यपाल डॉ. तमिलिसाई सुंदरराजन समारोह में शामिल हुईं और पीठासीन देवता को रेशमी वस्त्र भेंट किए। समारोह में आदिवासी कल्याण मंत्री सत्यवती राठौड़ भी शामिल हुईं। मंदिर के कार्यकारी अधिकारी रमादेवी और अन्य भी उपस्थित थे।

पूरा स्मार्ट सिटी मिशन जल्द काम करेगा : पी. प्रविन्या

वारंगल, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। महापौर गुंडू सुधरानी और जीडब्ल्यूएमसी प्रभारी आयुक्त पी. प्रविन्या ने शुक्रवार को यहां स्मार्ट सिटी मिशन (एससीएम) के तहत किए गए कार्यों की प्रगति की समीक्षा की और अधिकारियों से गुणवत्ता से समझौता किए बिना जल्द से जल्द काम पूरा करने के लिए कदम उठाने को कहा।

बैठक को संबोधित करते हुए आयुक्त ने कहा कि एससीएम के तहत 948.55 करोड़ रुपये की लागत से 66 विकास कार्य कराये गये. इनमें से 27 कार्य पहले ही पूरे हो चुके थे और शेष 39 प्रगति के विभिन्न चरणों में है। एससीएम द्वारा किए गए कार्यों में एकीकृत कमांड कंट्रोल सेंटर, वड्डेपल्ली टैंक बांध विकास, भद्रकाली बांध का जोन डी विकास, शहर के पांच भव्य प्रवेश द्वार, उर्सु गुट्टा टैंक बांध विकास, एफएसटीपी और एसटीपी, कचरा हस्तांतरण स्टेशन, स्मार्ट सड़कें और अन्य शामिल हैं। नालों पर पुलिया निर्माण और सड़कों के चौड़ीकरण में यदि कोई बाधा है, तो नगर नियोजन अधिकारियों को समन्वय से उनका समाधान करना चाहिए। हम बिना देरी किए ठेकेदारों को बिलों का भुगतान कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि पुस्तकालयों के आधुनिकीकरण के तहत प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों की सुविधा के लिए तत्काल क्षेत्रीय और केंद्रीय पुस्तकालय में आरएफआईडी टैग के साथ ई-पुस्तकें उपलब्ध करायी जानी चाहिए। बैठक में जीडब्ल्यूएमसी एसई प्रवीण चंद्र, स्मार्ट सिटी पीएमसी आनंद वोलेटी, सिटी प्लानर वेंकन्ना, सीएचओ श्रीनिवास राव, ईई राजैया, संजय कुमार, कुडा ईई भीम राव और अन्य शामिल हुए।

नौकरी छूटने के डर से सॉफ्टवेयर इंजीनियर ने दे दी जान

हैदराबाद, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मणिकोंडा के पुप्पलगुडा में कथित तौर पर अपनी नौकरी खोने से परेशान एक सॉफ्टवेयर कर्मचारी की आत्महत्या से मौत हो गई, पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। विनोद कुमार, शहर की एक प्रतिष्ठित सॉफ्टवेयर कंपनी का कर्मचारी, कथित तौर पर व्यवसाय के तनाव और अपनी नौकरी खोने से परेशान था। विनोद ने परिजनों की गैरमौजूदगी में अपने कमरे में पंखे से फांसी लगा ली। वह आंध्र प्रदेश के गुंटूर के मूल निवासी थे और उनकी शादी पांच साल पहले हुई थी। नरसिंगी पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच कर रही है।

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

विश्व के सर्वप्रथम गोल्ड मेडलिस्ट
अब तक परेशान क्यों ?
कोई भी पंडित, तांत्रिक, बाबा हम से पहले काम करके दिखाये मुँहमांगा ईनाम पाये
हजारो के दुखो को खुशी में बदलने वाले
बाबा साबिर खान बंगाली
जैसे पति-पत्नी मे झगड़ा, सौतन व दुश्मन से छुटकारा, मनचाहा प्यार, गृहक्लेश, विदेश यात्रा, जादू-टोना, AtoZ समस्याओ का तुरंत समाधान पाये।
9810940158
स्पे० वशीकरण व मुठकरनी

मेदक में 413 धान खरीदी केंद्र बनाए जाएंगे : कलेक्टर

मेदक, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। कलेक्टर राजर्षि शाह ने कहा कि राज्य सरकार अप्रैल के तीसरे सप्ताह में यासंगी धान की फसल की खरीद के लिए मेदक जिले में 413 धान खरीद केंद्र स्थापित करेगी। शुक्रवार को यहां अधिकारियों के साथ बैठक के दौरान कलेक्टर ने कहा कि वे 5.24 लाख मीट्रिक टन धान की फसल की उम्मीद कर रहे थे क्योंकि किसानों ने 94,000 हेक्टेयर में धान की खेती की है। प्राथमिक कृषि समितियां जहां 290 खरीद केंद्र खोलेगी, वहीं आईकेपी महिलाएं 110 और केंद्र खोलेगी। जिला सहकारी एवं विपणन समिति एवं कृषक उत्पादक संगठन क्रमश: 8 एवं 5 उपार्जन केन्द्र खोलेंगे। इस बीच, शाह ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे गांव-वार आंकड़े लेकर आएं, ताकि वे खरीद केंद्रों पर जरूरत के हिसाब से उचित व्यवस्था कर सकें। यह कहते हुए कि उन्हें इस यासंगी धान की खरीद के लिए 1.50 करोड़ बारदानों की आवश्यकता होगी, उन्होंने कहा कि उनके पास अब तक 75 लाख बोरे थे। कलेक्टर ने राइस मिलर्स को चावल मिलों में बिना किसी रुकावट के धान की बोरियों को उतारने के लिए 40 से 50 हमाली लगाने को कहा। डीएसओ श्रीनिवास, कृषि अधिकारी आशा कुमारी, डीसीओ करुणा सहित अन्य मौजूद रहे।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.